RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 176
लखनऊ, रविवार, 18 अप्रैल, 2021
पृष्ठ 8+4 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

बस खेलो
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

कुंभ से भागीदारी खत्म करने का जूना अखाड़े का ऐलान

● बाकी बचे कुंभ को सांकेतिक रूप से संपन्न करने के पीएम के अनुरोध को माना

● महामंडलेश्वर ने कहा- भारत की जनता और उसके जीवन को बचाना हमारी पहली प्राथमिकता

प्रधानमंत्री की अपील का असर

हरिद्वार में चल रहे कुंभ में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते हर की पैड़ी पर गिने-चुने श्रद्धालु ही दिखाई दिए

पायनियर समाचार सेवा। हरिद्वार/नई दिल्ली

बढ़ते कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुंभ मेले के बाकी बचे हिस्से को सांकेतिक रखने की अपील के बाद जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने शनिवार को अखाड़े के लिए महाकुंभ के औपचारिक समापन का ऐलान कर दिया।

पंच दश नाम जूना अखाड़ा 13 अखाड़ों में सबसे बड़ा है। स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि कुंभ के बाकी बचे शाही स्नान को 27 अप्रैल को सांकेतिक रूप से संपन्न किया जाएगा। बाद में ट्वीट किया कि भारत की जनता और उसके जीवन को बचाना हमारी पहली प्राथमिकता है। हिंदी में किए गए ट्वीट में प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैंने अनुरोध किया है कि दो शाही स्नान हो चुके हैं और कुंभ (भागीदारी) को अब संकेतात्मक रखना चाहिए। इससे इस संकट से लड़ने में मदद मिलेगी।' मोदी ने कहा सभी साधु-संत प्रशासन के साथ सहयोग कर रहे हैं और उन्होंने संतों के इस कदम के लिए आभार जताया। पिछले दो हफ्तों में कुंभ में भाग लेने वाले हजारों लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और करीब एक दर्जन साधु-संत संक्रमण से जान गंवा चुके हैं। देश में जंगल की आग की तरह फैल रही कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान इस विशाल धार्मिक जमावड़े को अनुमति देने को लेकर देश और विदेश में जमकर आलोचना हो रही थी। इससे पहले मीडिया को संबोधित करते हुए गिरि ने कहा कि पीएम ने उन्हें फोन कर कुंभ मेले तथा संतों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। पीएम ने यह भी अनुरोध किया कि चूंकि मुख्य शाही स्नाना समाप्त हो चुका है लिहाजा कुंभ अब सांकेतिक रूप में चले।

जूना अखाड़ा प्रमुख ने कहा कि उनका देश भर में फैले श्रद्धालुओं से आग्रह है कि वे सीमित संख्या में हरिद्वार आए। साथ ही उन्होंने कहा कि बाकी शाही स्नान सांकेतिक रूप में होगा। बाकी स्नान मुख्य रूप से बैरागी अखाड़ों को करना है। इससे पहले निरंजनी अखाड़े ने बढ़ते कोरोना मामलों के मद्देनजर 17 अप्रैल को अपने साधुओं से उनके गंतव्य को लौट जाने को कहा था। आनंद अखाड़ा ने भी उसका समर्थन किया था। 12 अप्रैल को सोमवती अमावस्या तथा 14 अप्रैल को मेष संक्रांति के मौके पर दो शाही स्नान में 48.51 लाख लोगों ने भाग लिया था। इस दौरान फेस्क मास्क पहनने, सोशल डिस्टेंसिंग जैसे कोविड नियमों का खुला उल्लंघन किया गया था। भरपूर कोशिशों के बावजूद पुलिस दोनों शाही स्नानों के मौके पर अखाड़ा के संतों पर मानक संचालन प्रक्रिया लागू नहीं कर पाई। इस बार कुंभ के आयोजन को पहले ही एक माह का करते हुए 1 से 30 अप्रैल तक आयोजित किया गया था। 12 सालों में एक बार आने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन सामान्य स्थितियों में जनवरी मध्य से अप्रैल तक किया जाता है। इस बीच, मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने भी ट्वीट कर प्रधानमंत्री के ट्वीट का समर्थन करते हुए बाकी कुंभ मेले को सांकेतिक तौर पर मनाने का अनुरोध किया।

कुंभ से लौटने वालों का कोरोना टेस्ट अनिवार्य

● कई राज्यों ने आरटी-पीसीआर टेस्ट के साथ क्वॉरंटीन करने के दिए आदेश

राजेश कुमार। नई दिल्ली

देशभर में तेजी से फैलते कोरोना संक्रमण को देखते हुए कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात सहित कई राज्यों ने कुंभ से लौटने वालों के लिए कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। कुछ राज्यों ने कहा है कि हरिद्वार कुंभ से आने वालों को पहले क्वॉरंटीन किया जाएगा। हरिद्वार में कुंभ मेले में आए हजारों श्रद्धालु और सैकड़ों साधु कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। अकेले शनिवार को ही कुंभ मेले में भाग लेने वाले 175 साधुओं में कोरोना की पुष्टि हुई है। बड़े पैमाने पर कोरोना केस मिलने से कुंभ मेला विवादों में घिर गया है और कहा जा रहा है कि यह एक सुपरस्प्रेडर हो सकता है, क्योंकि बड़ी संख्या में यहां से कोरोना पॉजिटिव होकर लोग अपने घरों को लौट गए हैं और उनकी जांच भी नहीं हुई है। कर्नाटक, मध्य (शेष पेज 7)

35 घंटे के कोरोना कर्फ्यू के लिए दिशा-निर्देश जारी

● इस दौरान चलता रहेगा उद्योगों का पहिया ● शादियां भी होंगी लेकिन बंद स्थान पर 50 लोग और खुले में 100 लोग हो सकेंगे शामिल ● परिवहन की सुविधा भी जारी रहेगी, राज्य परिवहन की बसे 50 प्रतिशत क्षमता के साथ चलेंगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार आज शनिवार की रात आठ बजे से सोमवार सुबह सात बजे तक 35 घंटे तक लगने वाले कोरोना कर्फ्यू में मजदूरों को बड़ी राहत देने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान कोई भी इंडस्ट्री बंद नहीं रहेगी।

मजदूरों को किसी प्रकार की समस्या न आए इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। श्रमिकों को उनके कार्यस्थलों पर आने.जाने के लिये कोई रोक.टोक नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए यह भी कहा है कि बीमारी से बचाव के इंतजामो के साथ-साथ सरकार का बड़ा काम श्रमिकों के रोजी-रोजगार का भी पूरा ध्यान रखना है। इसलिये कोरोना कर्फ्यू के दौरान मजूदरों, श्रमिकों को किसी प्रकार की समस्या न आए इसका पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने सख्ती से कहा है कि (शेष पेज 7)

36 घंटे का ऑक्सीजन बैकअप रखें: योगी

लखनऊ। कोरोना के बिगड़ते हालात और संक्रमितों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न्यूनतम 36 घंटे का आक्सीजन बैकअप रखने के निर्देश दिये हैं। सीएम ने यह भी निर्देश दिये कि किसी भी जीवन रक्षक औषधि तथा होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों के मेडिकल किट की दवाओं में कोई कमी न होने पाये। मुख्यमंत्री शनिवार को वर्चुअल माध्यम से कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आक्सीजन की आपूर्ति को और बेहतर करने के लिए अलग.अलग स्थानों पर 10 नये आक्सीजन प्लाण्ट स्थापित किये जाएंगे। इस कार्य में (शेष पेज 7)

षष्ठं कात्यायनी

चंद्रहासोज्वलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्यादेवी दानवघातिनी॥

नवरात्र में छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जाती है। इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है। उसके रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं। जन्मों के समस्त पाप भी नष्ट हो जाते हैं। इस देवी को नवरात्र में छठे दिन पूजा जाता है। कात्य गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यायन ने भगवती पराम्बा की उपासना की। कठिन तपस्या की। उनकी इच्छा थी कि उन्हें पुत्री प्राप्त हो। मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। इसलिए यह देवी कात्यायनी कहलाईं। इनका गुण शोधकार्य है। इसीलिए इस वैज्ञानिक युग में कात्यायनी का महत्व सर्वाधिक हो जाता है। इनकी कृपा से ही सारे कार्य पूरे जो जाते हैं। यह वैद्यनाथ नामक स्थान पर प्रकट होकर पूजी गईं।

किसानों से केंद्र सरकार फिर शुरू करे बातचीत: दुष्यंत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/चंडीगढ़

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने तीन नए कृषि कानूनों को लेकर चल रहे किसान आंदोलन पर चिंता जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र को लिखा हैं। पत्र के जरिए डिप्टी सीएम ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि लंबे समय से आंदोलनरत किसान संगठनों की मांगों पर समाधान के लिए केंद्र सरकार व किसानों संगठनों के बीच दोबारा बातचीत शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार किसान संगठनों से चर्चा के लिए तीन से चार वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों की एक कमेटी बनाए ताकि किसानों की मांगों पर जल्द सौहार्दपूर्ण समाधान हो। डिप्टी सीएम ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि किसान आंदोलन का लंबा चलना चिंता का विषय है क्योंकि हमारा अन्नदाता तीन नए कृषि कानूनों को लेकर सौ दिनों से अधिक दिल्ली की सीमाओं पर (शेष पेज 7)

पीजीआई के कोविड अस्पताल में प्लांट से होगी आक्सीजन आपूर्ति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान में लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया है। इस प्लांट से अब एसजीपीजीआई के कोविड अस्पताल में आक्सीजन की सप्लाई होगी। पीजीआई में लगे इस प्लांट ने काम करना भी शुरू कर दिया है। इससे मरीजों को अब आक्सीजन की कमी से जूझना नहीं होगा। इसका उद्घाटन आज संजय गांधी पीजीआई के निदेशक प्रो. आरके धीमान द्वारा किया गया।

अभी तक कोविड अस्पताल में सिलेंडर सिस्टम से ऑक्सीजन सप्लाई दी जा रही थी, जिसमें लगभग 600 सिलेंडर प्रतिदिन की खपत हो रही थी। अब 20000 लीटर क्षमता के इस लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट से, जिसे लिडें इंडिया लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है, मरीजों को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध हो पाएगी और ऑक्सीजन का पर्याप्त स्टॉक भी बना रहेगा। पूरे यूपी के विभिन्न अस्पतालों से आक्सीजन की कमी से मरीजों की मौत की खबरें

सामने आ रही थीं। वहीं राजधानी लखनऊ का हाल भी बुरा था। कोरोना संक्रमण में चुंकि वायरस फेफड़ों में ही संक्रमण करता है।

इसलिए मरीज को सांस लेने में दिक्कत होती है। ऐसे में सीएम योगी ने इस मसले को काफी गंभीरता से लिया और अधिकारियों को निर्देश भी जारी किए थे। इसके बाद अधिकारी एक्शन में आ गए और शनिवार को लखनऊ में सबसे पहले एसजीपीजीआई में इस प्लांट को लगा दिया गया। इस आक्सीजन प्लांट के अलावा राजधानी लखनऊ के दूसरे सरकारी अस्पतालों में भी आक्सीजन प्लांट लगाने पर योगी सरकार तेजी से विचार कर रही है।

सूबे में कोरोना से 120 की मौत, 27357 नए केस

● लखनऊ में 5913 नए पॉजिटिव, 36 की गई जान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कोरोना मरीजों की संख्या और मौत के आंकड़ों में लगातार इजाफा होता जा रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोरोना से 120 लोगों की मौत हो गई जबकि 27357 नए केस सामने आए हैं। प्रदेश की राजधानी लखनऊ पूरी तरह से कोरोना का हॉटस्पॉट बनी हुई है। अकेले लखनऊ में 36 लोगों की जान चली गई जबकि कोरोना के 5913 नए पॉजिटिव मरीज मिले हैं।

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बीते 24 घंटों के दौरान कानपुर नगर में 1826, प्रयागराज में 1977, वाराणसी में 1664, गाजियाबाद में 250, गौतम बुद्ध नगर में 402, गोरखपुर में 723, मेरठ में 748, बरेली में 577, झांसी में 703, मुरादाबाद में 663, आगरा में 384, अलीगढ़ में 95, सहारनपुर में 314, मुजफ्फरनगर में 395, बलिया में 508, बाराबंकी में 396, लखीमपुर खीरी में 436, अयोध्या में 202,

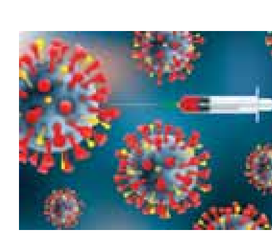

जौनपुर में 435, मथुरा में 134, देवरिया में 333, रायबरेली में 367, आजमगढ़ में 322, शाहजहांपुर में 128, बुलंदशहर में 228, हरदोई में 145, सोनभद्र में 343, गाजीपुर में 276, इटावा में 140, प्रतापगढ़ में 206, चंदौली में 143, सुल्तानपुर में 293, कुशीनगर में 140, गोंडा में 216, महाराजगंज में 84, रामपुर में 65, बस्ती में 165, सीतापुर में 203, उन्नाव में 185, फर्रूखाबाद में 189, बिजनौर में 221, ललितपुर में 225, बांदा में 140, मिर्जापुर में 346, बहराइच में 188, अमरोहा में 262, हापुड़ में 120, बदायूं में 191, जालौन में 123, फिरोजाबाद में 91, औरैया में 244, सिद्धार्थनगर में 106, पीलीभीत में 28, फतेहपुर में 111, मैनपुरी में 145, अमेठी में 147, शामली में 76, कन्नौज में 234, संत कबीर नगर में 63, मऊ में 124, संभल में 119, भदोही में (शेष पेज 7)

डीजीपी, एसीएस सूचना व लखनऊ के डीएम भी हुए कोविड पॉजिटिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राजधानी में कोरोना का कहर लगातार जारी है इसकी चपेट में अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाद प्रदेश के डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल और डीएम अभिषेक प्रकाश भी आ गए हैं।

तीनों अधिकारियों ने अपनी कोविड.19 रिपोर्ट पॉजिटिव निकलने के बाद खुद को होम आइसोलेट कर लिया है। वहीं अभिषेक प्रकाश के स्वस्थ होने तक सचिव भूतत्व खनिकर्म व निदेशक रोशन जैकब को लखनऊ का कार्यवाहक डीएम नियुक्त किया गया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ हर अवसर पर दिखने वाले और उनकी टीम 11 के प्रमुख सदस्य अपर मुख्य सचिव सूचना ने बीते बृहस्पतिवार को शुरुआती लक्षणों पर कॉविड 19 की जांच कराई थी। पांच अप्रैल को (शेष पेज 7)

रौशन जैकब ने संभाला डीएम लखनऊ का प्रभार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सचिव भूतत्व एवं विकास प्राधिकरण की सचिव डॉ. रौशन जैकब को लखनऊ का जिलाधिकारी पद संभालने को कहा गया है। वर्तमान डीएम कोविड पॉजिटिव होने के बाद होम आईसोलेट हो गए हैं, जिसके बाद यह उत्तरदायित्व उन्हें सौंपा गया है। डॉ. रौशन जैकब ने डीएम लखनऊ और एलडीए के वीसी का प्रभार संभाल लिया है।

लालू प्रसाद यादव की रिहाई का रास्ता साफ

● झारखंड हाईकोर्ट ने दुमका कोषागार मामले में दी जमानत

पायनियर समाचार सेवा। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को करोड़ों रुपए के चारा घोटाले में दुमका कोषागार से गबन के मामले में शनिवार को करीब चालीस माह बाद जमानत दे दी। अदालत ने उन्हें दस लाख रुपए जुर्माने की राशि जमा करने, विदेश नहीं जाने और मोबाइल नंबर नहीं बदलने की शर्त के साथ एक-एक लाख रुपए के दो निजी मुचलकों पर जमानत दी है।

उनका अभी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में न्यायिक हिरासत में इलाज चल रहा है। न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने केन्द्रीय जांच ब्यूरो के विरोध

लालू प्रसाद यादव की फाइल फोटो

को दरकिनार करते हुए लालू प्रसाद को जमानत दे दी। लालू देवघर कोषागार से लगभग 89 लाख रुपए की राशि के गबन के आरोप में यहां सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा 23 दिसंबर 2017 को दोषी ठहराए जाने के बाद से जेल में थे।

सोमवार को सीबीआई की विशेष अदालत में जमानत बांड, निजी मुचलके आदि की प्रक्रिया पूरी कर लेने पर उनके रिहा हो जाने की संभावना है क्योंकि चारा घोटाले के अन्य तीन मामलों में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी है। लालू के स्थानीय अधिवक्ता देवर्षि मंडल ने कहा कि लालू की रिहाई के लिए सभी आवश्यक कार्वाई सोमवार को सीबीआई अदालत खुलने पर पूरी कर लिए जाने की संभावना है।

अदालत में शनिवार को सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से केन्द्र सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता राजीव सिन्हा ने लालू प्रसाद को फिलहाल जमानत देने का यह कह कर विरोध किया कि दुमका कोषागार मामले में उन्हें 14 वर्ष की जेल की सजा सुनाई है लिहाजा जमानत के लिए आधी सजा पूरी करने का आधार तभी माना जाएगा जब लालू इस मामले में न्यायिक हिरासत में सात वर्ष की अवधि पूरी कर लेंगे। लालू की ओर से दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सीबीआई की दलील का विरोध किया और कहा कि 19 फरवरी को उच्च न्यायालय ने (शेष पेज 7)

जीवनरक्षक रेमडेसिविर की कीमतों में भारी कटौती

● सरकारी हस्तक्षेप के बाद दवा कंपनियों ने इंजेक्शन के दाम कम किए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या के बाद पूरे देश में एंटी-वायरल दवा रेमडेसिविर की मांग में बढ़ोतरी को देखते हुए केंद्र सरकार ने शनिवार को 2,450 रुपये में मिलने वाले इंजेक्शन की कीमत में कटौती कर आधा कर दिया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के क्लीनिकल मैनजमेंट प्रोटोकॉल के तहत कोविड-19 के गंभीर मरीजों को बचाने के लिए रेमडेसिविर का उपयोग किया जा सकता है। दवा कंपनी केडिला हेल्थकेयर, डॉ.

रेड्डीज लैबोरेटरीज और सिप्ला ने रेमडेसिविर इंजेक्शन (100 मिग्रा की शीशी) के अपने अपने ब्रांड के दाम कम किए हैं। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री सदानंद गौडा ने दवा कंपनियों द्वारा उठाये गये इस कदम पर प्रसन्नता जाहिर की है।

ट्वीट कर उन्होंने कहा कि इस नाजुक समय में यह लोगों के लिए बड़ी राहत है। सरकार के हस्तक्षेप के बाद रेमडेसिविर के दाम अब कम हुए हैं। मैं औषधि कंपनियों का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोविड-19 के खिलाफ जारी लड़ाई में साथ दिया है। रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री मनसुख एल मंडाविया ने भी ट्वीटर पर लिखा कि सरकार के हस्तक्षेप के चलते रेमेडेसिवीर के मूल्य कम कर दिए गए हैं। मैं औषधि कंपनियों का आभारी हूं कि उन्होंने कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने में सरकार का साथ दिया है। इस बीच, महाराष्ट्र में रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलबधता को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता नवाब मलिक और केंद्रीय राज्यमंत्री मनसुख मांडाविया के बीच शब्द बाण चल गये। मलिक ने अलग अलग ट्वीट में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विभिन्न निर्यातोन्मुखी इकाइयों को उनकी दवा को देश में बेचने की अनुमति नहीं दे रही है। वहीं मांडाविया ने उनके आरोपों को पूरी सख्ती के साथ खारिज करते हुये कहा कि सरकार दवा का उत्पादन दुगुना करने के लिये हर संभव प्रयास कर रही है।

मरीजों को राहत

कंपनी का नाम	ब्रांड	पूर्व मूल्य	वर्तमान मूल्य
कैडिला हेल्थकेयर	रेमडैक	2,800 रुपये	899 रुपये
सिंजीन इंटरनेशनल	रेमविन	3950 रुपये	2,450 रुपये
डॉ. रेड्डीज लैब	रेडिक्स	5,400 रुपये	2,700 रुपये
सिप्ला	सिप्रेमी	4,000 रुपय	3,000 रुपये
माइलान	डेसरेम	4,800 रुपये	3,400 रुपये
जुबिलैंट जेनेरिक्स	जुबी-आर	4,700 रुपये	3,400 रुपये
हेट्रो हेल्थकेयर	कोवीफॉर	5,400 रुपये	3,490 रुपये

बाजार

सेंसेक्स	48,832	
निफ्टी	14,617	
सोना	46,431	/10g
चांदी	67,460	/kg

क्विक न्यूज

पश्चिम बंगाल में पांचवें चरण में भारी मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के पांचवें चरण में शनिवार को हिंसा की घटनाओं और एक प्रत्याशी पर हमले के बीच 78 प्रतिशत से ज्यादा मतदान दर्ज किया गया। निर्वाचन आयोग ने कहा कि दक्षिण बंगाल के उत्तर 24 परगना, पूर्वी बर्धमान और नादिया जिले तथा उत्तर के जलपाईगुड़ी, दार्जीलिंग व कलिम्पोंग जिलों में फैली 45 सीटों पर हो रहे चुनावों में शाम पांच बजे तक 1.13 करोड़ मतदाताओं में से 78.09 प्रतिशत ने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। सबसे ज्यादा 81.73 प्रतिशत मतदान जलपाईगुड़ी जिले में देखने को मिला।

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 18 अप्रैल, 2021

पाठक बन गए लेखक

पाठक को लेखक बनना काफी भारी पड़ गया है। कानूनी किताब पढ़ते-पढ़ते अचानक पाठक का दिमाग खुल गया। सोचा मैं ही क्यों पाठक बनके पढ़ता रहता हूं। अब मैं कुछ ऐसा लिखूंगा कि लोग मुझे पढ़ें। फिर क्या था। अचानक पाठक लेखक बन गए और उन्होंने लिख डाला एक ऐसा सारगर्भित लेख जिसमें वह अपने आप को भी नकारा साबित कर रहे थे। उनके द्वारा लिखा गया लेख उसी प्रकार था जैसे कभी किसी व्यक्ति को किसी महात्मा ने ऐसी डाल को काटते देखा था जिस पर वह स्वयं ही बैठा हुआ था। लोग समझ नहीं पा रहे थे आखिर पाठक को ऐसा क्या हुआ जो उनको इस तरह का लेख लिखने की जरूरत पड़ गई। सब कुछ तो ठीक है फिर क्यों उन्होंने अपनी ही कलम से अपनी व्यवस्था को ही नकारा साबित कर दिया। काफी मशक्कत के बाद पता लगा कि सही में पाठक जी केवल पाठक बनकर ही रह गए हैं। उनके कलम की ताकत पूरी तरह खत्म कर दी गई है। शायद उनको इसी बात का मलाल था और इसीलिए उन्होंने बगैर कुछ सोचे समझे ही अपने आप को लेखक बना डाला। जो उन पर काफी भारी पड़ा। इसकी कीमत वह अब वह किस्तों में चुका रहे हैं पहली किस्त जारी करवाई जा चुकी है।

जनता कर्फ्यू

ग्लोबल बीमारी के रूप में पहचान बना चुकी महामारी इन दिनों अपने चरम पर है।। रोजाना हजारों की संख्या में मिल रहे इस वायरस के मरीजों ने लोगों में खौफ भर दिया है।। आलम यह है कि हर आदमी की सांस दहशत में अटकी पड़ी है। इस बार मरीजों की संख्या ने सभी सरकारी तैयारियों को पीछे छोड़ दिया। स्थिति यह है कि गली, मुहल्ले, बाजार संक्रमण से पटे पड़े हैं। ऐसे में लोग राहत के नाम पर सरकार की तरफ टकटकी लगाए पड़े हैं मगर सरकार की तरफ से संकेत न मिलने पर जनता ने ही जनता कर्फ्यू लगा दिया है। जनता कर्फ्यू के चलते बाजारों में सन्नाटा पड़ा है और लोग सीमित तौर पर ही जरूरी काम के लिए निकल रहे हैं। इन हालातों को देख कर अब तो यही बात निकल रही है कि काश हम पहले से सतर्क होते तो जनता कर्फ्यू की स्थिति न आती।

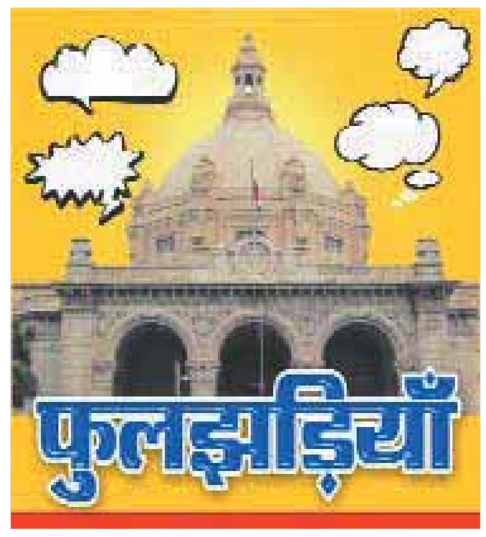

मुर्गा बांग नहीं देगा तो...

यूपी में पंचायत चुनाव क्या शुरू हुए आयोग में एक साहब के भाव इतने ज्यादा बढ़ गए कि इन्होंने अपने अधीनस्थ और अपने वरिष्ठों को तवज्जो देना एकदम से बंद कर दिया। साहब का आलम यह है कि वह अगर नहीं चाहेंगे प्रदेश में चुनाव सही तरीके से नहीं हो पाएगा लेकिन एक कहावत कही गई है बड़ा बोल कभी न बोले और फिर साहब इस महामारी चपेट में आ गए और लंबी छुट्टी पर चले गए। उनकी गैर मौजूदगी में भी प्रथम चरण के तहत चुनाव की प्रक्रिया पूरी हुई आयोग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली। चलो जो लोग ज्यादा आत्मविश्वास से भरे थे कि उनके बिना चुनाव नहीं हो पाएगा उन्हें थोड़ा राहत जरूर मिली होगी। उधर आयोग के बड़े साहब भी कह रहे हैं कि अब चुनाव पूरा निपटा कर ही दम लिया जाएगा क्योंकि साहब टेलीकॉम सर्विस से आयोग में आए हैं इसलिए वह इंटरनेट संबंधी जानकारी ठीक-ठाक रखते हैं और इसी जानकारी के बल पर वह अभी तक आयोग में टिके हुए हैं। इस जानकारी का लाभ उठाते हुए साहब ने आयोग में जमकर दोहन किया अब जब सारी पोल पट्टी खुल रही है तो सबकी आंखें चकाचौंध हुई जा रही हैं।

कब लगेगा लॉक डाउन

बढ़ते कोरोना महामारी से परेशान लोग अधिकारियों, प्रतिनिधियों को जमकर कोसते दिख रहे हैं। बड़ा बड़ा दावा करने वाले सरकार के नुमाइंदे अब नहीं दिखाई दे रहे हैं। शहर की प्रथम महिला मुखिया कोरेंटाइन में हैं तो वहीं बड़े साहब भी आइसोलेट हो गए हैं। तो अब शहर किस के भरोसे चलेगा। आखिर अपनों को खोने वालों का गम बांटने वाला कोई तो होना चाहिए। ऐसे में नाराज लोग सरकार के प्रतिनिधियों से पूछ रहे हैं, लॉक डाउन सरकार क्यों नहीं लगा रही है। जब सब बर्बाद और खत्म हो जाएगा, तबका इंतजार कर रही है सरकार। गुस्सा और नाराजगी इतनी है कि लोग स्वयं अपनी व्यवस्था कर रहे हैं, चाहे लकड़ी लाने की बात हो या सैनिटाइजेशन। दबे जुबान पदाधिकारी व नेता भी सरकार की बड़ी चूक मान रहे हैं। न मुखिया, बड़े साहब के हालता नहीं सभल रहे हैं। बिना हालात संभलें, लोगों को राहत मिलने वाली नहीं। ऐसा तांडव कभी नहीं देखा गया, आलम यह है कि व्यापारियों और जनता ने स्वयं लॉकडाउन लगाकर अपनी जान बचाने में जुटे हुए हैं। अब बताओं भला जब मुखिया, नौकरशाह ही घरों में बंद हो गए तो बचता कौन हैं। आनन फानन में कुछ नेता अपनी विकास निधि से कुछ धनराशि देकर लोगों की नाराजगी कम करने में जुटे हुए हैं।

बेकाबू मोबाइल

खाकी महकमे की स्पेशल यूनिट के गुडवर्क जेल महकमे के अधिकारियों को लगातार परेशान किए हुए हैं। अब हकीकत चाहे जो भी हो लेकिन इतना जरूर है की स्पेशल यूनिट के खुलासों के बाद जेल महकमे के अफसर सफाई देते नजर आते हैं। दरअसल जेलों में सबसे बड़ी शिकायत यहां निरुद्ध अपराधियों द्वारा मोबाइल फोन से आपराधिक गतिविधियों का संचालन करने की रहती है। जेलों से लगातार वायरल हो रहे वीडियो के बाद दो साल पहले भगवा सरकार ने बंदियों वाले महकमे के तत्कालीन मुखिया को हटाकर ब्यूरोक्रेसी में एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रखने वाले आईपीएस को यहां की बागडोर सौंपी थी। उन्होंने आते ही सख्ती दिखाई और ऐसे नियम कानून लागू किए कि बंदियों की कौन कहे जेल अफसरों तक के मोबाइल फोन यूज करने पर पाबंदी लग गई। महकमे के मुखिया व अन्य अधिकारी जेल से मोबाइल के प्रयोग पर पूरी तरह से अंकुश लगने का लगातार दावा करते नहीं थकते और स्पेशल यूनिट आए दिन कोई न कोई ऐसा खुलासा कर देती है जिसका सीधा संबंध अपराधी द्वारा जेल के अंदर से मोबाइल फोन संचालित करने से ही होता है। अभी दो दिन पहले फिर एक ऐसा ही वाक्या हुआ। स्पेशल यूनिट ने पूर्वांचल के एक बीजेपी नेता की हत्या की तैयारी कर रहे तीन अपराधियों को दबोच लिया। उनसे हुई पूछताछ के बाद खुलासा किया कि हत्या की साजिश नक्सली बेल्ट की एक जेल में निरूद्ध अपराधी द्वारा मोबाइल फोन के जरिए रची गई। बस इसी के बाद से एक बार फिर जेल महकमे के अधिकारी चकरघिन्नी बने हुए हैं।

बंदियों को कोरोना के प्रकोप से बचाने के लिए फिर अस्थाई जेलों की दरकार

- जेल अफसरों ने सभी जिलों के प्रशासन से की अस्थाई कारागारों की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने व पहले से क्रियाशील अस्थाई कारागारों को बंद न किए जाने का अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की 72 स्थाई जेलों में निरुद्ध 112290 बंदियों को कोरोना की दूसरी लहर के प्रकोप से बचाने के लिए एक बार फिर अस्थाई जेलों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। पूर्व में स्थापित की गई ज्यादातर अस्थाई जेलें अब बंद हो चुकी हैं। जिस वजह से नए आने वाले कैदियों को सीधे स्थाई जेल में प्रवेश दिया जा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डीजी जेल आनंद कुमार ने सभी जेल अधीक्षकों को पत्र लिखकर जिला प्रशासन से संपर्क कर सभी अस्थाई जेलें प्रारंभ कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने जेलों में कोरोना टीकाकरण जारी रखने का आदेश भी दिया है।

कोरोना के संक्रमण को स्थायी जेलों में पहुंचने से रोकने के लिए मार्च 2020 के लॉकडाउन में शुरुआती दिनों में ही शासन के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन के सहयोग से व्यापक प्रबंध किए गए थे। प्रदेश के कुल 64 जिलों की स्थाई जेलों में निरुद्ध बन्दियों को संक्रमण से बचाने के लिए कुल 83 अस्थाई कारागारों का निर्माण किया गया था। जिनमे नए आने वाले बन्दियों को 14 दिन रखकर उनका कोविड टेस्ट कराकर निगेटिव आने पर ही स्थाई जेलों में भेजा जाता था । अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए स्थाई जेल में भी इनको 14 दिन कोरेण्टाइन बैरक में रखने के बाद सामान्य बन्दियों के साथ रखा जाता था। ये अस्थाई कारागारे प्राय: कोरोना काल में बंद हुए स्कूल कॉलेजों, हॉस्टलों, चिकित्सालयों आदि में बनाई गईं थीं। लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद जैसे बड़े. बड़े जिलों में तो एक से अधिक अस्थाई कारागारें भी बनाई गईं थीं।

जेलों में युद्धस्तर पर बन्दियों ने दिन रात कुल 27 लाख से अधिक मास्क ,3000 से ज़्यादा पीपीई किट बनाये जो जेलों में बन्दियों को निशुल्क दिए गए। इसके अलावा जेलों की अपनी आवश्यकता के लिए कुछ जेलों ने सैनिटाइजर भी बनाया। तब प्रदेश में मास्क की उपलब्धता आवश्यकता से कम थी अत: सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं को भी लागत मूल्य पर मास्क और पीपीई किट दिया गया। इतनी सतर्कता और एहतियात बरतने का बहुत अच्छा परिणाम निकला एक भी बन्दी कोरोना संक्रमण से नहीं मरा।

किन्तु कालांतर में कोरोना के संक्रमण के कम होने पर स्कूल कॉलेजों के खुल जाने पर अस्थाई जेलों को जिला प्रशासन द्वारा बंद किया जाने लगा और नए बन्दियों को सीधे जेलों में दाखिल करके आइसोलेशन में रखा जाने लगा जो अब तक जारी है। एक समय ऐसा भी आया जब 11 फरवरी 2021 की स्थिति के अनुसार मात्र 35 अस्थाई कारागारें क्रियाशील रह गईं जिनमें 4319 बंदी निरुद्ध रहे। हालांकि इस बीच जेल अधीक्षकों द्वारा स्थाई जेलों को कोरोना से बचाने के लिए जिला प्रशासन से निरंतर अस्थाई कारागारों की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और पहले से क्रियाशील अस्थाई कारागारों को बंद न किये जाने का अनुरोध भी किया जाता रहा। ये अस्थाई कारागारें एक एक कर बन्द होते हुए वर्तमान में 43 जिलों में मात्र 48 अस्थाई कारागारें क्रियाशील हैं और उनमें लगभग 3500 बन्दी निरुद्ध हैं।

कारागार मुख्यालय के प्रवक्ता संतोष कुमार वर्मा के अनुसार पहले के मुकाबले यह दूसरी लहर जितनी घातक और तेजी से फैलने वाली है, उसे दृष्टिगत रखते हुए तत्काल प्रदेश के शेष सभी जिलों में अस्थाई कारागारों की स्थापना अपरिहार्य है। इसके लिए पुलिस महानिदेशक कारागार आनन्द कुमार द्वारा 13 अप्रैल 2021 को सभी जेल अधीक्षकों को संबंधित जिला प्रशासन से सम्पर्क करके अस्थाई कारागारों को प्रारंभ कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। यही नहीं जेलों में पूर्व की भांति मास्क, सैनिटाइजर निर्मित करने , बन्दियों को आयुर्वेदिक काढ़ा देने और उनमें प्रतिरक्षी क्षमता की बृद्धि के लिए नियमित योगाभ्यास कराने और हर हाल में बन्दियों और जेल स्टाफ की कोरोना से सुरक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

अपर मुख्य सचिव (गृह) द्वारा भी स्थाई जेल के बन्दियों को संक्रमण से बचाने के लिए नए बन्दियों को अस्थाई कारागारों में रखने तथा अस्थाई कारागारों में निरुद्ध बन्दियों की कोविड टेस्टिंग कराने और न्यायालयों में बन्दियों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा कराए जाने की व्यवस्था से सम्बंधित पत्र अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवम स्वास्थ्य व सभी जिलाधिकारियों और अन्य संबंधित अधिकारियों को भेजा गया है।

विदित हो कि 23 मार्च 2020 के लाकडाउन से ही बन्दियों और परिजनों की मुलाकात बन्द है। इस अवधि में उनके धैर्य और संयम का ही परिणाम है कि देश की जेलों में निरुद्ध कुल बन्दी संख्या का एक चौथाई संख्या वाली यूपी की सभी 72 जेलों में बन्दी कोरोना से सुरक्षित हैं। 45 वर्ष से ऊपर के कुल 23432 बन्दी वर्तमान में निरुद्ध हैं जिनमे से 16,144 बन्दियों को टीके की डोज़ दी जा चुकी है। शेष बन्दियों का टीकाकरण नियमित रूप से जारी है। वर्तमान में प्रदेश की जेलों में कुल 1,12,290 बन्दी निरुद्ध हैं। मार्च 2020 के लॉक डाउन से अब तक कुल 492829 बन्दियों का कोविड टेस्ट हो चुका है। नए बन्दियों का नियमित रूप से टेस्ट कराया जा रहा है।

केशव ने प्रयागराज को 1 करोड़ व कौशांबी को 50 लाख रु. की धनराशि दी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कोविड.19 महामारी के बचाव से संबंधित आरटीपीसीआर जांच के लिए अस्थाई केंद्र बनाने ,ऑक्सीमीटर उपलब्ध कराने, होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को दवाई और ऑक्सीजन उपलब्ध कराने आदि की व्यवस्था हेतु अपनी विधायक निधि से जनपद प्रयागराज के लिए रु. एक करोड़ की धनराशि व जनपद कौशांबी के लिए रु0 50 लाख की धनराशि अवमुक्त करने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज को दिए है। उन्होने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि दिए गए दिशा.निर्देशों के अनुरूप समस्त आवश्यक कार्यवाही व व्यवस्था ससमय सुनिश्चित की जाए।

कोरोना की वजह से देश विषम परिस्थितियों से गुजर रहा: यशवंत

- दो गज दूरी और मास्क जरूरी ही वर्तमान में राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर को सच्ची श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक, विधानपरिषद उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ सदस्य यशवंत सिंह ने कहा है कि कोरोना की वजह से देश विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है। इससे निपटने के लिए देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मजबूती से साथ दे। उन्होंने कहा है कि आज की विषम परिस्थिति में यह किसी दल की नहीं, देश की जरूरत है। इसलिए इसे लेकर कोई मतभेद नहीं होना चाहिए। राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर की जयंती के अवसर पर शनिवार को चन्द्रशेखर चबूतरा (दारुलशफा, लखनऊ) पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक, विधानपरिषद उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ सदस्य यशवंत सिंह ने कहा कि बीमार होने के बाद भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस महामारी को निष्प्रभावी करने के लिए जूझ रहे हैं। उनके इस संकल्प की जितनी भी तारीफ की जाए, कम है। आपस में दो गज की दूरी और मास्क जरूरी को स्वत: जरूरी करके हमलोग भी इस महामारी को निष्प्रभावी करने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। हम लोगों की इसी भूमिका की आज देश को सर्वाधिक जरूरत है। यही राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर को वर्तमान में सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि इससे चूका गया तो इसका खामियाजा हम लोगों को निजीतौर पर भी भुगतना होगा और देश को भी। यदि ऐसा होता है तो इतिहास हमें कभी क्षमा नहीं करेगा।

अगर प्रदेश को बचाना है तो अधिकतम आरटीपीसीआर करिए: प्रियंका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर कहा है कि यूपी में 10 दिन के अंदर कोरोना संक्रमण सात गुना हो गया। अब ये गांवों की ओर भी बढ़ रहा है। प्रियंका ने कहा कि शहरों में टेस्ट की भयानक कमी है और उनमें से आरटीपीसीआर आधे से भी कम हो रहा है। बाकी एंटीजन टेस्ट हो रहे। उन्होंने कहा कि लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद, बनारस, इलाहाबाद में भी टेस्ट में वेटिंग है। प्रियंका ने राज्य सरकार को सलाह दी है कि अगर प्रदेश को बचाना है तो अधिकतम आरटीपीसीआर करिए।

प्रदेश की स्थिति पर केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए: संजय सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा है कि पूरा देश कोरोना से कराह रहा है। यूपी में स्थिति सबसे खराब हो गई है। लोगों इलाज के बिना दम तोड़ रहे है, मगर योगी सरकार व्यवस्था सुधारने की जगह श्मशान में सच छिपाने में जुटी हुई है। उत्तर प्रदेश की जनता अस्पतालों में अपना दम तोड़ रही है। उनके परिजन इलाज के लिए, ऑक्सीजन के लिए, बेड के लिए दर.दर की ठोकरें खा रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ पूरी तरह से फेल हो चुके हैं। प्रदेश की स्थिति पर केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। संजय सिंह ने शनिवार को पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यूपी की जिस जनता ने लाइन लगाकर मोदी जी की सरकार बनाई आज वो श्मशानों में लाइन लगाने को मजबूर है। देश को दुखदाई हालात में आइसोलेशन में छोड़कर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री लापता हैं। आप नेता ने महामारी में जारी चुनावी रैलियों पर मोदी.शाह को आड़े हाथों लिया। संजय सिंह ने कहा कि ऐसे हालात में जनता के जान की चिंता करने की जगह प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को चुनाव की फ़िक्र सता रही है। संजय सिंह ने यूपी की तस्वीर बयां करते हुए जिलों में कोरोना जांच हो पाने की समस्या उठाई। अम्बेडकरनगर के एक मामले का जिक्र किया, जिसमें जांच हो पाने के कारण फेफड़ा फेल होने के बाद भी मरीज को मेडिकल कॉलेज में वेंटिलेटर नहीं मिल पाया। कहा कि तमाम जिलों से अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर न मिलने की खबरें आ रही हैं।

चंद्रशेखर सदैव सोशलिस्ट बने रहे: दीपक मिश्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी (लोहिया) ने भारतीय गणराज्य के राष्ट्रपति रहे शिक्षाविद सर्वपल्ली राधाकृष्णन की पुण्यतिथि व प्रधानमंत्री रहे चंद्रशेखर की जयंती के उपलक्ष्य में दोनों विभूतियों को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व, कृतित्व व अवदान पर परिचर्चा का आयोजन किया। सर्वपल्ली द्वारा स्थापित व लोकसभाध्यक्ष की अध्यक्षता वाली भारत की शीर्ष थिंक टैंक संस्था सांविधानिक व संसदीय अध्ययन संस्थान के सदस्य दीपक मिश्र ने कहा कि सर्वपल्ली द्वारा प्रतिपादित हिंदुत्व का दर्शन मूलत: सर्व समावेशी व समाजवाद का पुट लिए हुए है। सर्वपल्ली ने अपनी पुस्तक धर्म और समाज में समाजवाद को राष्ट्र की नैतिक आवश्यकता बताया है। सर्पल्ली के अनुसार भारत का सतत व समावेशी विकास समाजवाद के स्वाभाविक सिद्धान्त से ही संभव है । श्री मिश्र ने कहा कि भारत के लिए गोलवलकर द्वारा प्रतिपादित साम्प्रदायिक व संकुचित हिंदुत्व की बजाय सर्वपल्ली का समावेशी हिंदुत्व बेहतर है। श्री मिश्र चंद्रशेखर को प्रतिबद्ध समाजवादी व आचार्य नरेंद्रदेव का शिष्य बताते हुए कहा कि वे सदैव समाजवाद की राह चले। उनका घर देश व विदेश के घोषित समाजवादियों का मिलन स्थल था।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत प्रेषण मण्डल-द्वितीय उ0 प्र0 पावर ट्रांसमीशन कारपोरेशन लिमिटेड, 57-जार्ज टाउन, प्रयागराज। **ई-निविदा संख्या-03-11/2021-2022** प्रतिष्ठित एवं ई-निविदा में पंजीकृत/अनुभवी फर्मों/ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं/निर्माताओं से निम्नलिखित कार्यों/सामग्री की आपूर्ति हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। ई-निविदायें उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर स्वीकार की जायेंगी। **(1) अल्पकालीन ई-निविदा संख्या-03-ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021-2022:-** - 132 के0वी0 उपकेन्द्र जी0आई0एस0 ओल्ड पावर हाउस पर वार्षिक अनुरक्षण एवं परिचालन के कार्य हेतु। **(2) अल्पकालीन ई-निविदा संख्या-04-ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021-2022:-** 132 के0वी0 उपकेन्द्र कोरांव पर बे बनाने के कार्य हेतु। **अल्पकालीन ई-निविदा संख्या 03-04 दिनांक 03.05.2021 को खोली जायेंगी। (3) अल्पकालीन ई-निविदा संख्या-05-ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021- 2022:-** 132 के0वी0 उपकेन्द्र करछना पर 40एम0वी0ए0 परिवर्तक लगाने के कार्य हेतु। **(4) अल्पकालीन ई-निविदा संख्या-06-ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021-2022:-** 132 के0वी0 उपकेन्द्र कोरांव पर 40 एम0वी0ए0 परिवर्तक लगाने के कार्य हेतु। **अल्पकालीन ई-निविदा संख्या 05-06 दिनांक 07.5.2021 को खोली जायेंगी। (5) ई-निविदा संख्या-07-ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021-2022:-** 132 के0वी0 उपकेन्द्र नैनी काम्पलैक्स पर वार्षिक अनुरक्षण के कार्य हेतु। **(6) ई-निविदा संख्या-08-ई0टी0सी0द्वि0प्र0 /2021-2022:-**132 केएवी0 उपकेन्द्र यमुना पम्प कैनाल पर वार्षिक अनुरक्षण के कार्य हेतु। **ई-निविदा संख्या 07-08 दिनांक 18.05.2021 को खोली जायेंगी। (7) ई-निविदा संख्या-09-ई0टी0सी0द्वि0प्र0/ 2021-2022:-** 132 के0वी0 उपकेन्द्र मेजा रोड पर 250 के0वी0ए0 स्टेशन ट्रासंफार्मर के मरम्मत के कार्य हेतु। **(8) ई-निविदा संख्या-10-ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021-2022:--** विद्युत प्रेषण खण्ड-तृतीय प्रयागराज के अधीन उपकेन्द्रों पर 33के0वी0 उपकरणों को बदलने के कार्य हेतु। **(9) ई-निविदा संख्या-11-ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021-2022:-** 132 के0वी0 उपकेन्द्र मेजा रोड पर अर्थिंग के कार्य हेतु। **ई-निविदा संख्या 09-11 दिनांक 21.05.2021 को खोली जायेंगी।** (यदि निविदा खुलने की तिथि को अवकाश पड़ जाता है तो निविदायें अगले कार्य दिवस पर नियत समय एवं नियत स्थान पर खोली जायेंगी) ई-निविदा जमा करने की तिथि तक विवरण के लिए/डाउनलोड के लिए/किसी प्रकार के सुधार/संशोधन/परिवर्तन के लिए कृपया उ.प्र. सरकार की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर जायें। **अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत प्रेषण मण्डल-द्वितीय, 57-जार्ज टाउन, प्रयागराज।** पत्रांक-805-वि0प्रे0मं0द्वि0 ।प्र ।/टेण्डर नोटिस दिनांक :- 17.04.2021 "राष्ट्र हित में बिजली बचायें"।

सी.एम.एस. छात्रा बनी चैम्पियन: लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज (प्रथम कैम्पस) की कक्षा-8 की छात्रा अक्षरा तथागत ने इण्टरनेशनल ऑनलाइन एबेकस कम्पटीशन में चैम्पियन का खिताब अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सूच्य हो कि मैंने अपने बड़े पुत्र आर्यन शुक्ला उर्फ शेरा को उसका चाल-चलन ठीक न होने के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब से उसके किसी भी कृत्य व लेन-देन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोक. ार नहीं रहेगा। निर्मल शुक्ला पुत्र लल्लूराम निवासी-799, संतनगर पूर्वी, कस्बा, थाना व तहसील-सिधौली, जनपद सीतापुर

कोरोना संकट में लाचार बनी है सरकार: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की कार्य और नीतिगत विफलताओं और मुख्यमंत्री के प्रशासन पर नियंत्रण खो देने से उत्तर प्रदेश में कोरोना संकट भयावह रूप लेता जा रहा है। हर रोज संक्रमित मरीजों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है और श्मसान घाटों तथा कब्रिस्तानों में अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं बच रही है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजनवाली सरकारें जिन प्रदेशों में है वहां कोरोना की दूसरी लहर के कहर ने सभी झूठे दावों और बदइंतजामी की पोल खोल कर रख दी है। आंकड़े छुपाने के लिए उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और बिहार में टेस्टिंग, ट्रीटमेंट और ट्रैकिंग से खिलवाड़ ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। सरकारी लापरवाही का

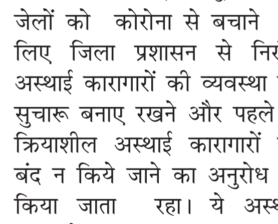

आलम यह है कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर जिन डाक्टरों, अधिकारियों को हेल्पलाइनों में लगाया गया वे अपने फोन ही नहीं उठाते हैं, मदद मांगने वालों से अभद्रता से पेश आते हैं। कारगिल के शहीद के पिता और रिटायर्ड जज तक इस अमानवीय व्यवहार के शिकार हुए हैं। अखिलेश ने कहा कि प्रदेश के अन्य जनपदों की बदहाली का क्या जिक्र हो जब राजधानी लखनऊ ही दर्द से कराह रही है। भाजपा सरकार की लापरवाही ने तबाही मचा रखी है। यहां पांच दिनों में 6 नगर निगम कर्मी कोरोना से मर चुके हैं। गत एक दिवस में लखनऊ में 6,598 नए मरीज मिले। इनमें 35 जिंदगी की जंग हार गए। एक अप्रैल से 16 अप्रैल तक 234 मरीजों की मौत दिल दहलाने वाली घटना है। अखिलेश ने कहा कि कैसी सरकार है और कैसी इसकी व्यवस्था है कि लोग मारे.मारे घूम रहे हैंघ् न जिंदा रहने को इलाज मिल रहा है और नहीं शवदाह के लिए लकड़िया मिल रही हैं। मंहगे आक्सीजन सिलेण्डर को हासिल करना गरीब के लिए सम्भव नहीं, कोरोना में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन का तो सवाल ही नहीं। प्राईवेट अस्पताल मनमानी वसूली कर रहे हैं। सरकार लाचार बनी है। स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के बाद जनसामान्य के लिए यही रास्ता बचता है कि वह सड़क पर लावारिस की तरह तड़त-तड़प कर जान दे दे।

सपा मुख्यालय में मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती पर उन्हें शतशत नमन करते हुए भावांजलि दी है। समाजवादी पार्टी मुख्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में शनिवार को पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों ने चंद्रशेखर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की। पार्टी कार्यालय में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया।

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के बलिया जनपद के एक गांव से प्रधानमंत्री के पद तक का सफर चंद्रशेखर के लिए असाधारण रहा है। उन्होंने राजनीति में संघर्ष से अपना रास्ता बनाया। शालीनता और खरी-खरी बातें कहने के लिए उन्हें जाना जाता है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सीतापुर

पत्रांक- 69 हाल किराया/नी0सू0/न0पा0परि0सी0/2020-21 दिनांक-17-4-2021

नीलामी सूचना

मोहल्ला सदर बाजार काम्प्लेक्स स्थित 12 दुकाने बड़ी व 01दुकान छोटी को किराए पर उठाए जाने हेतु नीलामी कार्यवाही दिनांक ०5-05-2021 समय 12:00 बजे नगर पालिका प्रांगण में की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि व समय पर कार्यालय के बोर्ड पर चस्पा नियम/शर्तों के अधीन नीलामी में भाग ले सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद-सीतापुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सीतापुर

पत्रांक- 69 हाल किराया/नी0सू0/न0पा0परि0सी0/2020-21 दिनांक-17-4-2021

नीलामी सूचना

मोहल्ला तामसेनगंज गांधी नगर पडाव स्थित हाल संख्या 05 को किराये पर उठाए जाने हेतु नीलामी कार्यवाही दिनांक ०5-05-2021 समय 12:00 बजे नगर पालिका प्रांगण में की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि व समय पर कार्यालय के बोर्ड पर चस्पा नियम/शर्तों के अधीन नीलामी में भाग ले सकतें है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद-सीतापुर

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

राजधानी में तीन दिवसीय सैनिटाइजेशन शुरू

महाअभियान से टूटेगी कोरोना की चेन

पुराने लखनऊ में सैनिटाइजेशन करते दमकलकर्मी

इंदिरानगर के नीलगिरी कॉम्पलेक्स में भी चला अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर निगम सैनिटाइजेशन महाअभियान से सुरक्षित करेगा। तीन दिवसीय महा अभियान के पहले दिन महानगर से लेकर मुंशीुपलिया, मुंशीपुलिया से अलीगंज सहित राजधानी के 35 वर्ग किलोमीटर को 30 टैंकरों, 100 हैंड मशीनों, 200 कर्मियों से 64 हजार घरों को सैनिटाइज किया गया। कोरोना की चैन को तोड़ने के लिए एक विशेष रणनीति बनाकर नगर निगम, एलडीए और जिला प्रशासन कार्य में जुटा है। एक ही दिन में अलग-अलग जोनों में तीन चरणों में सैनिटाइजेशन कार्य किया गया। यही नहीं हालात को देखते हुए नगर आयुक्त ने स्वयं सैनिटाइजेशन की कमान संभाल रखी है। वहीं, अकेले जोन 7 में 35 वर्ग किलोमीटर को 30 टैंकरों, 100 हैंड मशीनों से मार्केट और भवनों को सैनिटाइज किया गया।

शनिवार को अलीगंज से नगर निगम की टीम ने तीन दिवसीय सैनिटाइजेशन कार्य शुरू किया है। नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी स्वयं सैनिटाइजेशन के महाअभियान की कमान संभाला। कपूरथला, डंडइया, मामा चौराहा, विकानगर, कुर्सी रोड सहित विभिन्न मार्केट को सैनिटाइज किया। नगर निगम ने महासैनिटाइजेशन अभियान से कोरोना की चैन को तोड़ने की योजना पर काम शुरू किया। इसमें मार्केटों की बंदी ने बड़ा काम किया, बिना किसी बाधा और रोक टोक के सैनिटाइज मार्केट, पार्क, भवन और बड़े प्रतिष्ठानों को किया गया। यह कार्य अलग अलग जोनो ंमें तीन चरणों (पालियों) में किया गया। अभियान के दौरान सबसे पहले क्षेत्र के कंटेनमेंट जोनों को सैनिटाइज किया गया, इसके बाद सड़क के किनारें बने भवनों को सैनिटाइज किया गया। नगर निगम की मानें तो अकेले जोन 7 में 64000 भवनों, 13 व्यवसायिक मार्केट और 6 हजार व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को सैनिटाइज किया है। इस कार्य में 30 मैकेनाइज टैंकर, 200 कर्मियों और 100 हैंड मशीनों का प्रयोग किया गया है। यह अभियान लगातार चलेगा। पहले दिन जोन 3 अलीगंज, इंदिरानगर जोन 7 और आलमबाग जोन 5 में सैनिटाइजेशन किया गया।

यहां हुआ सैनिटाइजेशन

अलीगंज जोन के गोलमार्केट, पुरनिया, महानगर, रामराम बैंक,, सेक्टर क्यू अलीगंज, इंजीनियरिंग कालेज, टेढीपुलिया, डंडइया, मामा चौराहा, कुर्सी रोड, सीतापुर रोड, आईआईएम तिराहा, आईआईटी से डालीगंज से लोक सेवा आयोग तक सैनिटाइज हुआ। इसके साथ साइंटिफिक कंवेशन सेंटर, पुलिस लाइन, नीरा नर्सिंग होम सैनिटाइज किया गया। इंदिरानगर में नीलगिरी कांप्लेक्स, सहारा शापिंग सेंटर, लेखराज, खजाना, लेखराज डालर, आजाद मार्केट, मुंशीपुलिया, आम्रपाली, कलेवा चौराहा। वन निगम, केंद्रीय जल आयोग, शेखर नर्सिंग होम, सीएमएस अस्पताल आदि को सैनिटाइज किया गया। आवासीय में तुलसी विहार, बाल विहार, पंडित पुरवा, मानस इंक्लेव, फरीदीनगर, चांदन, सुगामऊ, जरहरा और इंदिरनगर के सभी सेक्टरो ंको सैनिटाइज किया गया।

पार्क रोड इलाके में राहगीरों को भी छिड़का गया सैनिटाइजर

नगर आयुक्त भी रहे भ्रमण पर, किया निरीक्षण

शहर को कोरोना मुक्त करने के लिए विशेष सैनिटाइजेशन अभियान चलाया जा रहा है। तीन दिवसीय अभियान के प्रथम दिन तीन पालियों में अलीगंज, इंदिरानगर और आलमबाग में सैनिटाइज किया गया। अभियान में दौ सौ कर्मी, 30 मैकेनाइज टैंकर्स, सौ हैंड मशीनों से 64 हजार भवन, 6 हजार प्रतिष्ठान और 13 प्रमुख मार्केट को सैनिटाइज किया गया है।

अजय कुमार द्विवेदी, नगर आयुक्त

प्रदेश में लगातार बढ़ रही टेस्टिंग की क्षमता

अब तक हुई कुल 38029865 सैम्पल की जांच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में टेस्टिंग का कार्य करते हुए , टेस्टिंग की क्षमता निरन्तर बढ़ायी जा रही है । गत एक दिन में कुल 2,15,790 सैम्पल की जांच की गयी । प्रदेश में अब तक कुल 3,80,29,865 सैम्पल की जांच की गयी है । इसमें लगभग 90,000 सैम्पलों की जांच आरटीपीसीआर के माध्यम से की गयी है । उन्होंने बताया कि प्रदेश में सर्विलांस टीम के माध्यम से 2,08,272 क्षेत्रों में 5,40,836 टीम दिवस के माध्यम से 3,24,93,635 घरों के 15,73,55,586 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है। प्रदेश में 45 वर्ष से अधिक आयु वालों का कोविड वैक्सीनेशन किया जा रहा है। अब तक 89,97,344 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी गयी तथा पहली डोज लेने वालों में से 15,64,777 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गयी हैं। इस प्रकार कुल 1,05,62,121 वैक्सीन की डोज लगायी जा चुकी है। प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कोविड संक्रमण के बढ़ते केस को देखते हुए जनरल ओपीडी स्थागित कर दी गयी है। इस अवधि में मुख्यमंत्री आरोग्य मेला स्थागित कर दिया गया है। आकस्मिक सेवा चालू रखी गयी है । जिसमें गर्भवती महिला तथा छोटे बच्चों का इलाज शामिल है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने वैक्सीन की पहली डोज ले ली है वह समय पर अपनी दूसरी डोज अवश्य लें। उन्होंने बताया कि प्रदेश के बाहर से आने वाले लोगों के लिए कोविड प्रोटोकल जारी किया गया है । जिसके अनुसार प्रदेश के बाहर से आने वाले लोग लक्षणयुक्त होने पर घर में 14 दिन तथा बिना लक्षणयुक्त वाले लोगों को 7 दिन घर में ही व्यतीत करना है। इसके अलावा यदि प्रदेश के बाहर से आने वाले व्यक्ति की कोविड टेस्ट रिपोर्ट पांजीटिव आने पर उसे आवश्यक अनुसार अस्तापल में या होम आइसोलेशन में रखा जायेगा। उन्होंने बताया कि बाहर से आने वाले लोग कोविड प्रोटोकल का पालन कर रहे है, इसकी देखरेख तथा सहयोग मोहल्ला ध्ग्रामीण निगरानी समिति करेंगी। प्रसाद ने लोगों से अपील है कि मॉस्क का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें, सैनेटाइजर व हाथ साबुन से अवश्य धोते रहें। उन्होंने बताया कि संक्रमण अभी समाप्त नहीं हुआ है इसलिए विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। टीकाकरण के बाद भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन अवश्य करें। अपने हाथ को साबुन-पानी से निरन्तर धोते रहें । भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। उन्होंने कहा कि घर के बड़े-बुजुर्गों का टीकाकरण अवश्य कराएं।

जल निगम की लापरवाही

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे रविंद्रपल्ली के लोग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर विकास मंत्री के प्रयास से पानी की टंकी तो बनकर हो चुकी है तैयार पर नहीं शुरू हो पा रही है पानी की सप्लाई

विधायक और नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन के प्रयास से पानी की टंकी बनकर तैयार हो जाने के बावजूद जल निगम की लापरवाही के चलते रविंद्र पल्ली कॉलोनी के तमाम परिवार कोरोना इस महामारी के बीच भी बूंद बूद पानी के लिए तरस रहे हैं।

रविंद्र पल्ली कॉलोनी में पानी की सप्लाई व साफ-सफाई का जिम्मा वैसे तो हाउसिंग सोसायटी के जिम्मे है। वर्तमान हाउसिंग सोसाइटी के पदाधिकारियों ने पानी की सप्लाई के समय में कटौती की है और इसके संबंध में उनका कहना है कि बिजली का बिल ज्यादा आ रहा है जबकि कोरोना के कारण पानी के बिल से एकत्रित होने वाली राशि कम जमा हो रही है। यह हाउसिंग सोसाइटी लगभग पैंतीस वर्षों से साढ़े तीन सौ मेंबर्स को पानी की सप्लाई करती आ रही है तथा लगभग पिछले तीन वर्षों से सप्ताह में दो दिन घरों का कूड़ा उठवाने व पानी की सप्लाई के लिए रूपये तीन सौ प्रति माह चार्ज करती आ रही है। पूर्व में भी पानी की सप्लाई ठीक प्रकार से न होने के कारण क्षेत्रीय निवासियों के लिखित निवेदन पर क्षेत्रीय विधायक आशुतोष टंडन के प्रयास से तीन वर्षों तक चला पानी की टंकी का निर्माण कार्य पिछले वर्ष अक्टूबर माह में पूरा हो चुका है। जल निगम के कर्मचारियों ने फरवरी 2021 के प्रथम सप्ताह में पानी के कनेक्शन, मीटर के साथ घरों में यह सूचित करते हुए किए थे कि दस दिन के अन्दर पानी की सप्लाई शुरू हो जाएगी। सभी गृह स्वामियों को जलकर देना होगा चाहे वो पानी जल निगम से लें या न लें।

क्षेत्रीय निवासी विजय कुमार निगम के अनुसार फरवरी 2021 के अन्तिम सप्ताह में जल निगम के क्षेत्रीय जेई एस. वर्मा से जानकारी ली कि रवीन्द्र पल्ली सोसाइटी के लोगों को पानी की सप्लाई कब से करेंगे तो उन्होंने कुछ कमियों का हवाला देते हुए कहा था कि होली के पहले या अधिक से अधिक होली के बाद पानी की सप्लाई शुरू हो जाएगी। होली के बाद पूरा मार्च 2021 भी बीत गया किन्तु रवीन्द्र पल्ली व नारायन नगर के निवासियों को जल निगम पानी नहीं दे पाया जबकि इसी पानी की टंकी से संजय गांधी पुरम, कसैला आदि को होली के पहले से ही पानी की सप्लाई की जा रही है। विजय कुमार निगम ने बतायाा कि दस मार्च 2021 को जल निगम के जेई से पूछने पर उन्होंने कहा कि कोरोना व पंचायत चुनाव में व्यस्त होने के कारण एक दो दिन में पानी की सप्लाई के बारे में देखेंगे। लेकिन अभी तक रविंद्र पल्ली कॉलोनी के निवासियों की पेयजल संबंधी समस्या का कोई निराकरण नहीं हो पाया है।

मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले दो गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी की अमीनाबाद पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है जो इलाके में घूम घूमकर नशे का पाउडर बेचते थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 53 ग्राम अवैध नशीला पाउडर बरामद किया है। इंस्पेक्टर अमीनाबाद आलोक कुमार राय ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शहर में अपराध एंव अपराधियों की धड़पकड़ के लिए अभियान चालाया जा रहा था तभी पुलिस को गस्त के दौरान दो युवक दिखे जो भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में उन्होंने अपना नाम बस्ती निवासी हारुन व पटना निवासी सुधीर यादव बताया। पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर उनके पास से 53 ग्राम अवैध नशीला पाउडर बरामद हुआ है।

दुराचार के मामले में फरारी काट रहे दो गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी की चिनहट पुलिस ने नाबालिग के साथ दुराचाकर काफी दिनों से फरारी काट रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। जानकारी के अनुसार वरिष्ठ उपनिरीक्षक उमाशंकर यादव ने बताया कि गत दिनों एक किशोरी के साथ जबरान दुराचार किये जाने का मामला दर्ज हुआ था जिसमें पकड़े गये अभियुक्त चिनहट निवासी सुफियान व बाराबंकी निवासी रघुनाथ ने उक्त किशोरी को बहला फुसलाकर उसके साथ दुराचार किया था। तभी से यह दोनों फरारी काट रहे थे।

आचार संहिता के उल्लंघन में प्रत्याशी समर्थक गिरफ्तार

माल। माल थाना क्षेत्र के सरसन्डा गांव में शनिवार को वोटरों को प्रभावित करने के लिए मिठाई बांटते हुए प्रधान प्रत्याशी के समर्थक को पुलिस ने गिरफ्तार कर मिठाई के सैकड़ों डिब्बे बरामद किया है। एसओ माल के मुताबिक शनिवार को सुबह सरसन्डा गांव पंचायत से प्रधान पद के प्रत्याशी रामऔतार के समर्थक सन्तोष ठेलिया पर मिठाई के डिब्बे लाद कर पम्पलेट एमिठाई तथा पैसे बांट रहे थे। ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर पुलिस को सूचित किया।पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सन्तोष को गिरफ्तार कर लिया। गांव के निवासी कौशल ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

बारिश व हवा के चलते दर्जनों गांवों की विद्युत आपूर्ति ठप

निगोहां। शनिवार की शाम तेज बारिश और हवा के चलते हाईटेंशन लाइन में आई खराबी के कारण निगोहा विद्युत सबस्टेशन ठप्प हो जाने से शाम लगभग 6 बजे से देर रात तक 35000 उपभोक्ताओं को बिजली के लिए तरसना पड़ा वही लेसा की टीम देर रात तक हाईटेंशन लाइन की मरम्मत में लगी रही ।उपभोक्ताओं ने बताया कि देर शाम आई आंधी तूफान के कारण बछरावां से आने वाली 33 के वी लाइन में फाल्ट आ जाने से निगोहा सबस्टेशन पूरी तरह से ठप्प हो गया जिसके कारण 3500 हजार उपभोक्ताओं को देर रात तक अंधकार में रहना पड़ा। जिसके कारण विद्युत सब स्टेशन के अंतर्गत बाजपेई खेडाए सुखना खेडा मस्तीपुर निगोहा पुरहिया पटसा भावाखेड़ा शेरपुलवल मदारी खेड़ा मदापुर दयालपुर सहित लगभग 35 गांव की विधुत सप्लाई ठप्प हो गई अवर अभियंता आशुतोष ने बताया कि शनिवार शाम लगभग 6बजे हुई हवा के साथ तेज बारिश के कारण 33 के वी हाईटेंशन लाइन में आई खराबी के कारण सप्लाई फेल हुई है लेसा की टीम मरम्मत में जुटी हैं देर रात तक विधुत सप्लाई बहाल हो जाएगी।

सरकारी कार्यालयों में कागज पर रोस्टर

लखनऊ। कोविड-19 का संक्रमण तेजी से बढ़ता जा रहा है। जांच कराने वाले 100 में 30 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है। आला अधिकारी भी इसको मान रहे हैं। शासन का आदेश है कि इस समय कार्यालयों में 50 फीसद ही कर्मचारियों को बुलाया जाए लेकिन बहुतायत कार्यालयों में इसकी अनदेखी की जा रही है। बीमार कर्मचारी भी कार्यालय आ रहे हैं। कोविड के सिंप्ट स मिलने के बाद भी सीधे जांच कराकर लोग कार्यालय आ रहे हैं। कहते हैं कि इसकी जानकारी देने के बाद अवकाश नहीं मिल रहा है। वेतन काटने के निर्देश जारी हो जा रहे हैं। कलक्ट्रेट से लेकर जिला पंचायत और ब्लाक तो इसका सबसे बड़ा नजीर है। कर्मचारियों का आरोप है कि समस्या बताने पर भी अधिकारी अवकाश नहीं दे रहे हैं। अधिकारियों का तर्क है कि अवकाश देने के बाद काम कैसे होगा। पंचायत चुनाव के कारण काम बढ़ा हुआ है। फिलहाल कर्मचारियों में इसे लेकर रोष है। साथ ही कार्यालय अपने साथियों से ही भयभीत हैं।

मैंने मां को खो दिया, आप लोग घर में रहकर सुरक्षित रहें

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज के एक गांव के रहने वाले सपा नेता की बुजुर्ग मां ने इलाज के दौरान निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। मौत के बाद सपा नेता मां के शव को लेकर जब घर पहुंचे तो आसपास के लोग एकत्रित होने लगे। इस पर सपा नेता ने सभी को रोंककर हाथ जोड़कर वापस जाने की अपील की इसके बाद अपने भाई सहित परिवार वालो की मदद से मां के शव का गांव के बाहर अंतिम संस्कार कर दिया। मोहनलालगंज नगर पंचायत के निकट एक गांव के रहने वाले सपा नेता की 68 साल की मां को पांच दिन पहले जुखाम बुखार की दिक्कत हुई इस पर नेता के भाई ने मां को ले जाकर मोहनलालगंज के सीएचसी अस्पताल में दिखाया और दवा लेकर घर चला आया। एक दिन बाद बुजुर्ग की हालत बिगड़ी तो सपा नेता ने पीजीआई इलाके के निजी अस्पताल ले जाकर दिखाया जहां पर ऑक्सीजन लेवल बहुत कम और बुजुर्ग को कोविड पाजीटिव बताया गया। भर्ती करने के लिए निजी अस्पताल में बेड खाली नही था। इस पर बेटे ने कई सरकारी अस्पतालों में भर्ती करने की जुगत लगाई पर कहीं पर बेड नही मिला इसके बाद सपा नेता मां को लाकर मोहनलालगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर ऑक्सीजन मिलने के साथ इलाज शुरू हुआ लेकिन शुक्रवार रात हालत बिगड़ने लगी और शनिवार की सुबह मौत हो गयी।
हाथ जोड़कर घर जाने की अपील की: मां की मौत के बाद सपा नेता उनके शव को लेकर शनिवार जब घर पहुंचे तो गांव परिवार सहित आसपास के लोग जुटने लगे तो सपा नेता ने दूर से सभी से हाथ जोड़कर अपील करते हुए कहा मैंने तो अपनी मां को खो दिया लेकिन मेरे लिए आप लोगो का स्वस्थ रहना बेहद जरुरी है।इसीलिए आप लोग अपने अपने घर में रहकर सुरक्षित रहे। इसके बाद सपा नेता ने मां का अंतिम संस्कार परिवार वालो की मदद से गांव के बाहर जाकर कर दिया।

मजदूर समेत दो लोगों ने फांसी लगाकर दी जान

नगराम व तालकटोरा इलाके में हुईं आत्महत्या की घटनाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी के नगराम इलाके में जहां एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली वहीं तालकटोरा इलाके में एक मजदूर ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम जमालपुर जदूरी नगराम निवासी शिव शंकर ने सूचना दिया कि उनका पुत्र विमल रोज राति में खेत जाता था और खरबूजे की रखवाली करता था। शनिवार को जब सुबह अपने खेत पहुंचे तो देखा कि नीम के पेड़ में रस्सी के फंदे से बेटा विमल लटका हुआ है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक अविवाहित था। उधर तालकटोरा निवासी दिनेश कुमार ने सूचना दिया कि उसका बड़ा भाई चाँद बाबू उर्फ सैनी 35 शराब पीने का आदी था पत्नी से झगड़ा हो गया था वह मायके चली गयी थी इसी दौरान उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के तीन पुत्र एक पुत्री थी।

शराबी ने पत्नी को जमकर पीटा घर से गुस्सा होकर हुई लापता

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना इलाके के बड़ी घुसवल गांव में पति ललित ने मामूली कहा सुनी के बाद पत्नी काजल की पिटाई कर दी। इस दौरान पत्नी नाराज होकर पति को बताए बिना घर से नाराज होकर चली गयी। जब यह खबर मायके वालों को लगी तो उन्होंने पति समेत परिवार पर प्रताड़ित करने व मारपीट का आरोप लगाते हुए गायब होने की तहरीर दी जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद महिला को तलाश कर परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार काजल के पिता काशीराम पुरवा गोसाईगंज निवासी राकेश को बुलाकर उनके सुपुर्द किया। पिता ने बताया कि बेटी काजल का विवाह तीन साल पहले सुशांत गोल्फ सिटी निवासी ललित के साथ किया था। शादी के कुछ दिनों तक तो सही चला लेकिन इधर कुछ समय से उसका पति शराब के नशे में धुत होकर आता था और उसकी बेटी काजल की जमकर पिटाई करता था। शुक्रवार को तो इस कदर पीटा कि वह काफी चोटिल हो गयी और घर से निकल गयी। फिलहाल पुलीस ने आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

चुनाव प्रचार थमा

आज रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

विवाद रहित चुनाव कराने की प्रशासन ने की तैयारी प्रत्याशियों ने जीत के लिए झोंकी ताकत, देर रात तक घर-घर किया प्रचार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ग्रामीण क्षेत्र के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का प्रचार प्रसार शनिवार को रुक गया। इससे पहले मतदाताओं को रिझाने के लिए प्रत्याशियों ने पूरी ताकत झोंक दी है। जनसंपर्क तेज कर दिया गया है। वहीं, प्रशासन ने भी शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराने को कमर कस ली है। वाहनों का अधिग्रहण कर आठों ब्लाक मुख्यालयों पर कर वाहन खड़े करा दिए गए हैं और रविवार को पोलिंग पार्टियों की रवानगी की जाएगी। सोमवार को राजधानी में दूसरे चरण में मतदान होना है। लखनऊ में 494 ग्राम पंचायतों में चुनाव करवाया जाना है। इनमें से 238 पंचायतें पुलिस कमिश्नरेट और 256 पंचायतें ग्रामीण इलाकों में आ रही हैं। पुलिस कमिश्नरेट में आने वाली पंचायतों के 324 मतदान केंद्रों व 883 बूथों की सुरक्षा व्यवस्था का खाका पुलिस कमिश्नरेट की ओर से तैयार किया गया है। आठ ब्लाकों से पोलिंग पार्टियों की रवानगी रविवार को की जाएगी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पंचायत चुनाव करवाने के लिए रिटर्निंग अफसरों आरओ को तैनात किया गया है। इसके साथ ही 8528 कर्मचारियों को चुनाव करवाने के लिए लगाया गया है। राजण्धानी के आठों ब्लाकों में करीब 10 लाख वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जिला पंचायत का चुनाव करवाने के लिए एडीएम एलए राम अरज को जि मेदारी सौंपी गई है। उन्हें आरओ बनाया गया है। वहीं चिनहट के लिए प्राविधिक अधिकारी डीपी शुक्ला, बीकेटी विकास खंड के लिए जिला कृषि अधिकारी ओपी मिश्रा, माल विकास खंड के लिए जिला दिव्यांगजन अधिकारी डॉ. कमलेश कुमार वर्मा को आरओ बनाया गया है। फिलहाल शनिवार को देर रात तक गांव की सरकार के लिए शह-मात का खेल चलता रहा। लोगों को लुभाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहा है। शनिवार को मतदान से 48 घंटे पहले चुनाव प्रचार का शोरगुल थम गया। भाजपा, सपा, बसपा व कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों के साथ ही निर्दल ताल ठोंक रहे उ मीदवारों ने संपर्क अभियान बढ़ा दिया है। हर मतदाता तक पहुंचने की होड़ देखने को मिल रही है। प्रशासन ने भी कसरत तेज कर दी है। पुलिस ने गांवों में निगरानी बढ़ा दी है। शांतिपूर्ण चुनाव के लिए पहले ही आरोपितों को गिर त में ले लिया गया है। ताकि चुनाव में किसी प्रकार का विघ्न न पड़े। लोगों को भी निडर होकर मतदान करने को कहा गया है। राजधानी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 494 पंचायतों में करवाया जाना है। इनमें से 238 पंचायतें पुलिस कमिश्नरेट और 256 पंचायतें ग्रामीण इलाकों में आ रही हैं। पुलिस कमिश्नरेट में आने वाली पंचायतों के 324 मतदान केंद्रों व 883 बूथों की सुरक्षा व्यवस्था का खाका पुलिस कमिश्नरेट की ओर से तैयार किया गया है। एसपी ग्रामीण 256 पंचायतों के 316 मतदान केंद्रों व 893 बूथों की सुरक्षा का खाका तैयार कर रहे हैं। मतदान केंद्र व बूथ 17 थानों की जद में आ रहे हैं।

चुनाव कर्मचारियों को नहीं रोका जाएगा

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उप जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत चुनाव बिपिन कुमार मिश्र ने बताया कि जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए सोमवार को मतदान होना है। चुनाव के लिए नियुक्त पोलिंग पार्टियों पीठासीन अधिकारी, प्रथम मतदान अधिकारी, द्वितीय मतदान अधिकारी, तृतीय मतदान अधिकारी की रवानगी रविवार को सभी विकास खंडों में निर्धारित स्थलों से की जाएगी। रविवार को कोविड-19 संक्रमण के दृष्टिगत लॉकडाउन लगाया गया है। इसलिए उक्त निर्वाचन के लिए लगाए गए समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों के आवागमन में किसी प्रकार का व्यवधान न उत्पन्न किया जाए और उन्हें निर्गत ड्यूटी आदेश निर्वाचन संबंधी पास ही कोविड-19 के लॉकडाउन के लिए पास के रूप में माना जाए।

दो दिन पहले हुई चोरी का खुलासा, शातिर गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी के सआदतगंज इलाके में दो दिन पहले हुई एक मकान में चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी हुआ मोबाइल फोन व नकदी बरामद की है। जानकारी के अनुसार इंस्पेक्टर सआदतगंज बृजेश यादव ने बताया कि चौपटिया तोप दरवाजा निवासिनी आयुशी गुप्ता ने बताया कि वह बृहस्पतिवार को अपने परिवार के साथ घर में सो रही थीं तभी अज्ञात चोर द्वारा उनके मकान में घुसकर नकदी, मोबाइल फोन एटीएम कार्ड व अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने वादिनी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की तो इस दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि उक्त मकान में चोरी करने वाला शातिर इलाके में मौजूद है। पुलिस ने मुखबिर की बात पर भरोसा किया और मौके पर पहुंचकर दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम स्पोर्टस कालेज के पीछे थाना गुडम्बा निवासी राहुल अग्रवाल बताया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल फोन दो हजार की नकदी व अन्य सामान बरामद कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

यूएमटीसी के कार्यों की समीक्षा

मण्डलायुक्त ने कार्यदायी संस्था को गुणवत्ता पूर्वक समय सीमा के अन्तर्गत कार्य कराने का दिया निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

मण्डलायुक्त संजय गोयल ने ट्रैफिक एवं पार्किंग के विषयगत विजन डॉक्यूमेंट एवं एक्शन प्लान बनाये जाने हेतु चयनित विशिष्ठ संस्था यूएमटीसी के कार्यों की समीक्षा आज गांधी सभागार में की। सड़कों पर विभिन्न सर्विसेज हेतु मल्टी यूटीलिटी डक्ट केबिल ट्रे का प्रावधान अनिवार्य रूप से किया जाये। जिससे कि भविष्य में रोड कटिंग की सम्भावना न रहे। बैठक में यूएमटीसी द्वारा शहर की यातायात एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था हेतु निर्धारित क्षेत्र में पड़ रही 25 सड़कों का अध्ययन करते हुए तैयार की गयी। ड्राफ्ट का पॉवर प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुतिकरण किया गया। यूएमटीसी के अध्ययन क्षेत्र में पड़ने वाली 25 सड़कों को ए बी सी श्रेणी में वर्गीकृत करते हुए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। संस्था के द्वारा बताया गया कि ए कैटेगरी के अन्तर्गत प्रयागराज स्मार्ट सिटी योजना द्वितीय चरण के अन्तर्गत कुल आठ सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जिसमें लोहिया रोड क्लाइव रोड स्टेन्ली रोड कूपर रोड ताशकंद रोड तेज बहादुर सप्रू रोड शोभनाथ सिंह रोड पर कार्य प्रगति पर है। संस्था के द्वारा यह भी बताया गया कि छह सड़कों हेतु डीपीआर प्राधिकरण को प्रस्तुत कर दिया गया है। जिसकी स्वीकृत टेक्निकल कमेटी से होनी है। जिसमें एमजी रोड पार्ट टू न्यायविद हनुमान मंदिर चैराहा पत्रिका रोड सरोजनी नायडू रोड कटरा रोड़ पार्ट वन तथा कमला नेहरू रोड़ पार्ट टू पर कार्य किये जायेंगे। बैठक में यह भी बताया गया कि महाकुम्भ 2025 के दृष्टिगत भी कार्यों को प्रस्तावित किया गया है। संस्था के द्वारा बताया गया कि महाकुम्भ 2025 के दृष्टिगत 5 सड़कों को विकसित किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। बैठक में मण्डलायुक्त ने कार्यदायी संस्था को गुणवत्ता पूर्वक समयसीमा के अन्तर्गत कार्य कराये जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त के द्वारा यह भी निर्देशित गया कि सभी सड़कों पर विभिन्न सर्विसेज हेतु मल्टी यूटीलिटी डक्ट केबिल ट्रे का प्रावधान अनिवार्य रूप से किया जाये। जिससे कि भविष्य में रोड कटिंग की सम्भावना न रहे। मण्डलायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि जिन सड़कों पर कार्य किया जाना हो उन सड़कों की चैड़ाई और लम्बाई सुनिश्चित कर लिये जाने के बाद ही कार्य को शुरू किया जाये।

मास्क न लगाने वालों के विरुद्ध सख्ती बरतने के दिये निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी एवं डीआईजी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने शनिवार को लक्ष्मी चैराहा कटरा यूनिवर्सिटी रोड कम्पनीबाग आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर मास्क न लगाने वालों को हिदायत देते हुए चालान काटा तथा सभी लोगों को बिना मास्क के घर से बाहर न निकलने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। जिलाधिकारी ने दुकानदारों से भी कहा कि मास्क न लगाकर आने वाले ग्राहकों को सामान न दें और उन्हें मास्क लगाकर ही दुकान पर आने के लिए कहें। इसके साथ ही उन्होंने दुकानदारों से स्वंय भी मास्क लगाकर ही दुकान पर बैठने के लिए कहा है।

मास्क न लगाने वालों का चालान करती पुलिस

संसाधनों का पूरी क्षमता के साथ किया जाय इस्तेमाल

सोनभद्र। डीएम अभिषेक सिंह ने मुख्य चिकित्साधिकारी व प्रभारी अधिकारी कोविड-19 सोनभद्र को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा है कि बढ़ रहे कोविड-19 पाजिटिव मरीजों की संख्या को देखते हुए सभी तैयारियां युद्ध स्तर पर की जाय। उपलब्ध सभी संसाधनों का पूरी क्षमता के साथ इस्तेमाल किया जाय। डीएम ने कहा कि कोविड-19 से सम्बन्धित मीडिया बुलेटिन समय से बिलम्बतम सायं 06.00 बजे तक जिला सूचना अधिकारी के साथ ही मीडिया के पदाधिकारियो को उपलब्ध कराया जाय। मीडिया से प्राप्त फीडबैक के अनुसार मुख्य चिकित्साधिकारी प्रभारी अधिकारी कोविड-19 के द्वारा कोविड-19 से सम्बन्धित बुलेटिन रिपोर्ट बिलम्ब से देने से मीडिया की रिपोर्टिंग में दिक्कत होती है, लिहाजा मुख्य चिकित्साधिकारी प्रभारी अधिकारी कोविड-19 चिकित्सा विभाग अपने कार्यों में सुधार लाते हुए समय से यानी बिलम्बतम सायं 06.00 बजे तक कोविड-19 मीडिया बुलेटिन रिपोर्ट जिला सूचना अधिकारी के साथ अन्य सम्बन्धितों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करायें।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने की सीएम योगी की तारीफ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर ने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि योगी प्रदेश के ऐसे पहले मुख्यमंत्री हैं जो अपना काम पूरी ईमानदारी से पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा सीएम योगी जो कहते हैं वह पूरा करके दिखाते हैं। जनता के हित में लिए गए उनके फैसले नजीर है। खासकर कोविड.19 संक्रमण रोकने के लिए उठाए गए उनके कदमों की देश व विदेश में तारीफ की गई है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सीएम ने प्रयागराज को विधि विश्वविद्यालय का तोहफा भी दिया है जिसके लिए वह धन्यवाद के पात्र हैं।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर ने पिछले दोनों अपने विदाई समारोह में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने हमेशा न्यायपालिका का सहयोग किया है। उन्होने कहा कि जनता के प्रति उनकी विनम्रता और माफियाओं के खिलाफ उनका जीरो टॉलरेंस बताता है कि वह दयालु है लेकिन कमजोर नहीं। वह हर चुनौती को स्वीकार करते हैं और उसे पूरा करके दिखाते हैं। प्रदेश की 24 करोड़ की जनता के प्रति उनका समर्पण काबिले तारीफ है।

प्रयागराज को विधि विश्वविद्यालय का तोहफा: मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर ने कहा कि सीएम योगी का प्रयागराज को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का तोहफा सबसे बड़ी सौगात है। इसके लिए मै उनको दिल से बधाई देता हूं। इस विश्वविद्यालय के निर्माण से छात्रों को बेहतर शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

देश व दुनिया में हो चुकी है तारीफ: यह पहला मौका नहीं है जब प्रदेश की योगी सरकार के कामकाजों की तारीफ की गई हो। इससे पहले केन्द्र सरकार आर्थिक सर्वेक्षण 2020.21 में यूपी के सफल प्रबंधन की तारीफ कर चुका है। इसमें महामारी के बीच मुख्यमंत्री के लॉकडाउन की घोषणा से कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने में काफी मदद मिली थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी यूपी के कोविड प्रबंधन की जमकर तारीफकी थी।

बगैर मास्क घूम रहे सौ से अधिक लोगों का हुआ चालान

सकलडीहा/चन्दौली। शासन के निर्देश पर कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को लेकर जिला प्रशासन सख्त रूप अख्तियार कर लिया है। शनिवार को डीएम और एसपी के निर्देश पर अभियान चलाकर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट पीपी और सीओ श्रुति गुप्ता के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने बगैर मास्क घूम रहे 150 लोगों का चालान किया। पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई से खलबली मचा हुआ है। दिन प्रतिदिन कोरोना के बढ़ते प्रभाव को लेकर स्वास्थ्य महकमा से लेकर पुलिस प्रशासन के लोग गंभीर है। शासन की ओर से बगैर मास्क घूम रहे लोगों का चालान काटने का सख्त निर्देश हुआ है। इस क्रम में कोतवाली पुलिस पीएससी फोर्स के साथ वाहनों का जांच पड़ताल किया। इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट और सीओ श्रुति गुप्ता ने लोगों से सोशल डिस्टेंस और मास्क लगाने की अपील किया। इसके साथ ही हाथ को बराबर हैंडवॉस करने का निर्देश दिया। इस दौरान करीब डेढ़ सौ लोगों का चालान काटा गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से खलबली मचा हुआ है। इस बाबत ज्वाइंट मजिस्ट्रेट पीपी मीणा ने बताया कि बगैर मास्क घूमने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जायेगी।

सपा नेता ने झंडा देख चालान करने का लगाया आरोप

सकलडीहा/चन्दौली। बलुआ घाट से दाह संस्कार से लौट रहे सपा नेता पवन यादव के वाहन को बलुआ पुलिस ने रोककर थाने में बंद कर दिया। घटना को लेकर सपा नेताओं ने नाराजगी जताया है। आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन के लोग झंडा देखकर वाहनों को बंद और चालान कर रही है। सपा के युवा नेता पवन यादव अपने सहयोगी के साथ चार पहिया वाहन से बलुआ घाट पर दाह संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने गये थे। लौटते समय चहनिया चौराहा पर वाहन पर झंडा देख रोक लिया गया। यही नही वाहन को थाने ले जाकर बंद कर दिया।

जिला पंचायत सदस्य के लिए भाजपा प्रत्याशियों ने किया नामांकन

संवाददाता। सोनभद्र

भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र के जिलाध्यक्ष अजीत चौबे के नेतृत्व में जिला पंचायत सोनभद्र के वार्ड प्रत्याशियों ने नामांकन का कार्य पुरा किया। शनिवार को नामांकन के पहले दिन लोढी स्थित जनपद मुख्यालय पर रामगढ़ जिला पंचायत वार्ड से मनोज सोनकर, तरांवा से रितू सिंह, सरंगा से राजाराम बिन्द, हिनौती से बिटाई देवी, तिलौली कला से श्यामसुन्दर जायसवाल, जुगैल से उत्तरा त्रिपाठी, किरविल से लखनराम जंगली, म्योरपुर से सोना बच्चा अग्रहरी, घघरी से संजय जायसवाल, बभनी से सत्यवती पाण्डेय, सोढ़ा से रामसेवक पाल, हिन्दुवारी से सावित्री देवी, मधुपुर से मणिकर्णिका कोल, सलखन से सुबाष पाल धनगर, शाहगंज से निधि सिंह, कचनरवा से महिपत गोंड़, निगाई से धनुषधारी चेरो, पनारी से रंजना सिंह, जरहा से रामविचार गोंड़, व विण्ढमगंज से राजकुमारी देवी ने नामांकन किया। जिला पंचायत क्षेत्र मूर्तियां से भाजपा प्रत्याशी रमेश मिश्रा के कोरोना संक्रमण से संक्रमित हो जाने के कारण उनका नामांकन नहीं हो सका। इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे जिला प्रभारी केके सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा धर्मवीर तिवारी रामलखन सिंह कृष्णमुरारी गुप्ता रामसुन्दर निषाद ओमप्रकाश दूबे उदयनाथ कुशवाहा रमेश पटेल राजेन्द्र सिंह पटेल आदि मौजूद रहे।

ग्राहक के खाते से निकाली गई रकम वापसी के निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बैंक की लापरवाही से ग्राहक के खाते से निकाली गई रकम दस दिन में वापस करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि ग्राहक की ओर से जालसाजी की सूचना दिए जाने के बाद बैंक कोई कदम नहीं उठाता तो इसके लिए बैंक को दोषी माना जाएगा। हालांकि कोर्ट ने ग्राहक की लापरवाही से निकाली गई रकम के लिए बैंक को जिम्मेदार नहीं माना है। यह आदेश न्यायमूर्ति एसपी केसरवानी एवं न्यायमूर्ति आरएन तिलहरी की खंडपीठ ने सूबेदारगंज के अवधेश सिंह की याचिका पर दिया है। याची के अधिवक्ता आदर्श सिंह का कहना था कि याची के मोबाइल नंबर पर 21 फरवरी 2019 को अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि रेलवे से बोल रहा है और याची के खाते में पेंशन की रकम भेजना है। इसके लिए उसे ओटीपी बताना होगा। ओटीपी बताते ही उसके खाते से चार किश्तों में एक लाख रुपये निकाल लिए गए। याची ने शिकायत बैंक से शिकायत करते हुए खाता सीज करने का आग्रह किया। याची ने बैंक के टोल फ्री नंबर पर भी शिकायत की। उसने धूमनगंज थाने में मुकदमा भी दर्ज कराया। इसके बावजूद बैंक ने कोई कदम नहीं उठाया जिससे याची के खाते से 22 व 23 फरवरी को भी एक.एक लाख रुपये निकाल लिए गए। बैंक का कहना था कि लापरवाही याची ने की है। उसके ओटीपी बताने से खाते से एक लाख रुपये निकाले गए। सिस्टम की गड़बड़ी से खाता सीज नहीं हो पाया। कोर्ट ने कहा कि ग्राहक की शिकायत के बाद भी बैंक ने खाता सीज करने में दो दिन की देरी की। ऐसे में आरबीआई की गाइड लाइन के क्लाज नौ के तहत बैंक रकम वापस करने के लिए जिम्मेदार है।

क्विक न्यूज

24 घंटे में 2272 पॉजिटिव और पांच लोगों की मौत

वाराणसी। जिले में एकाएक बड़ा संक्रमण संक्रमण गर्भवती जी से हो रही मौतों से जीवंत नगरी काशी भी सेहमी हुई है । अलमस्त रहने का अल सफा तो ठीक कामा लेकिन कम से कम इस संकट की घड़ी में दूसरों की हाजत की चिंता करने वालों की कमी से स्वामी हुई है। आलम यह है कि जिले में हर मिनट एक नया संक्रमित मिल रहा है विगत 24 घंटे में एंपलों के परिणाम आए जिनमें 2272 आज ही मिले हैं। वही 5 ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया इसी के कारण करो ना से मरने वालों की संख्या आंकड़ा बढ़कर 427 हो गया है बीएचयू व मंडली अस्पताल से शनिवार को 6000 से ज्यादा सैंपल ओके परिणाम प्राप्त हुए जिनमें दिन में जिनमें दो 2272 पॉजिटिवएव 3000 से ऊपर नेगेटिव रहे ज्यादातर मरीजों को इस आइसोलेशन का निर्देश देते हुए उनके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही है आज करीब 845 मरीजों को स्वस्थ घोषित कर हम को घर भेज दिया गया है कि मरीजों की संख्या 14538 हो गई है।

● वाराणसी में लगातार दूसरे दिन संक्रमण दर 30 फीसदी से अधिक, जिले में हर मिनट मिल रहा है एक नया रोगी

तीन व्यक्तियों पर लगा गुण्डा एक्ट

सोनभद्र। अपर जिला मजिस्ट्रेट योगेन्द्र बहादुर सिंह ने जिले के अमन व चैन कायम रखने के लिए जिले के तीन व्यक्तियों को गुण्डा एक्ट के तहत कार्यवाही कर 6 महीने के लिए जिला बदर कर दिया है। सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के थाना ओबरा क्षेत्र के चोपन रोड निवासी रवीन्द्र उर्फबन्टी यादव पुत्र हीरालाल, थाना चोपन क्षेत्र के हाइडिल कालोनी निवासी चंकी उर्फअविनाश मालवीय पुत्र देवानन्द मालवीय व थाना अनपरा क्षेत्र के परासी निवासी राम विनय मेहता पुत्र तोरवी मेहता को 6 महीने के लिए जिला बदर किया है। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने कहा है कि अवांछनीय कार्य करने और गुण्डा होने की जानकारी मिलने पर गुण्डा एक्ट की कार्यवाही जारी रहेगी।

और बढ़ायी जाय कोविड-19 हास्पिटल-2 की क्षमता

सोनभद्र। जिलाधिकारी अभिषेक सिंह व मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 अमित पाल शर्मा ने कोविड-19 हास्पिटल परिसर में समीक्षा बैठक की और कोविड संक्रमित मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जाना। जिलाधिकारी ने दवाओं का भण्डारण, साफसफाई की स्थिति, खान-पान की व्यवस्था, आक्सीजन सिलेण्डरों की उपलब्धता की समीक्षा की और युद्ध स्तर पर लगकर सभी जन स्वास्थ्य सुविधाएं बनाये रखने के निर्देश दियें। जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने आक्सीजन सिलेण्डर भण्डारण कक्ष का स्थलीय निरीक्षण किया और कहा कि आक्सीजन सिलेण्डरों की पर्याप्त उपलब्धता बनाये रखते हुए आक्सीजन जनरेटर की भी व्यवस्था जल्द से जल्द की जाय। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण से बचाव सम्बन्धी व्यवस्थाओं से जुड़ें अधिकारियों व कर्मचारियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप को सक्रिय रखा जाय। जिससे व्यवस्थाओं के सभी मूवमेन्ट की जानकारी टीम के सभी छोटे बड़े अधिकारियों की होती रहें। उन्होंने कहा कि कोविड-19 हास्पिटल-2 की क्षमता जो 300 बेड तक पहुंचायी गयी है, उसे और बढ़ायी जाय।

विशेष सचिव सूचना के बड़े भाई लल्लन राम सिंह का निधन

सोनभद्र। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी व विशेष सचिव सूचना उत्तर प्रदेश शासन सुरेन्द्र प्रताप सिंह के बड़े भाई लल्लन राम सिंह का असामयिक निधन हो गया है। विशेष सचिव सूचना एस0पी0 सिंह के बड़े भाई लल्लन राम सिंह सोनभद्र जिले के चुर्क में रहकर चिकित्सा सेवा दे रहे थे। लल्लन राम सिंह का असामयिक मृत्यु ईलाज के दौरान वाराणसी में हुआ है। विशेष सचिव सूचना के बड़े भाई लल्लन राम सिंह के असामयिक मृत्यु पर जिलाधिकारी अभिषेक सिंह मीडिया से जुड़े पदाधिकारीगण, स्वयं सेवी संगठनों के पदाधिकारीगण, अधिवक्तागणों, जिले के प्रबुद्धजनों के साथ ही आम नागरिकों ने शोक संवेदना व्यक्त की है। ईश्वर से प्रार्थना की है कि इस मुसीबत के घड़ी में उनके परिजनों को पीड़ा सहन करने की शक्ति ईश्वर प्रदान करें।

बसपा ने राजदीप सिंह को बनाया अधिकृत प्रत्याशी

सकलडीहा/चन्दौली। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में राजनीतिक दल फूंक फूंक कर कदम रख रहा है। धानापुर विकास खंड के सेक्टर नम्बर 3 से बसपा की ओर से राजदीप सिंह को अधिकृत प्रत्याशी उतारा है। इसके पूर्व में राम सिंह यादव को प्रत्याशी घोषित किया गया था। जनपद में जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर राजनीतिक दलों का निगाह है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल के लोग एक स्वच्छ और ईमानदार छवि के लोगों को मैदान में उतारकर जीत दिलाने में जुटी है। इस क्रम में धानापुर सेक्टर नम्बर तीन से राम सिंह यादव के जगह पर राजदीप सिंह को अधिकृत प्रत्याशी बनाया है। इस बाबत बसपा जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया कि संगठन के निर्देश पर राजदीप सिंह को प्रत्याशी घोषित किया गया है। जिससे अधिक से अधिक संख्या में बसपा के उम्मीदवार चुनाव जीत कर बसपा को मजबूत बना सके।

सकलडीहा सीएचसी पर 110 को लगी कोरोना वैक्सीन

सकलडीहा/चन्दौली। कोरोना महामारी के बढ़ते प्रभाव को लेकर डाक्टर और स्वास्थ्य कर्मी लोगों की सेवा में जुटे हुए है। विपरीत स्थिती में सकलडीहा सीएचसी के हेल्थ वर्कर लोगों को सोशल डिस्टेंस के साथ लोगों का मास्क आदि लगाने के लिये जागरूक भी कर हरे। इस क्रम में शनिवार को 110 लागों को कोराना का वैक्सीन लगाया गया। कोरोना का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। जिसके लिये स्वास्थ्य महकमा दिन रात लगा हुआ है। सेवाकाल के दौरान सीएचसी के आधा दर्जन से अधिक स्वास्थ्य कर्मी कोरोना पॉजिटव होगये है। इसके बाद भी उनके अतिरिक्त स्वास्थ्य कर्मी और डाक्टर लोगो को सेवा देने में जुटे है। शनिवार को कोरोना के प्रति बढ़ रही जागरूकता के दौरान 110 लोगों को कोरोना का वैक्सीन लगाया। इस बाबत सीएचसी अधीक्षक डाण् योगेन्द्र दास ने बताया कि कोरोना वैक्सीन की कमी नही है।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत

● मायके वालों ने ससुराल पक्ष के लोगों पर लगाया हत्या का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

घमहापुर (फूलपुर) गांव निवासी राकेश पटेल की पत्नी अंजलि 34 वर्ष की संदिग्ध हालत में मौत हो गई एमौत के बाद मायके पक्ष के लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया आप आपके मायके पक्ष के लोगों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है दरअसल सिंधोरा थाना क्षेत्र के कछिया गांव निवासी प्रभा शंकर पटेल की बेटी अंजली की शादी 2009 में फूलपुर थाना क्षेत्र के घमहापुर निवासी 'राकेश' पटेल के साथ हुई थी ।ससुराल पक्ष के लोगों के मुताबिक अंजलि जिद्दी स्वभाव की थी कहा जा रहा है कि 11 अप्रैल को घर के अंदर फांसी लगा ली थी एपरिजन परिजन उसे फांसी के फंदे से उतारकर काजी सराय बाजार बड़ा गांव स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था शुक्रवार की देर शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई । पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मायके वालों ने ससुराल पक्ष के हत्या किए जाने का आरोप लगाया है आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग उससे पैसे की मांग करते रहे हैं मांग पूरी ना होने पर उसे प्रताड़ित करते हुए तरह.तरह की यातनाएं देते थे इस बार मैं कई बार पंचायत हो चुकी है मृतका के पिता कराने के बाद ससुराल वालों के विवाह विवाह हत्या का मुकदमा कायम करने की बात कही है।

विशालाक्षी देवी व माता स्कंदमाता का पूजन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

चैत्र मास के नवरात्र की पंचमी को पंचमी तिथि पर शनिवार को गौरी दर्शन यात्रा के क्रम में श्रद्धालुओं ने श्रद्धालुओं ने मां विशालाक्षी गौरी का दर्शन पूजन किया मीर घाट स्थित मंदिर में वार्षिक परंपरा के तहत सुबह पट खोले गए और सैकड़ों श्रद्धालुओं को दर्शन पूजा की अनुमति दी गई शुभा चौक पर एकत्र हुए और हाथों में पूछ पूजन सामग्री माला फूल प्रसाद नारियल ध्वज लेकर माता की जय जयकार करने पर पहुंचकर करते हुए विशालाक्षी मंदिर पहुंची यहां आस.पास कोई स्थाई और अस्थाई दुकानें लगी थी मंदिर के महंत पंडित राजनाथ तिवारी ने अलसुबह गौरी विशालाक्षी देवी की आरती की इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर का पट खोल दिया गया मंदिर का पट खुलते ही विशालाक्षी माता की जय जयकार श्रद्धालु करने लगे देखते ही देखते सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मां विशालाक्षी देवी का दर्शन पूजन किया और उनसे इस करो ना कॉल को खत्म करने का आशीर्वाद प्राप्त किया इसी क्रम में इसी क्रम में दुर्गा के क्रम में स्थित बागेश्वरी जी के मंदिर प्रांगण प्रांगण में स्थित मां स्थित मां स्कंदमाता माता के दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं का भीड़ जमावड़ा हो गया भोर में आरती के बाद मां स्कंदमाता के मंदिर का पट खुल गया और हजारों दर्शनार्थियों ने लाइन लगाकर मां स्कंदमाता को नारियल ए चुनरी प्रसादए माला आदि तथा सिंदूर चढ़ाएं इस अवसर पर मंदिर की पुजारी ने मां स्कंदमाता की आरती बागेश्वरी देवी के प्रांगण में ही माला फूल खिलौना आदि की अस्थाई दुकानें लगी थी श्रद्धालुओं ने मां बागेश्वरी देवी की जय जय कार और मां स्कंदमाता की जय जयकार करते हुए दर्शन पूजन की इस अवसर पर जैतपुरा थाना पुलिस द्वारा महिला पुलिस एवं पुरुष पुलिस सुरक्षा की तैनाती की गई थी।

चन्द्रशेखर के विचारों को आत्मसात करें युवाः हिमांशु

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

दिन शनिवार को सारनाथ बरईपुर शक्तिपीठ स्थल पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर जी की जयंती पर्यावरण को बचाने जल संरक्षण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाली सामाजिक संस्था चन्द्रशेखर फाउंडेशन व बाबू प्रसिद्ध नारायण सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कोविड गाइड लाइन का पालन करते हुए मनाई गई जिसमें संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिमांशु सिंह ने कहा कि भारत के युवा चन्द्रशेखर जी के विचारों को आत्मसात करें। संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक मुकुंद नारायण सिंह आंसू जी ने कहा कि चन्द्रशेखर जी के विचारों में राष्ट्रवाद कूट कूट कर भरा हुआ थाए चन्द्रशेखर जी के सिद्धांतो विचारों पर चलकर ही भारत को आत्म निर्भर बनाया जा सकता है। चन्द्रशेखर जी को नमन करते हुए शक्तिपीठ सेवा संस्थान के सस्थापक गुप्तेश्वर सिंह शास्त्री (लाल बाबा) ने कहा कि चन्द्रशेखर जी का जीवनशैली सरल सहज थी मैंने अपने जीवन का अधिकांश समय उनके साथ गुजारा। चन्द्रशेखर फाउंडेशन के महासचिव अमन कुमार ने कहा कि चन्द्रशेखर जी लोकतंत्र के सजग प्रहरी थे। चन्द्रशेखर फाउंडेशन के राष्ट्रीय मीडिया सचिव पंकज कुमार मिश्रा (पत्रकार एवं शिक्षक केराकत) ने कहा कि स्व 0 चन्द्रशेखर हमारे दिलो में सदैव जिंदा रहेंगे और उनके बताए मूल्यों और आदर्शो को जन जन तक पहुंचाना ही हमारे जीवन का उद्देश्य है ।

सीएम हेल्प लाइन बनी कोरोना पीड़ितों का सहारा

● कोरोना के इलाज को लेकर गांव और शहर के लोग कर रहे हेल्प लाइन में फोन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य में कोरोना संक्रमण से ग्रसित लोगों के लिए सीएम हेल्पलाइन बेहद मददगार साबित हो रही हैं। इस हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1076 के जरिए कोरोना से पीड़ित लोग ना सिर्फ तुरंत सैंपल टेस्टिंग के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहें हैं, बल्कि कोरोना पीड़ित व्यक्ति का इलाज कैसे किया जाए, इसकी भी जानकारी कर रहें हैं। यहीं नहीं सीएम हेल्पलाइन के जरिए होम आइसोलेशन अथवा हास्पिटल आइसोलेशन में रह रहे कोरोना पाजिटिव व्यक्तियों से संपर्क कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेकर उन्हें उचित चिकित्सीय सलाह दी जा रही है। यही वजह है कि कोरोना के संबंध में अब तक कुल 8,16,962 लोगों ने सीएम हेल्पलाइन से संपर्क कर अपनी समस्या के बारे में बताया और इनमें से 8,13,930 लोगों की समस्या का निदान हेल्पलाइन के जरिए करा दिया गया।

फिलहाल सीएम हेल्पलाइन का कार्य वर्तमान में बहुत बढ़ गया हैं। जब से सभी निगरानी समितियों को कोरोना प्रोटोकाल की जानकारी सभी को देने संबंधी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी निर्देश जारी हुआ है, उसके बाद से सीएम हेल्पलाइन में कोरोना से बचाव करने को लेकर जानकारी प्राप्त करने वालों के फोन बड़ी संख्या में आ रहे हैं। इसी क्रम में सीएम हेल्पलाइन के कर्मी निगरानी समितियों से संपर्क कर उनके मोहल्ले अथवा गांव में आने वाले बाहरी व्यक्तियों की जानकारी रखने तथा किसी भी व्यक्ति के कोरोना संक्रमण के कोई भी लक्षण होने पर तुरंत सैंपल टेस्टिंग कराने के संबंध में बता रहे हैं। इस क्रम में अब तक कुल 71,135 निगरानी समितियों से संपर्क किया गया है।

इसी तरह सीएम हेल्पलाइन के मुख्यालय में तीन शिफ्टों में कराब 500 कर्मचारी सूबे के लोगों की फोन काल को सुनकर लोगों की समस्या का निदान करने में जुटे हैं। सीएम हेल्पलाइन में कोरोना के संबंध में अब तक कुल 8,16,962 लोगों में संपर्क कर अपनी दिक्कतों को बताया है,जिसमें से अब तक कुल 8,13,930 लोगों की समस्या का निदान करा दिया गया है। इसी तरह सीएम हेल्पलाइन में 13,526 होम आइसोलेशन और हॉस्पिटल आइसोलेशन में रह रहे कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों से संपर्क कर उनसे स्वास्थ्य सम्बन्धी एवं अन्य कोई असुविधा के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई एवं उन्हें क्वारंटाइन के नियमो का पालन करने और समय से दवाएं खाने की सलाह दी गई।

इसी तरह से सीएम हेल्पलाइन द्वारा कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों को संपर्क करके उनका सत्यापन किया गया एवं उनकी चिकित्सा के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। अब तक कुल 2,477 कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों को संपर्क किया जा चुका है। इसके अलावा सीएमहेल्पलाइन द्वारा कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों से संपर्क कर उनसे होम आइसोलेशन में रहने कि अनुमति के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई। इन लोगों के परिवार में अन्य कोई व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव तो नही है इस सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त कर उनके इलाज के लिए दवाएं भिजवाने की भी व्यवस्था हेल्पलाइन के जरिए की गई। इस तरह के अब तक कुल 6,100 कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों को संपर्क किया जा चुका है।

इसके अलावा सीएम हेल्पलाइन द्वारा 2,115 ग्राम प्रधानों तथा 1,638 पार्षदों से संपर्क करके उनसे माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष सफाई एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान के विषय में भी जानकारी प्राप्त की गई।

जेनेटिक इंजीनियरिंग है मानव जाति का बेहतर भविष्य

अभूतपूर्व तकनीकी क्रांति के इस युग में, जेनेटिक इंजीनियरिंग तेजी प्रभावी होती जा रही है। हमारे समय की कुछ सबसे बड़ी मानवीय, चिकित्सा और पर्यावरणीय चुनौतियों को दूर करने की क्षमता है।

बी के पी सिन्हा

बीकेपी सिन्हा पूर्व आईएफएस अधिकारी व पई एमिटी विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं।

सोमनाथ पई

अभूतपूर्व तकनीकी क्रांति के इस युग में, जेनेटिक इंजीनियरिंग तेजी से केंद्र स्तर पर अपना स्थान बना रही है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में न्यूरोसाइंस के एक प्रोफेसर सुसान होकफील्ड का कहना है कि वायरस-संचालित बैटरी, प्रोटीन-आधारित पानी फिल्टर, कैंसर का पता लगाने वाले नैनोकणों, दिमाग पढ़ने वाले बायोनिक अंगों, कंप्यूटर-इंजीनियर फसलों, और इसी तरह, हमारे समय की कुछ सबसे बड़ी मानवीय, चिकित्सा और पर्यावरणीय चुनौतियों को दूर करने की क्षमता है। ये अगली पीढ़ी के उत्पाद होने जा रहे हैं, जो हमारे जीवन को फिर से आकार देने की क्षमता रखते हैं। उदाहरण के लिए, हमारे उपयोग के लिए पानी को शुद्ध करने के लिए एक्वापोरिन जैसे उत्पादों की खोज जो एक पार्किंग स्थल की तरह कार्य करती है जो केवल प्रवेश करने के लिए एक विशिष्ट ट्रांसपोंडर के साथ पहचानी गई कारों की अनुमति देती है, प्रकृति का चमत्कार है। इन सभी सीमांत तकनीकों में जेनेटिक इंजीनियरिंग के इनपुट हैं।

जेनेटिक इंजीनियरिंग ने 1971 से एक लंबा सफर तय किया है, जब दो वैज्ञानिकों, बर्ग और जैक्सन ने एक पुनः संयोजक डीएनए के पहले अणुओं का निर्माण किया। आणविक जीवविज्ञानी के हाथों में जेनेटिक इंजीनियरिंग को लगभग बच्चे का खेल को बनाने के लिए तब से कई मील के पत्थर पार किए गए हैं। लेकिन जीन थेरेपी, जिसका जेनेटिक इंजीनियरिंग ने वादा किया था, कई तरह की कार्यप्रणाली के बावजूद नुकसान से जूझ रही है। परिणामस्वरूप, किसी के जीन में विपथन के परिणामस्वरूप विरासत में मिले विकारों को दोषपूर्ण जीन की जगह या सुधार करके इलाज नहीं किया जा सकता है। अपने विशिष्ट स्थान में जीन को ठीक करना एक मुद्दा था और जब यह वायरस को नियोजित करने से दूर हो जाता है, तो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली खराब होने वाले अन्य मुद्दों के अलावा स्पॉइलस्पोर्ट खेलती है।

जब से 1998 में एक दुर्लभ चयापचय विकार जिसे ओर्निथिन ट्रांसकार्बामाइलेज़ डेफीशिएंसी सिंड्रोम, (ओटीसीडी) कहा जाता है, के इलाज के लिए जेसी जेल्सिंगर परीक्षण की विफलता के बाद से जीन थेरेपी को कड़े नियमों के बीच सांस के लिए छोड़ दिया गया था। यह वह जगह है जहां बैक्टीरिया के एक गंभीर अवलोकन में विशेष रूप से आक्रमणकर्ता को निष्क्रिय करने के लिए वायरस के डीएनए को लक्षित करने की क्षमता होती है, इससे पहले की कार्यप्रणाली के कई नुकसानों को दूर करने में सफलता मिली।

सीआरआईएसपीआर और जीन एडिटिंग : सीआरआईएसपीआर तकनीक जीनोम के लिए एक सरल लेकिन शक्तिशाली उपकरण है। यह शोधकर्ताओं को डीएनए अनुक्रमों को आसानी से बदलने और जीन फ़ंक्शन को संशोधित करने की अनुमति देता है। इसके कई संभावित अनुप्रयोगों में आनुवांशिक दोषों को ठीक करना, बीमारियों के प्रसार को रोकना और रोकना और फसलों में सुधार करना शामिल है। सीआरआईएसपीआर कास-9 काम आसानी से और ठीक से कर सकता है क्योंकि सीआरआईएसपीआर बैक्टीरिया प्रतिरक्षा प्रणाली का एक हिस्सा है और रोगाणु भी वायरस से बीमार हो सकते हैं। बैक्टीरिया उन्हें अपने डीएनए या आरएनए को सीआरआईएसपीआर अनुक्रमों के साथ काटकर लड़ते हैं और फिर अपने डीएनए बिट्स को अपने स्वयं के जीनोम में चिपकाकर याद करते हैं, जिससे भविष्य के किसी भी संक्रमण को दूर करने की अनुमति मिलती है। ये आनुवंशिक कैंची, जिनके जीनोमिक डीएनए के लक्षित संशोधन के लिए उपयोग को जेनिफर डूडना और इमैनुएल चार्पियरियर ने पूरा किया था, ने जेनेटिक इंजीनियरिंग और जीन थेरेपी को एक नया जीवन दिया है। ये दोनों वैज्ञानिक 2020 में रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार के प्राप्तकर्ता थे।

सीआरआईएसपीआर कास-9 का उपयोग : पारंपरिक बीमारियों के जरिए लाइलाज होने वाली कई बीमारियों का इलाज अब जेनेटिक इंजीनियरिंग की बदौलत आसानी से किया जा सकता है। सिकल सेल एनीमिया, बचपन अंधापन और इतने पर जैसे मोनोजेनिक विरासत में मिली बीमारियों के इलाज के लिए सीआरआईएसपीआर आधारित दृष्टिकोणों का उपयोग करके नैदानिक परीक्षण चल रहे हैं। यह भविष्य में कई अन्य बीमारियों जैसे कैंसर, ऑटोइम्यून विकारों और पॉलीजेनिक आनुवंशिक विकारों के इलाज का वादा करता है।

चिकित्सा अनुप्रयोगों केअलावा, इसका उपयोग आनुवांशिक रूप से फसलों को वायरस के लिए प्रतिरोधी बनाने, लीनर सूअर बनाने, खमीर को बेहतर बीयर बनाने में मदद करने, मच्छरों को बांझ बनाने आदि के लिए किया जा रहा है। एक विलुप्त प्रजाति को फिर से बनाना भी संभव है, इसलिए जुरासिक पार्क वास्तव में भविष्य में एक वास्तविकता हो सकती है। सीआरआईएसपीआर जीन एडिटिंग के उपयोग पर भी शोध चल रहा है जो हमें महामारी, कैंसर, अल्जाइमर और अन्य बीमारियों की चपेट में आने से बचा सकता है।

चिकित्सा अनुप्रयोगों के अलावा, इसका उपयोग आनुवांशिक रूप से फसलों को वायरस के लिए प्रतिरोधी बनाने, लीनर सूअर बनाने, खमीर को बेहतर बीयर बनाने में मदद करने, मच्छरों को बांझ बनाने आदि के लिए किया जा रहा है। एक विलुप्त प्रजाति को फिर से बनाना भी संभव है, इसलिए जुरासिक पार्क वास्तव में भविष्य में एक वास्तविकता हो सकती है। सीआरआईएसपीआर जीन संपादन के उपयोग पर भी शोध चल रहा है जो हमें महामारी, कैंसर, अल्जाइमर और अन्य बीमारियों की चपेट से बचा सकता है। स्तनधारियों में एक ऐसा जीन होता है जिसे पी53 के रूप में जाना जाता है जो उन प्रोटीनों को एनकोड करता है जो कैंसर के ट्यूमर के विकास को रोकते हैं। मनुष्य और अधिकांश अन्य स्तनधारियों में इस जीन की केवल एक प्रति होती है, जबकि हाथियों की 20 प्रतियां होती हैं, और उन्हें लगभग कभी भी कैंसर नहीं होता है। इसलिए, मानव में इस जीन को दोगुना करने के लिए अनुसंधान जारी है।

2020 तक, एक दर्जन से अधिक नैदानिक परीक्षण तीव्र मायलोइड ल्यूकेमिया नामक बीमारी के लिए चल रहे थे, सुपर-उच्च कोलेस्ट्रॉल और गंजापन। चल रहे अनुसंधान का जोर यह है कि कैसे नए वायरस को दूर करने के लिए बैक्टीरिया ने प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया विकसित की।

कोरोनावायरस : कई आधुनिक टीकों की तरह कोविड - 19 जैब्स ने भी जेनेटिक इंजीनियरिंग में उन्नति की है।

सार्ससीओवी-2 जीन के बिट्स को एडेनोवायरल डीएनए बैकबोन पर चिपकाया गया है, जिनमें से कुछ जीनों को विदेशी जीन को समायोजित करने के लिए खटखटाया गया है। जब यह टीका दिया जाता है, तो सार्ससीओवी-2 ले जाने वाला एडेनोवायरस मानव कोशिका में प्रवेश करेगा, यह दिखावा करेगा कि यह सार्ससीओवी-2 प्रोटीन का उत्पादन करता है, लेकिन खुद को दोहराने और किसी व्यक्ति को बीमार बनाने में असमर्थ होगा। यह हमारे इम्यून सिस्टम को प्राइम करने और असली सार्ससीओवी-2 वायरस से किसी भी संक्रमण से निपटने के लिए तैयार करने के लिए हमारे शरीर में एक अस्थायी सार्ससीओवी-2 प्रोटीन फैक्ट्री बनाता है।

उम्मीदें और नुकसान : जब से हर्बर्ट बोयर और स्टेनली कोहेन ने 1972 में विकसित की गई पुनः संयोजक डीएनए तकनीक का पेटेंट कराया और बॉयर ने 1976 में दुनिया की पहली जैव प्रौद्योगिकी कंपनी जेनटेक की सह-स्थापना की, जेनेटिक इंजीनियरिंग वैज्ञानिक क्षेत्र से परे गहन बहस का विषय रहा है।, जिसमें वकील, पत्रकार, राजनेता और जनता शामिल है।

तब से, जेनेटिक इंजीनियरिंग ग्रह पृथ्वी पर सभी प्रजातियों के विकास के भाग्य का निर्धारण करने की संभावना के साथ, भगवान की भूमिका निभाने वाले नैतिक मुद्दे के माध्यम से आया है। यह आमतौर पर सहमति है कि आनुवंशिक रूप से इंजीनियर जीव पर्यावरण में जारी नहीं किए जाएंगे। भारत सहित कई देशों ने विभिन्न स्तरों पर नैतिक समितियों को रखा है जो आनुवंशिक इंजीनियरिंग के उपयोग को शामिल करने वाले अनुसंधान की देखरेख और अनुमोदन करते हैं। यहां तक कि नियमित प्रयोगशाला प्रयोगों का उद्देश्य केवल जीव विज्ञान प्रयोगशालाओं में छात्रों को क्लोनिंग प्रयोगों का प्रदर्शन करना है, जिन्हें संस्थागत नैतिक समितियों या संबंधित बोर्डों के अनिवार्य अनुमोदन की आवश्यकता होती है। हालांकि बाजार में पहले से ही जेनेटिक इंजीनियरिंग के उत्पाद मौजूद हैं, जैसे टीके, कीट-प्रतिरोधी फसलें और आनुवंशिक रूप से इंजीनियर मच्छर, जेनेटिक इंजीनियरिंग और जीन थेरेपी के आसपास के नैतिक और नैतिक मुद्दों पर बहस जारी है। शुक्र है, इसके फल धीरे-धीरे बड़े सार्वजनिक भलाई के लिए खिल रहे हैं।

सौभाग्य से मानव जाति के लिए, 2015 में एनएपीए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, एक आम सहमति जल्दी से विकसित हुई कि पूरी तरह से रोगाणु जीन संपादन पर प्रतिबंध लगाना बुरा होगा। सीआरआईएसपीआर के आविष्कारक, जेनिफर डोडना ने खुद इसे अभिव्यक्त किया : ''हम चाहते थे कि वैज्ञानिक समुदाय तब तक पॉज बटन को हिट करें जब तक कि जर्मेनिक लाइन एडिटिंग के सामाजिक, नैतिक, पारिस्थितिक और दार्शनिक निहितार्थों की वैश्विक स्तर पर आदर्श रूप से अच्छी तरह से चर्चा नहीं की जा सकती।''

सम्मेलन में यह निष्कर्ष निकाला गया कि यद्यपि रोगाणु रेखा संपादन को सुरक्षित रूप से करना बहुत जल्दी था, लेकिन किसी दिन ऐसा होगा और लक्ष्य विवेकपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान करने वाला होना चाहिए। यह इस अद्भुत आविष्कार के भविष्य की कुंजी है।

समकालीन सामाजिक-आर्थिक विभाजन

एक देश के रूप में हमें अर्थव्यवस्था में महिलाओं की सहभागिता में बाधक सारी बाधाएं नष्ट करनी चाहिए। इसके अंतर्गत दिमागी सोच में बदलाव लाना भी शामिल है।

बिंदू डाल्मिया
(लेखिका नीति आयोग से संबद्ध हैं)

जैसी कि उम्मीद थी, कोविड-पश्चात आर्थिक आंकड़ों में पहले से मौजूद विभाजन और तीखे हुए हैं। इनमें जेंडर विभाजन, अमीरों और गरीबों की आय में बढ़ती असमानता तथा ग्रामीण व शहरी जनता के बीच बढ़ता डिजिटल विभाजन शामिल हैं। इनमें से सभी असमानतायें लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों का विषय हैं। विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक जेंडर रिपोर्ट, 2021 के अनुसार भारत 153 देशों की सूची में 112वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत में 0.65 बिलियन महिलायें रहती हैं जिनकी जेंडर समानता एक साल पहले 66.8 थी जो अब बढ़ कर 62.5 प्रतिशत हो गई है। यह कमी अनेक उप-सूचकांकों के स्तर पर दिखाई देती है। श्रम सहभागिता सूचकांक 24.8 प्रतिशत से गिर कर 22.3 प्रतिशत रह गया है, वरिष्ठ प्रबंधकीय पदों पर महिलाओं की सहभागिता केवल 14.6 प्रतिशत है, उनकी अनुमानित आमदनी पुरुषों की तुलना में पांचवां भाग है, राजनीतिक सशक्तीकरण सूचकांक 13 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि मंत्रिमंडल में महिलाओं की उपस्थिति 2019 में 23.1 प्रतिशत से 9.1 प्रतिशत गिरी है।

जेंडर समानता हमारे संविधान में एक प्रमुख मानवाधिकार के रूप में परिभाषित है और इसकी उपलब्धि से अनेक सामाजिक-आर्थिक लाभ होते हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा निर्धारित टिकाऊ विकास लक्ष्यों-एसडीजी के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है जिसमें सभी विकास पहलों को जेंडर दृष्टिकोण से देख कर जेंडर समानता पर जोर दिया गया है। लेकिन कोविड के कारण पैदा परिस्थितियों से आर्थिक दबाव बढ़ा है और एसडीजी प्राप्त करने का लक्ष्य 2030 किया गया है। वैश्विक महामारी के पश्चात नीतिगत पहलों में जेंडर-विशिष्ट बजट तथा सुधार रणनीतियां शामिल हैं। पहले कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की प्रमुख योजनाओं ने महिलाओं के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला। यह 'संरा महिला' मानकों पर जेंडर संवेदनशील बजटिंग-जीआरबी से संभव हुआ।

जीआरबी वैश्विक रूप से स्वीकृत 'सर्वोत्तम व्यवहार' है जिसमें विभिन्न देश जेंडर दृष्टिकोण से राजकोषीय खर्च आबंटित करते हैं। हालांकि, 1999 में घोषित महिलाओं के मैग्ना कार्टा में सरकारों को जीडीपी का कम से कम पांच प्रतिशत जेंडर मुद्दों के समाधान हेतु आबंटित करना चाहिए, पर हालिया वर्षों में महिला कल्याण के लिए निर्धारित धनराशि में कमी आई है। केन्द्र सरकार ने 'जेंडर बजटिंग स्टेटमेंट' दो भाग में जारी किया है। पहले भाग में महिला केन्द्रित योजनाओं का उल्लेख है जिसमें शत प्रतिशत आबंटन केवल महिलाओं के लिए है। दूसरे भाग में ऐसी महिला-समर्थक योजनाओं का उल्लेख है जिनमें महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आबंटन किया गया है।

हाल के वर्षो में जहां जन धन योजना, डीबीटी व मनरेगा ने सबको लाभ पहुंचाया है, वहीं विशेष जेंडर लक्षित योजनाओं ने महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक जीवन में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। लेकिन जीआरबी के लिए निर्धारित फंड सार्वजनिक खर्च के पांच प्रतिशत से भी कम है तथा यह जीडीपी के एक प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस प्रकार महिलाओं के लिए बजटीय आबंटन में काफी वृद्धि की आवश्यकता है। नीति आयोग का अनुमान है कि भारत को अपने जेंडर-विशिष्ट बजट में अतिरिक्त 6.2 प्रतिशत की वृद्धि करनी चाहिए ताकि वह एसडीजी लक्ष्यों के अनुरूप बन सके। रोजगार की बदलती हुई प्रकृति को देखते हुए महिलाओं का कौशल संवर्धन जरूरी है। कोविड के कारण रोजगार बाजार में व्यापक परिवर्तन हुए हैं तथा भविष्य में 9 से 5 वाला माडल उपयोगी नहीं होगा। डेलोलाइट के शोध से पता चलता है कि आर्थिक संकट के कारण कंपनियां अब ज्यादा अनुभवी फ्रीलांसरों को अवसर दे रही हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि गिग वर्क माडल का आकर्षण बढ़ रहा है। पहले काम से हटाई गई 78 लाख महिलायें अपने कॅरियर में परिवर्तन कर रही हैं क्योंकि डब्लूएचएफ अवधारणा ने पेशेवर डिग्री धारकों तथा कार्य अनुभव वाले लोगों के लिए नए अवसरों के द्वार खोले हैं। इसी प्रकार जहां स्वचालीकरण ने अनेक रोजगारों में परिवर्तन किया है, वहीं बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के अनुसार यह अगले 10 साल में 90 मिलियन फ्लेक्सी रोजगारों का सृजन करेगा।

हाल के वर्षों में जहां जन धन योजना, डीबीटी व मनरेगा ने सबको लाभ पहुंचाया है, वहीं विशेष जेंडर लक्षित योजनाओं ने महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक जीवन में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। लेकिन जीआरबी के लिए निर्धारित फंड सार्वजनिक खर्च के पांच प्रतिशत से भी कम है तथा यह जीडीपी के एक प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस प्रकार महिलाओं के लिए बजटीय आबंटन में काफी वृद्धि की आवश्यकता है।

स्व-रोजगार और लघु-उद्यमिता में प्रति वर्ष 17 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है जो 2023 तक 455 बिलियन डालर का क्षेत्र हो जाएगा। राज्य और सहकारी बैंकों को कर्ज बांटने के अपने माडलों में परिवर्तन करना चाहिए ताकि वे महिलाओं की प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को कम ब्याज दरों पर कर्ज दे सकें। आंकड़ों से स्पष्ट है कि महिलाओं की बचत की आदत अच्छी होती है तथा पुरुषों की तुलना में उनके कर्ज कम डूबते हैं। लेकिन अधिकांश महिलाओं के पास बंधक के लिए कुछ नहीं होता है और औपचारिक कर्ज लेने का उनका इतिहास नहीं होता है, इसलिए हमें उनका कर्ज इतिहास बनाने के लिए खोजी प्रयास करने होंगे। सवाल यह है कि जेंडर असमानता ने भारत की आर्थिक प्रगति में कितनी बाधा डाली है? भूमि, औपचारिक कर्ज, नवीनतम तकनीकों से महिलाओं का परिचय न होने, शिक्षा ड्रापआउट की उच्च दर तथा असमान घरेलू व बिना भुगतान वाले काम के कारण भारतीय महिलाओं की आर्थिक समृद्धि बाधित हुई है।

इस प्रकार जेंडर असमानता भारत में प्रतीकात्मक रूप से पूंजी के असाधारण नुकसान का कारण बनी है। भारत में जेंडर समानता अधिकतम स्तर पर प्राप्त करने का आर्थिक प्रभाव 2025 तक जीडीपी में 700 बिलियन डालर का योगदान कर सकता है। आईएमएफके अनुमानों के अनुसार कार्यबल में महिलाओं की समान सहभागिता से भारत की जीडीपी में 27 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है। इस बात के स्पष्ट प्रमाण मिलते हैं कि 'जब महिलायें बेहतर काम करती हैं तब अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति बेहतर होती है।

इसका अर्थ है कि हमें वे सारी बाधायें समाप्त कर देनी चाहिए जो महिलाओं की अर्थव्यवस्था में भागीदारी में बाधा डालती हैं। इनमें अचेतन रूप से मानसिक सोच की बाधायें भी शामिल हैं।'

केवल भारतीय जनता पार्टी ही रोक सकती है घुसपैठ : अमित शाह

एजेंसी। चपरा (नदिया)

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आश्वासन दिया कि यदि भाजपा बंगाल में सत्ता में आती है तो घुसपैठ की समस्या खत्म हो जाएगी। शाह ने जोर देकर कहा, न केवल लोग बल्कि परिंदे भी (भारत-बांग्लादेश) सीमा से देश में दाखिल नहीं हो सकेंगे। बांग्लादेश सीमा से लगने वाले नदिया जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नहीं चाहतीं कि भारत में रह रहे शरणार्थियों को नागरिकता मिले, लिहाजा वह नए कानून का विरोध कर रही हैं। शाह ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की नजरें उनके वोटबैंक पर हैं और वह फर्जी धर्मनिरपेक्षता का पालन करती हैं। उन्होंने कहा, इस इलाके में घुसपैठ बड़ी समस्या है। कई जगहों पर फर्जी नोट मिलते रहते हैं...केवल भाजपा ही घुसपैठ को रोक पाएगी। मैं आपको आश्वासन देता हूं कि यदि भाजपा दो मई को सत्ता में आएगी, तो केवल लोग ही नहीं बल्कि एक परिंदा भी उड़कर सीमा के उस पार से इस पार नहीं आ सकेगा।

कूच बिहार के पीड़ितों के शव के साथ रैली पर ममता के ऑडियो क्लिप की जांच करे निर्वाचन आयोग : भाजपा

कोलकाता। भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आरिज आफताब से अनुरोध किया कि वो उस कथित ऑडियो क्लिप पर संज्ञान लें जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कूच बिहार गोलीबारी के पीड़ितों के शवों के साथ रैली का प्रस्ताव देते सुनी जा रही हैं- क्योंकि राज्य में जारी चुनावों के बीच ऐसे किसी कदम से तनाव और बढ़ सकता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वपन दासगुप्ता ने यहां सीईओ कार्यालय पहुंचे पार्टी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। दासगुप्ता ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने आफताब को उस बातचीत से अवगत कराया जो संभवतः बनर्जी और सीतलकूची से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के बीच हुई, और बताया कि इसकी वजह से विधानसभा चुनाव के अगले तीन चरणों में अप्रिय स्थिति बन सकती है। टीएमसी पहले ही इस ऑडियो क्लिप को फर्जी बता चुकी है और पार्टी का कहना है कि ऐसे कोई बातचीत नहीं हुई। तारकेश्वर विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार दासगुप्ता ने कहा कि सीईओ से इस मामले को निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारियों के समक्ष उठाने का भी अनुरोध किया गया है। उन्होंने दावा किया कि यह ऑडियो टेप किसी उद्देश्य से लीक किया गया था। दासगुप्ता ने कहा, हमें नहीं लगता कि यह फोन टैपिंग का मामला है।

पश्चिम बंगाल के अमडंगा में भारतीय जनता पार्टी की एक चुनावी रैली को संबोधित करते गृहमंत्री अमित शाह

जांगीपुर विधानसभा सीट पर चुनाव निर्वाचन आयोग ने स्थगित किया

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने पश्चिम बंगाल में रिवोल्युशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के उम्मीदवार के निधन के बाद शनिवार को जांगीपुर विधानसभा सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया। जन प्रतिनिधित्व कानून के प्रावधानों के तहत किसी भी मान्यताप्राप्त दल के प्रत्याशी के निधन की स्थिति में चुनाव स्थगित कर दिया जाता है ताकि वह दल नया प्रत्याशी तय कर सके। नए उम्मीदवार को नामांकन दाखिल करने का मौका मिलता है। उसके नामांकन पत्रों की जांच की जाती है और उसे नाम वापस लेने का भी अवसर मिलता है।आयोग के प्रवक्ता ने कहा, मुर्शिदाबाद में 58 जांगीपुर विधानसभा क्षेत्र में 26 अप्रैल को होने वाला मतदान आरएसपी उम्मीदवार के निधन के कारण स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन आयोग आने वाले दिनों में इस सीट के लिए नया मतदान कार्यक्रम घोषित करेगा।

कोविड-19 मामलों की जांच, संपर्क का पता लगाकर उपचार करने का कोई विकल्प नहीं: नरेंद्र मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत ने पिछले साल एकजुट होकर कोविड-19 महामारी को परास्त कर दिया था और इस बार भी वह हरा सकता है लेकिन इसके लिए उन्हीं सिद्धांतों को तेजी से और आपसी सहयोग के साथ अपनाना होगा। प्रधानमंत्री ने यह बात कोविड-19 की मौजूदा स्थिति को लेकर की गई एक समीक्षा बैठक के दौरान कही। इस बैठक में केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के शीर्ष अधिकारी मौजूद थे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जारी एक बयान में कहा गया कि इस बैठक में दवाइयां, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर्स और टीकाकरण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। बैठक में प्रधानमंत्री ने जांच, संपर्क का पता लगाने और फिर उपचार की दिशा में आगे बढ़ने पर जोर दिया और कहा कि इनका कोई विकल्प नहीं है। बयान के मुताबिक मोदी ने कहा, जल्दी जांच कराना और फिर संपर्क का पता लगाना इससे होने वाली मृत्यु में कमी लाने की कुंजी है। उन्होंने लोगों की चिंताओं के

प्रति स्थानीय प्रशासन को संवेदनशील और आगे बढ़कर सक्रियता दिखाने पर जोर दिया। उन्होंने राज्यों से बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने और कोविड-19 के मरीजों के लिए अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए हरसंभव कदम उठाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर दवाइयों की बढती मांग के मद्देनजर देश के दवा निर्माता उद्योग की पूरी क्षमता का उपयोग करने की आवश्यकता जताई तथा साथ ही रेमडेसिविर और अन्य दवाइयों की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने वेंटिलेटर्स की उपलब्धता और आपूर्ति की मौजूदा स्थिति की भी समीक्षा की और इसकी निगरानी की उचित व्यवस्था पर जोर दिया। उन्होंने टीकों के उत्पादन की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक संसाधनों के मद्देनजर पूरी राष्ट्रीय क्षमता झोंक देने का निर्देश दिया। बैठक में कैबिनेट सचिव, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव, केंद्रीय गृह सचिव, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव, नीति आयोग के सदस्य वी के पॉल भी मौजूद थे।

हरिद्वार से भीड़ हटाने के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर केंद्र और अन्य से मांग की गई है कि देश भर में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच हरिद्वार से भीड़ हटाई जाए और कुंभ मेला से लौटने वाले लोगों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल तय की जाए। याचिका में हाल में कोविड-19 के बढ़ते मामलों का जिक्र किया गया है और इसमें अनुरोध किया गया है कि केंद्र और उत्तराखंड सरकार को निर्देश दिया जाए कि कुंभ मेला के लिए लोगों को आमंत्रण वाले विज्ञापनों को तुरंत वापस लिया जाए। याचिका में आग्रह किया गया है कि निर्वाचन आयोग से कहा जाना चाहिए कि जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, वहां के अधिकारियों को निर्देश दे कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जाए। नोएडा निवासी संजय कुमार पाठक की तरफ से दायर याचिका में कहा गया है कि देश में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और कई राज्यों में स्वास्थ्य ढांचे चरमरा रहे हैं।याचिका में कहा गया है कि महामारी के शुरू होने के बाद से भारत में कोविड-19 के मामले सबसे अधिक संख्या में बढ़ रहे हैं, लेकिन कुंभ मेला के लिए हरिद्वार में लाखों श्रद्धालुओं के इकट्ठा होने और राज्यों में चुनावी रैलियों के दौरान काफी संख्या में लोगों के उमड़ने के दृश्य दिख रहे हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है, कोविड-19 के नियमों के उल्लंघन पर एक तरफ सड़कों पर आम आदमी को दंडित किया जाता है और पुलिस उनके साथ हिंसक व्यवहार करती है।

क्विक न्यूज

सरकारी अस्पातल से रेमडेसिविर इंजेक्शन चोरी, जांच शुरू

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित सरकारी हमीदिया अस्पताल से कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के लिए कारगर रेमडेसिविर इंजेक्शन बड़ी तादात में चोरी होने का मामला सामने आया है। प्रदेश में इंजेक्शन चोरी का यह पहला मामला है।अस्पताल में पहुंचे मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने शनिवार को संवाददाताओं को बताया, जानकारी मिली है कि (रेमडेसिविर) इंजेक्शन चोरी हो गए है। यह बहुत गंभीर मामला है। संभागीय आयुक्त कवीन्द्र कियावत एवं भोपाल के पुलिस उप महानिरीक्षक इरशाद वली मौके पर पहुंच गए हैं और जांच शुरू कर दी गई है। उन्होने कहा कि मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच जारी है। रेमडेसिविर इंजेक्शन चोरी का मामला उस वक्त आया है, जब कोविड-19 महामारी के दौरान प्रदेश में इस इंजेक्शन की भारी कमी है।

कोविड-19: जम्मू-कश्मीर में किसी भी कार्यक्रम में 100 से अधिक लोगों के एकत्र होने पर पाबंदी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर किसी भी कार्यक्रम में 100 से अधिक लोगों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी। साथ ही प्रशासन ने 11वी की परीक्षा स्थगित करने की भी घोषणा की। दो दिन पहले उपराज्यपाल मनोज सिन्हा नीत प्रशासन ने दरबार श्रीनगर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया स्थगित कर दी थी। साथ ही 12वी समेत सभी कक्षाओं के लिए स्कूल और निजी शिक्षण संस्थान 30 अप्रैल तक बंद कर दिए गए है। जम्मू-कश्मीर स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा कराई जा रही 10वी की परीक्षाएं भी रद्द कर दी गई है। उपराज्यपाल कार्यालय ने ट्वीट किया, कोविड-19 के मद्देनजर 11वी की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई है। किसी भी कार्यक्रम में 100 से अधिक लोग एकत्र नही हो सकेंगे। इससे पहले यह संख्या 200 थी। जम्मू कश्मीर में बीते एक महीने से कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। शुक्रवार को संक्रमण के1,144 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या1,44,021 हो गई। दो और रोगियो की मौत के बाद मृतकों की तादाद 2,048 तक पहुंच गई है।

कोविड-19 मामलों में वृद्धि के मद्देनजर गोवा ने ऑक्सीजन सिलिंडरों के निर्यात पर पाबंदी लगाई

पणजी। गोवा सरकार ने कोविड-19 मामलों में वृद्धि के मद्देनजर शनिवार को ऑक्सीजन सिलिंडरों के निर्यात पर रोक लगाने की घोषणा की और उद्योगो के लिए रखे गए इस जीवन रक्षक गैस के स्टॉक को स्वास्थ्य सेवाओं को देने का आदेश दिया। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने यह आदेश जारी किया। वह राज्य के उद्योग मंत्री भी हैं। मंत्री ने कहा, गोवा में कोरोना वायरस के मामलो मे वृद्धि के मद्देनजर ऑक्सीजन की मांग बढ़ गई है। लिहाजा, ऑक्सीजन सिलिंडरो के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से पाबंदी लगाई जाती है। राणे ने कहा कि उद्योगो के लिए रखी गई ऑक्सीजन को गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल तथा अन्य कोविड-19 अस्पतालो समेत स्वास्थ्य सेवाओ को प्रदान किया जाएगा।इस बीच, राणे ने कहा कि राज्य सरकार ने कोविड-19 अस्पतालों और उपचार केन्द्रो में भोजन की आपूर्ति के लिए निजी कंपनियो की सेवाएं ली है। गोवा मे शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के927 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितो की कुल संख्या 65,499 हो गई। इनमें से 868 संक्रमितो की मौत हो चुकी है। राज्य मे उपचाराधीन रोगियो की संख्या 6,321 है।

प्रसिद्ध साहित्यकार नरेंद्र कोहली का निधन

नई दिल्ली। हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार एवं उपन्यासकार नरेंद्र कोहली का शनिवार को निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने साहित्य मे कोहली के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हे श्रद्धांजलि दी। पारिवारिक सूत्रो के अनुसार कोहली का कोरोना संक्रमण के कारण शनिवार को राजधानी दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया। कोहली ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू कालेज मे हिंदी के प्राध्यापक के रूप मे भी काम किया था। महाभारत पर आधारित उनका विशाल उपन्यास महासमर तथा स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित उपन्यास तोड़ो कारा तोड़ो काफी लोकप्रिय हुए। प्रधानमंत्री ने उनके निधन पर शोक जताते हुए ट्वीट कर कहा, सुप्रसिद्ध साहित्यकार नरेंद्र कोहली जी के निधन से अत्यंत दुख पहुंचा है। साहित्य मे पौराणिक और ऐतिहासिक चरित्रो के जीवंत चित्रण के लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे। शोक की इस घड़ी मे मेरी संवेदनाएं उनके परिजनो और प्रशंसकों के साथ है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने ट्वीट कर अपने शोक संदेश मे कहा, प्रसिद्ध साहित्यकार श्री नरेंद्र कोहली के निधन के दुखद समाचार से हृदय को अतीव दुख पहुंचा। कोहली जी ऐसे शब्द योगी थे जिन्होंने अपने लेखन से इस माटी की विरासत और समृद्ध परंपराओं को युगानुकूल संदर्भों मे परिभाषित किया।

हरिद्वार में शनिवार को कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के बाद कुंभ मेले की समाप्ति की घोषणा के बाद निरंजनी अखाड़े और आनंद अखाड़े के खाली पड़े टेंट

पश्चिम बंगाल: मतदान के दौरान बीमार पड़ने से भाजपा के बूथ एजेंट की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में शनिवार को एक मतदान केन्द्र पर बीमार पड़ने के बाद भाजपा के बूथ एजेंट की मौत हो गई। निर्वाचन आयोग ने इस घटना के संबंध में रिपोर्ट मांगी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।उन्होंने कहा कि कमरहाटी विधानसभा क्षेत्र में मतदान केन्द्र संख्या 107 पर भाजपा के एजेंट अभिजीत सामंत मतदान शुरू होने के कुछ ही घंटों के अंदर बीमार पड़ गए। अधिकारी ने कहा कि सामंत को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। मतदान केन्द्र पर कतार में खड़े मतदाताओं ने आरोप लगाया कि सामंत ने सीने में दर्द की शिकायत और उल्टियां की, लेकिन चुनाव अधिकारियों और केन्द्रीय बलों के कर्मियों ने उनकी सुध नहीं ली। अधिकारी ने कहा, हमें शिकायत मिली है कि एजेंट ने जब तबीयत खराब होने के बारे में बताया तो उसकी अच्छी तरह देखभाल नहीं की गई। हमने वहां तैनात पर्यवेक्षकों से रिपोर्ट मांगी है। इस बीच, पुलिस ने कहा कि नदिया की चकदाह सीट से निर्दलीय उम्मीदवार कौशिक भौमिक को मतदान केन्द्र के बाहर बंदूक के साथ घूमने के चलते हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने कहा कि भौमिक मतदान केंद्र संख्या 44 और 45 के बाहर बंदूक लेकर आया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि पूरा मामला वीडियो में कैद हो गया है और बंदूक जब्त कर ली गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा, उम्मीदवार पतलून में बंदूक लगाकर इधर-उधर घूम रहा था। केन्द्रीय बलों और पुलिस ने जब उसे रोका तो उसने बंदूक नीचे गिरा दी। उसे हिरासत में ले लिया गया है। रिपोर्ट तलब की गई है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण में छह जिलों की 45 सीटों पर मतदान जारी है।

ढाई साल की अफगान लड़की का केरल के निजी अस्पताल में हुआ अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण

भाषा। कोझीकोड (केरल)

शहर के एक निजी अस्पताल में दुर्लभ अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण अफगानिस्तान की ढाई साल की लड़की के लिए जीवन की एक नई आस लेकर आया। एस्टर एमआईएमएस अस्पताल के अधिकारियों ने शनिवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि केरल के किसी भी अस्पताल में यह पहला मौका है जब अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण सर्जरी कुलसुम जैसी इतनी छोटी लड़की पर सफलतापूर्वक की गई है। हाल ही में जांच में पता चला था कि उसे जन्म से ही माइलॉयड ल्यूकेमिया (खून एवं अस्थ मज्जा का एक प्रकार का कैंसर) है। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि बच्ची की दुबई में चार चक्र की कीमोथेरेपी हुई और डॉक्टरों ने यथाशीघ्र उसका अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण कराने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि चूंकि यह मेडिकल सुविधा दुबई में नहीं थी, इसलिए कुलसुम का परिवार केरल आया और उसने यहां एस्टर एमआईएमएस में उपचार का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि कुलसुम और उसके परिवार को इस उपचार से पूर्व कई कानूनी मुश्किलों से गुजरना पड़ा। उसका परिवार अफगानिस्तान से था लेकिन उसके दादा-दादी दशकों पहले व्यापारिक उद्देश्यों से पाकिस्तानी पासपोर्ट पर संयुक्त अरब अमीरात चले गए थे क्योंकि वे तब अपने देश के पासपोर्ट पर यात्रा नहीं कर सकते थे। कुलसुम के पता मोहम्मद का जन्म संयुक्त अरब अमीरात में हुआ और उनके पास भी पाकिस्तानी पासपोर्ट था। उन्हें पाकिस्तानी पासपोर्ट पर भारत में इलाज कराने के मार्ग में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। लेकिन अस्पताल समूह के अध्यक्ष डॉ. आजाद मूपेन ने एस्टर एमआईएमएस, उत्तरी केरल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को सभी कानूनी मुश्किलों का निराकरण करने तथा कुलसुम के उपचार एवं उनकी भारत यात्रा का मार्ग प्रशस्त का निर्देश दिया।

विपक्ष ने तिरुपति (सु.) लोकसभा सीट पर उपचुनाव रद्द करने की मांग की

भाषा। अमरावती

आंध्र प्रदेश में विपक्षी दलों तेलुगु देशम पार्टी, भाजपा और कांग्रेस ने यह आरोप लगाते हुए तिरुपति (सु) लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव तत्काल रद्द करने की मांग की कि सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस ने बड़े पैमाने पर फर्जी मतदान को बढ़ावा दिया है, खासकर मंदिर शहर तिरुपति में।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के विजयानंद ने एक बयान में कहा कि चुनाव आयोग ने इसे गंभीरता से लिया है और चित्तूर और एसपीएस नेल्लोर जिलों के कलेक्टरों को फर्जी मतदाताओं पर नकेल कसने और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।राज्य के पुलिस महानिदेशक डी जी सवांग ने हालांकि एक बयान में दावा किया कि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में जारी है और हर कोई अपने मताधिकार का निडरतापूर्वक इस्तेमाल कर रहा है।कोविड-19 के डर के कारण मतदान कम रहा क्योंकि पहले चार घंटे में केवल 17.8 प्रतिशत ही मतदान हुआ।चुनाव आयोग के सूत्रों ने यहां कहा कि अपराह्न 2 बजे के बाद यह 36 प्रतिशत हो गया।तेदेपा और भाजपा के उम्मीदवारों पानाबाका लक्ष्मी और के रत्न प्रभा ने खुद उन कुछ फर्जी मतदाताओं को पकड़ा और उन्हें पुलिस को सौंप दिया जो तिरुपति के कुछ मतदान केंद्रों में फर्जी मतदाता पहचान पत्र लिए हुए थे।तिरुपति की पूर्व विधायक सुगनम्मा ने तिरुपति शहर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास एक विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

उन्होंने यह प्रदर्शन तब किया जब एक बस को रोका गया जिसमें कथित तौर पर अन्य मंडलों के कई फर्जी मतदाता थे और उनसे कई फर्जी पहचानपत्र जब्त किए गए।कांग्रेस उम्मीदवार चिन्ता मोहन ने भी आरोप लगाया कि वाईएसआरसी अन्य स्थानों से हजारों लोगों को तिरुपति में फर्जी वोट डालने के लिए लाई।

राज्य के पंचायतीराज मंत्री पी आर सी रेड्डी ने विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि वाईएसआरसी को ऐसी युक्ति अपनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि पार्टी की इस उपचुनाव में जीत निश्चित है। उन्होंने दावा किया कि बसों में जिन्हें रोका गया वे वास्तव में तीर्थयात्री और पर्यटक थे जो वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन करने आए थे। तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधा क्योंकि उसने लोकतंत्र का मजाक उड़ाया। उन्होंने सवाल किया, हमें ऐसे चुनावों की आवश्यकता क्यों है? फर्जी मतदाताओं को तिरूपति में लाया गया। पुलिस ने उन्हें कैसे अनुमति दी? पूर्व मुख्यमंत्री ने सीईओ के. विजयानंद को पत्र भी लिखा और तिरुपति में बाहरी लोगों की आमद और फर्जी मतदान को रोकने के लिए तत्काल कार्वाई की मांग की।

एटीएम से लोगों के पैसे निकालने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

भाषा। जबलपुर (मप्र),

● 92.39 लाख रुपए निकालने का मामला

जबलपुर पुलिस ने धोखाधड़ी कर विभिन्न एटीएम से लोगों के 92.39 लाख रूपए निकालने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को दी। नगर पुलिस अधीक्षक (ओमती) आर डी भारद्वाज ने बताया कि शाकिर हुसैन (30) एवं इंजमाम उल हक (24) को धोखाधड़ी कर एटीएम से 92.39 लाख रूपए निकालने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों हरियाणा के नूह जिले के निवासी हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में तीन अन्य आरोपी मोहम्मद हुसैन, अजहरूद्दीन एवं शमीम फरार हैं। वे तीनों भी हरियाणा के रहने वाले हैं।भारद्वाज ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से विभिन्न बैंकों के 86 एटीएम कार्ड, तीन पैन कार्ड, तीन आधार कार्ड, एक चेक बुक, 11,500 रूपए नकद एवं तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) के प्रबंधक हरीश कुमार की शिकायत पर की गई है।भारद्वाज ने बताया कि आरोपियों ने इसी साल दो अप्रैल से 12 अप्रैल के बीच एसबीआई के विभिन्न एटीएम से ये पैसे 134 बार में निकाले थे।

केंद्रीय बलों की ओर से गोलीबारी करने के आरोप के बाद निर्वाचन आयोग ने रिपोर्ट मांगी

देगंगा (पश्चिम बंगाल)। निर्वाचन आयोग ने दक्षिण 24 परगना के देगंगा निर्वाचन क्षेत्र में केंद्रीय बलों द्वारा गोलीबारी की एक कथित घटना पर शनिवार को चुनाव पर्यवेक्षकों से रिपोर्ट मांगी, जहां मतदान जारी है। आयोग ने यह रिपोर्ट स्थानीय लोगों द्वारा इस तरह के आरोप लगाए जाने के बाद मांगी। एक वरिष्ठ निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सीईओ आरिज आफताब के कार्यालय को वीडियो फुटेज प्राप्त हुए हैं जिसमें ग्रामीण ए आरोप लगाते दिख रहे हैं कि केंद्रीय बलों ने देगंगा के कुरुलागाचा में एक बूथ के पास उन्हें भगाने के लिए गोलियां चलाईं।उन्होंने कहा, हमने वहां के चुनाव पर्यवेक्षकों से मामले पर त्वरित रिपोर्ट मांगी है। हालांकि, उस बूथ पर तैनात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के एक अधिकारी ने लगाए गए आरोप को ॅनिराधारॅ करार दिया, जहां स्थानीय लोगों ने दावा किया कि गोलीबारी की गई है।

टीकाकरण के लिए आयुसीमा घटाई जाए: सोनिया

● **कांग्रेस ने सरकार पर कोरोना के कुप्रबंधन का आरोप लगाया**

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने कोरोना महामारी से निपटने में केंद्र सरकार पर कुप्रबंधन और अक्षमता का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि तत्काल सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए तो देश को अभूतपूर्व विनाश का सामना करते रहना पड़ेगा। पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में यह कहा कि टीकाकरण के लिए आयुसीमा को घटाकर 25 साल किया जाए तथा अस्थमा, मधुमेह और कुछ अन्य बीमारियों से पीड़ित युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर टीका लगाया जाए।

उन्होंने यह आग्रह भी किया कि सरकार को कोरोना महामारी से निपटने के लिए जरूरी चिकित्सा उपकरणों और दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए तथा कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाने पर गरीबों को प्रति माह छह हजार रुपए की मदद देनी चाहिए। सीडब्ल्यूसी की बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कार्य समिति के कई अन्य सदस्य शामिल थे। सीडब्ल्यूसी की बैठक में यह फैसला भी किया गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पार्टी के सुझावों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि सोनिया गांधी ने नेताओं और कार्यकर्ताओं से निर्देश दिया है कि वे देश भर में जरूरतमंद लोगों की मदद करें। प्रदेश कांग्रेस कमेटियों से कहा गया है कि वे राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम और हेल्पलाइन स्थापित करें ताकि लोगों की मदद की जा सके। बैठक में दिए गए अपने संबोधन में सोनिया ने

बड़ी संख्या में लोगों के कोरोना वायरस संक्रमण के चपेट में आने और रोजाना सैकड़ों लोगों की मौत होने पर दुख जताते हुए कहा कि इस संकट की घड़ी में अपना कर्तव्य निभा रहे स्वास्थ्यकर्मियों एवं दूसरे कर्मचारियों को कांग्रेस सलाम करती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र तथा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अपनी बैठक का उल्लेख किया और आरोप लगाया कि कई जगहों पर टीकों, ऑक्सीजन और वेंटिलेंटर की कमी हो रही है, लेकिन सरकार चुप्पी साधे है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, सरकार को टीकाकरण के लिए अपनी प्राथमिकता पर पुनर्विचार करना चाहिए और आयुसीमा को घटाकर 25 साल करना चाहिए। अस्थमा, मधुमेह, किडनी और लीवर संबंधी बीमारियों से पीड़ित सभी युवाओं को टीका लगाया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि टीकाकरण के लिए अभी न्यूनतम आयुसीमा 45 साल निर्धारित है। सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया, भारत में कोविड-19 का पहला मामला 30 जनवरी, 2020 को सामने आया था। भारत में कोविड का पहला टीका 16 जनवरी, 2021 को लगाया गया था। इन दो तारीखों के बीच और उसके पश्चात, त्रासदी, अक्षमता और भारी कुप्रबंधन की एक विस्तृत गाथा है। कांग्रेस कार्य समिति ने आरोप लगाया कि पहले दिन से ही केंद्र सरकार ने महामारी के नियंत्रण से संबंधित सभी शक्तियां और अधिकार अपने हाथों में ले लिए। कांग्रेस की शीर्ष इकाई ने कहा, संक्रमण से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा किए गए प्रारंभिक उपाय सतही थे। जब कोई टीका या उपचार उपलब्ध नहीं था, ऐसी परिस्थितियों में रोकथाम ही मात्र विकल्प था। उसके लिए टेस्टिंग, ट्रैकिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट की आवश्यकता थी। लेकिन इस दिशा में भी केंद्र सरकार का प्रयास अपर्याप्त रहा। बयान में दावा किया गया, पर्याप्त धन और अन्य रियायतें प्रदान करके भारत में दो स्वीकृत टीकों के उत्पादन और आपूर्ति में तेजी से वृद्धि करने में विफलता रही। भारत में अन्य टीका बनाने वाली कंपनियों के स्वीकृत टीकों के अनिवार्य लाइसेंसिंग और उत्पादन का विकल्प अपनाने में विफलता रही। सीडब्ल्यूसी ने कहा, पहले चरण में स्वास्थ्य कर्मियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के टीकाकरण के बाद सार्वभौमिक टीकाकरण लागू करने में विफलता रही। टीकाकरण कार्यक्रम में पूर्व पंजीकरण और नौकरशाही नियंत्रण से छुटकारा दिलाने में विफलता रही। टीकाकरण का क्रियान्वयन राज्य सरकारों और सरकारी तथा निजी अस्पतालों को सौंपने में विफलता रही।

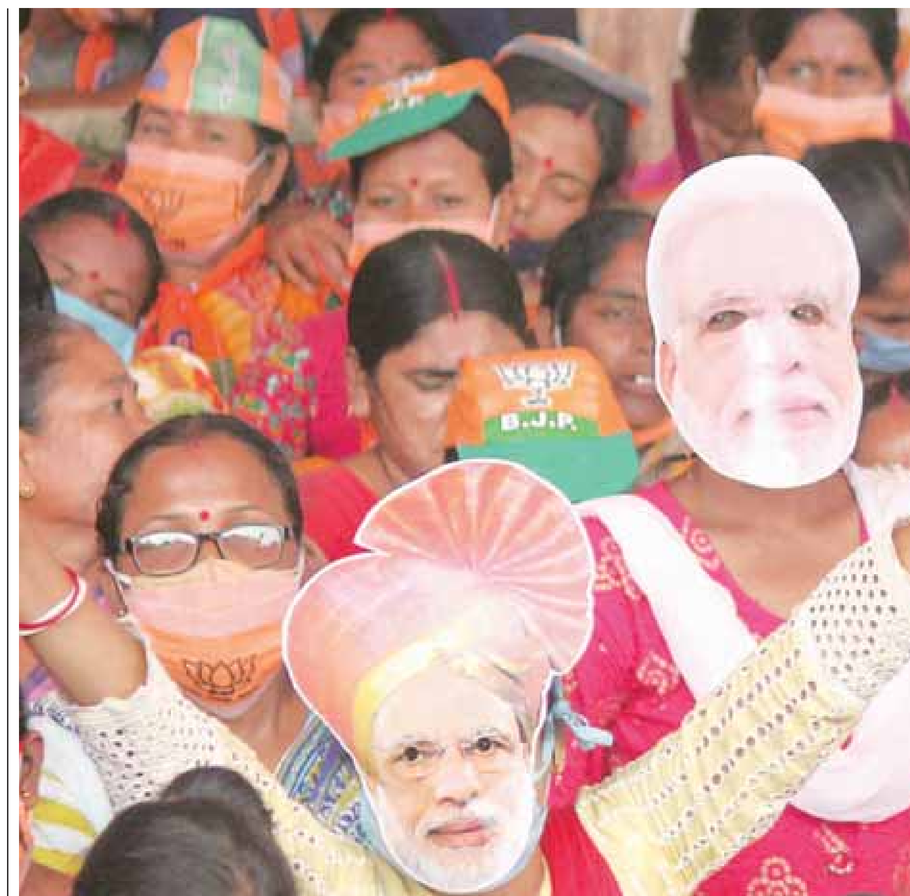

पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर में एक चुनाव रैली के दौरान प्रधानमंत्री को सुनने आए भाजपा समर्थक

वायुसेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया का अगले सप्ताह फ्रांस की यात्रा का कार्यक्रम

भाषा। नई दिल्ली

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया तीन दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को फ्रांस के लिए रवाना होने वाले हैं जिस दौरान वह कई वरिष्ठ फ्रांसीसी सैन्य अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे और शेष राफेल जेट विमानों के निर्माण एवं उनकी आपूर्ति समय का जायजा लेंगे। इस संबंध में जानकारी रखने वालों ने बताया कि वायुसेना प्रमुख दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच सहयोग का विस्तार करने के तरीकों को लेकर फ्रांसीसी वायुसेना के चीफ ऑफ स्टाफ फिलिप लेविनी के साथ व्यापक बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि एयर चीफ मार्शल भदौरिया द्वारा फ्रांसीसी बंदरगाह शहर बोर्डो के मरिग्नैक एयरबेस से पांच-छह राफेल जेट को भारत रवाना कर सकते हैं। राफेल जेट के निर्माता डसॉल्ट एविएशन द्वारा अप्रैल के अंत तक छह राफेल विमान भारत भेजने का कार्यक्रम था। इन नए विमानों के भारत पहुंचने से भारतीय वायुसेना द्वारा राफेल जेट का दूसरा स्क्वाड्रन खड़ा करने का मार्ग प्रशस्त होगा। नया स्क्वाड्रन पश्चिम बंगाल में हासिमारा हवाई अड्डे पर तैनात होगा। राफेल विमानों का पहला स्क्वाड्रन अंबाला वायुसेना स्टेशन पर तैनात है। एक स्क्वाड्रन में लगभग 18 विमान शामिल होते हैं। भारत ने सितंबर 2016 में फ्रांस के साथ लगभग 53,000 करोड़ रुपए की लागत से 36 राफेल लड़ाकू जेट की खरीद के लिए एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। डसॉल्ट एविएशन ने अभी तक 14 जेट की आपूर्ति भारतीय वायुसेना को कर दी है। पांच राफेल जेट पिछले 29 जुलाई को भारत पहुंचे थे। जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा कि भारतीय वायुसेना प्रमुख शेष राफेल जेट के निर्माण और आपूर्ति समय का भी जायजा लेंगे।

रेव पार्टी में हिस्सा लेने वाली महिला पुलिसकर्मी निलंबित

मंगलुरु। प्रदेश के हासन जिले के एक रिसॉर्ट में हाल में हुई एक रेव पार्टी में कथित तौर पर हिस्सा लेने वाली पुलिस की एक महिला हेड कांस्टेबल को निलंबित किया गया है। पुलिसकर्मी यहां के साइबर, आर्थिक और मादक द्रव्य (सीईएन) पुलिस थाने से संबद्ध थी। शहर के पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने शनिवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि हेड कांस्टेबल को शक्तियों के दुरुपयोग के आरोप में निलंबित किया गया है। उसने छापा मारने वाले दस्ते के समक्ष कथित तौर पर दावा किया था कि वह मंगलुरु में अपराध शाखा से संबद्ध है। आयुक्त ने कहा कि महिला पुलिसकर्मी ने कथित तौर पर रिसॉर्ट पर छापा मारने वाले पुलिसकर्मी से बहस की थी। कुमार ने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मामले की जांच करेंगे। पुलिस के एक दल ने 12 अप्रैल को तड़के हासन जिले का आलूर तालुक में होंकारावल्ली स्थित एक रिसॉर्ट में चल रही रेव पार्टी पर छापा मारा था।

निजी वाहन सार्वजनिक स्थान की परिभाषा में नहीं आएगा: न्यायालय

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि मादक पदार्थ निरोधक कानून (एनडीपीएस) के तहत दिए गए स्पष्टीकरण के तहत कोई निजी वाहन "सार्वजनिक स्थलै की परिभाषा के तहत नहीं आता है। न्यायमूर्ति यू यू ललित और न्यायमूर्ति के एम जोसेफ ने यह टिप्पणी पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा पारित उस आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर निर्णय करते हुए कही जिसमें एनडीपीएस कानून के तहत उनकी दोषसिद्धि और सजा की पुष्टि की गई थी। आरोपियों के पास से अफीम की भूसी के दो बैग बरामद हुए थे जब वे एक सार्वजनिक स्थान पर एक जीप में बैठे हुए थे।

निचली अदालत ने रिकॉर्ड में लाए गए सबूतों पर विचार करने के बाद आरोपी मेजर सिंह को बरी कर दिया, लेकिन आरोपी बूटा सिंह, गुरदीप सिंह और गुरमोहिंदर सिंह को एनडीपीएस अधिनियम के तहत दोषी ठहराया और उन्हें 10 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई। उन्हें एक लाख रुपए का जुर्माने भरने को भी कहा गया और इसमें विफल रहने पर उन्हें और दो साल की कठोर कारावास भुगतने का निर्देश दिया गया था। आरोपियों ने शीर्ष अदालत के समक्ष दलील दी कि संबंधित वाहन आरोपी गुरदीप सिंह से संबंधित एक निजी वाहन था और सार्वजनिक वाहन नहीं था, हालांकि उसे एक सार्वजनिक सड़क पर खड़ा किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि वर्तमान मामले में साक्ष्य स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि वाहन सार्वजनिक नहीं था, बल्कि गुरदीप सिंह से संबंधित एक निजी वाहन था और आरोपियों को बरी कर दिया क्योंकि उन पर गलत धारा के तहत आरोप लगाए गए थे। पीठ ने कहा, वाहन का पंजीकरण प्रमाणपत्र, जिसे रिकॉर्ड पर रखा गया है, यह नहीं बताता है कि यह सार्वजनिक परिवहन वाहन है। धारा 43 के स्पष्टीकरण से पता चलता है कि एक निजी वाहन एनडीपीएस अधिनियम की धारा 43 में उल्लेखित सार्वजनिक स्थान की परिभाषा के भीतर नहीं आएगा। पीठ ने कहा, इस अदालत के निर्णय के आधार पर संबंधित प्रावधान एनडीपीएस अधिनियम की धारा 43 नहीं होगी, लेकिन मामला एनडीपीएस अधिनियम की धारा 42 के तहत आएगा।

क्विक न्यूज

पूर्व केंद्रीय मंत्री बची सिंह रावत को एम्स में भर्ती कराया गया

ऋषिकेश (उत्तराखंड)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री बची सिंह रावत को शनिवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया। रावत ने सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत की थी। एम्स ऋषिकेश के एक अधिकारी ने बताया कि रावत (71) को हल्द्वानी से एयर एम्बुलेंस में लाया गया और अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सा विशेषज्ञ उनकी देखरेख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रावत की प्रारंभिक जांच की गई जिससे पता चला कि वह फेफड़े के संक्रमण से पीड़ित हैं। चार बार के सांसद रावत केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री भी रह चुके है।

अंटार्कटिका गया भारतीय दल केप टाउन लौटा

नई दिल्ली। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि अंटार्कटिका गए भारतीय अंतरिक्ष अभियान दल के सदस्य 94 दिनों में 12 हजार समुद्री मील का सफर तय कर पिछले हफ्ते सफलतापूर्वक केप टाउन लौट आए हैं। उसने कहा कि यह उपलब्धि महाद्वीप में भारत के चार दशकों के वैज्ञानिक प्रयासों का नतीजा है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तत्वावधान में अंटार्कटिका के लिए 40वां भारतीय वैज्ञानिक अभियान दल 10 अप्रैल 2021 को सफलतापूर्वक केप टाउन लौट आया है। दल ने कुछ जगह ठहराव के साथ 94 दिनों में 12000 समुद्री मील की दूरी तय की। इसमें कहा गया कि अभियान दल में वैज्ञानिक, अभियंता, चिकित्सक और तकनीशियन शामिल थे। इन्होंने जनवरी में गोवा के मोर्गमुगाओ बंदरगाह से अंटार्कटिका के लिए सफर शुरू किया था। बयान के मुताबिक दल 27 फरवरी को अपने गंतव्य अंटार्कटिका में भारती स्टेशन और आठ मार्च को मैत्री स्टेशन पहुंचा। भारती और मैत्री भारत के दो स्थाई शोध आधार केंद्र हैं।

सोपोर में आतंकी हमले के समय एक राजनीतिक दल के सात सदस्य मौजूद थे : भाजपा का आरोप

श्रीनगर। भाजपा की जम्मू कश्मीर इकाई ने शनिवार को कहा कि सोपोर में हाल हुए आतंकी हमले के समय घटनास्थल पर एक राजनीतिक दल के सात सदस्य मौजूद थे जिन्होंने हेलमेट पहन रखा था, इसलिए इसकी जांच की जरूरत है। भगवा दल ने पूछा कि क्या संबंधित पार्टी के सदस्यों को हमले की पहले से ही जानकारी थी। भाजपा के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने किसी पार्टी का नाम लिए बिना कहा, उत्तर कश्मीर में बारामूला जिले के सोपोर में हाल में एक आतंकी हमले में हमारे दो निगम पार्षदों के मारे जाने के समय एक खास राजनीतिक दल के सात सदस्य मौजूद थे जिन्होंने क्रिकेट हेल्मेट पहन रखे थे...क्या यह राजनीतिक आतंकवाद है? क्या इन सात सदस्यों को पहले से ही पता था कि वहां आतंकी हमला होगा? सोपोर में गत 29 मार्च को हुए आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी और दो निगम पार्षद मारे गए थे। ठाकुर ने घटना की गहन जांच की मांग की। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, वे लोग हेलमेट क्यों पहने हुए थे? पुलिस को इसकी गहन पड़ताल करनी चाहिए।

नौसेना उप प्रमुख ने बहादुर लेफ्टिनेंट सिहाग के नाम पर नए ब्लॉक का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। वाइस एडमिरल जी अशोक कुमार ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित नौसेना केंद्र में शहीद लेफ्टिनेंट धर्मवीर सिंह सिहाग के नाम पर निर्मित नए ब्लॉक (इमारत) का उद्घाटन किया। यहां शनिवार को जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक सिहाग 12 अगस्त 1999 को कश्मीर में उस समय शहीद हो गए थे जब उनकी टीम आतंकवादियों की भारी गोलाबारी के बीच बारूदी सुरंग को निष्क्रिय कर रही थी। नौसेना ने ट्वीट किया, शहीद बहादुर को श्रद्धांजलि, मरणोपरांत वीरता के लिए नौ सेना मेडल से सम्मानित लेफ्टिनेंट धर्मवीर सिंह सिहाग की याद में नए ब्लॉक का उद्घाटन नौसेना प्रमुख वाइस एडमिरल जी अशोक कुमार द्वारा 16 अप्रैल को दिल्ली स्थित नौसेना केंद्र में किया गया।

मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री एवं समाजवादी नेता चंद्रशेखर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ट्वीट कर कहा, सामाजिक सशक्तीकरण के प्रति कटिबद्धता और सादगी के लिए चंद्रशेखर का सभी राजनीतिक दल सम्मान करते थे। चंद्रशेखर 1990 से 1991 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। उत्तर प्रदेश के बलिया में 1927 को जन्मे चंद्रशेखर ने 1960 में कांग्रेस का दामन थामा था लेकिन आपातकाल का विरोध करने और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए उन्हे भी जेल मे बंद कर दिया गया था।

असम के डिब्रूगढ़ में रोंगली बिहू के अवसर पर पारंपरिक नृत्य करते कलाकार

100 दिन तक रह सकती है कोरोना की दूसरी लहर

विशेषज्ञ का परामर्श

भाषा। नई दिल्ली

दक्षिण पूर्व दिल्ली पुलिस के लिए एक विशेषज्ञ द्वारा तैयार किए गए एक परामर्श के अनुसार, कोरोना वायरस की दूसरी लहर 100 दिनों तक रह सकती है और इस तरह की लहरें 70 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण होने और हर्ड इम्युनिटी हासिल करने तक आती रहेंगी। हर्ड इम्युनिटी, संक्रामक बीमारियों के खिलाफ अप्रत्यक्ष रूप से बचाव होता है। यह तब होता है जब आबादी या लोगों का समूह या तो टीका लगने पर या फिर संक्रमण से उबरने के बाद उसके खिलाफ इम्युनिटी विकसित कर लेता है। समूह की इस सामूहिक इम्युनिटी को ही हर्ड इम्युनिटी कहते हैं।

पुलिसकर्मियों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से, डॉ. नीरज कौशिक के परामर्श में कहा गया है कि नए म्यूटेंट वायरस में प्रतिरक्षा और यहां तक कि टीके का असर छोड़ने की भी क्षमता है। ऐसे लोग जिनका टीकाकरण हो चुका है, उनमें पुन: संक्रमण और मामलों का यही कारण है। डॉ. कौशिक के दस्तावेज में कहा गया है कि यह उत्परिवर्तित वायरस (म्यूटेटेड वायरस) इतना संक्रामक है कि यदि एक सदस्य प्रभावित होता है, तो पूरा परिवार संक्रमित हो जाता है। यह बच्चों पर भी हावी है। उन्होंने कहा कि नियमित आरटी-पीसीआर जांच म्यूटेटेड वायरस का पता नहीं लगा सकती हैं। हालांकि, गंध महसूस नहीं होना एक बड़ा संकेत है कि व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित है। परामर्श में कहा गया है, कोरोना वायरस की दूसरी लहर 100 दिनों तक रह सकती है। ऐसी लहरें तब तक आती रहेंगी जब तक कि हम 70 प्रतिशत टीकाकरण और हर्ड इम्युनिटी को प्राप्त नहीं कर लेते। इसलिए अपने सुरक्षा उपायों विशेषकर मास्क लगाना नहीं छोड़ें।

पेज 1 का शेष

कुंभ से...

प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र के बाद गुजरात ने भी शनिवार को ऐलान कर दिया कि कुंभ मेले से लौटने वालों को तब तक उनके शहर, कस्बों या गांवों में नहीं जाने दिया जाएगा जब तक उनका आरटी-पीसीआर टेस्ट न हो जाए। जो भी लोग संक्रमित पाए जाएंगे, उन्हें 14 दिन क्वॉरंटीन में रहना होगा। मुख्यमंत्री विजय रूपानी ने सभी जिलाधिकारियों को कुंभ से लौटने वालों की पहचान करने के निर्देश दिए हैं। गुजरात में बीते 24 घंटों में 9,541 केस आए हैं और 97 लोगों मौत संक्रमण से हुई है। इसी तरह महाराष्ट्र के मंत्री अनिल परब ने कहा कि कुंभ से लौटने वालों को क्वॉरंटीन किया जाएगा। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के महापौर किशोरी पेडनेकर ने शनिवार को दावा किया कि कुंभ मेले से लौटने वाले भक्त कोरोना वायरस को प्रसाद की तरह वितरित करेंगे। हरिद्वार से लौटने वाले लोगों को उनके निजी खर्चे पर क्वॉरंटीन किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में 67,123 नए केस आए और संक्रमण से 419 मौतें हुई हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने भी कुंभ से लौटने वालों को क्वॉरंटीन करने का आदेश जारी किया है। कर्नाटक ने कुंभ मेले में भाग लेने के बाद राज्य लौट रहे लोगों के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। हरिद्वार के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसके झा के अनुसार हरिद्वार में कुंभ मेले में भाग लेने वाले 229 साधुओं में कोरोना की पुष्टि हुई है। इनमें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरी भी शामिल हैं। महंत नरेंद्र गिरी ऋषिकेश एम्स में भर्ती हैं। कोरोना से संक्रमित मध्य प्रदेश के महा निर्वाणी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी कपिल देव की बीते 13 अप्रैल को मौत हो गई। बीते 12 अप्रैल को सोमवती अमावस्या और 14 अप्रैल को मेष संक्रांति के अवसर पर आयोजित दो शाही स्नान में भाग लेने वाले 48.51 लाख लोगों ने खुले तौर पर मास्क और सोशल डिस्टैंसिंग जैसे कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया।

35 घंटे...

मजदूरों या श्रमिकों की आवाजाही में कोई भी रोकटोक की खबर उनके पास आई तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने निर्देश दिये हैं कि 35 घंटे के कोरोना कर्फ्यू के दौरान शनिवार व रविवार को शादियां होंगी। पर कुछ नियमों का ध्यान रखना होगा। उन्होंने बंद स्थानों के अंदर होने वाली शादियों में 50 व्यक्तियों और खुले स्थानों पर 100 व्यक्तियों को ही अनुमति प्रदान करने का निर्देश दिया है। साथ में मास्क, सामाजिक दूरी और सैनिटाइजर के उपयोग और एसओपी के अनुसार अन्य सावधानियां बरतने के लिये भी कहा है। रविवार को होने वाली सभी परीक्षाओं जैसे एनडीए आदि को उत्तर प्रदेश की सरकार ने अनुमति दी है। सरकार ने निर्देश जारी किये हैं कि परीक्षार्थियों और उम्मीदवारों का आईडी कार्ड पास के तौर पर मान्य होगा। उन्होंने पूर्व से निर्धारित परीक्षाओं को अनुमति देकर परीक्षार्थियों को भी रहात देने का काम किया है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने सार्वजनिक परिवहन में राज्य परिवहन की बसों को 50 प्रतिशत की क्षमता के साथ चलाने के निर्देश जारी किये हैं। जबकि राजधानी में ऑटो रिक्शा, टेम्पो, ई रिक्शा जैसी पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सेवाएं पूरी तरह से बंद रहेंगी। उत्तर प्रदेश की सरकार ने अंतिम संस्कार के लिए भी लोगों को बड़ी राहत दी है। उन्होंने अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में 35 घंटे के कोरोना कर्फ्यू के दौरान 20 से अधिक लोगों के शामिल होने पर प्रतिबंध लगाया है। उन्होंने अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों से यह अपील करने को भी कहा है कि वह कोरोना प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करें। मास्क, पीपीई किट, सैनिटाइजर के साथ ही अंतिम संस्कार में शामिल हों।

36 घंटे...

डीआरडीओ का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने निर्देश दिये कि इन ऑक्सीजन प्लाण्ट की स्थापना के लिए तत्काल स्थल का चिन्हांकन करते हुए युद्धस्तर पर कार्रवाई की जाए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री द्वारा इस कार्य की निरन्तर मानिटरिंग की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एचएएल द्वारा सीएसआर फण्ड से लखनऊ में एक डेडिकेटेड कोविड अस्पताल की स्थापना प्रस्तावित की गयी है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि एचएएल से समन्वय स्थापित करते हुए इस कार्य को प्राथमिकता पर सुनिश्चित कराए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि पूरे प्रदेश में आरटीपीसीआर टेस्ट की संख्या में वृद्धि की जाए। इसके लिए सरकारी एवं अधिकृत निजी प्रयोगशालाएं पूरी क्षमता से कार्य करें। जनपद स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा अधिकृत निजी प्रयोगशालाओं के माध्यम से भी आरटीपीसीआर टेस्ट कराए जाएं। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारियों एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को कारगर रणनीति बनाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि आरटीपीसीआर जांच की संख्या में वृद्धि का कार्य युद्धस्तर पर किया जाए।

किसानों से...

सड़कों पर बैठा है। उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान आपसी चर्चा के माध्यम से होता है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि किसान संगठनों ने जो विषय उठाए थे उनमें से कई विषयों पर केंद्र सरकार व किसान संगठनों के बीच हुई पिछली वार्ता से हल निकला था। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि किसानों से फिर से वार्ता शुरू करने के लिए केंद्र सरकार तीन से चार वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों वाली एक कमेटी का गठन करें ताकि उनके नेतृत्व में इस मुद्दे पर बातचीत के जरिये एक सौहार्दपूर्ण समाधान निकाला जा सके। साथ ही हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रदेश में हो रही रबी सीजन की फसलों की खरीद के बारे में जानकारी दी।

सूबे में...

129, एटा में 183, चित्रकूट में 177, बलरामपुर में 76, कौशांबी में 66, बागपत में 41, कानपुर देहात में 130, अंबेडकरनगर में 107, कासगंज में 19, हमीरपुर में 64, महोबा में 95, श्रावस्ती में 42 और हाथरस में 8 नए कोरोना मरीज मिले हैं। उत्तर प्रदेश में एक्टिव केस की संख्या 170059 हो गई है। पिछले 24 घंटों के अंदर 7831 मरीजों वह पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज भी किया गया है। प्रदेश में अब तक कोरोना वायरस से 9703 लोगों की मृत्यु हुई है।

डीजीपी, एसीएस...

पत्नी के साथ वैक्सीन की पहली डोज लेने वाले नवनीत सहगल की टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। फिलहाल वह होम आइसोलेशन में हैं। प्रदेश के डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी और लखनऊ के डीएम अभिषेक प्रकाश भी होम आइसोलेशन में हैं। लखनऊ का चार्ज सचिव स्तर की अधिकारी 2004 बैच की आईएएस रोशन जैकब को दिया गया है। उन्होंने लखनऊ की कमान संभाल ली है। बरेली के एसएसपी रोहित सिंह सजवान भी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। एसएसपी ऑफिस अगले 48 घंटे के लिए बंद कर दिया है। एसपी देहात राजकुमार अग्रवाल पहले से पॉजिटिव हैं और एसपी ट्रैफिक की भी तबीयत खराब चल रही है। इससे पहले प्रमुख सचिव एसपी गोयल, सचिव अमित सिंह, ओएसडी अभिषेक कौशिक भी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। दो स्टॉफ भी कोरोना की चपेट में आए थे। इसके साथ ही यूपी सरकार में मंत्री आशुतोष टंडन और सुरेश राणा भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे।

लालू प्रसाद...

स्वयं माना था कि लालू को जमानत देने के लिए सिर्फ एक माह, 17 दिनों की न्यायिक हिरासत की अवधि और पूरी करनी है। सिब्बल ने कहा कि लालू ने दुमका मामले में तय सात वर्ष की कैद की सजा की आधी अवधि छह अप्रैल को ही पूरी कर ली है। पीठ ने यह भी कहा कि 19 फरवरी के आदेश को सीबीआई ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती भी नहीं दी है लिहाजा अब तक की परंपरा के अनुसार चारा घोटाले के किसी मामले में सजा की आधी अवधि न्यायिक हिरासत में पूरी कर लेने के चलते लालू को दुमका कोषागार से गबन के मामले में जमानत दी जाती है। न्यायालय ने आदेश में लालू की 73 वर्ष की उम्र एवं उनकी बीमारियों का भी जिक्र किया है।

पाक क्रिकेटरों को भारत में टी विश्व कप का मिलेगा वीजा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के क्रिकेटरों को भारत में अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए वीजा मिलेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की शीर्ष परिषद को बोर्ड सचिव जय शाह ने सरकार से आश्वासन मिलने के बाद यह जानकारी दी। शाह ने शुक्रवार को हुई बैठक में वीडियो कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। यह भी बताया गया कि टी20 विश्व कप नौ स्थानों पर होगा और फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा। अन्य स्थानों में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरू, हैदराबाद, धर्मशाला और लखनऊशामिल है।

अंकित और मनीष प्री क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। एशियाई रजत पदक विजेता अंकित नारवाल (64 किग्रा) और मनीष (75 किग्रा) ने पोलैंड के कीलसे में युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अंकित ने उज्बेकिस्तान के अखमदजोन अकमेदोव को 5-0 से जबकि मनीष ने इजराइल के डेनियल इलियुशोनोक को 4-1 से पराजित किया। अंकित अगले दौर में पोलैंड क ओलिवर जामोस्की का सामना करेंगे। जामोस्की ने लिथुवानिया के नेदास गुडोमस्कास को हराया था।

महिला हॉकी कोर ग्रुप बेंगलुरू के साइ में ट्रेनिंग शुरू करेगा

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी कोर ग्रुप 10 दिन के ब्रेक के बाद रविवार को बेंगलुरू में राष्ट्रीय शिविर में तोक्यो ओलंपिक खेलों की तैयारियां फिर शुरू करेगा। पच्चीस सदस्ईय ओलंपिक कोर ग्रुप ट्रेनिंग शुरू करने से पहले अनिवार्य पृथकवास से गुजरेगा। जनवरी में टीम ने अर्जेंटीना का दौरा किया था, जहां उसने घरेलू टीम की जूनियर, बी टीम और सीनियर टीम (विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान) के खिलाफ सात मैच खेले थे। यह टीम का 12 महीनों में पहला दौरा था।

कड़ी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने का कौशल हैः शाहरूख

मुंबई। पंजाब किंग्स के शाहरूख खान को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में फिनिशर की भूमिका निभाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है और इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि वह किसी भी तरह की परिस्थिति और किसी भी स्थान पर खेलने की क्षमता रखते हैं। खान ने चेन्नई के खिलाफ शुक्रवार को 36 गेंदों पर 47 रन बनाए जिससे पंजाब 100 रन की संख्या पार कर पाया।

पडीक्कल शानदार प्रतिभा है : लारा

मुंबई। महान बल्लेबाज ब्रायन लारा का मानना है कि देवदत्त पडीक्कल को कुछ तकनीकी चीजों में सुधार करने की जरूरत है लेकिन उन्हें भरोसा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का यह बाएं हाथ का खिलाड़ी इस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन करेगा। पिछली आईपीएल की खोज पडीक्कल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए पांच अर्धशतकों से 474 रन बनाए थे।

इंडियंस के सामने फीके पड़े सनराइजर्स

● मुंबई ने हैदराबाद को 13 रनों से हराया

भाषा। चेन्नई

मुंबई इंडियन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में शनिवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद को 13 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मुंबई के पांच विकेट पर 150 रन जवाब में हैदराबाद की टीम 137 पर ऑल आउट हो गई। हैदराबाद के लिए जॉनी बेयरस्टॉ ने सबसे ज्याद 43 रन बनाए। मुंबई के लिए राहुल चाहर और ट्रेंट बोल्ट ने तीन – तीन विकेट लिए। इससे पहले रोहित शर्मा की बेहतरीन शुरूआत के बाद आखिरी ओवर में कीरोन पोलार्ड की आक्रामक पारी के दम पर मुंबई इंडियन्स ने शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 150 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। रोहित ने क्विंटन डिकॉक के साथ पहले विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी कर टीम को आक्रामक शुरूआत दिलाई लेकिन उनके आउट होने के बाद मुंबई के बल्लेबाज खुल कर खेलने में नाकाम रहे। पोलार्ड ने भुवनेश्वर कुमार की पारी की आखिरी दो गेंदों पर छक्का जड़कर टीम के स्कोर को 150 रन तक पहुंचाया। उन्होंने 22 गेंद की पारी में तीन छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 35 रन बनाए। लगातार दो मैच गंवा चुके सनराइजर्स हैदराबाद ने इस मैच में चार बदलाव करते हुए विराट सिंह, अभिषेक शर्मा, खलील अहमद और मुजीब उर रहमान जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताया। पिछले मैचों में चेपॉक की पिच पर आखिरी ओवरों में टीमों को तेजी से रन बनाने में हो रही परेशानी को देखते हुए टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के फैसले के बाद रोहित और क्विंटन डिकॉक ने मुंबई को तेज शुरूआत दिलाई। डिकॉक ने भुवनेश्वर कुमार की पहली ही गेंद पर चौका जड़कर इरादे जाहिर कर दिए। रोहित ने तीसरे ओवर में मुजीब उर रहमान की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाया। उन्होंने अगले ओवर में भुवनेश्वर की गेंद पर भी बड़ा छक्का जड़ा। मुंबई ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 53 रन बनाकर शानदार शुरूआत की। सातवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए विजय शंकर ने रोहित का विकेट लेकर सनराइजर्स को पहली सफलता दिलाई। रोहित ने 25 गेंद में 32 रन की पारी में दो चौके और इतने ही छक्के जड़े। शंकर के अगले ओवर में सूर्यकुमार यादव ने छक्का जड़ा लेकिन इसकी अगली ही गेंद पर वह गेंदबाज को कैच थमा बैठे।

स्कोरबोर्ड

मुंबई इंडियन्स : डिकॉक का स्थानापन्न सुचिथ बो मुजीब 40, रोहित का विराट बो शंकर 32, सूर्यकुमार का एवं बो शंकर 10, किशन का बेयरस्टॉ बो मुजीब 12, पोलार्ड नाबाद 35, पंड्या का विराट बो खलील 07, नाबाद 03, **अतिरिक्त:**11, **कुल योग:** (20 ओवर में पांच विकेट पर)150 रन,**विकेट पतन:**1-55, 2-71, 3-98 , 4-114, 5-131,**गेंदबाजी:** भुवनेश्वर 4-0-45-0, खलील 4-0-24-1, मुजीब,4-0-29-2, अभिषेक 1-0-5-0, शंकर 3-0-19-2

सनराइजर्स हैदराबाद पारी: वार्नर रन आउट (हार्दिक) 36, बेयरस्टॉ हिट विकेट बो क्रुणाल 43, पांडे का पोलार्ड बो चाहर 02, सिंह का सूर्यकुमार बो राहुल चाहर 11, शंकर का सूर्यकुमार बो बुमराह 28, अभिषेक का मिल्ने बो राहुल चाहर 02, समद रन आउट हार्दिक07, राशिद पगबाधा बोल्ट 00, मुजीब उर रहमान नाबाद 01, अहमद बो बोल्ट 01, **अतिरिक्त:** 05, **कुल योग:** 19.4 ओवर में 137 रन पर सभी आउट,**विकेट पतन:** 1-67, 2-71, 3-90, 4-102, 5-104, 6-129, 7-130, 8-134, 9-135 **गेंदबाजी:**बोल्ट 3.4-0-28-3, बुमराह 4-0-14-1, मिल्ने 3-0-33-0, क्रुणाल 3-0-30-1,राहुल चाहर 4-0-19-3, कीरोन पोलार्ड 2-0-10-0

मीराबाई ने क्लीन एवं जर्क में विश्व रिकार्ड बनाया, एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता

ताशकंद। पूर्व विश्व चैम्पियन मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन एरीना में शानदार वापसी करते हुए क्लीन एवं जर्क में नया विश्व रिकार्ड कायम करते हुए शनिवार को एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया। मीराबाई ने इस दौरान अपने राष्ट्रीय रिकार्ड में सुधार करने के साथ तोक्यो ओलंपिक का टिकट भी पक्का किया क्योंकि वह छह क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में भाग ले चुकी हैं। भारत की 26 साल की इस खिलाड़ी ने स्नैच में 86 किग्रा का भार उठाने के बाद क्लीन एवं जर्क में विश्व रिकार्ड कायम करते हुए 119 किलोग्राम का भार उठाया। वह कुल 205 किग्रा के साथ तीसरे स्थान पर रही। इससे पहले क्लीन एवं जर्क मे विश्व रिकार्ड 118 किग्रा का था। चानू का 49 किग्रा में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कुल 203 किग्रा (88 किग्रा और 115 किग्रा) था, जो उन्होंने पिछले साल फरवरी में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में बनाया था। स्वर्ण पदक चीन की होऊजिहीहुई ने जीता, जिन्होंने 213 किग्रा (96 किग्रा और 117 किग्रा) के कुल वजन से स्नैच में नया विश्व रिकार्ड बनाया जबकि उनकी हमवतन जियांग हुईहुआ ने गोल्ड स्तर की ओलंपिक क्वालीफायर प्रतियोगिता में 207 किग्रा (89 किग्रा और 118 किग्रा) का वजन उठाकर रजत पदक जीता। चानू की शुरूआत हालांकि अच्छी नहीं रही।

बीसीसीआई दिसंबर में रणजी सत्र शुरू करेगा, ईरानी कप और दलीप ट्राफी नही

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की योजना 2021-22 घरेलू सत्र की शुरूआत इस साल सितंबर से सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट से करने की है और उसने रणजी ट्राफी के लिए दिसंबर से तीन महीने की विंडो भी तय कर दी है जिसे पिछले सत्र में कोविड-19 महामारी के चलते रद्द करना पड़ा था। क्रिकेट परिचालन टीम द्वारा तैयार किए गए अस्थाई कैलेंडर में हालांकि दलीप ट्राफी, देवधर ट्राफी और ईरानी कप को हिस्सा नहीं बनाया गया है। इसके अलावा कैलेंडर से महिलाओं की पांच प्रतियोगिताएं भी हटा दी गई हैं। पीटीआई के पास यह तैयार किया गया अस्थाई घरेलू कैलेंडर है जिस पर शुक्रवार को हुई शीर्ष परिषद की बैठक में चर्चा हुई थी। महामारी के चलते 2020-21 सत्र काफी छोटा हो गया था, जिसमें केवल राष्ट्रीय टी20 (मुश्ताक अली) और वनडे (विजय हजारे ट्राफी) चैम्पियनशिप ही आयोजित की गई थी। महिलाओं के लिए केवल राष्ट्रीय वनडे प्रतियोगिता ही कराई गई थी।

ईवांस को हराकर सितसिपास मोंटे कार्लो के फाइनल पहुंचे

मोनाको। चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास मोंटे कार्लो मास्टर्स में शनिवार को गैरवरीय डैन इवांस को हराकर पहली बार इस टेनिस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे। सितसिपास इवांस को 6-2, 6-1 से हराकर साल का पहला खिताब जीतने के करीब पहुंचे। फाइनल में यूनान के इस खिलाड़ी का सामना छठी वरीयता प्राप्त रूस के आंद्रे रुबलेव और नार्वे के गैरवरीय खिलाड़ी कैस्पर रूड के बीच खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

लाबुशेन के 192 रन, क्वींसलैंड खिताब जीतने की ओर

ब्रिसबेन। मार्नस लाबुशेन ने 192 रन की पारी खेली जिससे क्वींसलैंड आस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड प्रथम श्रेणी क्रिकेट खिताब जीतने की ओर है। न्यू साउथ वेल्स ने शनिवार को तीसरे दिन खराब रोशनी के कारण खेल रोके जाने तक दूसरी पारी में पांच विकेट पर 140 रन बना लिए हैं और वह अब भी 106 रन से पिछड़ रहा है। सीन एबोट 20 और बॉक्स्टर होल्ट 10 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। क्वींसलैंड के लिए बार्टलेट ने 31 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

कोच के कोविड-19 पॉजिटिव की गलत रिपोर्ट से कम्पाउंड तीरंदाजों को विश्व कप से हटना पड़ा

कोलकाता। भारत की कम्पाउंड तीरंदाजी टीम को कोच के कोराना वायरस की गलत पॉजिटिव रिपोर्ट के कारण ग्वाटेमाला सिटी में होने वाले विश्व कप चरण एक से हटना पड़ा। इससे पहले टीम के सदस्यों दिल्ली हवाईअड्डे तक की यात्रा के दौरान शुक्रवार को बीती रात करनाल बाईपास के पास रोक दिया गया था। सोनीपत के कम्पाउंड तीरंदाजों को 19 से 25 अप्रैल तक आयोजित होने वाले विश्व कप चरण एक में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली हवाईअड्डे से सुबह दो बजकर 50 बजे एम्सटरडम की फ्लाइट पकड़ने के लिए ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी रिकर्व टीम से जुड़ना था।

रीजीजू जांच में पॉजिटिव, कहा, बिलकुल ठीक हैं

नई दिल्ली। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि वह कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आए है लेकिन वह पूरी तरह से फिट महसूस कर रहे हैं। रीजीजू (49 वर्ष) ने अपने ट्विटर पेज पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, कोविड-19 की जांच करने के बाद आज मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मै डाक्टरो की सलाह ले रहा हूं। मै उन सभी से अनुरोध करता हूं कि जो हाल में मेरे संपर्क में आए है, वे खुद पर नजर रखें, खुद को पृथकवास में रखें और जांच कराएं। शारीरिक रूप से मै फिट महसूस कर रहा हूं।

मध्यक्रम की कमजोरियां दूर करके आरसीबी के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगा केकेआर

भाषा। चेन्नई

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) अपने मध्यक्रम की कमजोरियों से पार पाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेगा। दुनिया में सीमित ओवरों के दो सर्वश्रेष्ठ कप्तानों इयोन मोर्गन और विराट कोहली के बीच होने वाले इस मुकाबले में बेंगलोर की टीम का पलड़ा थोड़ा भारी लगता है क्योंकि उसने अपने पिछले दोनों मैच जीते है। अपनी कुशल रणनीति और मानव प्रबंधन के लिए मशहूर इंग्लैंड के कप्तान मोर्गन केकेआर का अभियान पटरी पर लाने के लिए बेताब होंगे। केकेआर का मध्यक्रम नहीं चल रहा है जिसके कारण उसे मुंबई इंडियन्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद मुंबई के खिलाफ केकेआर का मध्यक्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और उसे 13 मैचों में 12वीं हार का सामना करना पड़ा। मोर्गन ने अपने कप्तानी कौशल का परिचय गेंदबाजी में दिखाया था और मुंबई को 152 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। डेथ ओवरों में अपनी शानदार गेंदबाजी से आंद्रे रसेल ने छह विकेट लिए लेकिन बल्लेबाजी में वह फिर से नाकाम रहे।

पंजाब किंग्स पर दिल्ली कैपिटल्स का पलड़ा भारी

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में मुख्य मुकाबला दोनों टीमों के शीर्ष क्रम के बीच देखने को मिलेगा जिसमे ऋषभ पंत के कप्तानी कौशल की भी परीक्षा होगी। दोनो टीमें अपना पिछला मैच गंवाने के बाद इस मैच में उतरेंगी लेकिन दिल्ली कैपिटल्स निश्चित तौर पर कागजों पर मजबूत टीम नजर आती है और ऐसे में उसका पलड़ा भारी लगता है। जहां तक आईपीएल में कप्तानी का सवाल है तो पंत अनुभवहीन है। पिछले मैच में उन्होंने अपने अनुभवी गेंदबाज रविचंद्रन अश्वनि का कोटा पूरा नही करवाया जिससे टीम को नुकसान हुआ। उन्होंने उनके बजाय टॉम करेन की मध्यम गति की गेंदबाजी पर भरोसा दिखाया।इस मैच के लिए एनरिच नोर्जिया को अंतिम एकादश में शामिल किया गया जा सकता है जिससे टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी क्योंकि पिछले मैच करेन की मध्यम गति की गेंदबाजी का क्रिस मौरिस और डेविड मिलर ने भरपूर फायदा उठाया था। पंजाब किंग्स को दूसरी तरफ अपने बल्लेबाजों की नाकामी के कारण चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पराजय का सामना करना पड़ा था। दीपक चाहर की अतिरिक्त उछाल और मूवमेंट का उसके बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नही था।

रवि ने खिताब बरकरार रखा

● बजरंग को रजत से संतोष करना पड़ा

भाषा। अलमाटी

भारतीय पहलवान रवि कुमार दहिया ने मजबूत प्रदर्शन से अपना एशियाई चैम्पियनशिप खिताब बरकरार रखा लेकिन बजरंग पूनिया को कोहनी की चोट के कारण शनिवार को तोकुतो ओटोगुरो के खिलाफ फाइनल से हटने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। बजरंग ने पीटीआई से कहा कि वह अपनी दाईं कोहनी की चोट को बढ़ाना नहीं चाहते थे। उन्होंने कहा कि उन्हें कोरिया के योंगसियोक जियोंग के खिलाफ क्वार्टरफाइनल के दौरान दर्द होना महसूस हुआ था। उन्होंने कहा कि जब मैं कोरियाई पहलवान को खींच रहा था तो मेरी कोहनी में दर्द होने लगा था। विश्व चैम्पियनशिप के दौरान मुझे इसी कोहनी में चोट लगी थी। कोचों ने सलाह दी कि मुझे जोखिम नहीं लेना चाहिए क्योंकि ओलंपिक करीब हैं इसलिए, मैंने हटने का फैसला किया। साथ ही नरसिंह पंचम यादव (79 किग्रा), करण (70 किग्रा) और सत्यव्रत कादियान (97 किग्रा) ने भी पोडियम स्थान हासिल करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किए। इससे शनिवार को प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे सभी पांचों पहलवानों ने पदक जीते। यह यादव का पांच साल में पहला अंतरराष्ट्रीय पदक था क्योंकि उन्होंने अंतिम पदक जुलाई 2015 में स्पेन में ग्रां प्री में जीता था। वह हाल में चार साल के डोपिंग प्रतिबंध को पूरा करने के बाद वापसी कर रहे हैं। यादव ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में इराक के अहमद मोहसिन कादहिम को 8-2 से आसानी से शिकस्त दी। वहीं कादियान ने कोरिया के मिनवोन सियो को 5-2 से हराकर कांसा जीता। बजरंग को 65 किग्रा भार वर्ग के शुरुआती मुकाबले में कोरिया के योंगसियोंग जियोंग पर जीत दर्ज करने में कोई परेशानी नहीं हुई।

बिली जीन किंग कप : अंकिता की हार से भारत फिर से क्षेत्रीय टूर्नामेंट में लौटा

जुर्माला (लातविया)। अंकिता रैना शनिवार को चुनौती देने के बावजूद दुनिया की 47वें नंबर की टेनिस खिलाड़ी अनास्तासिया सेवास्तोवा से करो या मरो के प्लेऑफ मैच में हार गई जिससे भारतीय टीम फिर से बिली जीन किंग कप के एशिया/ओसनिया ग्रुप में लौट गई। शुक्रवार को 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन एलेना ओस्टापेंको के खिलाफ चुनौती पेश करने के बाद भारत की नंबर एक खिलाड़ी अंकिता ने अपने से काफी बेहतरीन सेवास्तोवा को चुनौती दी लेकिन लातविया खिलाड़ी ने अपनी टीम को 3-0 से अजेय बढ़त दिला दी। मुकाबले का नतीजा इस स्कोर से ही निकल गया तो दूसरा उलट एकल नहीं खेला गया। पदार्पण करने वाली जील देसाई और रुतुजा भोसले की युगल भारतीय टीम ने पैट्रिसिया स्पाका और विस्माने के खिलाफ 6-4 5-7 10-2 की जीत से सांत्वना अंक हासिल किया।

बाइडन, सुगा ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी प्रभाव पर चर्चा की

भाषा। वाशिंगटन,

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने व्हाइट हाउस में आमने-सामने की अपनी पहली बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव और चतुष्पदीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। क्वाड में अमेरिका और जापान के अलावा ऑस्ट्रेलिया और भारत भी शामिल हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में बाइडन की किसी अन्य देश के नेता के साथ शुक्रवार को हुई पहली बैठक में जलवायु परिवर्तन, कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई और उत्तर कोरिया पर भी चर्चा हुई। बाइडन के साथ सुगा ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारे गठबंधन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र और दुनिया में शांति एवं स्थिरता के आधार के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। मौजूदा क्षेत्रीय स्थिति और सुरक्षा संबंधी कठिन माहौल के मद्देनजर हमारे गठबंधन की महत्ता और बढ़ गई है। सुगा ने बताया कि उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के अलावा स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत को लेकर भी वार्ता की। उन्होंने कहा, हमने सहमति जताई कि जापान और अमेरिका मजबूत प्रयासों के जरिए इस रुख को बढ़ावा देने के लिए नेतृत्व करेंगे। हम आसियान, ऑस्ट्रेलिया और भारत समेत अन्य देशों, समूहों और क्षेत्रों के साथ भी सहयोग करेंगे। सुगा ने कहा, हमने हिंद-प्रशांत एवं दुनिया में शांति एवं समृद्धि के संदर्भ में चीन के प्रभाव पर भी गंभीर वार्ता की। हमने पूर्व और दक्षिण चीन सागर में यथास्थिति को बलपूर्वक बदलने की हर कोशिश का विरोध करने पर सहमति जताई। बाइडन ने कहा, हम यह साबित करने के लिए मिलकर काम करेंगे कि लोकतंत्र अब भी मुकाबला कर सकता है और 21वीं सदी में जीत सकता है। हम तेजी से बदलती दुनिया में अपने लोगों के लिए काम कर सकते हैं। इसलिए, हम आज जापान और अमेरिका के बीच प्रतिस्पर्धात्मक और भरोसे पर कायम एक नई साझेदारी की घोषणा कर रहे हैं, जो हमारे समय की चुनौतियों से निपटने में हमारी क्षमताओं को बढ़ाएगी। हम मिलकर इन चुनौतियों को हराएंगे। उन्होंने कहा, हमारे एजेंडे में शीर्ष पर निश्चित ही महामारी को नियंत्रित करना और हिंद प्रशांत में हमारे मित्रों एवं पड़ोसियों की मदद करना है। हमने इस साल की शुरुआत में टीकाकरण के प्रयासों में क्षेत्र के देशों की सहायता करने और कोविड-19 टीकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर ऐतिहासिक क्वाड टीका साझेदारी शुरू की थी।

ब्राजील के साओ पाउलो में कोविड 19 के प्रतिबंधों के कारण अपना कार्य ठीक ढंग से न कर पाने के कारण प्रदर्शन कर रैली निकालते फूड डिलेवरी कर्मचारी

जापानी प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद बाइडन ने कहा

आमने-सामने वार्ता का कोई विकल्प नहीं

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा के साथ पहली व्यक्तिगत द्विपक्षीय बैठक के बाद कहा कि आमने-सामने बैठकर वार्ता करने का कोई विकल्प नहीं है।बाइडन ने सुगा (72) के साथ व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में शुक्रवार को एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। यह किसी अन्य देश के नेता के साथ बाइडन की आमने-सामने की पहली बैठक है। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह इस बात को दर्शाता है कि अमेरिका जापान के साथ द्विपक्षीय संबंधों एवं मित्रता को कितना महत्व देता है। बाइडन (78) ने कहा, आमने-सामने की वार्ता का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री सुगा का व्हाइट हाउस में स्वागत करना मेरे लिए खुशी की बात है। यह हमारी यहां आमने-सामने की पहली बैठक है। वह पहले राष्ट्राध्यक्ष हैं, जिन्हें मैंने व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया है। बाइडन ने आमने-सामने की बैठक की महत्ता का जिक्र करते हुए कहा कि वे जी7 बैठक और चतुष्पदीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) में शामिल नेताओं के शिखर सम्मेलन में पहले भी कई बार डिजिटल माध्यम से मिल चुके हैं, लेकिन मैं आपके साथ समय बिताने और आमने-सामने बैठकर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलने की बहुत कद्र करता हूं। हम कोविड-19 संबंधी एहतियातन कदमों का अब भी पालन कर रहे हैं और सावधानी बरत रहे हैं, लेकिन व्यक्तिगत मुलाकात करने की हमारी प्रतिबद्धता दर्शाती है कि हम जापान एवं अमेरिका के संबंधों को कितना महत्व देते हैं। इसके बाद, राष्ट्रपति बाइडन ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर ट्वीट किया कि व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री सुगा का स्वागत करना उनके लिए सौभाग्य की बात है और उन्होंने अमेरिका एवं जापान के बीच मित्रता के नए युग की शुरुआत की है। हम स्वतंत्रता, लोकतंत्र और मानवाधिकारों के सार्वभौमिक मूल्यों के प्रति हमारी साझी प्रतिबद्धता को लेकर भी एकजुट हैं।

अमेरिका-जापान की कार्रवाई विभाजन को बढ़ा रही है : चीन

एपी। बीजिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और जापानी प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा के बीच वार्ता के दौरान अमेरिकी-जापान गठजोड़ के प्रदर्शन पर पलटवार करते हुए चीन ने इसे विभाजन का विडंबनापूर्ण प्रयास करार दिया। चीन ने कहा कि शुक्रवार को सुगा और बाइडन के संवाददाता सम्मेलन में लोकतंत्र व मानवाधिकारों को लेकर साझा मूल्यों पर संयुक्त बयान और हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की गतिविधियों को लेकर चिंता जाहिर करना, द्विपक्षीय संबंधों के सामान्य विकास के दायरे से काफी इतर था। वाशिंगटन में चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने शनिवार को एक बयान में कहा, इससे ज्यादा विडंबना नहीं हो सकती कि अन्य देशों के खिलाफ विभाजन को बढ़ावा देने और गुट बनाने को स्वतंत्र व मुक्त के झंडे तले रखा गया है। जापानी और अमेरिकी नेताओं द्वारा दिए गए बयान में ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता के महत्व का भी उल्लेख था। रिचर्ड निक्सन व इसाकू सातो के बीच 1969 में हुई चर्चा के बाद यह पहला मौका है जब किसी जापानी प्रधानमंत्री ने ताइवान को लेकर अमेरिका से चर्चा की हो।

राउल कास्त्रो ने कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख के पद से दिया इस्तीफा

हवाना (क्यूबा)। क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो ने शुक्रवार को कहा कि वह कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे रहे हैं और युवा पीढ़ी को पार्टी का नेतृत्व सौंप रहे हैं। इस द्वीप देश में पिछले करीब छह दशक में पहली बार ऐसा होगा, जब कास्त्रो परिवार का कोई सदस्य देश के मामलों का नेतृत्व नहीं करेगा। कास्त्रो (89) ने सत्तारूढ़ पार्टी की आठवीं कांग्रेस की शुरुआत में अपने भाषण में शुक्रवार को यह घोषणा की। मैं (अपने कर्तव्य का निर्वहन करने की) संतुष्टि के साथ और देश के भविष्य में विश्वास के साथ... प्रथम सचिव के रूप में अपने काम को पूरा कर रहा हूं।

अमेरिका, जापान ने क्वाड को मजबूत करने का लिया संकल्प

भाषा। वाशिंगटन,

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने स्वतंत्र, मुक्त, सुगम और सम्पन्न हिंद-प्रशांत क्षेत्र के निर्माण के लिए चतुष्पदीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) को मजबूत करने के मकसद से भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया है।दोनों नेताओं ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में क्षेत्र में शांति एवं समृद्धि पर पड़ने वाले चीन के कदमों के प्रभाव पर भी चर्चा की। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में बाइडन की किसी अन्य देश के नेता के साथ शुक्रवार को हुई आमने-सामने की पहली बैठक में जलवायु परिवर्तन, कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई और उत्तर कोरिया पर भी चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने बैठक के बाद एक संयुक्त बयान में कहा, हम स्वतंत्र, मुक्त, सुगम, विविध एवं सम्पन्न हिंद-प्रशांत के निर्माण के लिए क्वाड के माध्यम से भारत और ऑस्ट्रेलिया समेत अपने सहयोगियों एवं साझेदारों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया क्वाड के सदस्य देश हैं। दोनों नेताओं ने कहा कि वे आसियान की एकता और हिंद प्रशांत में आसियान दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। संयुक्त बयान में एक नए युग के लिए अमेरिका-जापान वैश्विक साझेदारी की शुरुआत की घोषणा की गई।

पायनियर
रविवार, 18 अप्रैल, 2021

एजेण्डा

मुझे हर चीज से भय है लेकिन शायद जब आप हर चीज से डरते हैं तो कुछ ऐसा लगता है कि आप किसी चीज से नहीं डरते हैं।

-नतालिया पोर्टमेन

बस खेलो

संवर्धित वास्तविकता वाले खिलौने बाजार में नए आगंतुक हैं जो बाल शिक्षण में योगदान करने के आधार पर अतिरिक्त खेल समय को उचित ठहराते हैं। इस संबंध में विशेषज्ञों से बातचीत के आधार पर मुस्बा हाशमी की रिपोर्ट......

केवल कुछ ही लोगों ने इस पर विश्वास किया होगा कि हर वक्त काम और कोई खेलना नहीं जैसी हालत जैक को सुस्त लड़का बना देती है। हालांकि, वर्तमान शिक्षा जगत बच्चों के लिए एक खेल के मैदान में बदल गया है, जहां वे रास्ते में सीखते हुए खिलौनों के साथ खिलवाड़ करते हैं। सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए नवआगंतुक एआर तकनीक के बारे में बहुत बात की जाती है, जो कि माना जाता है कि शिक्षा का क्रांतिकारीकरण कर रही है।

गुड़ियों और बंदूकों को धीरे-धीरे बच्चों की अलमारी में बदल दिया जाता है। वे दिन गए जब बच्चे पढ़ाई के समय की बात करते ही भाग खड़े होते थे। अब, माता-पिता बच्चों को सार्थक खेलने के घंटों में उलझा रहे हैं, जहाँ वे शिक्षित भी हों और उन्हें इसका पता भी न चले। खिलौना उद्योग में शैक्षिक खिलौने सबसे बड़ी श्रेणी है और यह अन्य सभी श्रेणियों में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। यहाँ ब्ला-एआर ट्वाइज या खिलौनों पर नया बच्चा आता है। स्मार्ट एआर-खिलौनों के आगमन के साथ, दुनिया आपके बच्चे की सीप बन गई है। वे खेलने के समय को उत्पादक बना सकते हैं, कहानियों के माध्यम से सीख सकते हैं, और वास्तव में घर छोड़े बगैर दुनिया की यात्रा कर सकते हैं। एआर-खिलौनों का नियमित रूप से उपयोग करने वाले बच्चों, माता-पिता और शिक्षकों की बढ़ती संख्या से एक बात स्पष्ट है। एआर-संवर्धित शैक्षिक खिलौने शिक्षा में अगली बड़ी चीज है, और इसकी सुंदरता के कारण, वे यहां बने रहते हैं।

> वीडियो गेम और एप्लिकेशन के विपरीत, एआर खिलौने स्पर्श कौशल के साथ मोटर कौशल विकास में भी सहायता करते हैं। हालांकि, एआर खिलौनों पर बहुत ज्यादा निर्भर होना छोटे बच्चों में सामाजिक कौशल के विकास को प्रभावित कर सकता है। स्क्रीन के साथ अतिरेक स्तर पर जुड़ाव होना उनके एकाग्रता स्तर को प्रभावित कर सकता है और उन्हें समर्पणकारी बना सकता है।
>
> — प्रकृति पोद्दार
> ग्लोबल हेड फॉर मेंटल हेल्थ,
> राउंड ग्लास

बाजार शोध कंपनी, मार्निंग कंसल्ट के मुताबिक, महामारी ने 62 फीसदी माता-पिता की आबादी को प्रेरित भी किया है, यह देखने के लिए कि उपकरण और प्रौद्योगिकी का शैक्षिक उपकरण के रूप मेंउपयोग किया जा सकता है। प्लेशिफू के सीईओ और सहसंस्थापक, विवेक गोयल का कहना है, 'एआर खिलौने के उभरने के कारण बहुपरतीय हैं। अपने प्रारंभिक वर्षों में बच्चे ऊर्जा और उत्साह से सराबोर रहते हैं। अफसोस की बात है कि उनका अल्प एकाग्रता-अवधि कोई रहस्य नहीं है। वे उन खेलों में रुचि खो देते हैं जितनी जल्दी वे उन्हें हासिल करते हैं। हालांकि पारंपरिक खेल कुछ दिनों के लिए रोमांचक हो सकते हैं, मगर वे शायद लंबे समय तक बच्चों का ध्यान आकर्षित नहीं रख पाएंगे।' यह कोई मतलब नहीं है कि प्लेशिफू खिलौने वर्तमान में 35 देशों के बच्चों के लिए खुशियां ला रहे हैं।

जब घर पर बच्चों को उलझाते हैं, उस समय यह आवश्यक है कि उन्हें ऐसे खिलौनों से परिचित कराया जाए जो हर बार एक अलग प्रकार अनुभव प्रदान करते हों। पूर्वानुमानित खेलों को अक्सर तेजी के साथ बच्चों का ध्यानाकर्षण खो बैठते हैं। बच्चों की रुचि समाप्त हो जाती है। ताजा धुन पर पागल होना, और यह तथ्य है कि इन खिलौनों ने उनकी बेटी की एकाग्रता को बढ़ाने में मदद की है, ऐसा चार वर्षीय निया की माँ, गुरुग्राम की कुसुम कहती हैं। वह बताती हैं, 'सामान्य खिलौने थोड़ी देर के बाद उबाऊ हो गए थे, जिनमें से अधिकांश को मेरी सहायता की भी जरूरत थी और उनमें से कुछ लगभग बेकार हो चुके खिलौने थे। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव उसकी एकाग्रता अवधि में आया है क्यों ये खिलौने संवादात्मक, दिलचस्प हैं और सवाल और अन्वेषण के लिए प्रेरित करते हैं।'

बहुत सारे माता-पिता अब पहले से कहीं ज्यादा शैक्षिक खिलौने का चुनाव कर रहे हैं। वे उन उत्पादों में निवेश कर रहे हैं जो उनके बच्चों के लिए सीखने के अवसर प्रदान करते हैं। लेकिन, ये निवेश तभी फलदायी होते हैं जब बच्चे खुद खिलौने को काफी रोमांचक पाते हैं। गोयल कहते हैं, 'हमारा मुख्य ध्यान उस संतुलन को प्राप्त करना और फिजिटल अनुभव बनाना है जो मजेदार और शिक्षाप्रद दोनों हैं।

>> पेज 3

आपके नन्हें मुन्नों के लिए अनोखे शैक्षणिक किट्स

शिक्षण कला से लेकर कोडिंग तक, विभिन्न ब्रांड एक अतिरिक्त दूरी तक चलने और सर्वाधिक आकर्षक तरीके से बच्चों को पढ़ाने के लिए तैयार हैं। एआर खिलौने, उद्योग में, यदि ज्यादा नहीं तो, गेम चेंजर बनने के लिए तैयार हैं। यहां कुछ विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से व्यक्ति चुनाव कर सकता है:

कानो

छह वर्ष और उससे अधिक उम्र के बच्चों के लिए उपयुक्त, कानो पीसी किट बच्चों के लिए किसी निजी लैपटॉप से कम नहीं है। यह डीआईवाई टैबलेट कोडिंग के साथ कला, विज्ञान शिक्षण लिए आदर्श गंतव्य है। यह हार्डवेयर घटकों से मिलकर बनी है। बच्चे को एक कार्यात्मक विंडोज 10 टैबलेट बनाने के लिए भागों को फिट करने की आवश्यकता होती है जो एक माइक्रोएसडी कार्ड स्लॉट और डिटैचेबल की-बोर्ड के साथ आती है। पूरा हो जाने के बाद, बच्चा कानो वर्ल्ड में कानो समुदाय के साथ अपनी परियोजनाओं को ऑनलाइन साझा कर सकता है।

लिटिलबिट्स

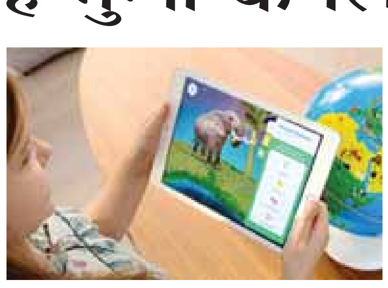

यह आपको एक ई-कक्षा का अनुभव प्रदान करता है। इसकी कोडिंग किट इसका प्रमुख उत्पाद है और यह तीसरी कक्षा से आठवीं कक्षा के बच्चों के लिए आदर्श है जो कम उम्र में कोडिंग क्षेत्र में कदम रखना चाहते हैं। स्टीम प्लस किट एक विश्लेषणात्मक चिंतन प्रक्रिया में बच्चों को भागीदार बनाते हुए पाठ्यक्रम-अनुरूप सामग्री का विस्तार करता है। यह निर्माता स्थलों , पुस्तकालयों, शिविरों, क्लबों आदि के लिए गतिविधियां व नवाचार प्रदान करता है।

वंडर वर्कशाप

इस मंच का लक्ष्य भविष्य के नवोन्मेषकों का निर्माण करना है और छह वर्ष या उससे अधिक आयु के बच्चों के लिए यह एक अभिनव उत्पाद है। यह मंच इन-ऐप पजल लाइब्रेरी, मानक-आधारित पाठों के साथ-साथ रोबोटिक चुनौतियों का प्रदर्शन करता है। इनके एप्लीकेशन, वंडर फार डैश एंड डॉट रोबोट्स, मजेदार तरीके से रोबोटिक्स के बारे में सिखाते हैं। यह एक कोडिंग टूल है जो कि बच्चे को रोबोटिक्स को खेलने और स्वयं सभी रोबोटिक्स का पता लगाने में सक्षम बनाता है और 300 से अधिक चुनौतियाँ पेश करता है जो बच्चों को रोबोटिक्स प्रोग्रामिंग और बिल्डिंग के बारे में सिखाती हैं। इसकी मदद से बच्चे अपनी खुद की मशीनरी बना सकते हैं, अपने इच्छित तंत्रों को पोषित कर सकते हैं और चुनौतियों से खेल सकते हैं।

ओस्मो

यह ब्रांड इलेक्ट्रॉनिक खिलौने प्रदान करता है जो आईपैड या अमेजन फायर टैबलेट के साथ उपयुक्त हैं। किट में संख्याएँ, आकृतियाँ, कोडिंग निर्देश, पहेलियाँ, रेखाचित्र, व्यावसायिक अभिरुचि और इसी तरह की शिक्षण विशेषताएँ हैं जो बच्चे को विभिन्न क्षेत्रों का पता लगाने और स्वतंत्र रूप से सीखने का अवसर देती हैं।

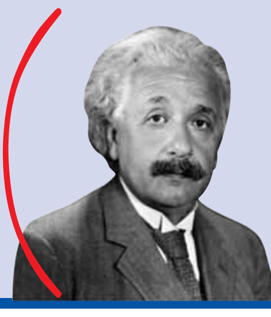

कोई भी समस्या चेतना के उसी स्तर से नहीं सुलझाई जा सकती जहां से वह पैदा हुई हो।
- अल्बर्ट आइंस्टीन

वानर मन को साधें

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

माना जाता है कि भगवान हनुमान ने अपने आदर्श भगवान राम की सेवा में आत्मसमर्पण किया था। प्रेम की गहन भावना से प्रेरित होकर, उन्होंने राम को अपने दिल में बसाया और अपनी आदर्श चेतना के साथ अपनी पहचान को विलय दिया। इस प्रकार, अपने आदर्श के अनुरूप होने के कारण, वह चेतना तत्व के लिए आंतरिक शक्तियों का लाभ उठा सकता है। कोई आश्चर्य नहीं कि वह इस तरह के असाधारण कारनामा कर सकते थे जिसका कोई सानी नहीं होगा।

प्रार्थना मोड में, जब आप अपना पूरा ध्यान लगाते हैं, तो आप उन चीजों को प्राप्त कर लेते हैं, जिन पर आपका ध्यान केंद्रित रहता है। इसलिए बाइबल कहती है: ''पहले ईश्वर और फिर उसकी समस्त महिमा पर अपना ध्यान लगाओ, फिर तुमको अपना मनचाहा सबकुछ मिल जाता है।''

हालांकि, विरोधाभास यह है कि भगवान हनुमान उस असीम शक्ति के बारे में अनभिज्ञ थे, जो उनके भीतर थी। जाहिर है, सामान्य परिस्थितियों में, वह अपनी पशुवादी प्रवृत्ति से प्रेरित होंगे। लेकिन जब याद दिलाया गया तो आवश्यकता पड़ने पर भगवान हनुमान अपनी देसी शक्तियों का आह्वान कर पाए।

जैसा कि रामायण कथा आगे बढ़ती है, भगवान हनुमान को सीता का पता लगाने का कार्य सौंपा गया, जिनका कि अपहरण कर लिया गया था और वे रावण की कैद में थीं। उपलब्ध संकेतों के अनुसार सीता श्रीलंका में कहीं थीं। अपने इच्छित गंतव्य पर जाने के लिए, हनुमान को समुद्र पार करना पड़ा, जो असंभव दिखता था। लेकिन जब रीछ, जामवंत ने उन्हें याद किया, तो उन्हें अपने अंदर निहित शक्तियों का एहसास हुआ कि वे समुद्र के पार जा सकते हैं। इसलिए, उन्होंने अपने अंजान शक्ति आधार का आह्वान किया और लंका तक जा पहुंचे।

हनुमान की कहानी मानवीय दुविधा के जैसी है। मानव अपार शक्ति से संपन्न है। यदि समूची मानव क्षमता सामने आती है, तो इंसान की शक्ति की कोई सीमा नहीं होगी। हालाँकि, विडंबना यह है कि मनुष्य को अपने सच्चे आत्म के बारे में पता नहीं है। तथ्य यह है कि मनुष्य का जन्म दुविधा और पूर्वाग्रही मन के साथ हुआ है। सीमाओं में बंधे होने के कारण, मानव मन के समूचे परिदृश्य की तह तक जाने में विफल रहता है। इस प्रकार, व्यक्ति की मानसिक शक्ति सीमित रहती है। ऐसा कहा जाता है कि आम तौर पर इंसानों की अपनी मानसिक क्षमता के सिर्फ 5 से 7 प्रतिशत तक पहुंच हासिल है।

उससे अधिक हमारे सचेत प्रयासों का मसला है। हालांकि, भले ही वे जो कुछ भी उनके सामने मौजूद हो, उसका इष्टतम उपयोग करने में सक्षम हैं, मगर वे जीवन की सामान्य आवश्यकताओं से सहज आसानी के साथ सफलतापूर्वक निपट सकते हैं।

हालांकि, विडंबना यह है कि एक साधारण व्यक्ति, जो स्वयं अपनी करनी के वैचारिक संजाल में फंस जाता है, और अतीत में अर्जित नकारात्मक छवियों के चले आ रहे असर से निपटने के दौरान, बेतुके कार्यों पर अपनी मानसिक शक्ति का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद कर देता है जिसके कारण फिर असुरक्षा की भावना पैदा होती है नतीजतन व्यक्ति तनावग्रस्त होता है। परिणामस्वरूप, उनके पास अपनी प्राथमिक वरीयताओं के साथ न्याय करने का बिरले अवसर मिलता है और फिर उसका खामियाजा सामने आता है।

मनुष्य भी पशुवादी प्रवृत्ति के साथ-साथ मानवीय गुणों को भी लिए रहता है। दोनों में से कौन गुण व्यक्ति को संचालित करते हैं, या इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति का दिमागी रूझान किस ओर है। समूची स्थिति की विडंबना यह है कि किसी की पशुवत प्रवृत्ति प्रत्यक्षतया अनजाने में अपनी भूमिका निभाती रहती है। लेकिन व्यक्ति के गुणों को पहचानने, स्वीकार करने, सम्मान देने और फिर जानबूझकर उपयोग में लाने के लिए जागृत करना आवश्यक होता है।

इस राह में जो तथ्य बाधक है, वो यह कि मानव मन बहुत अस्थिर होता है। यह मनमाने ढंग से विभिन्न विचारों के साथ छेड़खानी करता रहता है, कुछ-कुछ बंदर की तरह, बेतरतीब ढंग से पेड़ की एक डाल से दूसरी डाल पर कूदते हुए। इस प्रकार, यह आवश्यक हो जाता है कि पहले वानर-मन को नियंत्रित किया जाए, ताकि निर्बाध ढंग से अंतर्निहित गुणों को सक्रिय भूमिका में लाया जा सके। और इसे दो चरणों की ध्यान प्रक्रिया के बाद प्राप्त किया जा सकता है जैसा कि पिछले अध्याय में चर्चा की गई है।

भगवान हनुमान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ध्यान को प्रेरित करना, साधक को अपनी आत्मा को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करेगा। तदनुसार, किसी को गुण का पता लगाने, पहचानने और स्वीकार करने के लिए लुभाया जाएगा, और फिर उन्हें सान दिया जाएगा, ताकि वे समकालीन शब्दों में उपयोग के लायक बन जाएं।

भगवान हनुमान पर एकाग्रता से ध्यान केंद्रित करने से, साधक अपनी आत्मा को आत्मसात करने के लिए प्रेरित होगा। तदनुसार,व्यक्ति अंतर्निहित गुणों का पता लगाने, पहचानने और स्वीकार करने और उन्हें आत्मासात करने के लिए लालायित होगा, ताकि वे समकालीन अर्थों में उपयोगी बन जाएं।

और क्योंकि भगवान हनुमान को वीरता से पहचाना जाता है, इसलिए उनकी कल्पना को प्रतिबिंबित करने से भय और असुरक्षा की भावना को दूर करने में मदद मिल सकती है। साथ ही, यह जीवन में आने वाली चुनौतियों का पूरी ताकत से सामना करने के लिए आवश्यक इच्छा व संकल्प को मंजूरी दे सकता है।

प्रतिरक्षण तंत्र को बनाएं उत्तम

डॉ. राशि चहल का कहना है कि एक स्वस्थ शरीर किसी एक चीज पर निर्भर नहीं होता है, बल्कि यह एक लंबी अवधि के संतुलित आहार का प्रतिफल है।

जो आप खाते हैं उसका आपके प्रतिरक्षण पर स्पष्ट प्रभाव पड़ता है। प्रतिरक्षण व्यक्ति के शरीर की बाहरी तत्वों या पैथोजेन्स के किसी हमले को रोकने या उनसे लड़ने की क्षमता से संबंधित है। प्रतिरक्षण तब प्रतिक्रिया करता है जब शरीर आपके शरीर को बचाने की जवाबी लड़ाई लड़ता है।

महामारी की इस अवधि में, न केवल इन सप्लीमेंट्स के उपयोग में वृद्धि हुई थी, लेकिन हमें मनुष्यों के रूप में यह विश्वास दिलाया गया था कि बोतलें वास्तव में आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने और एलर्जी को दूर करने का दावा करती हैं। प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए कोई जादू की गोली नहीं होती है। यह एक रक्षण प्रणाली है जो आपके पैदा होने के साथ ही आपके शरीर में मौजूद होती है। यह रक्षा प्रणाली पहले दिन से आज तक सक्रिय रही है!

विटामिन स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकते हैं और प्रोबायोटिक्स आपके आंत में रहने वाले बैक्टीरिया और जीव की मदद कर सकते हैं जो आपके बेहतर स्वास्थ्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वास्तव में एक स्वस्थ प्रणाली सिर्फ एक चीज पर - विटामिन सी, विटामिन डी, आदि - निर्भर नहीं होती है । लेकिन यह लंबी समयावधि के संतुलित स्वस्थ आहार का प्रतिफल है जिसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज और अंत में पानी शामिल हैं!

विटामिन और खनिज, जो व्यक्ति की सेहत को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक होते हैं, इस प्रकार हैं:

विटामिन सी : यह संक्रमण को रोकने या कम करने में मदद करता है। अध्ययन साबित करते हैं कि विटामिन सी का नियमित सेवन किसी के शरीर में मेहतर की तरह काम करता है। विटामिन सी से भरपूर फल आपके दैनिक सेवन की पूर्ति के लिए सबसे अच्छे हैं लेकिन अन्य अच्छे स्रोत हैं : पालक, एक प्रकार की गोभी, बेल मिर्च, अमरूद, स्ट्रॉबेरी, पपीता, आदि।

विटामिन ई: विटामिन ई एक शक्तिशाली विषहारक है जो प्रतिरक्षा प्रणाली के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पौधे आधारित तेल, नट, बीज, फल और सब्जियों में आसानी से पाया जा सकता है।

विटामिन ए: यह न केवल दृष्टि में सुधार करता है और आपकी त्वचा में चमक बढ़ाता है, बल्कि एक संक्रमण-सैनिक भी है। इसे सर्वोत्तम ढंग से अंडे, छिलकेदार अनाज, शकरकंद, कद्दू के सेवन के जरिए पाया जा सकता है।

विटामिन डी : इसे धूप विटामिन भी कहा जाता है और इसका सबसे अच्छा स्रोत धूप है। यह वसा में घुलनशील विटामिन है जो कैल्शियम मैग्नीशियम और फॉस्फेट के आंतों के अवशोषण में सुधार करता है। यह हमारे शरीर में हार्मोन को विनियमित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन करने वाले शक्तिशाली पोषक तत्वों में से एक है।

फोलेट या विटामिन बी : विटामिन बी 9 और बी 12 प्रतिरक्षा प्रणाली के स्वस्थ संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपने आहार में फोलेट की अधिक मात्रा पाने के लिए बीन्स, हरी पत्तेदार सब्जियाँ और दाल को नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए कोई जादू की गोली नहीं होती है। यह एक रक्षण प्रणाली है जो आपके पैदा होने के साथ ही आपके शरीर में मौजूद होती है। यह रक्षा प्रणाली पहले दिन से आज तक सक्रिय रही है!

आयरन : यह आपके शरीर को कोशिकाओं और विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन ले जाने में मदद करता है। आयरन प्रतिरक्षा कोशिकाओं की सक्रियता और प्रसार के लिए आवश्यक है।

जस्ता: आपके शरीर में नई प्रतिरक्षा कोशिकाओं के उत्पादन के लिए इसकी आवश्यकता होती है। यह आमतौर पर चिकन, मछली और अंडे जैसे पशु उत्पादों में पाया जाता है। यह दही, छोले और दाल में भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

सेलेनियम: एक अन्य पोषक तत्व जिसका शक्तिशाली प्रभाव होता है, क्योंकि यह आपके शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करता है, जो सूजन को कम करता है और प्रतिरक्षण को बढ़ाता है। आमतौर पर नट्स (ब्राजील नट्स), लीन मीट, ब्रोकली और कॉटेज पनीर में पाया जाता है।

- लेखक रोजवॉक हॉस्पिटल, पंचशील पार्क में पुष्टाहार विशेषज्ञ हैं।

सीखें और भुलाएं

राजयोगी ब्रह्मकुमार निकुंज जी कहते हैं कि व्यक्ति को आत्ममुग्धता छोड़ देनी चाहिए और अगर कोई जीवन में बेहतर करना चाहता है तो बदलावों को स्वीकार करना चाहिए।

दुनिया में शायद ही कोई इंसान हो जो खुद को सुधारने की इच्छा नहीं रखता हो। बेशक, कुछ लोग उनके साथ अपने रिश्ते में सुधार की आकांक्षा रखते हैं, जिनके साथ उन्हें रहना और काम करना पड़ता है, जबकि अन्य अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए काम करते हैं। कुछ अपने व्यक्तित्व में सुधार या वृद्धि करना चाहते हैं, जबकि अन्य अपनी आध्यात्मिक प्रगति को लेकर अधिक चिंतित होते हैं।

हर मामले में, थोड़ी प्रगति करने की इच्छा सभी सामान्य प्राणियों के लिए बुनियादी है और सुधार के प्रयास जीवन का संकेत हैं। और, मनुष्य की सुधार लाने हेतु सभी तरह के झूठ बोलने की इच्छा, मुख्य रूप से खुश रहने की आकांक्षा है। यदि कोई सच्चा सुख प्राप्त करने के इस प्रश्न पर विचार करता है, तो व्यक्ति इस निष्कर्ष पर पहुंचेगा कि मनुष्य की प्रसन्नता अंततः उसके व्यवहार पर निर्भर करती है या बाहरी उत्तेजनाओं पर उसकी प्रतिक्रिया और उसके सोचने के तरीकों पर निर्भर करती है, जो उसके आंतरिक कामनाओं, उसकी प्रवृत्तियों और प्राप्त किए गए प्रशिक्षण पर निर्भर करता है।

इसलिए, किसी भी अन्य प्रकार का सुधार हासिल करने के लिए, मनुष्य को अपने दृष्टिकोण, आदतों, व्यवहार और तरीकों में सुधार लाना होगा। इसके लिए उसे दूसरों से कुछ चीजें सीखनी होंगी और कुछ को भुलाना होगा। यदि मनुष्य की सीखने की प्रक्रिया (या गलत चीजों को त्यागना) बंद हो जाती है और जो उसने पहले से सीखा है उसे अभ्यास में लाने की कोशिश और उसकी क्षमता व इच्छाशक्ति समाप्त हो जाती है, तो उसका सुधार और प्रगति भी रुक जाती है।

बहुत से लोग इस तथ्य से अवगत नहीं हैं कि प्रगति का मार्ग कुछ बाधाओं के साथ बनाया गया है, जो कि ज्यादातर मनुष्य की खुद की निर्मिति हैं। इन्हीं में से एक है अपने ज्ञान के बारे में मनुष्य का अभिमान और अहंकार। उसे सिखाना आसान है जिसे अपनी बुद्धिमत्ता पर कोई गर्व नहीं है। लेकिन वह जो खुद को पूरी तरह से बुद्धिमान मानता है, वह दूसरों से कहता है, ''ऐसा कुछ भी नहीं है जो मैं नहीं जानता।'' इस तरह के आदमी को सुधार की पेशकश करना मुश्किल है, क्योंकि वह इस ढंग से मानकर चलता है कि लोग उसकी उपस्थिति में हकलाने लगेंगे, वह किसी भी समय आपा खो देता है किसी को भी किसी भी विषय पर ज्ञान देना शुरू कर देगा।

इसलिए, यदि व्यक्ति सुधार करना चाहता है और उस उद्देश्य के लिए, कुछ बदलावों को स्वीकारने के लिए तैयार है, तो व्यक्ति को आत्म-दंभ छोड़ देना चाहिए क्योंकि यह जीवन की अच्छी चीजों को सीखने और गलत चीजों को भुलाने की संभावना में बाधा डालता है।

मनुष्य की प्रगति की राह में एक और बड़ी बाधा है सांसारिक वस्तुओं के प्रति उसका लगाव, कामुक सुखों की उसकी लालसा, उसकी गहरी भागीदारी की भावना और उसके शरीर के प्रति मोह। मनुष्य को कम ही अहसास होता है कि, लोहे के इस युग में, जब एक आदमी ने अपनी नैतिकता खो दी है, तो सांसारिक चीजें अपने मूल सार से रहित हो जाती हैं। जो व्यक्ति आध्यात्मिक सुधार चाहता है, उसे पता होना चाहिए कि वर्तमान अधर्मी दुनिया में कुछ भी स्थायी नहीं है। क्या गन्ने की छाल किसी चीज के लायक होती है जब उसमें से रस निचोड़ा गया हो? तो क्या दुनिया ने अपना सर्वस्व और सत्य खो दिया है क्योंकि यह विवादित हो गया है।

हमारा यह शरीर कई अलग-अलग बीमारियों से ग्रसित है और यह नश्वर पदार्थ से बना है। तो जो व्यक्ति आत्म-सुधार की इच्छा रखता है, उसे केवल एक निर्धारित प्रयास के साथ, इंद्रियों की वस्तुओं के प्रति लगाव या प्यास को अपने से परे करना चाहिए, अन्यथा, इसका मतलब यह होगा कि व्यक्ति ने बहुत तुच्छ वस्तु के लिए अपना कीमती जीवन खो दिया है या खो रहा है।

यह सब जानते हुए, व्यक्ति को शारीरिक चेतना से छुटकारा पाना चाहिए। इसके लिए पहला कदम है शरीर के 'धर्मों' के प्रति उस लगाव को त्यागना है, जो व्यक्ति के जीवन का अपना सार लूट लेता है, और अपने तन, मन और संपदाओं को दुनिया के कल्याण के लिए समर्पित करता है। इससे मानव में सेवा, समर्पण, त्याग, नम्रता, साथी-भावना, सहिष्णुता, और उच्च चरित्र के सौ-सौ अन्य महान गुणों उत्पन्न होंगे। यह आत्म-सुधार के उसके प्रयासों को तेज करेगा।

इस सप्ताह आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

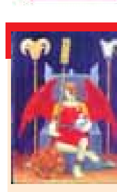

स्वास्थ्य इस सप्ताह आशाजनक लग रहा है। आप में से कुछ अपने स्वास्थ्य को फिर से हासिल कर सकते हैं और रचनात्मकता की एक नई चिंगारी महसूस कर सकते हैं। यह नए स्वास्थ्य देखभाल दृष्टिकोण, विशेष रूप से निवारक देखभाल की कोशिश करने का एक शानदार समय है। व्यायाम करें, अच्छी तरह से खाएं, और आराम करना सामान्य दृष्टिकोण है जिस पर आप पुनर्विचार कर सकते हैं।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

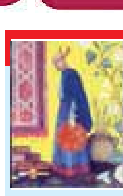

इस सप्ताह स्वास्थ्य के मोर्चे पर कुछ चुनौतियाँ सामने हैं। समस्याएं एक साथ आ सकती हैं और आपको बेचैन कर सकती हैं। अपच, गैस, बीपी और अवसाद आपको सोचने का समय नहीं दे सकते हैं। आपकी भावनाएं और संवेदनशीलता बुरी तरह प्रभावित होती हैं। आपको अधिक समय आराम करने में बिताना चाहिए। करियर के मोर्चे पर, इस सप्ताह आपके कार्य का ग्राफ एक नया मोड़ लेगा।

शुभ अंक: 1 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** शुक्रवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

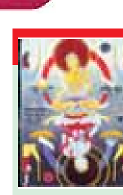

आप चुनौतियों को पार करेंगे और दुनिया के शीर्ष पर महसूस करेंगे। प्रशंसा, घरेलू मोर्चे पर अच्छी तरह से की गई नौकरी के लिए तालियाँ उत्साहवर्धन करेंगी। आपके पास बड़ों का आशीर्वाद है। एक कठिन परिस्थिति को आसान करने के बाद सकारात्मक ऊर्जा के साथ, आंतरिक संतुष्टि भी। आप में से कुछ को बढ़ावा दिया जाएगा और एक महत्वपूर्ण कार्य सौंपा जाएगा जो आपके करियर को बढ़ावा देगा।

शुभ अंक 12 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** शनिवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

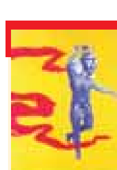

इस सप्ताह आपकी नसों में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित है। आपको कुछ रचनात्मक कार्यों में इस ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए। यह आपके लिए अत्यंत रचनात्मक समय हो सकता है, और आपके लिए एक बच्चे के रूप में सपने देखने, खेलने व आविष्कार करने का उत्तम समय हो सकता है। पेशेवर मोर्चे पर, चीजें आपके पक्ष में जाने की संभावना है। कैरियर स्तर पर उत्कृष्ट समय लगता है।

शुभ अंक : 17 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** शनिवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

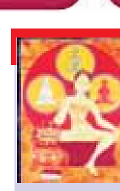

इस सप्ताह आप उलझन में हैं और अपने जीवन की दिशा में बदलाव ला रहे हैं। स्वास्थ्य उतार-चढ़ाव और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। आपको अपने पिछले व्यवहार के परिणामों को प्राप्त करने के लिए दिशानिर्देशों, परामर्श का एक सत्र चाहिए। इसे सुधारने में कभी देर नहीं होती। कार्य के मोर्चे पर, चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

शुभ अंक: 16 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** रविवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

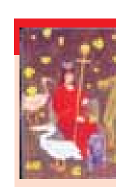

इस सप्ताह आप जीवन में पांच तत्वों को संतुलित करेंगे और शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करेंगे। चल रहे स्वास्थ्य समस्या वाले लोगों को वैकल्पिक चिकित्सा जैसे पोषण परामर्श, मालिश, आहार प्रतिबंध आदि से बहुत लाभ हो सकता है। व्यावसायिक रूप से, आपको अपने कौशल को तेज करने के लिए इस स्तर पर कैरियर परामर्श की आवश्यकता है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

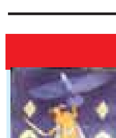

अच्छे स्वास्थ्य के लिए आपके प्रयास इस सप्ताह आपको अच्छी तरह से भुगतान करेंगे। आप ऊर्जावान, रचनात्मक और बहुमुखी महसूस करते हैं। जीवन में एक उद्देश्य है, और आप अपने जीवन को पुनः बनाना चाहते हैं। आप अपने आप को फिट व कायाकल्प रखने के लिए योग, प्राणायाम व कुछ हीलिंग व्यायाम जैसी गतिविधियों में व्यस्त हो जाएंगे। आध्यात्मिकता आपका आत्मविश्वास बहाल करने में मदद करेगी।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरूवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

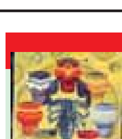

इस सप्ताह आप भारी क्षमता को अनुभव करेंगे। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और उत्तम स्वास्थ्य में रहेंगे। स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने या इलाज के वैकल्पिक तरीकों पर विचार करने में संकोच न करें। पेशेवर रूप से, जिस तरह से आपका करियर ग्राफ आगे बढ़ रहा है, आपको एक ब्रेक और पेशेवर परामर्श लेने की आवश्यकता है। बेहतर परिणाम के लिए अपने वरिष्ठ से कुछ सलाह लें।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** मंगलवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

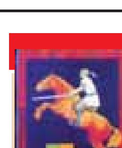

आपको आगे बढ़ने के लिए अतीत के घावों से उबरना होगा। यह ऐसा समय है जब आपको अंतर्मन में देखना चाहिए ताकि डर के क्षेत्रों का विश्लेषण किया जा सके, व चीजों पर पकड़ बनाने की कोशिश की जा सके। किसी के साथ या किसी भी चीज के साथ अनासक्ति आपको चीजों को तय करने की स्वतंत्रता देगी। शरीर के ऊर्जा केंद्रों के बारे में जानें और ध्यान दें कि आप कैसे काम कर रहे हैं।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** मंगलवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

यह आपकी रचनात्मकता व आशावाद के लिए शानदार सप्ताह है, और आप मानते हैं कि सब कुछ आपके पक्ष में जाएगा। आप उदार हैं और साझा करने के लिए तैयार हैं। आपने अपनी खामियों को स्वीकार करना और दूसरों को समायोजित करना सीख लिया है। यह आपको वह बनने की ताकत देता है जो आप बनना चाहते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, और आप इसका आनंद लेंगे।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** गेहुआं **शुभ दिन:** शुक्रवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

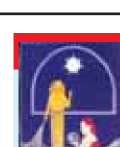

सप्ताह की शुरुआत निरंतर जारी गतिविधियों से होती है जैसे कि बैठक, मेहमानों की उपस्थिति आदि। इससे आपको अपने लिए कोई समय नहीं मिलेगा। आप कड़ी मेहनत कर रहे हैं। ऐसी संभावना है कि आप खुद को चोट पहुंचा सकते हैं या चोट खा सकते हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए आप ड्राइव करते समय सभी सुरक्षा उपायों का ध्यान रखें। काम के मोर्चे पर, आप सहज महसूस करते हैं।

शुभ अंक : 7 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** गुरूवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

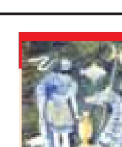

इस सप्ताह आपको क्रोध व उग्रता को कम करने की सलाह दी जाती है। अपने तन की सुनें और उसके अनुसार उपचार करें। परिवार में किसी बड़े की सलाह लें, हो सकता है कि आपकी माँ या चाची। उनके घरेलू उपचार आपको अपनी वर्तमान स्वास्थ्य समस्याओं से राहत दिलाएंगे। कार्य स्तर पर, आप अपने अंतर्बोध का पालन करेंगे और जीवन में जो चाहते हैं उसे प्राप्त करने के लिए अपने स्तर पर पूरी कोशिश करेंगे।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** शनिवार

कुत्ते का बाह्य वो किताब है जो इंसान की सबसे अच्छी दोस्त है, मगर कुत्ते के मन को पढ़ पाना बहुत कठिन है
- ग्रूचो मार्क्स

लीक से हटकर सोचें

विजुअल ब्लागिंग में करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं ? तो ध्यान में रखें कुछ महत्वपूर्ण बातें।

हाल ही में, उभरते हुए करियर की एक विस्तृत शृंखला उपस्थित हुई है जो काफी हद तक गैरपारंपरिक करियर विकल्प हैं क्योंकि ज्यादा से ज्यादा युवा चिकित्सा, कानून और इंजीनियरिंग जैसे करियर विकल्पों से दूर हट गए हैं। फोटोग्राफी, डिजाइन, इवेंट मैनेजमेंट जैसे करियर तेजी से उभर रहे हैं क्योंकि लोग नए-पुराने करियर विकल्पों के बारे में संकीर्ण मानसिकता से मुक्त हो गए हैं। बिजुअल ब्लॉगिंग या व्लॉगिंग, जैसा कि अब यह आमतौर पर चर्चित है, भी एक ऐसी पसंद है जिसने हाल के वर्षों में विशेष रूप से सोशल मीडिया और उच्च-गुणवत्ता वाले स्मार्टफोन कैमरों के आगमन के साथ अपार आकर्षण हासिल किया है। सोशल मीडिया बहुत अधिक ब्लॉगर केंद्रित हो गया है क्योंकि अधिक से अधिक लोग क्षेत्रीय भाषाओं में आकर्षक, संवेदनशील सामग्री चाहते हैं।

हालांकि, तीव्र आसान पहुंच के बावजूद, इसमें से पूर्णकालिक कैरियर बनाने के लिए रणनीति, कौशल और सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण, दृढ़ता की आवश्यकता होती है क्योंकि इसमें कई पहलू जुड़े होते हैं जैसे कि एक विशिष्ट पंक्ति को चुनना, सही भागीदारों के साथ काम करना, और ब्रांडों के साथ मुद्रीकरण, आदि।

इसके बावजूद ट्रेक (लाइफ स्टाइल सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म) के सह-संस्थापक, पुलकित अग्रवाल बताते हैं कि व्यक्ति किस तरह ब्लॉगिंग में पूर्णकालिक कैरियर बना सकता है और इसे लंबे समय तक बनाए रख सकता है।

आवश्यक योग्यता

पूर्णकालिक ब्लॉगिं कैरियर जिस सबसे महत्वपूर्ण चीज की मांग करता है वो सहज अनुवांशिक प्रेरणा। व्लॉगरों को विभिन्न प्रकार की सामग्री को आजमाने व पुनरावृत्ति के लिए तैयार रहना चाहिए, खासकर यदि वे स्वयं को इस क्षेत्र में स्थापित करना और बनाए रखना चाहते हैं। यह एक निरंतर अभ्यास है जहां सामग्री निर्माता अक्सर एक तयशुदा विषय के साथ शुरूआत, लेकिन समापन बिलकुल अलग ढंग से कर सकते हैं। उन्हें, विशेष रूप से अपने करियर की शुरुआत के समय, अपनी रचनात्मक आत्माओं और विचारधाराओं को प्रस्तुत करने और दर्शकों से प्राप्त प्रतिक्रिया या समीक्षा के अनुसार विषय के साथ साथ अपने कौशल को लगातार परिष्कृत करने की आवश्यकता होती है।

इसके अलावा, समर्पित रूप से व्लॉगिंग को आगे बढ़ाने के लिए, व्यक्ति को प्रयोग करने के लिए तैयार रहना चाहिए, अपने सुविधा दायरे से बाहर निकलना चाहिए और अपनी मानसिकता को बदलते रहना चाहिए। एक बार व्लॉगर्स ने खुद को कम से कम एक हद तक स्थापित कर लिया, तो उन्हें ब्रांड या मशहूर हस्तियों के साथ काम करने का अवसर मिलता है, और इन सहयोगों के आधार पर वे अपने करियर का निर्माण कर सकते हैं। आज की तकनीक-संचालित दुनिया इच्दुक ब्लॉगरों को अपने करियर की धमाकेदार शुरूआत करने और खुद का नाम बनाने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा प्रदान करती है।

विकास की संभावनाएं

यह एक ऐसा क्षेत्र है जो अपार अवसर प्रदान करता है क्योंकि इसमें कोई सीमाएं या पाबंदियां नहीं है कि फलां के बारे में व्यक्ति अपने ब्लॉग में चर्चा नहीं कर सकता। यह सब ब्लॉगर के जुनून और उनकी रुचि के विषय पर निर्भर करता है। जैसे ही वे अच्छे दर्शकों के जुड़ाव के साथ पर्याप्त संख्या में फॉलोवर्स की गिनती करने लगते हैं और खुद को स्थापित करते हैं, विकास की संभावनाएं असीम हो जाती है चूंकि ब्रांड और दर्शक उसके काम को पहचानने और उस पर भरोसा करने लगते हैं। उन्हें अधिक अवसर मिलने लगते हैं, जिससे उनके ब्लॉगिंग करियर से अधिक कमाई करने का मार्ग प्रशस्त होता है।

हाल ही में एक व्यवसाय द्वारा ऑनलाइन प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आज, श्रेणी-ए सोशल मीडिया प्रभावकर्ता या ऑनलाइन सबसे बड़ा ब्लॉगर, 2 लाख से 15लाख के आसपास कमाते हैं। श्रेणी-बी प्रभावकर्ता 15,000-2लाख के बीच कमाते हैं, जबकि श्रेणी-सी 5,000-20,000 मासिक के आसपास कमाते हैं, और ये संख्या बढ़ने की ही संभावना है।

पूर्ण कालिक ब्लॉगर के रूप में खुद को कायम रखना

डिजिटलीकरण, बढ़े हुए इंटरनेट प्रसार और स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग के परिणामस्वरूप लोगों की एक महत्वपूर्ण संख्या ब्लॉगर में बदल गई है, विशेष रूप से महामारी के बीच, जहां लोग घर के अंदर रहकर खुद को और दूसरों को व्यस्त रखना चाहते हैं। हालांकि, उनमें से उल्लेखनीय आबादी ब्लॉगिंग का काम को शौकीन के रूप में खंगाल सकती है या केवल एक शौक के रूप में इसे आगे बढ़ा सकती है। अपने आप को पूर्णकालिक व्लॉगर के रूप में बनाए रखने के लिए, कुछ चीजें हैं जिनका आपको पालन करने की आवश्यकता है।

उदाहरण के लिए, एक नई अवधारणा तैयार करना और नयी सामग्री के साथ सामने आना जिसमें कि अपने दर्शकों से संवाद होना आवश्यक हो। अन्यथा, आपका करियर बेमानी हो सकता है। नियमित नवोन्मेषन, लीक से हटकर सोचना और नई अवधारणाओं के साथ सामने आना, कुछ ऐसी प्रमुख चीजें हैं जिन्हें आपको एक पूर्णकालिक ब्लॉगर के रूप में खुद को बनाए रखने के लिए करना आवश्यक है।

ब्लॉगर्स : सामग्री परिदृश्य का नया आवश्यक हिस्सा

व्लॉगर्स, आज की दुनिया में, ऐसे कंटेंट क्रिएटर हैं जो विभिन्न प्रकार की सामग्री के साथ लोगों को भागीदारी के अंतर को पाटते हैं क्योंकि हर व्यक्ति की प्राथमिकताएँ भिन्न होती हैं। इसके अलावा, आज के दिन और दौर में जहां सोशल मीडिया कंटेंट सर्वप्रमुख है, व्लॉगिंग एक पूर्णकालिक कैरियर के रूप में इसका उचित श्रेय प्राप्त कर रहा है। सामग्री निर्माण कई व्यवसायों के लिए एक अभिन्न पहलू बन गया है क्योंकि वे नए युग की विपणन रणनीतियों की ओर जाते हैं। व्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक पूर्णकालिक कैरियर के रूप में भी इसकी सुविधा प्रदान कर रहे हैं और उन्हें अपनी सामग्री का मुद्रीकरण करने में सक्षम बनाने के लिए मजबूत बुनियादी ढाँचा बनाने में सहायता कर रहे हैं।

भावी संभावनाएं

स्टैटिस्टा के अनुसार, 2019 में हमारी आबादी का 46.44 प्रतिशत हिस्सा सामाजिक नेटवर्क तक पहुंच रहा था। 2020 में, भारत में उपलब्ध मनोरंजन क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगने से यह संख्या बढ़कर 50 प्रतिशत से अधिक हो गई। यह अनुमान लगाया गया है कि 2025 तक यह संख्या बढ़कर 67 प्रतिशत हो जाएगी। ब्लॉगिंग एक आला गतिविधि रही है, मगर, हाल तक, बहुसंख्यक लोगों को पूर्णकालिक कैरियर के रूप में इसे आगे बढ़ाने हेतु अच्छी तरह से तैयार नहीं किया गया है।

मानसिक स्वास्थ्य रोग कोविड19 के बाद होने वाली अगली महामारी

बार्सिलोना इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ (आईएसग्लोबल) द्वारा जारी एक अध्ययन के अनुसार, वैश्विक कोविड -19 संकट के कारण मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं अगली महामारी होंगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने सोमवार को अपनी प्रस्तुति के दौरान कहा कि लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर एक साथ कई तंत्रों द्वारा हमला किया गया है और इसमें तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी वैश्विक आर्थिक लागत एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष हो गई है और 85 प्रतिशत मानसिक विकार वाले लोग गरीब व मध्यम आय वाले देशों में इलाज नहीं करा सके, जिससे

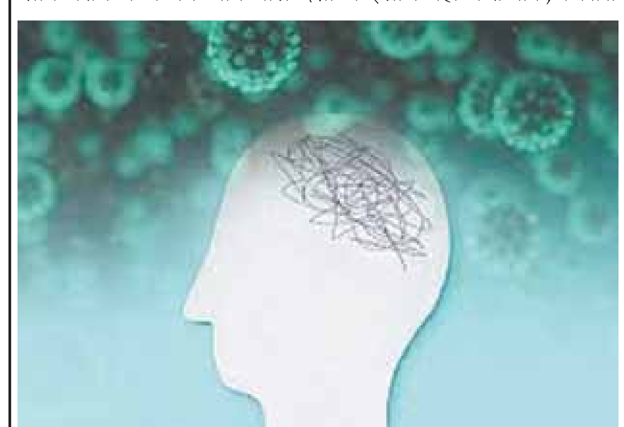

'अभूतपूर्व वैश्विक संकट' पैदा हो गया।

'कोविद -19 महामारी ने लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित किया है, लेकिन उनके व्यक्तिगत लक्ष्य, उनके परिवार की गतिशीलता, काम पर उनकी भूमिका और उनकी आर्थिक स्थिरता भी प्रभावित हुई है,' उन्होंने समझाया। सोमवार को सिन्हुआ न्यूज ऐजेंसी के अध्ययन के लेखकों ने अपनी प्रस्तुति के दौरान कहा कि लोगों का मानसिक स्वास्थ्य साथ ही साथ अनेक तंत्रों द्वारा जबरदस्त हमले का शिकार हुआ है और इसमें तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित वैश्विक आर्थिक लागत एक खरब अमरीकी डालर सालाना तक पहुंच गयी है और उनमें से मानसिक समस्याओं वाले 85 प्रतिशत लोगों को गरीब एवं मध्यम आय वाले देशों में इलाज नहीं प्राप्त हो सका, जिसके कारण 'अप्रत्याशित वैश्विक संकट' खड़ा हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'कोविड-19 महामारी ने लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित किया है, लेकिन उनके व्यक्तिगत लक्ष्यों, उनके पारिवारिक जीवन, काम पर उनकी भूमिका एवं उनकी आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित किया है।' इस संकट को गहरा करने वाले अन्य कारकों में परिवार की भूमिकाओं में सुधार, घरेलू हिंसा, अलगाव, अकेलापन, परिवार या दोस्तों की हानि के कारण दु:ख, सामान्यीकृत चिंता, पेशेवर निराशा और अभिघातजन्य तनाव शामिल हैं। अध्ययन में यह भी बताया गया है कि कोविद -19 के साथ 30 से 60 प्रतिशत रोगियों में उनके केंद्रीय और परिधीय तंत्रिका तंत्र प्रभावित होते हैं, जिससे विभिन्न समस्याएं उत्पन्न होती हैं। डिलेरियम यानी सन्निपात कोविड -19 रोगियों द्वारा सामना किया जाने वाला सबसे प्राय: और तीव्र न्यूरोसाइकियाट्रिक सिंड्रोम है, जिसके बाद अवसाद और चिंता की स्थिति उत्पन्न होती है, जबकि अवसाद और थकान अधिक लंबे समय तक रहने वाली स्थितियां हैं। आईएस ग्लोबल ने बेरोजगारी से उत्पन्न समस्याओं, प्रियजनों की अप्रत्याशित हानि, अकेलेपन और अलगाव से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा रणनीतियां बनाने के लिए आग्रह किया है जो बुनियादी सेवाओं के प्रावधान की गारंटी करती हों और जिनसे जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए सामाजिक सेवाओं का वित्तपोषण होता हो।

पेज 1 का शेष

बस खेलो

हमारे खेल रचनात्मक किस्सागोई, एनिमेटेड पात्रों और अभिनव बातचीत पर विकसित हुए हैं जो सीखने को सुखद बनाते हैं। बच्चे को खेल खेल में सीखता देखने और पूछने पर अंतर को बता न पाने से बढ़कर, और अधिक खुशी की बात कोई नहीं होती है।'

ये खिलौने कैसे काम करते हैं

वास्तविक (या प्रत्यक्ष) और डिजिटल (या आभासी) दुनिया के बीच की कड़ी, है संवर्धित वास्तविकता, यह एक संवादात्मक अनुभव है जो दोनों दुनियाओं को मिश्रित करती है। गेमिंग में, एआर प्रत्यक्ष खिलौने और स्मार्टफोन या टैबलेट के बीच की खाई को पाटता है। उदाहरण के लिए, कुछ खेलों को आपकी जरूरत होती है कि आप कहानी में आगे बढ़ने के लिए वास्तविक दुनिया की वस्तु को स्कैन करने के लिए अपने स्मार्टफोन का उपयोग करें। अगर वास्तविक दुनिया की वस्तु बाघ का फ्लैशकार्ड है, तो स्मार्टफोन स्क्रीन पर इंटरैक्टिव छवि, वीडियो या जानवर का एक 3 डी डाटा प्रस्तुत करता है। कुछ खेलों में, लक्ष्य अपने स्मार्टफोन से अपने वास्तविक परिवेश को स्कैन करके छिपी हुई वस्तुओं को ढूंढना हो सकता है।

गोयल जानकारी देते हैं, 'एक वस्तु को जीवन की ओर लाने की संभावना आकर्षक और रोमांचक है। यदि उपलब्ध विषय यह है कि जानवर अपने प्राकृतिक आवास में कैसे रहते हैं, तो एआर इसे 3 डी मॉडल के माध्यम से सिखा सकता है। छोटे बच्चे कहानियों और सरल खेलों के माध्यम से, जानवरों द्वारा बनाई गई ध्वनियों को सुन सकते हैं और उनके खाने की आदतों को समझ सकते हैं। इस बीच, बड़े बच्चे संवादात्मक एवं सूचनात्मक खेलों के माध्यम से खाद्य श्रृंखला और जटिल पारिस्थितिकी प्रणालियों के बारे में जान सकते हैं।'

एआर सीखने के कई रास्ते तलाशना और जानकारी के विभिन्न हिस्सों को विजुअल व आसान तरीके से समझना संभव बनाता है। जहां एक नियमित मानचित्र आपको देशों और राजधानियों के बारे में बताता है, वहीं एक एआर-संचालित ग्लोब सीखने को एक नए स्तर पर ले जाता है। यह बटन के एक स्पर्श पर, न केवल भूगोल सिखाता है, बल्कि आपको विभिन्न संस्कृतियों, व्यंजनों, स्मारकों व जानवरों से भी परिचित कराता है। सामरिक खेल और डिजिटल कथावाचन के साथ जुड़कर, एआर खिलौने दोनों दुनियाओं के सर्वश्रेष्ठ को एक साथ लाते हैं। विभिन्न डिजिटल तत्व जैसे ऑडियो, वीडियो, चित्र और 3 डी सामग्री, खिलौने के भौतिक घटकों के साथ घुलमिल जाते हैं, जिससे सीखने की एक अनूठी और समावेशी प्रक्रिया बन जाती है। एआर तकनीक बच्चे को उनके आसपास की दुनिया के साथ बातचीत करने में भी मदद करती है और दो-तरफा अन्तरक्रियाशीलता का निर्माण करती है, जहाँ बच्चे को लगता है कि जो वह सीख रहा है उस पर उसका पूरा नियंत्रण है।

इसके अलावा, एआर त्वरित प्रतिक्रिया की एक प्रणाली बनाता है जो बच्चे को अधिक जानने और अधिक सटीक होने के लिए प्रेरित करती है। अधिकांश एआर खिलौने एक प्रगति रिपोर्ट या ग्राफ प्रदान करते हैं, जो आपके बच्चे के सीखने की अवस्था और प्रगति का वैयक्तिक मूल्यांकन है। इस रिपोर्ट की समय-समय पर निगरानी और जांच की जा सकती है।

एक बढ़ता हुआ उद्योग

दुनिया भर में तकनीक-सक्षम खिलौने उभार पर हैं। अकेले अमेरिका में ही, तकनीक-सक्षम खिलौना विभाग में 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई जब समग्र खिलौना उद्योग लगभग गतिरोध ग्रसित हो गया था। भारत में यह खंड और भी अधिक तेजी से उभर रहा है। आने वाले वर्षों में, हम इस विकास की प्रवृत्ति को आगे बढ़ता हुआ देखते हैं।

इस उद्योग में मुट्ठी भर कंपनियां काम कर रही हैं। गोयल कहते हैं, 'इस खंड में उपभोक्ता वाह कारक के लिए नहीं बल्कि स्थायी प्रभाव और उपयोग के संदर्भ में तकनीक को खरीदते हैं,। आज नहीं तो कल, इस उद्योग में हर कंपनी सार्थक अनुभव रचेगी जो एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है, जो एआर / वीआर प्रौद्योगिकी के आधार पर बनाया गया है।'

शाप या वरदान

चूंकि बच्चे खेल-आधारित शिक्षण के शौकीन हैं और संवर्धित वास्तविकता वाले खिलौने बच्चों में जीवन-कौशल को बढ़ाने में मदद करते हैं। ये एआर खिलौने और खेल उनके डिजिटल कौशल के साथ-साथ उनके संज्ञानात्मक कौशल को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। वे बच्चों के लिए शिक्षा और मनोरंजन के संयोजन में सबसे आगे रहे हैं। विभिन्न शोधों का भी कहना है कि मस्तिष्क में रचनात्मक सोच मुख्यतया बच्चों के शुरुआती उम्र के दौरान विकसित होती है। बच्चे बिना किसी विशिष्ट प्रशिक्षण के कहानियां सुनाते हैं, गाते हैं, , नृत्य करते हैं और लिखते हैं, चित्र बनाते हैं क्योंकि बच्चे का मस्तिष्क चीजों के प्रति तार्किक होने के बजाय उन्हें सीखने और उनकी कल्पना करने के लिए स्वतंत्र होता है।

मिरेकल मेडिक्लीनिक, गुरूग्राम के नियोनेटोलॉजी और बाल रोग विभाग के प्रमुख, डॉ रोहित अरोड़ा कहते हैं, 'यह अभी भी स्वयं शिक्षण के समान नहीं है, लेकिन शायद अगली सबसे अच्छी बात है और निश्चित रूप से निष्क्रीय रूप में टीवी स्क्रीन और टैबलेट और मोबाइल देखने से तो बेहतर है। संवर्धित वास्तविकता वाले खिलौने बच्चे की कल्पना शक्ति में सुधार करते हैं क्योंकि उन्हे रेखांकन करने, पेंट करने, लिखने और कहानियों को वैसे ही बताने का अवसर मिलता है, जैसे वे चाहते हैं। इसके अलावा, ये खिलौने बच्चे के लिए दोस्तानापूर्ण और चलाने में सुरक्षित हैं, क्योंकि उनमें कोई जीवित तार या नुकीलापन नहीं होता है।' उनका कहना है कि कम उम्र के तकनीक-प्रेमी बच्चों के लिए, एआर खिलौने उनके मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देने के लिए कुछ अतिरिक्त प्रदान करते हैं। डा अरोड़ा कहते हैं, 'इंटरएक्टिव एआर खिलौने उन्हें उनके सुविधा स्तर पर जानकारी को समझने और उसे लंबे समय तक बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ये खिलौने एक बच्चे के दृष्टिकोण से आकर्षक, प्रयोगात्मक और तल्लीन करने वाले हैं।'

हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि एआर गेम बच्चों की दृष्टि पर हानिकारक प्रभाव डाल सकते हैं। इससे वास्तविकता से दूर हटने का एक खतरा है क्योंकि वे अधिकांशतया प्रत्यक्षतया संवाद नहीं कर सकते हैं। ये खिलौने बच्चों के लिए नशे की लत बन सकते हैं, और वे युवा मनों में भ्रम पैदा कर सकते हैं।

मैनेजिंग ट्रस्टी पोद्दार फाउंडेशन में मेंटल हेल्थ एट राऊंड ग्लास की ग्लोबल हैड, प्रकृति पोद्दार कहती हैं, 'वीडियो गेम और एप्लिकेशन के विपरीत, एआर खिलौने स्पर्श कौशल के साथ मोटर कौशल विकास में भी सहायता करते हैं। हालांकि, एआर खिलौनों पर बहुत ज्यादा निर्भर होना छोटे बच्चों में सामाजिक कौशल के विकास को प्रभावित कर सकता है। स्क्रीन के साथ अतिरेक स्तर पर जुड़ाव होना उनके एकाग्रता स्तर को प्रभावित कर सकता है और उन्हें समर्पणकारी बना सकता है।'

बच्चों के भावनात्मक स्वास्थ्य पर स्क्रीन समय के प्रभाव का आकलन करते हुए, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दो से कम उम्र के बच्चों के लिए कोई स्क्रीन समय नहीं रखने तथा दो से चार वर्ष की आयु के लोगों के लिए दिन में अधिकतम एक घंटे देखने की सिफारिश की है। पोद्दार कहती हैं कि बच्चों द्वारा अत्यधिक मोबाइल टीवी देखने से बच्चों में स्वयं पर भरोसा करने की क्षमता में गिरावट आ सकती है विशेष रूप से संकट या तनाव के समय में, स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताना उनकी एकाग्रता, ध्यान और परानुभूति की भावना को घटाता है।

दीर्घकालिक प्रभाव से पीड़ित कोविड संक्रमित

एक अध्ययन के अनुसार, हल्के कोविड-19 के आठ महीने बाद, दस में से एक व्यक्ति कम से कम एक मध्यम से गंभीर लक्षण को अनुभव करता है, जिसका उनके काम पर, सामाजिक, या व्यक्तिगत जीवन पर, नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जामा नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि सबसे आम दीर्घकालिक लक्षण हैं कि गंध और स्वाद खो जाता है और थकान महसूस होती है।

स्वीडन के डैंडरिड अस्पताल और कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने पिछले साल वसंत के बाद से तथाकथित संचार अध्ययन कराया है, जिसका मुख्य उद्देश्य कोविड-19 के बाद प्रतिरक्षण की जांच करना है।

डैंडरीड अस्पताल और कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट में कम्युनिटी अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता चार्लोट थालिन ने कहा ''हमने अपेक्षाकृत युवा और स्वस्थ व्यक्तियों के स्वस्थ समूह में हल्के कोविड-19 संक्रमण के बाद उसके दीर्घकालिक लक्षणों की उपस्थिति की जांच की है, और हमने पाया है कि प्रमुख दीर्घकालिक लक्षण गंध और स्वाद का नुकसान हुआ है।'

थालिन ने कहा, ''प्रतिभागियों और कोविड-19 वाले लोगों में थकान और सांस की समस्या भी अधिक होती है, लेकिन यह एक समान सीमा तक नहीं होती है।''

अध्ययन के पहले चरण में, डैंडरीड अस्पताल में 2,149 कर्मचारियों से रक्त के नमूने एकत्रित किए गए थे, जिनमें से लगभग 19 प्रतिशत लोगों में सार्स-कोव-2 के खिलाफ एंटीबॉडीज थे।

शोधकर्ताओं ने हर चार महीने में रक्त के नमूने एकत्र किए, और अध्ययन प्रतिभागियों ने दूरगामी लक्षणों व जीवन की गुणवत्ता पर उनके प्रभाव से संबंधित प्रश्नावली का जवाब दिया। इस साल जनवरी में तीसरे फालो-अप में, टीम ने कम से कम आठ महीने पहले हल्के कोविड -19 से संक्रमित प्रतिभागियों द्वारा स्वयं भेजी गयी रिपोर्ट की जांच की जिसमें मरीजों द्वारा दीर्घकालिक लक्षणों की लंबी उपस्थिति और काम, सामाजिक और घरेलू जीवन पर उनके प्रभाव की उपस्थिति का विवरण दिया गया था।

इस समूह में 323 स्वास्थ्यकर्मी शामिल थे, जिनमें 43 प्रतिशत महिलाएं थीं, जिनकी औसत आयु 43 वर्ष है - और उनकी 1,072 ऐसे स्वास्थ्यसेवा कार्यकर्ताओं के साथ तुलना की गई, जिसमें कि औसत आयु 47 वर्ष के साथ 86 प्रतिशत महिलाएं शामिल थीं, जिन्हें अध्ययन अवधि के दौरान कोविड-19 का संक्रमण नहीं हुआ था।

परिणाम बताते हैं कि नियंत्रण समूह में नौ प्रतिशत की तुलना में कोविड-19 वाले 26 प्रतिशत में, कम से कम एक - मध्यम से गंभीर लक्षण थे जो दो महीने से अधिक तक मौजूद रहे थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, नियंत्रण समूह में 2 प्रतिशत की तुलना में लगभग 11 प्रतिशत लोगों में काम, सामाजिक या घरेलू जीवन पर नकारात्मक प्रभाव वाला कम से कम एक लक्षण था। उन्होंने कहा कि सबसे आम दीर्घकालिक लक्षण गंध और स्वाद का जाना था और थकान और सांस संबंधी समस्याओं का बने रहना था।

हालांकि, शोधकर्ताओं ने संज्ञानात्मक लक्षणों जैसे मस्तिष्क की थकान, स्मृति और एकाग्रता की समस्याओं या मांसपेशियों व जोड़ों के दर्द, दिल की धड़कन या लंबे समय तक बुखार होना जैसे शारीरिक विकारों का एक व्यापक प्रसार नहीं देखा।

इस तथ्य के बावजूद कि अध्ययन के प्रतिभागियों को हल्का कोविड-19 संक्रमण था, मगर जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव के साथ अपेक्षाकृत बड़े स्तर पर दीर्घकालिक लक्षण की मौजूदगी पाई गयी है, उन्होंने कहा। करोलिंस्का इंस्टीट्यूट में परियोजना में पीएचडी के छात्र, सेबस्टियन हावेरवेल ने कहा,, ''इसके प्रकाश में, हम मानते हैं कि युवा और स्वस्थ व्यक्तियों, साथ ही साथ समाज के अन्य समूहों में, वायरस के प्रति बहुत गंभीरता होनी चाहिए जो जीवन की गुणवत्ता को काफी कमजोर करने में सक्षम प्रतीत होता है, यहां तक कि संक्रमण के बाद भी, लंबे समय तक। '' शोधकर्ताओं ने कहा कि कम्युनिटी अध्ययन जारी रहेगा, मई में अगली कार्रवाई के साथ जब अध्ययन के प्रतिभागियों के एक बड़े हिस्से को टीका लगने की उम्मीद है।

यह बॉडी पॉजिटिविटी मूवमेंट जो अब हो रहा है, वह आश्चर्यजनक है लेकिन जब मैं छोटी थी, तो ऐसा नहीं था। मुझे अपने शरीर के बारे में बहुत सारी नकारात्मक बातें सुनने को मिलीं और मैं बस इसके साथ रहती थी।
-कैट डेनिंग्स

भारत के पहले अंडरवाटर डांसर उर्फ जयदीप गोहिल अपने डांस मूव्स के साथ पानी में स्टेज सेट कर रहे हैं और दर्शकों के लिए अद्भुत ढंग से रीमिक्स म्यूजिक वीडियो प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं। उनसे विस्तृत बातचीत की है मुस्बा हाशमी ने

सांस लेने की फुर्सत नहीं

सुपरहीरोज से, हर समय, सुपर शक्तियां होने की उम्मीद की जाती हैं जो उन्हें बचाव मार्ग पर आगे बढ़ने और दुनिया को बुराई की नजर से बचाने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, सभी सुपरहीरोज जादुई शक्तियों के साथ पैदा नहीं होते हैं, कुछ समय के साथ इसे विकसित करते हैं।

आपकी पसंदीदा सुपरहीरोज की सूची का नवीनतम संस्करण हाइड्रोमैन हो सकता है। वह कौन है, आप पूछें? एक अजूबा या एक बॉलीवुड चरित्र? इनमें से कोई नहीं। राजकोट के 26 वर्षीय मैकेनिकल इंजीनियर, जयदीप गोहिल ने अपने अंडरवाटर स्टंट्स और डांस मूव्स के जरिए इंटरनेट पर तूफान ला दिया है। संक्षेप में कहें तो वह पानी पर राज करते हैं।

गोहिल के लिए, इसकी शुरूआत तैराकी के जुनून के साथ हुई। पाँच साल की उम्र में, उन्हें नदी-तट पर नहाने के लिए लाया गया था। तब से, पानी उसका दोस्त बन गया। हालाँकि, यह जुनून हाशिए पर चला गया जब डांस उनकी किस्मत का महत्वपूर्ण हिस्सा बना।

वो एक बहुत खूबसूरत दिन था, जब उसके पिता ने हंसी मजाक में, उसे पानी में डांस करने के लिए कहा। भले ही वो एक विचार कितना धुंधला था, मगर इसने गोहिल के मन में जगह जमा ली।

गोहिल बताते हैं, ''तभी मैंने सोचा कि क्यों न पानी के अंदर डांस किया जाए।'' मैंने इस आर्ट फॉर्म पर शोध करना शुरू किया। मैं कुछ अंतरराष्ट्रीय कलाकारों से भी प्रेरणा लेना चाहता था। हालांकि, मेरे लिए आश्चर्य था कि , मुझे एहसास हुआ कि ऐसा करने वाला कोई नहीं था। ''

अब गोहिल के पास प्रयोग करने और गलतियों से सीखने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने एक स्थानीय स्विमिंग पूल में जाने और अपनी सोच को लागू करने का फैसला किया।

वह बताते हैं कि शुरुआत में, यह समझना मुश्किल था कि शुरुआत कहाँ से की जाए। धीरे-धीरे, मैंने गीतों को कोरियोग्राफ करना शुरू किया और उनका पानी के अंदर अभ्यास किया। मैं इसे तब तक करता रहा जब तक कि मुझे अपने मूव्स पर नजर रखने के लिए दर्पण की आवश्यकता का एहसास नहीं हुआ।

बिना अनुमान लगाए, कि आगे क्या हुआ - गोहिल ने अपने घर में अभ्यास टैंक बनवा लिया था। इससे उन्हें अभ्यास के लिए अधिक समय मिला और साथ ही अपने मूव्स को देखने में भी मदद मिली।

इस प्रक्रिया में एक और समस्या यह थी कि केवल वही थे जो जानते थे कि वो पानी के अंदर क्या कर रहा था। मकसद था दुनिया के सामने इस कला का प्रदर्शन करना।

गोहिल बताते हैं, ''मैंने एक कैमरा खरीदने का फैसला किया। इसके बाद जो चीज मुझे चाहिए थी वह थो ट्राइपॉड। अपने परिवार पर बहुत अधिक आर्थिक बोझ नहीं डालने के लिए, मैंने खुद अपने पिता की कार्यशाला में इसे बनाने का फैसला किया।''

हालाँकि, कैमरे ने भी बहुत ज्यादा मदद नहीं की, क्योंकि गोहिल खुद को ठीक ढंग से शूट नहीं कर पाते थे - कभी-कभी वह फ्रेम से बाहर हो जाते थे, जबकि कभी कभी किसी अन्य कारण से कैमरा उन्हें छांट देता था।

> **मैं उन कुछ लोगों में से हूं, जो आसानी से, इसे खींच सकते हैं। मेरे शरीर की तुलना में मेरे फोर लिम्ब्स बड़े हैं। इससे मुझे तैराकी करते समय अपना संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। कहने का आशय यह नहीं कि पानी मेरा आराम क्षेत्र है।**

अगली चीज जो गोहिल सोच सकते थे, वो था एक शीशे का बा टैंक। जैसा कि यह सिर्फ कहने में आसान लग सकता है मगर गोहिल को अपने वास्तुकारों से पूर्णतया इंकार का सामना करना पड़ा, फिर, आखिरकार एक इसे बनाने पर राजी हो गया।

गोहिल के मुताबिक, ''कई लोगों ने हमें बताया कि यह संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि अगर मैं वहां गया तो यह टुकड़े-टुकड़े हो जाएगा। लेकिन मैंने कोशिश करना बंद नहीं किया। अंत में, मेरे पिता के मित्र ने कहा कि वह मदद कर सकते हैं। दुबई में डिजाइनर के निर्देशों के आधार पर हम आखिरकार एक टैंक बनाने में कामयाब हुए। 24 मिमी ग्लास से निर्मित यह टैंक, मेरे लिए एक सपने जैसा था।''

अब, ग्लास टैंक गोहिल के साथ हर जगह की यात्रा करता है। इसके प्लेसमेंट के लिए क्रेन की जरूरत होती है।

जबकि यह सब गोहिल की यात्रा के बारे में था, जिसे पढ़कर कोई भी उत्साहित हो सकता है कि वह इसे कैसे खींच कर ले जाते हैं। इसके पीछे कोई रॉकेट साइंस नहीं है।

गोहिल बताते हैं,'' मैं उन कुछ लोगों में से हूं, जो आसानी से, इसे खींच सकते हैं। मेरे शरीर की तुलना में मेरे फोर लिम्ब्स बड़े हैं। इससे मुझे तैराकी करते समय अपना संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। कहने की आशय यह नहीं कि पानी मेरा आराम क्षेत्र है। जब लोगों को यह असंभव लगता है, तो मैं अक्सर अपने आपमें सोचता हूं, वे ऐसा क्यों महसूस करते हैं? यह आसान है। ''

गोहिल के अधिकांश प्रस्तुतियां पांच मिनट की होती हैं। वह बिना ज्यादा हरकत के साढ़े तीन मिनट तक पानी में रह सकते हैं। लेकिन अपने प्रदर्शन के दौरान, वह ऑक्सीजन के लिए लगातार ब्रेक लेना सुनिश्चित करते हैं। ''ये विराम स्पष्ट नहीं हो सकते हैं। हम दर्शकों को यह नहीं बता सकते कि मैं सांस लेने के लिए टैंक तक जा रहा हूं। इससे उनका ध्यान हटेगा। मैं इसे सहज दिखाने के लिए चरणों को संशोधित करता हूं। उदाहरण के लिए, यदि मैं फ्लिप या एक पलटी ले रहा हूं, तो मैं सांस लेता हूं और फिर नीचे आता हूं। यह सब सिंक में होता है। '' वह बताते हैं।

गोहिल की कला उन्हें इंडियाज गॉट टैलेंट में ले जाने के लिए पर्याप्त थी, साथ ही उन्हें शो में अक्षय कुमार के साथ अपने अंडरवाटर स्टेज को साझा करने का मौका भी मिला। इसके बाद सभी नाम और प्रसिद्धि हासिल हुई। हालाँकि, यह अल्पकालिक था।

वह कहते हैं, ''एक समय था जब मेरे पास छह महीने तक कोई काम नहीं था। लोग मुझे भूलने लगे थे। इसने मेरे क्षेत्र में मेरे अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर दिया। मैं निराश था और मैंने अपने पिता से पूछा कि क्या मैं उनकी कार्यशाला में शामिल हो सकता हूं। उन्होंने मुझे अपने कला पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा।''

इसने गोहिल को प्रभावित किया, लेकिन लंबे समय तक नहीं। उन्होंने अपनी कला को बेहतर बनाने और बेहतर अवधारणाओं के साथ आने हेतु समय का उपयोग किया।

अगर आपको लगता है कि यह उनके जीवन के उतार-चढ़ावों का अंत है, तो ऐसा नहीं है, अभी कई और चुनौतियां आने वाली हैं।

''2016 में, मुझे भारत के पहले और सबसे बड़े वॉक-इन एक्वेरियम हेतु चेन्नई में शो के लिए बुलाया गया था। यह आपको सुंदर लग सकता है। लेकिन, यहाँ एक समस्या है। मुझे एक्वेरियम में 10 शार्क के साथ परफॉर्म करना था। यह, शुरू में, काल्पनिक लग रहा था। लेकिन फिर, उन्होंने समझाया कि मुझे एक गीला सूट पहनना है, यानी वो सूट जो उनके कर्मचारी पहनते हैं जब वे उन्हें खिलाने जाते हैं और यह अच्छी तरह से काम करेगा' गोहिल बताते हैं।

उस एक्वेरियम में अभ्यास सत्र के दौरान 10 लगभग अजनबी साथियों के साथ, गोहिल के पास बचाव का रास्ता बेहद संकीर्ण था।

गोहिल याद करते हुए बताते हैं, ''मूल बात जो हमें पता होनी चाहिए कि शार्क को बिल्कुल भी नहीं छूना है। यदि आपने किया, तो यह निश्चित रूप से आपको काटेगा और इसे आपके रक्त का स्वाद मिलेगा, और फिर आपको दुनिया को अलविदा कहने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। मुझे एहसास नहीं हुआ, और नृत्य करते समय, मेरा हाथ एक शार्क को छूने वाला था। मेरे कैमेरा पर्सन जो एक्वेरियम के बाहर से शूटिंग कर रहे थे, उन्हें एक हल्का हार्टअटैक लगा। उसने तुरंत मुझे रुकने और बाहर आने का इशारा किया। जब मैंने बाहर आया तो उसने मुझे उस गलती की फुटेज दिखाई जो मैं करने वाला था।'' इसने निश्चित रूप से गोहिल में शो को छोड़ने और वापस जाने का प्रबल भाव उत्पन्न किया, लेकिन वह जानते थे कि यह काम करने का पेशेवर तरीका नहीं था। '' मैंने इसे पूरा किया और धीरे-धीरे मेरा डर भी दूर हो गया। मैंने छह दिनों के लिए एक दिन में चार 15 मिनट के शो किए। '' गोहिल, जो प्रतिष्ठित बहुभाषी पॉप-लोक बैंड ' व्हेन चाई मेट टोस्ट' के सहयोग से एंड फ्लिक्स के संगीत वीडियो ऑसम इन डिसगाइज में काम कर रहे हैं आपको बताते हैं। गोहिल वीडियो का हिस्सा बनकर और अपने काम को और अधिक पहचान पाते देखकर खुश और बेहत उत्साहित हैं।

लोकप्रिय तमिल कॉमेडियन विवेक का निधन, पुलिस सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

चेन्नई। लोकप्रिय तमिल अभिनेता विवेक का यहां शनिवार को निधन हो गया। अभिनय के अलावा उन्हें सामाजिक कार्यों में भाग लेने और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए जाना जाता था।

एसआईएमएस अस्पताल के वाइस प्रेजिडेंट डॉ राजू शिवसामी ने बताया कि 59 वर्षीय अभिनेता का तड़के निधन हो गया।

इस बीच, सरकार ने कहा कि फिल्म जगत और सामाजिक कार्यों में योगदान देने के लिए विवेक का अंतिम संस्कार पुलिस सम्मान के साथ किया जाएगा।

दिवंगत अभिनेता के परिवार में उनकी पत्नी, और दो बेटियां हैं। कुछ साल पहले विवेक के किशोर बेटे का निधन हो गया था।

शुक्रवार को अभिनेता को दिल का दौरा पड़ा जिसके बाद उनके परिजन उन्हें अचेत अवस्था में अस्पताल लेकर आए थे। प्रख्यात कॉमेडियन विवेक ने दो सौ से अधिक फिल्मों में काम किया था और उन्हें पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए जाना जाता था। पद्मश्री से सम्मानित अभिनेता ने अपने करियर में रजनीकांत, विजय और अजित कुमार जैसे कलाकारों के साथ काम किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी, द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन, रजनीकांत, मक्कल नीधि मय्यम के नेता कमल हासन समेत कई नामचीन हस्तियों ने विवेक के निधन पर शोक प्रकट किया। पलानीस्वामी ने कहा, वह युवाओं के लिए आदर्श थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में विवेक ने सरकार की पहल का पुरजोर समर्थन किया था और प्लास्टिक के इस्तेमाल पर लगाम लगाने की दिशा में काम किया था।

उन्होंने कहा कि विवेक पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के बड़े प्रशंसक थे और ग्रीन कलाम पहल के तहत उन्होंने एक करोड़ पौधे लगाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

हैरी पॉटर और पीकी ब्लाइंडर्स की अभिनेत्री हेलेन मैकक्रोरी नहीं रहीं

लंदन। लोकप्रिय फिल्म हैरी पॉटर और पीकी ब्लाइंडर्स सीरीज में काम कर चुकी ब्रिटिश अभिनेत्री हेलेन मैकक्रोरी का 52 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके पति डेमियन लेविस ने ट्विटर पर इसकी पुष्टि की। लेविस ने शुक्रवार को लिखी पोस्ट में कहा कि अभिनेत्री को कैंसर था। उन्होंने कहा, दुखद सूचना है कि कैंसर से जूझते हुए खूबसूरत और जीवट हेलेन मैकक्रोरी का घर पर निधन हो गया। उनके दोस्त और परिजन का प्रेम उनके साथ है। हैरी पॉटर की लेखिका जे के रॉलिंग ने भी मकक्रोरी के निधन पर ट्विटर पर शोक व्यक्त किया।

18 अप्रैल : आजादी का अर्थ समझाने वाले तात्या टोपे का बलिदान दिवस

नई दिल्ली। देश में आजादी का बिगुल फूंकने वाले कई बड़े नामों में एक और नाम तात्या टोपे का भी है, जिन्होंने देश में न सिर्फ 1857 में स्वतंत्रता संग्राम की नींव रखी बल्कि पूरे देश में आजादी की चेतना का सूत्रपात किया और गुलामी को अपनी नियती मान चुकी पूरे देश की जनता को यह बताया कि आजादी क्या होती है और उसे हासिल करना कितना जरूरी है। बहुत कम लोगों को मालूम है कि तात्या टोपे का असली नाम रामचंद्र रघुनाथ टोपे था। इसके अलावा देश और दुनिया के इतिहास में 18 अप्रैल के दिन कई महत्वपूर्ण घटनाएं हुईं. जिनमें जाने-माने वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का निधन शामिल है।

सोनू सूद कोविड-19 से संक्रमित कैटरीना कैफ संक्रमण मुक्त हुईं

मुंबई। अभिनेता सोनू सूद ने शनिवार को कहा कि उनकी जांच में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है और फिलहाल वह पृथक-वास में हैं। सूद ने लगभग 10 दिन पहले कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक ली थी।

वहीं, अभिनेत्री कैटरीना कैफ कोविड-19 संक्रमण से स्वस्थ हो गई हैं। उनकी कोरोना वायरस जांच निगेटिव आई है।

दूसरी ओर, बीमार हुए अभिनेता विनीत कुमार सिंह को अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने दवाएं भेजी, जिसके लिए उन्होंने ट्वीट कर उनका आभार जताया।

सूद ने ट्वीट किया, आपको बताना चाहता हूं कि आज सुबह मेरी जांच में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। एहतियात के तौर पर मैंने खुद को पृथक कर लिया है और सावधानी बरत रहा हूं। उन्होंने कहा, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। मेरे पास आपकी समस्याओं का निदान करने के लिए पर्याप्त समय है। याद रखें मैं आप सबके लिए हमेशा उपलब्ध हूं।

सूद ने सात अप्रैल को कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक ली थी।

वहीं, अभिनेत्री कैटरीना कैफ (37) ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा कि वह कोविड-19 से 10 दिन तक पीड़ित रहने बाद अब ठीक हो गई हैं और उनकी जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है।

अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने लिखा, निगेटिव। जिन्होंने भी मेरी सुध ली उन्हें धन्यवाद।

उधर, बॉलीवुड के एक अन्य अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने दवाएं भेजने के लिए शनिवार को पंकज त्रिपाठी को धन्यवाद दिया।

इससे पहले सिंह ने ट्वीट कर जानकारी दी थी कि उनके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य ठीक नहीं है।

गैंग्स ऑफ वासेपुर और मुक्केबाज में अभिनय कर चुके सिंह इस समय वाराणसी में हैं। उन्होंने देश में कोविड-19 के मामले बढ़ने को लेकर प्रशासन पर निशाना साधा।

उन्होंने ट्वीट किया, मैं बनारस में हूं। बाजार में दवा (फेबि फ्लू) नहीं मिल रही है। निजी लैब कोविड टेस्ट करने को पांच दिन से असमर्थ हैं। बीमार को क्या दूं? आपके वादे या आपके अपार भीड़ वाली रैली की वीडियो? जो आप लोग लगातार पोस्ट कर रहे हैं? धिक्कार है। स्वार्थ अंधा बना देता है। जागें,आम आदमी दम तोड़ रहा है।

इस ट्वीट के कुछ घंटों बाद सिंह ने लिखा कि वह और उनके परिवार के सदस्य तथा दोस्त अस्वस्थ हैं। सिंह ने इसकी पुष्टि नहीं की, कि उन्हें कोविड-19 के लक्षण हैं या नहीं। अभिनेता ने दवाएं भेजने के लिए त्रिपाठी को धन्यवाद दिया और कहा कि गैंग्स ऑफ वासेपुर में जहां उनके किरदार को त्रिपाठी का किरदार मार डालता है, वहीं असल जिंदगी में त्रिपाठी ने उनकी जान बचाई। उन्होंने लिखा जिन लोगों को संदेह है, मेरे परिवार के कुछ सदस्य बीमार, मित्र बीमार हैं। यहां तक कि मैं भी बीमार हूं। हमें दवा प्राप्त हुई है। शुक्रिया, भाई पंकज त्रिपाठी।

मनीष मल्होत्रा एवं सुमित व्यास कोविड-19 से संक्रमित हुए

मुम्बई। फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा और अभिनेता सुमित व्यास कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं और वे फिलहाल घर में पृथक-वास में हैं। मल्होत्रा (54) ने इस्टाग्राम पर लिखा, जांच में मैं कोविड-19 से संक्रमित पाया गया हूं। मैंने तत्काल अपने आप को अलग-थलग कर लिया और मै पृथक-वास में रहूंगा। मैं अपने डॉक्टरों की सलाह पर सभी सुरक्षा नियमों का पालन कर रहा हूं। सुरक्षित रहिए और अपना ख्याल रखिए। व्यास (37) ने इंस्टाग्राम पर बताया

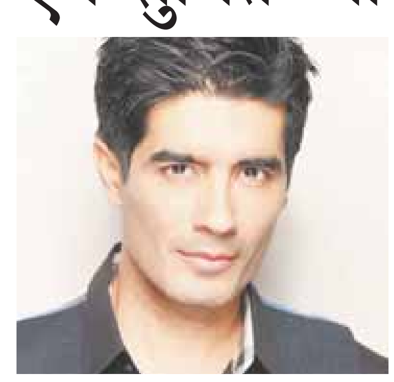

कि उन्हें कोविड-19 के हल्के लक्षण हैं। उन्होंने लिखा, मैं सभी जरूरी एहतियात बरत रहा हूं, अपने डॉक्टरों द्वारा बताई गई दवाइयां ले रहा हूं और घर में पृथक-वास कर रहा हूं। उन्होंने लिखा, वैसे मुझमें बहुत कम लक्षण हैं लेकिन मैं उन लोगों से जांच कराने का अनुरोध करूंगा जो पिछले कुछ दिनों के दौरान मेरे संपर्क में आए। शुक्रवार को मुम्बई में कोविड-19 के 8839 नए मरीज सामने आए और शहर में इस महामारी के मामले बढ़कर 5,61,998 हो गए।

सैन्य बैंड के साथ निकली प्रिंस फिलिप की शवयात्रा

विंडसर (ब्रिटेन)। प्रिंस फिलिप की शवयात्रा सैन्य बैंड के साथ शुरू हो गई है और उनका ताबूत विंडसर कैसल के स्टेट एंट्रेंस से बाहर आ चुका है जिसे एक विशेष लैंड रोवर पर रखा जा रहा है। सेंट जॉर्ज चैपल तक अंत्एष्टि जुलूस की अवधि आठ मिनट होगी। सेना के वरिष्ठ कमांडर वाहन के सामने कतारबद्ध हैं और पीछे राजपरिवार के सदस्य हैं। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय जुलूस के पीछे राजकीय बेंटले कार में सवार होंगी।

ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग प्रिंस फिलिप के शाही औपचारिक अंतिम संस्कार के दौरान खुद उनके द्वारा चुने गए भजनों और पाठों को शामिल किया जाएगा जो उनकी पत्नी महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, ब्रिटेन और राष्ट्रमंडल की सेवा में उनकी अटूट निष्ठा को दर्शाते हैं। शनिवार को स्थानीय समयानुसार अपराह्न तीन बजे एक मिनट के राष्ट्रीय मौन के साथ आधिकारिक रूप से विंडसर कैसल के सेंट जॉर्ज चैपल में आधिकारिक रूप से शुरू हुआ यह

समारोह बिना किसी उपदेश के धार्मिक होगा जैसे का खुद ड्यूक ने चाहा था। बीते शुक्रवार 99 साल की अवस्था में उनका निधन हो गया था। बकिंघम पैलेस ने शनिवार को एक बयान में कहा, अंतिम संस्कार की व्यवस्था पर अपने जीवनकाल में ही ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग ने सहमति जताई थी जिसमें ड्यूक के सैन्य प्रभाव व व्यक्तित्व की झलक मिलती है। इस मौके पर विंडसर के डीन कहेंगे : हम साहस, भाग्य और विश्वास के जरिए हमारी महारानी, राष्ट्र और राष्ट्रमंडल की सेवा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा से प्रेरित हैं। महारानी ने अपने दिन की शुरुआत स्कॉटलैंड में अपने दिवंगत पति के बगल में घास पर बैठे हुए ली गई एक तस्वीर जारी कर की। महारानी (94) की 73 साल पहले फिलिप से शादी हुई थी और महारानी ने उन्हें अपनी ताकत व ठहराव करार दिया था। शाही परिवार का कोई भी सदस्य अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में ड्यूक के बारे में कुछ नहीं कहेगा और समूचे कार्यक्रम में सिर्फ 30 लोग शामिल होंगे और वे मास्क लगाने के साथ ही सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करेंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन भी हजारों अन्य लोगों की तरह टीवी पर यह कार्यक्रम देखेंगे। इस बीच एपी की खबर के मुताबिक प्फिलिप के ताबूत को विंडसर कैसल में शाही परिवार के निजी चैपल से कैसल के इनर हॉल ले जाया गया है। शाही अधिकारियों ने बताया कि ताबूत पर फिलिप की रॉयल नौसेना की टोपी और तलवार पुष्प चक्र के साथ रखी थी। सेना की ग्रेनेडियर्स गार्ड रेजिमेंट के जवानों का दस्ता उनके ताबूत को हॉल में लेकर आया।ताबूत को विशेष रूप से डिजाइल की गई लैड रोवर से सेंट जॉर्ज चैपल लेकर जाया जाएगा जहां फिलिप के शव को दफनाया जाएगा। शाही परिवार ने कवि सिमोन आर्मिटेज की एक कविता पर संयोजित फिलिप की तस्वीरों का एक संग्रथन (मोंटाज) भी जारी किया।

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 176
लखनऊ, रविवार, 18 अप्रैल, 2021
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

बस खेलो
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

www.dailypioneer.com

न मरीज कम हो रहे, न मौतें

कोरोना का कहर

- देश में एक दिन में सर्वाधिक 1,341 लोगों की मौत
- संक्रमण के 2,34,692 नए मामले

भाषा। नई दिल्ली

वाराणसी के गोदौलिया क्षेत्र में कोरोना प्रतिबंधों के कारण पसरा सन्नाटा

भारत में कोविड-19 के रिकॉर्ड 2,34,692 नए मामले सामने आने के बाद देश में अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,45,26,609 हो गई है, वहीं एक दिन में अब तक सर्वाधिक 1,341 लोगों की मौत होने के बाद कुल मृतक संख्या बढ़कर 1,75,649 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 16 लाख से अधिक हो गई है। संक्रमण के मामलों में लगातार 38वें दिन वृद्धि हुई है। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 16,79,740 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 11.56 प्रतिशत है जबकि संक्रमित लोगों के स्वस्थ होने की दर गिरकर 87.23 प्रतिशत रह गई है। इस बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 1,26,71,220 हो गई है और मृत्यु दर गिरकर 1.21 प्रतिशत हो गई है। भारत में कोविड-19 के मामले पिछले साल सात अगस्त को 20 लाख की संख्या पार कर गए थे। इसके बाद संक्रमण के मामले 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख के पार चले गए थे। वैश्विक महामारी के मामले 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख और 19 दिसंबर को एक करोड़ से अधिक हो गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के मुताबिक, अब तक 26,49,72,022 नमूनों की जांच की जा चुकी है जिनमें से 14,95,397 नमूनों की जांच शुक्रवार को की गई। महाराष्ट्र में 63,729, उत्तर प्रदेश में 27,426 और दिल्ली में 19,486 नए मामले सामने आए हैं। इन तीनों राज्यों में पिछले साल वैश्विक महामारी फैलने के बाद से कोरोना वायरस के अब तक के सर्वाधिक दैनिक मामले सामने आए हैं। पश्चिम बंगाल में भी अब तक के सर्वाधिक 6,910 दैनिक मामले सामने आए हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में 398 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा दिल्ली में 141, छत्तीसगढ़ में 138, उत्तर प्रदेश में 103, गुजरात में 94, कर्नाटक में 78 , मध्य प्रदेश में 60, पंजाब में 50, तमिलनाडु में 33 और राजस्थान में 31 लोगों की मौत संक्रमण से हुई है।

सूबे में कोरोना से 120 की मौत

- प्रदेश में 27,357 और लखनऊ में 5913 नए पॉजिटिव, 36 की गई जान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कोरोना मरीजों की संख्या और मौत के आंकड़ों में लगातार इजाफा होता जा रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोरोना से 120 लोगों की मौत हो गई जबकि 27357 नए केस सामने आए हैं। प्रदेश की राजधानी लखनऊ पूरी तरह से कोरोना का हॉटस्पॉट बनी हुई है। अकेले लखनऊ में 36 लोगों की जान चली गई जबकि कोरोना के 5913 नए पॉजिटिव मरीज मिले हैं।

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बीते 24 घंटों के दौरान कानपुर नगर में 1826, प्रयागराज में 1977, वाराणसी में 1664, गाजियाबाद में 250, गौतम बुद्ध नगर में 402, गोरखपुर में 723, मेरठ में 748, बरेली में 577, झांसी में 703, मुरादाबाद में 663, आगरा में 384, अलीगढ़ में 95, सहारनपुर में 314, मुजफ्फरनगर में 395, बलिया में 508, बाराबंकी में 396, लखीमपुर खीरी में 436, अयोध्या में 202, जौनपुर में 435, मथुरा में 134, देवरिया में 333, रायबरेली में 367, आजमगढ़ में 322, शाहजहांपुर में 128, बुलंदशहर में 228, हरदोई में 145, सोनभद्र में 343, गाजीपुर में 276, इटावा में 140, प्रतापगढ़ में 206, चंदौली में 143, सुलतानपुर में 293, कुशीनगर में 140, गोंडा में 216, महाराजगंज में 84, रामपुर में 65, बस्ती में 165, सीतापुर में 203, उन्नाव में 185, फर्रुखाबाद में 189, बिजनौर में 221, ललितपुर में 225, बांदा में 140, मिर्जापुर में 346, बहराइच में 188, अमरोहा में 262, हापुड़ में 120, बदायूं में 191, जालौन में 123, फिरोजाबाद में 91, औरैया में 244, सिद्धार्थनगर में 106, पीलीभीत में 28, फतेहपुर में 111, मैनपुरी में 145, अमेठी में 147, शामली में 76, कन्नौज में 234, संत कबीर नगर में 63, मऊ में 124, संभल में 119, भदोही में 129, एटा में 183, चित्रकूट में 177, बलरामपुर में 76, कौशांबी में 66, बागपत में 41, कानपुर देहात में 130, अंबेडकरनगर में 107, कासगंज में 19, हमीरपुर में 64, महोबा में 95, श्रावस्ती में 42 और हाथरस में 8 नए कोरोना मरीज मिले हैं। उत्तर प्रदेश में एक्टिव केस की संख्या 170059 हो गई है।

उत्तर प्रदेश में 35 घंटे के कोरोना कर्फ्यू के लिए दिशा-निर्देश जारी

- श्रमिकों, प्रतियोगी परीक्षा के छात्रों को रहेगी छूट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस संक्रमण की चेन तोड़ने के लिये शनिवार रात आठ बजे से प्रदेश में 35 घंटे के वीकेंड कर्फ्यू के दौरान औद्योगिक इकाइया चालू रहेंगी। इस दौरान बिना किसी जरूरी काम के बाहर निकलने वालों के साथ सख्ती की जाएगी लेकिन अपने कार्यस्थलों को जा रहे या लौट रहे श्रमिकों, प्रतियोगी परीक्षा देने जा अभ्यर्थियों, आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों, पंचायत चुनाव की पोलिंग पार्टियों सहित कई लोगों को शर्तों के साथ आवाजाही की छूट रहेगी। प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए उनका आईडी ही कर्फ्यू पास माना जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को टीम 11 के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद अधिकारियों को लॉकडाउन के साथ ही 35 घंटे के कर्फ्यू को लेकर कुछ निर्देश दिए है। शनिवार, रविवार के दिन सभी वैवाहिक समारोह बंद स्थानों के अंदर अधिकतम 50 व्यक्तियों के साथ और खुले स्थानों पर 100 लोगों के साथ कराने होंगे। इस दौरान मास्क, सामाजिक दूरी और सैनिटाइजर के उपयोग अनिवार्य होंगे। सभी तरह की परीक्षाओं के लिए इजाजत दी जाएगी और इनमें शामिल होने वालों को आईडी कार्ड के साथ जाने की अनुमति दी जाएगी। सार्वजनिक परिवहन विशेष रूप से परिवहन निगम की बसों को 50 फीसदी क्षमता के साथ चलाने की इजाजत होगी। अंतिम संस्कार के लिए अधिकतम 20 लोगों को ही जाने की इजाजत दी जाएगी।

कोरोना कर्फ्यू के दौरान आवश्यक सेवाएं, पंचायत चुनाव से जुड़ी पोलिंग पार्टियों, स्वास्थ्य स्वाओं, सफाई आदि से जुड़े कर्मियों को ही आवागमन की अनुमति रहेगी। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी बाजार, दफ्तर बंद रहेंगे। इस अवधि में जिले स्तर पर अग्निशमन विभाग द्वारा नगर निगम, नगर पंचायत तथा ग्राम पंचायत स्तर पर तथा चीनी मिलों द्वारा स्वच्छता सफाई का विशेष अभियान चलाकर सेनेटाइजेशन व फागिंग की जाएगी।

डीजीपी, एसीएस सूचना व लखनऊ के डीएम भी हुए कोरोना पॉजिटिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राजधानी में कोरोना का कहर लगातार जारी है इसकी चपेट में अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाद प्रदेश के डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी, अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल और लखनऊ के डीएम अभिषेक प्रकाश भी आ गए हैं। तीनों अधिकारियों ने अपनी कोविड.19 रिपोर्ट पॉजिटिव निकलने के बाद खुद को होम आइसोलेट कर लिया है। वहीं अभिषेक प्रकाश के स्वस्थ होने तक सचिव भूतत्व खनिकर्म व निदेशक रोशन जैकब को लखनऊ का कार्यवाहक डीएम नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री के साथ हर अवसर पर दिखने वाले और उनकी टीम 11 के प्रमुख सदस्य अपर मुख्य सचिव सूचना ने बीते बृहस्पतिवार को शुरुआती लक्षणों पर कॉविड.19 की जांच कराई थी। पांच अप्रैल को पत्नी के साथ वैक्सीन की पहली डोज लेने वाले नवनीत सहगल की टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। फिलहाल वह होम आइसोलेशन में हैं।

षष्ठं कात्यायनी

चंद्रहासोज्वलकरा शार्दूलवरवाहना। कात्यायनी शुभं दद्यादेवी दानवघातिनी॥

नवरात्र में छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जाती है। इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है। उसके रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं। जन्मों के समस्त पाप भी नष्ट हो जाते हैं। इस देवी को नवरात्र में छठे दिन पूजा जाता है। कात्य गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यायन ने भगवती परम्बा की उपासना की। कठिन तपस्या की। उनकी इच्छा थी कि उन्हें पुत्री प्राप्त हो। मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। इसलिए यह देवी कात्यायनी कहलाईं। इनका गुण शोधकार्य है। इसीलिए इस वैज्ञानिक युग में कात्यायनी का महत्व सर्वाधिक हो जाता है। इनकी कृपा से ही सारे कार्य पूरे जो जाते हैं। यह वैद्यनाथ नामक स्थान पर प्रकट होकर पूजी गईं।

टीकाकरण के लिए आयुसीमा घटाई जाए: सोनिया गांधी

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने कोरोना महामारी से निपटने में केंद्र सरकार पर कुप्रबंधन और अक्षमता का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि तत्काल सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए तो देश को अभूतपूर्व विनाश का सामना करते रहना पड़ेगा। पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में यह कहा कि टीकाकरण के लिए आयुसीमा को घटाकर 25 साल किया जाए तथा अस्थमा, मधुमेह और कुछ अन्य बीमारियों से पीड़ित युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर टीका लगाया जाए। उन्होंने यह आग्रह भी किया कि सरकार को कोरोना महामारी से निपटने के लिए जरूरी चिकित्सा उपकरणों और दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए तथा कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाने पर गरीबों को प्रति माह छह हजार रुपए की मदद देनी चाहिए। सीडब्ल्यूसी की बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कार्य समिति के कई अन्य सदस्य शामिल थे।

दो मई के बाद भूतपूर्व हो जाएंगी ममता: मोदी

- प्रधानमंत्री ने कहा, खुद को संविधान से ऊपर समझती हैं दीदी

भाषा। आसनसोल, गंगारामपुर

पीएम नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वह खुद को देश के संविधान से ऊपर समझती हैं और साथ ही दावा किया कि उन्होंने राजनीति के लिए झूठे आरोप लगाए तथा केंद्रीय बलों और सेना तक को बदनाम किया। राज्य के छह जिलों की 45 विधानसभा सीटों पर पांचवें चरण के तहत हो रहे मतदान के बीच पीएम ने पश्चिम बंगाल के औद्योगिक शहर आसनसोल और दक्षिण दिनाजपुर के गंगारामपुर में दो रैलियों को संबोधित किया और इस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, महिला सुरक्षा, दलितों का अपमान सहित अन्य कई मुद्दों पर ममता बनर्जी को निशाने पर लिया और दावा किया कि दो मई को पश्चिम बंगाल की जनता उन्हें भूतपूर्व मुख्यमंत्री का प्रमाणपत्र देने वाली है। लाशों पर राजनीति करने को तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष की पुरानी आदत बताते हुए पीएम ने 10 अप्रैल को कूचबिहार जिले के सीतलकूची में हुई हिंसा की घटना का उल्लेख किया और आरोप लगाया कि उन्होंने पांच लोगों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत पर राजनीति करने की कोशिश की। आसनसोल में दिन की पहली रैली को संबोधित करते हुए पीएम ने केंद्र सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण सहित अन्य मुद्दों पर बुलाई गई बैठकों में ममता बनर्जी की अनुपस्थिति को मुद्दा बनाते हुए आरोप लगाया कि दीदी अपने अहंकार में इतनी बड़ी हो गई हैं कि हर कोई उन्हें अपने आगे छोटा दिखता है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने अनेक बार अनेक विषयों पर बात करने के लिए बैठकें बुलाई हैं, लेकिन दीदी कोई न कोई कारण बताकर इन बैठकों में नहीं आती हैं। कोरोना वायरस को लेकर बुलाई गई पिछली दो बैठकों में बाकी मुख्यमंत्री आए, लेकिन दीदी नहीं आईं। उन्होंने कहा कि यही नहीं, नीति आयोग की संचालन परिषद और गंगा की सफाई के लिए बुलाई गई बैठकों में भी वह नहीं आईं। उन्होंने कहा, एक दो-बार ना आना तो समझ में आता है, लेकिन दीदी ने यही तरीका बना लिया है। दीदी बंगाल के लोगों के लिए कुछ देर का समय नहीं निकाल पाती हैं। यह उन्हें समय की बर्बादी लगती है। पीएम ने आरोप लगाया कि केंद्रीय दल जब जांच में सहयोग या फिर भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए राज्य में आते हैं तो उन्हें रोकने के लिए सीएम पूरा जोर लगा देती हैं जबकि अपने तोलाबाजों को कोरोना के दौरान भेजे गए राशन को लूटने की खुली छूट देती हैं। उन्होंने आरोप लगाया, दीदी, केंद्रीय वाहिनी ही नहीं, सेना तक को बदनाम करती हैं और राजनीति के लिए झूठे आरोप लगाती हैं। दीदी खुद को देश के संविधान से ऊपर समझती हैं। उनकी आंखों पर अहंकार का पर्दा चढ़ा हुआ है। मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं की कथित राजनीतिक हत्या के मामलों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की राजनीति सिर्फ विरोध और गतिरोध तक सीमित नहीं है बल्कि प्रतिशोध की खतरनाक सीमा को भी पार कर गई है।

मेरा फोन टैप किया जा रहा है: ममता

- कहा, सीआईडी जांच का दिया जाएगा आदेश

भाषा। गलसी

कूच बिहार में हुई गोलीबारी संबंधी कथित ऑडियो टेप सामने आने के एक दिन बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को आरोप लगाया कि उनका फोन टैप किया जा रहा है और वह इस मामले की आपराधिक अन्वेषण विभाग (सीआईडी) से जांच कराए जाने का आदेश देंगी। बनर्जी ने शनिवार को यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा विकास कार्यक्रमों पर आधारित तृणमूल कांग्रेस की मुहिम का मुकाबला नहीं कर सकती, इसलिए वह षड्यंत्र रच रही है। तृणमूल प्रमुख ने कहा, वे (भाजपा नेता) हमारी रोजाना की बातचीत भी छिप कर सुन रहे हैं। ऐसा लगता है कि वे फोन पर होने वाली खाना बनाने एवं घर से अन्य कामों से जुड़ी हमारी बातों संबंधी कॉल भी टैप कर रहे है। उन्होंने कहा, मैं इस मामले में सीआईडी जांच का आदेश दूंगी। मैं जासूसी संबंधी इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल किसी को नहीं छोड़ूंगी। मुझे पता चल चुका है कि इसके पीछे कौन है। बनर्जी ने कहा कि उन्हें सूचित किया गया है, इस प्रकार के कृत्यों में केंद्रीय बलों को कुछ एजेंटों के साथ शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा भले ही इसमें कोई भूमिका नहीं होने का दावा करती है, लेकिन यह स्पष्ट है कि इसके पीछे उसी का हाथ है। भाजपा ने शुक्रवार को एक कथित ऑडियो क्लिप जारी किया था, जिसमें बनर्जी सीतलकूची से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार से कथित तौर पर यह कहती सुनाई दे रही हैं कि वह 10 अप्रैल को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की गोलीबारी में मारे गए चार लोगों के शवों के साथ रैलियां करें। तृणमूल कांग्रेस ने ऑडियो क्लिप को फर्जी करार दिया और कहा कि इस तरह की कभी कोई बात नहीं हुई।

पश्चिम बंगाल के पांचवें चरण में हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बीच भारी मतदान

भाषा। बर्दवान, सिलीगुड़ी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए शनिवार को जिन क्षेत्रों में मतदान हो रहा है वहां से हिंसा की कुछ छिटपुट घटनाएं सामने आई हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपराह्न तीन बजे तक 1.13 करोड़ मतदाताओं में से करीब 69.40 फीसदी मतदाताओं ने वोट डाले थे। दक्षिण बंगाल में उत्तर 24 परगना, पूर्व वर्धमान और नादिया तथा उत्तर बंगाल में जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों की 45 सीटों पर मतदान जारी है। मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा कर्मी हालात पर कड़ी नजर रखे हैं और कुछ घटनाएं सामने आईं जिन्हें संभाल लिया गया। उत्तर 24 परगना जिले के देगांगा विधानसभा क्षेत्र के कुरुलगाचा इलाके में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि एक मतदान केंद्र के नजदीक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए केंद्रीय बलों को गोलियां चलानी पड़ीं। बहरहाल, केंद्रीय बलों ने आरोपों से इंकार किया। केंद्रीय बल के एक अधिकारी ने बताया, यहां हर चीज ठीक है।

बाजार

सेंसेक्स	48,832	
निफ्टी	14,617	
सोना	46,431	/10g
चांदी	67,460	/kg

क्विक न्यूज

रेलवे परिसर में मास्क न पहनने पर 500 रुपये तक का जुर्माना

नई दिल्ली। रेलवे परिसर और ट्रेनों में मास्क नही पहनने पर 500 रुपए तक का जुर्माना हो सकता है ,क्योंकि रेलवे ने अब इसे रेलवे अधिनियम के तहत अपराध के तौर पर शामिल किया है। यह जानकारी शनिवार को जारी एक आदेश से मिली। यह रेलवे द्वारा किया गया नवीनतम उपाय है। रेलवे ने वायरस के प्रसार को प्रतिबंधित करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी किए गए विभिन्न कोविड-19 प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए इसे अपनाया है। रेलवे द्वारा जारी आदेश में कहा गया।

मोदी ने कुंभ को प्रतीकात्मक रखने की अपील की

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना वायरस से संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों के मद्देनजर शनिवार को संत समाज से उत्तराखंड के हरिद्वार में चल रहे कुंभ को प्रतीकात्मक रखने की अपील की ताकि इस महामारी के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ी जा सके। पीएम ने ट्वीट कर यह जानकारी दी कि उन्होंने जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि से इस सिलसिले में फोन पर बात की और साथ ही संतों का कुशल-क्षेम भी पूछा। उन्होंने कहा, मैंने प्रार्थना की है कि दो शाही स्नान हो चुके हैं और अब कुंभ को कोरोना के संकट के चलते प्रतीकात्मक ही रखा जाए। इससे इस संकट से लड़ाई को एक ताकत मिलेगी। एक अन्य ट्वीट में प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी अवधेशानंद से बात कर उन्होंने सभी संतों के स्वास्थ्य का हाल जाना। उन्होंने कहा, सभी संतगण प्रशासन को हर प्रकार का सहयोग कर रहे हैं। मैंने इसके लिए संत जगत का आभार व्यक्त किया। पीएम से बातचीत के बाद स्वामी अवधेशानंद ने भी लोगों से भारी संख्या में कुंभ का स्नान करने के लिए हरिद्वार नहीं पहुंचने और सभी नियमों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान का हम सम्मान करते हैं जीवन की रक्षा महत पुण्य है। मेरा धर्म परायण जनता से आग्रह है कि कोविड की परिस्थितियों को देखते हुए भारी संख्या में स्नान के लिए नहीं आएं एवं नियमों का निर्वहन करें। कोविड-19 के कारण एक माह की अवधि के लिए सीमित कर दिए गए महाकुंभ के तीन शाही स्नानमहाशिवरात्रि, सोमवती अमावस्या और बैसाखी हो चुके हैं जबकि रामनवमी के पर्व पर आखिरी शाही स्नान होना है।

चुनाव प्रचार रुका, आज रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के लिए तैयारियां पूरी
- प्रथम चरण के नौ जनपदों के 20 पोलिंग बूथों पर 21 को पुर्नमतदान

ग्रामीण क्षेत्र के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का प्रचार प्रसार शनिवार को रुक गया। इससे पहले मतदाताओं को रिझाने के लिए प्रत्याशियों ने पूरी ताकत झोंक दी है। जनसंपर्क तेज कर दिया। वहीं, प्रशासन ने भी शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराने को कमर कस ली है। वाहनों का अधिग्रहण कर ब्लाक मुख्यालयों पर कर वाहन खड़े करा दिए गए हैं और रविवार को पोलिंग पार्टियों की रवानगी की जाएगी।

दूसरी ओर त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के प्रथम चरण के 18 जनपदों में 15 अप्रैल हुए मतदान में 9 जनपदों के 20 पोलिंग बूथों पर सम्बन्धित जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं तैनात प्रेक्षकों की संस्तुति पर विचारोपरान्त 21 अप्रैल को पुर्नमतदान कराने के निर्देश दिये गये हैं। यह जानकारी राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने देते हुए बताया कि यह निर्णय सम्बन्धित जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं तैनात प्रेक्षकों की संस्तुतियों का परीक्षण कराकर दिये हैं। जनपद प्रयागराज के सोरांव विकास खण्ड के एक मतदान केन्द्र पर, जनपद आगरा के विकास खण्ड फतेहाबाद के रिहावनी ग्राम पंचायत एवं विकास खण्ड जगनेर के चन्दसौरा के अन्तर्गत मतदान केन्द्र में तथा जनपद जौनपुर के विकास खण्ड जलालपुर के पुरेव ग्राम पंचायत में दो पोलिंग बूथों पर पुर्नमतदान कराने के निर्देश दिये गये हैं। इसी प्रकार जनपद रामपुर के भाहाबाद विकास खण्ड के दो एवं स्वार विकास खण्ड के एक , जनपद हरदोई के विकास खण्ड हरपालपुर के मोल्हनपुर ग्राम पंचायत के एक पोलिंग बूथ पर, जनपद कानपुर नगर के विधनू विकास खण्ड में एक पोलिंग बूथ पर पुर्नमतदान कराने की अनुमति दी गयी है।

जनपद रायबरेली के विकास खण्ड राही के एक पोलिंग बूथ, विकास खण्ड महराजगंज के दो पोलिंग बूथ, विकास खण्ड के हरचन्दपुर के एक पोलिंग बूथ तथा जनपद झांसी के विकास खण्ड मोठ के दो पोलिंग बूथों सहित जनपद अयोध्या के विकास खण्ड मिल्कीपुर एवं सोहावल के एक पोलिंग बूथ एवं विकास खण्ड बीक के दो पोलिंग बूथों पर पुर्नमतदान कराने निर्देश दिये हैं।

क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रत्याशियों के दो पक्षों में हुई मारपीट

भाषा। प्रतापगढ़

- गोली चलने से एक व्यक्ति की मौत व घायलों को एसआरएन प्रयागराज रेफर कर दिया गया

जिले के थाना जेठवारा क्षेत्र के ग्राम सभा फूलपुर में शनिवार को क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रत्याशियों के दो पक्षों में प्रचार के दौरान मारपीट हुई और गोलियां चलीं। घटना में गोली लगने से एक पक्ष के समर्थक की मौत हो गई जबकि दूसरे पक्ष के प्रत्याशी सहित दो लोग घायल हो गए।

अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) रोहित मिश्रा ने बताया कि आज सुबह क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रत्याशी ऐनुल हसन (38) अपने समर्थक क्य्यूम (35) के साथ ग्राम सभा फूलपुर में प्रचार कर रहा था तभी दूसरे पक्ष की प्रत्याशी हसीना बेगम और उसका पति वकील अहमद मुंडा और वहीद (55) आदि पहुंचे। प्रचार को लेकर दोनों पक्षों में लाठी डंडा व फरसे से मारपीट हुई और गोली भी चली। गोली लगने से वहीद और मारपीट में दूसरे पक्ष से ऐनुल हसन व क्य्यूम घायल हो गए। उपचार के लिए घायलों को जिला चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सकों ने वहीद (55) को मृत घोषित कर दिया और घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें एसआरएन प्रयागराज रेफर कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटना के संबंध में विधिक कार्यवाही कर रही है। पंचायत चुनाव के लिए प्रतापगढ़ जिले में 19 अप्रैल, सोमवार को मतदान होना है।

यूएमटीसी के कार्यों की समीक्षा

मण्डलायुक्त ने कार्यदायी संस्था को गुणवत्ता पूर्वक समय सीमा के अन्तर्गत कार्य कराने का दिया निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

मण्डलायुक्त संजय गोयल ने ट्रैफिक एवं पार्किंग के विषयगत विजन डॉक्यूमेंट एवं एक्शन प्लान बनाये जाने हेतु चयनित विशेषज्ञ संस्था यूएमटीसी के कार्यों की समीक्षा आज गांधी सभागार में की। सड़कों पर विभिन्न सर्विसेज हेतु मल्टी यूटीलिटी डक्ट केबिल ट्रे का प्रावधान अनिवार्य रूप से किया जाये। जिससे कि भविष्य में रोड कटिंग की सम्भावना न रहे। बैठक में यूएमटीसी द्वारा शहर की यातायात एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था हेतु निर्धारित क्षेत्र में पड़ रही 25 सड़कों का अध्ययन करते हुए तैयार की गयी। ड्राफ्ट का पॉवर प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुतिकरण किया गया। यूएमटीसी के अध्ययन क्षेत्र में पड़ने वाली 25 सड़कों को ए बी सी श्रेणी में वर्गीकृत करते हुए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। संस्था के द्वारा बताया गया कि ए कैटेगरी के अन्तर्गत प्रयागराज स्मार्ट सिटी योजना द्वितीय चरण के अन्तर्गत कुल आठ सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जिसमें लोहिया रोड क्लाइव रोड स्ट्रेची रोड कूपर रोड ताशकंद रोड तेज बहादुर सप्रू रोड शोभनाथ सिंह रोड पर कार्य प्रगति पर है। संस्था के द्वारा यह भी बताया गया कि छह सड़कों हेतु डीपीआर प्राधिकरण को प्रस्तुत कर दिया गया है। जिसकी स्वीकृत टेक्निकल कमेटी से होनी है। जिसमें एमजी रोड़ पार्ट टू न्यायविद हनुमान मंदिर चैराहा पत्रिका रोड सरोजनी नायडू रोड कटरा रोड़ पार्ट वन तथा कमला नेहरू रोड़ पार्ट टू पर कार्य किये जायेंगे। बैठक में यह भी बताया गया कि महाकुम्भ 2025 के दृष्टिगत भी कार्यों को प्रस्तावित किया गया है। संस्था के द्वारा बताया गया कि महाकुम्भ 2025 के दृष्टिगत 5 सड़कों को विकसित किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। बैठक में मण्डलायुक्त ने कार्यदायी संस्था को गुणवत्ता पूर्वक समयसीमा के अन्तर्गत कार्य कराये जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त के द्वारा यह भी निर्देशित गया कि सभी सड़कों पर विभिन्न सर्विसेज हेतु मल्टी यूटीलिटी डक्ट केबिल ट्रे का प्रावधान अनिवार्य रूप से किया जाये। जिससे कि भविष्य में रोड कटिंग की सम्भावना न रहे। मण्डलायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि जिन सड़कों पर कार्य किया जाना हो उन सड़कों की चैड़ाई और लम्बाई सुनिश्चित कर लिये जाने के बाद ही कार्य को शुरू किया जाये।

मास्क न लगाने वालों के विरुद्ध सख्ती बरतने के दिये निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी एवं डीआईजी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने शनिवार को लक्ष्मी चैराहा कटरा यूनिवर्सिटी रोड कम्पनीबाग आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर मास्क न लगाने वालों को हिदायत देते हुए चालान काटा तथा सभी लोगों को बिना मास्क के घर से बाहर न निकलने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। जिलाधिकारी ने दुकानदारों से भी कहा कि मास्क न लगाकर आने वाले ग्राहकों को सामान न दें और उन्हें मास्क लगाकर ही दुकान पर आने के लिए कहें। इसके साथ ही उन्होंने दुकानदारों से स्वंय भी मास्क लगाकर ही दुकान पर बैठने के लिए कहा है।

मास्क न लगाने वालों का चालान करती पुलिस

संसाधनों का पूरी क्षमता के साथ किया जाय इस्तेमाल

सोनभद्र। डीएम अभिषेक सिंह ने मुख्य चिकित्साधिकारी व प्रभारी अधिकारी कोविड–19 सोनभद्र को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा है कि बढ़ रहे कोविड–19 पाजिटीव मरीजों की संख्या को देखते हुए सभी तैयारियां युद्ध स्तर पर की जाय। उपलब्ध सभी संसाधनों का पूरी क्षमता के साथ इस्तेमाल किया जाय। डीएम ने कहा कि कोविड–19 से सम्बन्धित मीडिया बुलेटिन समय से बिलम्बतम सायं 06.00 बजे तक जिला सूचना अधिकारी के साथ ही मीडिया के पदाधिकारियो को उपलब्ध कराया जाय। मीडिया से प्राप्त फीडबैक के अनुसार मुख्य चिकित्साधिकारी प्रभारी अधिकारी कोविड–19 के द्वारा कोविड–19 से सम्बन्धित बुलेटिन रिपोर्ट बिलम्ब से देने से मीडिया की रिपोर्टिंग में दिक्कत होती है, लिहाजा मुख्य चिकित्साधिकारी प्रभारी अधिकारी कोविड–19 चिकित्सा विभाग अपने कार्यों में सुधार लाते हुए समय से यानी बिलम्तम सायं 06.00 बजे तक कोविड–19 मीडिया बुलेटिन रिपोर्ट जिला सूचना अधिकारी के साथ अन्य सम्बन्धितों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करायें।

क्विक न्यूज

24 घंटे में 2272 पॉजिटिव और पांच लोगों की मौत

● वाराणसी में लगातार दूसरे दिन संक्रमण दर 30 फीसदी से अधिक, जिले में हर मिनट मिल रहा है एक नया रोगी

वाराणसी। जिले में एकाएक बड़ा संक्रमण संक्रमण गर्भवती जी से हो रही मौतों से जीवंत नगरी काशी भी सेहमी हुई है। अलमस्त रहने का अल सफा तो ठीक कामा लेकिन कम से कम इस संकट की घड़ी में दूसरों की हाजत की चिंता करने वालों की कमी से स्वामी हुई है। आलम यह है कि जिले में हर मिनट एक नया संक्रमित मिल रहा है विगत 24 घंटे में एंपलों के परिणाम आए जिनमें 2272 आज ही मिले हैं। वही 5 ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया इसी के कारण करो ना से मरने वालों की संख्या आंकड़ा बढ़कर 427 हो गया है बीएचयू व मंडली अस्पताल से शनिवार को 6000 से ज्यादा सैंपल ओके परिणाम प्राप्त हुए जिनमें दिन में जिनमें दो 2272 पॉजिटिवएव 3000 से ऊपर नेगेटिव रहे ज्यादातर मरीजों को इस आइसोलेशन का निर्देश देते हुए उनके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही है आज करीब 845 मरीजों को स्वस्थ घोषित कर हम को घर भेज दिया गया है कि मरीजों की संख्या 14538 हो गई है।

तीन व्यक्तियों पर लगा गुण्डा एक्ट

सोनभद्र। अपर जिला मजिस्ट्रेट योगेन्द्र बहादुर सिंह ने जिले के अमन व चैन कायम रखने के लिए जिले के तीन व्यक्तियों को गुण्डा एक्ट के तहत कार्यवाही कर 6 महीने के लिए जिला बदर कर दिया है। सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के थाना ओबरा क्षेत्र के चोपन रोड निवासी रवीन्द्र उर्फ बन्टी यादव पुत्र हीरालाल, थाना चोपन क्षेत्र के हाइडिल कालोनी निवासी चंकी उर्फअविनाश मालवीय पुत्र देवानन्द मालवीय व थाना अनपरा क्षेत्र के परासी निवासी राम विनय मेहता पुत्र तोरवी मेहता को 6 महीने के लिए जिला बदर किया है। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने कहा है कि अवांछनीय कार्य करने और गुण्डा होने की जानकारी मिलने पर गुण्डा एक्ट की कार्यवाही जारी रहेगी।

और बढ़ायी जाय कोविड-19 हास्पिटल-2 की क्षमता

सोनभद्र। जिलाधिकारी अभिषेक सिंह व मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 अमित पाल शर्मा ने कोविड-19 हास्पिटल परिसर में समीक्षा बैठक की और कोविड संक्रमित मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जाना। जिलाधिकारी ने दवाओं का भण्डारण, साफसफाई की स्थिति, खान-पान की व्यवस्था, आक्सीजन सिलेण्डरों की उपलब्धता की समीक्षा की और युद्ध स्तर पर लगकर सभी जन स्वास्थ्य सुविधाएं बनाये रखने के निर्देश दियें। जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने आक्सीजन सिलेण्डर भण्डारण कक्ष का स्थलीय निरीक्षण किया और कहा कि आक्सीजन सिलेण्डरों की पर्याप्त उपलब्धता बनाये रखते हुए आक्सीजन जनरेटर की भी व्यवस्था जल्द से जल्द की जाय। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण से बचाव सम्बन्धी व्यवस्थाओं से जुड़ें अधिकारियों व कर्मचारियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप को सक्रिय रखा जाय। जिससे व्यवस्थाओं के सभी मूवमेन्ट की जानकारी टीम के सभी छोटे बड़े अधिकारियों की होती रहें। उन्होंने कहा कि कोविड-19 हास्पिटल-2 की क्षमता जो 300 बेड तक पहुंचायी गयी है, उसे और बढ़ायी जाय।

विशेष सचिव सूचना के बड़े भाई लल्लन राम सिंह का निधन

सोनभद्र। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी व विशेष सचिव सूचना उत्तर प्रदेश शासन सुरेन्द्र प्रताप सिंह के बड़े भाई लल्लन राम सिंह का असामयिक निधन हो गया है। विशेष सचिव सूचना एस0पी0 सिंह के बड़े भाई लल्लन राम सिंह सोनभद्र जिले के चुर्क में रहकर चिकित्सा सेवा दे रहे थे। लल्लन राम सिंह का असामयिक मृत्यु ईलाज के दौरान वाराणसी में हुआ है। विशेष सचिव सूचना के बड़े भाई लल्लन राम सिंह के असामयिक मृत्यु पर जिलाधिकारी अभिषेक सिंह मीडिया से जुड़े पदाधिकारीगण, स्वयं सेवी संगठनों के पदाधिकारीगण, अधिवक्तागणों, जिले के प्रबुद्धजनों के साथ ही आम नागरिकों ने शोक संवेदना व्यक्त की है। ईश्वर से प्रार्थना की है कि इस मुसीबत के घड़ी में उनके परिजनों को पीड़ा सहन करने की शक्ति ईश्वर प्रदान करें।

बसपा ने राजदीप सिंह को बनाया अधिकृत प्रत्याशी

सकलडीहा/चन्दौली। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में राजनीतिक दल फूंक फूंक कर कदम रख रहा है। धानापुर विकास खंड के सेक्टर नम्बर 3 से बसपा की ओर से राजदीप सिंह को अधिकृत प्रत्याशी उतारा है। इसके पूर्व में राम सिंह यादव को प्रत्याशी घोषित किया गया था। जनपद में जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर राजनीतिक दलों का निगाह है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल के लोग एक स्वच्छ और ईमानदार छवि के लोगों को मैदान में उतारकर जीत दिलाने में जुटी है। इस क्रम में धानापुर सेक्टर नम्बर तीन से राम सिंह यादव के जगह पर राजदीप सिंह को अधिकृत प्रत्याशी बनाया है। इस बाबत बसपा जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया कि संगठन के निर्देश पर राजदीप सिंह को प्रत्याशी घोषित किया गया है।

बगैर मास्क घूम रहे सौ से अधिक लोगों का हुआ चालान

सकलडीहा/चन्दौली। शासन के निर्देश पर कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को लेकर जिला प्रशासन सख्त रूप अख्तियार कर लिया है। शनिवार को डीएम और एसपी के निर्देश पर अभियान चलाकर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट पीपी और सीओ श्रुति गुप्ता के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने बगैर मास्क घूम रहे 150 लोगों का चालान किया। पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई से खलबली मचा हुआ है। दिन प्रतिदिन कोरोना के बढ़ते प्रभाव को लेकर स्वास्थ्य महकमा से लेकर पुलिस प्रशासन के लोग गंभीर है। शासन की ओर से बगैर मास्क घूम रहे लोगों का चालान काटने का सख्त निर्देश हुआ है। इस क्रम में कोतवाली पुलिस पीएससी फोर्स के साथ वाहनों का जांच पड़ताल किया। इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट और सीओ श्रुति गुप्ता ने लोगों से सोशल डिस्टेंस और मास्क लगाने की अपील किया। इसके साथ ही हाथ को बराबर हैंडवॉस करने का निर्देश दिया। इस दौरान करीब डेढ़ सौ लोगों का चालान काटा गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से खलबली मचा हुआ है। इस बाबत ज्वाइंट मजिस्ट्रेट पीपी मीणा ने बताया कि बगैर मास्क घूमने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जायेगी। इसके साथ ही रविवार को पूर्ण रूप से लॉक डाउन का सख्ती से पालन कराया जायेगा। हर दुकानदार मास्क लगाकर दुकान पर बैठे और सोशल डिस्टेंस का पालन करे। इस मौके पर कोतवाल अवनीश कुमार राय, दरोगा अच्छेलाल यादव, राजेश सिंह, अनुराग गुप्ता, प्रभाकर मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

सपा नेता ने झंडा देख चालान करने का लगाया आरोप

सकलडीहा/चन्दौली। बलुआ घाट से दाह संस्कार से लौट रहे सपा नेता पवन यादव के वाहन को बलुआ पुलिस ने रोककर थाने में बंद कर दिया। घटना को लेकर सपा नेताओं ने नाराजगी जताया है। आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन के लोग झंडा देखकर वाहनों को बंद और चालान कर रही है। सपा के युवा नेता पवन यादव अपने सहयोगी के साथ चार पहिया वाहन से बलुआ घाट पर दाह संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने गये थे। लौटते समय चहनिया चौराहा पर वाहन पर झंडा देख रोक लिया गया। यही नही वाहन को थाने ले जाकर बंद कर दिया।

जिला पंचायत सदस्य के लिए भाजपा प्रत्याशियों ने किया नामांकन

संवाददाता। सोनभद्र

भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र के जिलाध्यक्ष अजीत चौबे के नेतृत्व में जिला पंचायत सोनभद्र के वार्ड प्रत्याशियों ने नामांकन का कार्य पुरा किया। शनिवार को नामांकन के पहले दिन लोढी स्थित जनपद मुख्यालय पर रामगढ़ जिला पंचायत वार्ड से मनोज सोनकर, तरांवा से रितू सिंह, सरंगा से राजाराम बिन्द, हिनौती से बिटाई देवी, तिलौली कला से श्यामसुन्दर जायसवाल, जुगैल से उत्तरा त्रिपाठी, किरविल से लखनराम जंगली, म्योरपुर से सोना बच्चा अग्रहरी, घघरी से संजय जायसवाल, बभनी से सत्यवती पाण्डेय, सोढ़ा से रामसेवक पाल, हिन्दुवारी से सावित्री देवी, मधुपुर से मणिकर्णिका कोल, सलखन से सुबाष पाल धनगर, शाहगंज से निधि सिंह, कचनरवा से महिपत गोंड़, निगाई से धनुषधारी चेरो, पनारी से रंजना सिंह, जरहा से रामविचार गोंड़, व विण्ढमगंज से राजकुमारी देवी ने नामांकन किया। जिला पंचायत क्षेत्र मूर्तियां से भाजपा प्रत्याशी रमेश मिश्रा के कोरोना संक्रमण से संक्रमित हो जाने के कारण उनका नामांकन नहीं हो सका। इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे जिला प्रभारी केके सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा धर्मवीर तिवारी रामलखन सिंह कृष्णमुरारी गुप्ता रामसुन्दर निषाद ओमप्रकाश दूबे उदयनाथ कुशवाहा रमेश पटेल राजेन्द्र सिंह पटेल आदि मौजूद रहे।

ग्राहक के खाते से निकाली गई रकम वापसी के निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बैंक की लापरवाही से ग्राहक के खाते से निकाली गई रकम दस दिन में वापस करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि ग्राहक की ओर से जालसाजी की सूचना दिए जाने के बाद बैंक कोई कदम नहीं उठाता तो इसके लिए बैंक को दोषी माना जाएगा। हालांकि कोर्ट ने ग्राहक की लापरवाही से निकाली गई रकम के लिए बैंक को जिम्मेदार नहीं माना है। यह आदेश न्यायमूर्ति एसपी केसरवानी एवं न्यायमूर्ति आरएन तिलहरी की खंडपीठ ने सूबेदारगंज के अवधेश सिंह की याचिका पर दिया है। याची के अधिवक्ता आदर्श सिंह का कहना था कि याची के मोबाइल नंबर पर 21 फरवरी 2019 को अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि रेलवे से बोल रहा है और याची के खाते में पेंशन की रकम भेजना है। इसके लिए उसे ओटीपी बताना होगा। ओटीपी बताते ही उसके खाते से चार किश्तों में एक लाख रुपये निकाल लिए गए। याची ने शिकायत बैंक से

शिकायत करते हुए खाता सीज करने का आग्रह किया। याची ने बैंक के टोल फ्री नंबर पर भी शिकायत की। उसने धूमनगंज थाने में मुकदमा भी दर्ज कराया। इसके बावजूद बैंक ने कोई कदम नहीं उठाया जिससे याची के खाते से 22 व 23 फरवरी को भी एक.एक लाख रुपये निकाल लिए गए। बैंक का कहना था कि लापरवाही याची ने की है। उसके ओटीपी बताने से खाते से एक लाख रुपये निकाले गए। सिस्टम की गड़बड़ी से खाता सीज नहीं हो पाया। कोर्ट ने कहा कि ग्राहक की शिकायत के बाद भी बैंक ने खाता सीज करने में दो दिन की देरी की। ऐसे में आरबीआई की गाइड लाइन के क्लाज नौ के तहत बैंक रकम वापस करने के लिए जिम्मेदार है।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत

● मायके वालों ने ससुराल पक्ष के लोगों पर लगाया हत्या का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

घमहापुर (फूलपुर) गांव निवासी राकेश पटेल की पत्नी अंजलि 34 वर्ष की संदिग्ध हालत में मौत हो गई एमौत के बाद मायके पक्ष के लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया आप आपके मायके पक्ष के लोगों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है दरअसल सिंधोरा थाना क्षेत्र के कछिया गांव निवासी प्रभा शंकर पटेल की बेटी अंजली की शादी 2009 में फूलपुर थाना क्षेत्र के घमहापुर निवासी 'राकेश' पटेल के साथ हुई थी ।ससुराल पक्ष के लोगों के मुताबिक अंजलि जिद्दी स्वभाव की थी कहा जा रहा है कि 11 अप्रैल को घर के अंदर फांसी लगा ली थी एपरिजन परिजन उसे फांसी के फंदे से उतारकर काजी सराय बाजार बड़ा गांव स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था शुक्रवार की देर शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई । पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मायके वालों ने ससुराल पक्ष के हत्या किए जाने का आरोप लगाया है आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग उससे पैसे की मांग करते रहे हैं मांग पूरी ना होने पर उसे प्रताड़ित करते हुए तरह.तरह की यातनाएं देते थे इस बार मैं कई बार पंचायत हो चुकी है मृतका के पिता कराने के बाद ससुराल वालों के विवाह विवाह हत्या का मुकदमा कायम करने की बात कही है।

विशालाक्षी देवी व माता स्कंदमाता का पूजन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

चैत्र मास के नवरात्र की पंचमी को पंचमी तिथि पर शनिवार को गौरी दर्शन यात्रा के क्रम में श्रद्धालुओं ने श्रद्धालुओं ने मां विशालाक्षी गौरी का दर्शन पूजन किया मीर घाट स्थित मंदिर में वार्षिक परंपरा के तहत सुबह पट खोले गए और सैकड़ों श्रद्धालुओं को दर्शन पूजा की अनुमति दी गई शुभा चौक पर एकत्र हुए और हाथों में पूछ पूजन सामग्री माला फूल प्रसाद नारियल ध्वज लेकर माता की जय जयकार करने पर पहुंचकर करते हुए विशालाक्षी मंदिर पहुंची यहां आस.पास कोई स्थाई और अस्थाई दुकानें लगी थी मंदिर के महंत पंडित राजनाथ तिवारी ने अलसुबह गौरी विशालाक्षी देवी की आरती की इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर का पट खोल दिया गया मंदिर का पट खुलते ही विशालाक्षी माता की जय जयकार श्रद्धालु करने लगे देखते ही देखते सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मां विशालाक्षी देवी का दर्शन पूजन किया और उनसे इस करो ना कॉल को खत्म करने का आशीर्वाद प्राप्त किया इसी क्रम में इसी क्रम में दुर्गा के क्रम में स्थित बागेश्वरी जी के मंदिर प्रांगण प्रांगण में स्थित मां स्थित मां स्कंदमाता माता के दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं का भीड़ जमावड़ा हो गया भोर में आरती के बाद मां स्कंदमाता के मंदिर का पट खुल गया और हजारों दर्शनार्थियों ने लाइन लगाकर मां स्कंदमाता को नारियल ए चुनरी प्रसादए माला आदि तथा सिंदूर चढ़ाएं इस अवसर पर मंदिर की पुजारी ने मां स्कंदमाता की आरती बागेश्वरी देवी के प्रांगण में ही माला फूल खिलौना आदि की अस्थाई दुकानें लगी थी श्रद्धालुओं ने मां बागेश्वरी देवी की जय जय कार और मां स्कंदमाता की जय जयकार करते हुए दर्शन पूजन की इस अवसर पर जैतपुरा थाना पुलिस द्वारा महिला पुलिस एवं पुरुष पुलिस सुरक्षा की तैनाती की गई थी।

सकलडीहा सीएचसी पर 110 को लगा कोरोना वैक्सीन टीका

सकलडीहा/चन्दौली। कोरोना महामारी के बढ़ते प्रभाव को लेकर डाक्टर और स्वास्थ्य कर्मी लोगों की सेवा में जुटे हुए है। विपरीत स्थिती में सकलडीहा सीएचसी के हेल्थ वर्कर लोगों को सोशल डिस्टेंस के साथ लोगों का मास्क आदि लगाने के लिये जागरूक भी कर हरे। इस क्रम में शनिवार को 110 लागों को कोराना का वैक्सीन लगाया गया। कोरोना का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। जिसके लिये स्वास्थ्य महकमा दिन रात लगा हुआ है। सेवाकाल के दौरान सीएचसी के आधा दर्जन से अधिक स्वास्थ्य कर्मी कोरोना पॉजिटव होगये है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत प्रेषण मण्डल–द्वितीय उ0 प्र0 पावर ट्रांसमीशन कारपोरेशन लिमिटेड, 57–जार्ज टाउन, प्रयागराज। ई–निविदा संख्या–03–11/2021–2022 प्रतिष्ठित एवं ई–निविदा में पंजीकृत/अनुभवी फर्मों/ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं/निर्माताओं से निम्नलिखित कार्यों/सामग्री की आपूर्ति हेतु ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। ई–निविदायें उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर स्वीकार की जायेंगी। (1) अल्पकालीन ई–निविदा संख्या–03–ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021–2022:– – 132 के0वी0 उपकेन्द्र जी0आई0एस0 ओल्ड पावर हाउस पर वार्षिक अनुरक्षण एवं परिचालन के कार्य हेतु। (2) अल्पकालीन ई–निविदा संख्या–04–ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021–2022:– 132 के0वी0 उपकेन्द्र कोरांव पर बे बनाने के कार्य हेतु। अल्पकालीन ई–निविदा संख्या 03–04 दिनांक 03.05.2021 को खोली जायेंगी। (3) अल्पकालीन ई–निविदा संख्या–05–ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021– 2022:– 132 के0वी0 उपकेन्द्र करछना पर 40एम0वी0ए0 परिवर्तक लगाने के कार्य हेतु। (4) अल्पकालीन ई–निविदा संख्या–06–ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021–2022:– 132 के0वी0 उपकेन्द्र कोरांव पर 40 एम0वी0ए0 परिवर्तक लगाने के कार्य हेतु। अल्पकालीन ई–निविदा संख्या 05–06 दिनांक 07.5.2021 को खोली जायेंगी। (5) ई–निविदा संख्या–07–ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021–2022:– 132 के0वी0 उपकेन्द्र नैनी काम्पलैक्स पर वार्षिक अनुरक्षण के कार्य हेतु। (6) ई–निविदा संख्या–08–ई0टी0सी0द्वि0प्र0 /2021–2022:–132 केएवी0 उपकेन्द्र यमुना पम्प कैनाल पर वार्षिक अनुरक्षण के कार्य हेतु। ई–निविदा संख्या 07–08 दिनांक 18.05.2021 को खोली जायेंगी। (7) ई–निविदा संख्या–09–ई0टी0सी0द्वि0प्र0/ 2021–2022:– 132 के0वी0 उपकेन्द्र मेजा रोड पर 250 के0वी0ए0 स्टेशन ट्रासंफार्मर के मरम्मत के कार्य हेतु। (8) ई–निविदा संख्या–10–ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021–2022:–– विद्युत प्रेषण खण्ड–तृतीय प्रयागराज के अधीन उपकेन्द्रों पर 33के0वी0 उपकरणों को बदलने के कार्य हेतु। (9) ई–निविदा संख्या–11–ई0टी0सी0द्वि0प्र0/2021–2022:– 132 के0वी0 उपकेन्द्र मेजा रोड पर अर्थिंग के कार्य हेतु। ई–निविदा संख्या 09–11 दिनांक 21.05.2021 को खोली जायेंगी। (यदि निविदा खुलने की तिथि को अवकाश पड़ जाता है तो निविदायें अगले कार्य दिवस पर नियत समय एवं नियत स्थान पर खोली जायेंगी) ई–निविदा जमा करने की तिथि तक विवरण के लिए/डाउनलोड के लिए/किसी प्रकार के सुधार/संशोधन/परिवर्तन के लिए कृपया उ.प्र. सरकार की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर जायें। अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत प्रेषण मण्डल–द्वितीय, 57–जार्ज टाउन, प्रयागराज। पत्रांक–805–वि0प्रे0मं0द्वि0प्र0/टेण्डर नोटिस दिनांक:– 17.04.2021 "राष्ट्र हित में बिजली बचायें"।

चन्द्रशेखर के विचारों को आत्मसात करें युवाः हिमांशु

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

दिन शनिवार को सारनाथ बरईपुर शक्तिपीठ स्थल पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर जी की जयंती पर्यावरण को बचाने जल संरक्षण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाली सामाजिक संस्था चन्द्रशेखर फाउंडेशन व बाबू प्रसिद्ध नारायण सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कोविड गाइड लाइन का पालन करते हुए मनाई गई जिसमें संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिमांशु सिंह ने कहा कि भारत के युवा चन्द्रशेखर जी के विचारों को आत्मसात करें। संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक मुकुंद नारायण सिंह आंसू जी ने कहा कि चन्द्रशेखर जी के विचारों में राष्ट्रवाद कूट कूट कर भरा हुआ थाए चन्द्रशेखर जी के सिद्धांतो विचारों पर चलकर ही भारत को आत्म निर्भर बनाया जा सकता है। चन्द्रशेखर जी को नमन करते हुए शक्तिपीठ सेवा संस्थान के सस्थापक गुप्तेश्वर सिंह शास्त्री ;लाल बाबाद्ध ने कहा कि चन्द्रशेखर जी का जीवनशैली सरल सहज थी मैंने अपने जीवन का अधिकांश समय उनके साथ गुजारा। चन्द्रशेखर फाउंडेशन के महासचिव अमन कुमार ने कहा कि चन्द्रशेखर जी लोकतंत्र के सजग प्रहरी थे। चन्द्रशेखर फाउंडेशन के राष्ट्रीय मीडिया सचिव पंकज कुमार मिश्रा ; पत्रकार एवं शिक्षक केराकत द्ध ने कहा कि स्व 0 चन्द्रशेखर हमारे दिलो में सदैव जिंदा रहेंगे और उनके बताए मूल्यों और आदर्शो को जन जन तक पहुंचाना ही हमारे जीवन का उद्देश्य है । आदरणीय चंद्रशेखर जी को उनके जन्मदिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए पंकज कुमार मिश्रा जी ने कहा कि चन्द्रशेखर जी शिखर पुरुष है जिन्हे संगठन सादर नमन करता है । संपूर्णानंद पांडेय जी ने कहा कि चन्द्रशेखर जी के सिद्धांत विचार मेरे जैसे युवाओं के प्रेरणास्त्रोत है। रामजी सिंह ने कहा कि चन्द्रशेखर जी जिस समय देश के प्रधानमंत्री थे उस समय देश मे कश्मीरए असमए पंजाब जल रहा था चन्द्रशेखर जी ने धैर्य के साथ देश के ज्वलंत समस्याओं का समाधान किया। चन्द्रशेखर जी के मूर्ति पर माल्यार्पण कर नमन करने में मुख्यरूप से आरती शर्माए किरण सिंहए सुनंदा सिंहए रमेश सिंह सोनू महेश टहलनीए चंद्रमा प्रजापतिए गुड्डू प्रजापति इत्यादि लोग उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सीतापुर
पत्रांक– 69 हाल किराया/नी0सू0/न0पा0परि0सी0/2020–21 दिनांक–17–4–2021
नीलामी सूचना
मोहल्ला सदर बाजार काम्प्लेक्स स्थित 12 दुकाने बड़ी व 01दुकान छोटी को किराए पर उठाए जाने हेतु नीलामी कार्यवाही दिनांक 05–05–2021 समय 12:00 बजे नगर पालिका प्रांगण में की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि व समय पर कार्यालय के बोर्ड पर चस्पा नियम/शर्तों के अधीन नीलामी में भाग ले सकते हैं।
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद–सीतापुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सीतापुर
पत्रांक– 69 हाल किराया/नी0सू0/न0पा0परि0सी0/2020–21 दिनांक–17–4–2021
नीलामी सूचना
मोहल्ला तामसेनगंज गांधी नगर पडाव स्थित हाल संख्या 05 को किराये पर उठाए जाने हेतु नीलामी कार्यवाही दिनांक 05–05–2021 समय 12:00 बजे नगर पालिका प्रांगण में की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि व समय पर कार्यालय के बोर्ड पर चस्पा नियम/शर्तों के अधीन नीलामी में भाग ले सकतें है।
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद–सीतापुर

पायनियर वर्गीकृत
सूचना
सूच्य हो कि मैंने अपने बड़े पुत्र आर्यन शुक्ला उर्फ शेरा को उसका चाल–चलन ठीक न होने के कारण अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब से उसके किसी भी कृत्य व लेन–देन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा। निर्मल शुक्ला पुत्र लल्लूराम निवासी–799, संतनगर पूर्वी, कस्बा, थाना व तहसील–सिधौली, जनपद सीतापुर

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव व कोरोना संक्रमण को लेकर डीएम ने की बैठक

● सभी राजनीतिक दलों से प्रोटोकाल का कड़ाई से पालन करने की अपील

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

बैठक में भाग लेते डीएम व अन्य अधिकारी — पायनियर

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2021 को सकुशल संपन्न कराने तथा कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन तथा पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कोरोना प्रोटोकॉल का पूरी कड़ाई से पालन करने व कराने का अपील किया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के दृष्टिगत पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम को पहले से लागू कर दिया गया है। बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि कोविड- 19 के संक्रमण से फैल रही महामारी के नियंत्रण हेतु विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। गाइड लाइन के अनुसार विभिन्न धार्मिक, राजनैतिक, संगठनों, संस्थाओं, व्यक्तियों के संभावित आयोजनों, कार्यक्रमों के साथ ही त्योहारों तथा त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन -2021 आदि के आयोजित कार्यक्रमों तथा कोरोनावायरस बवअपक-19 के कारण फैल रही महामारी के दृष्टिगत अंबेडकर नगर में लोक व्यवस्थाध् शांति व्यवस्थाध् कानून व्यवस्था एवं जन सुरक्षा बनाए रखना अति आवश्यक है ।निर्वाचन के दौरान कोई भी उम्मीदवार ध्उनके प्रतिनिधि ऐसा कोई कार्य लिखकर, बोलकर अथवा किसी प्रतीक के माध्यम से नहीं करेंगे, जिससे किसी धर्म (मजहब) संप्रदाय, जाति या सामाजिक वर्ग एवं उम्मीदवार/ राजनीतिक दल/ राजनैतिक कार्यकर्ताओं की भावना आहत हो या उससे विभिन्न वर्गों /दलों /व्यक्तियों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो ।कोई भी मीडिया (इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया आदि) द्वारा बिना अनुमति के सार्वजनिक स्थल पर कोई भी डिबेटध्परीचर्चा नहीं की जाएगी। इस हेतु सक्षम अधिकारी द्वारा विधिवत अनुमति प्राप्त की जाएगी और उसमें निर्धारित शर्तों का उल्लंघन नहीं किया जाएगा। उन्होंने राजनैतिक दलों से अपील करते हुए कहा कि इस महामारी में आप सब के सहयोग की जरूरत है। प्रचार प्रसार के समय कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन अवश्य कराया जाए। एक स्थान पर भीड़ न होने दिया जाए। इसके उपरांत बैठक में जिलाधिकारी ने किछौछा दरगाह से आए हुए मौलाना ध्धर्म गुरुओ से अपील करते हुए कहा कि बाबा मखदूम अशरफ के दर्शन के लिए जो भी व्यक्ति आए उनका जांच कराते हुए कोविड-19 का पालन अवश्य कराया जाए और वहां पर भीड़ एकत्र न होने दिया जाए ।दर्शन के लिए कम से कम लोगों को अंदर जाने दिया जाए। दिन में कई बार सैनिटाइजेशन किया जाए ।दूर -दूर से आए व्यक्तियों की जांच कराया जाए तथा उनका नाम ,मोबाइल नंबर और आधार नंबर भी रजिस्टर में अंकन किया जाए साथ ही साथ जगह-जगह पर हेल्पडेस्क स्थापित किया जाए।

डॉ. मानस आश्रित के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

संवाददाता। तिलोई,अमेठी

अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक डॉ मान बहादुर सिंहष्मानस आश्रितष्के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। उनके निधन की ख़बर सुनते ही शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का ताँता लग गया। सिंहपुर ब्लाक क्षेत्र के खेखरुआ गांव निवासी अन्तर्राष्ट्रीय कथा वाचक डॉ. मान बहादुर सिंह बीते एक सप्ताह से अस्वस्थ चल रहे थे जिन्हें परिवारी जनों ने लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहाँ शुक्रवार की रात उन्होंने अंतिम सांस ली। इनके निधन की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई और शोक संवेदना व्यक्त करने वालो का तांता लग गया। डॉ. मानस एक कवि के साथ ही अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक भी थे जो अपने देश मे ही नहीं विदेशों में कथा वाचन करने जाया करते थे। उन्होंने अमेरिका, इंग्लैंड, स्विट्जरलैंड समेत कई देशों का भ्रमण भी किया था। क्षेत्रीय विधायक राजा मयंकेश्वर शरण सिंहएमुन्ना सिंह, रंजीत सिंह,अर्जुन सिंह, जितेंद्र मिश्र, सुनील सिंह आदि ने डॉ मानस आश्रित की मृत्यु पर शोक संवेदना प्रकट की है।

नाइट कर्फ्यू के साथ प्रशासन चला रहा है जन जागरूकता अभियान

● डीएम ने अधिकारियों के साथ की बैठक और क्वॉरेटाइन सेंटर का किया गहन निरीक्षण

संवाददाता। अयोध्या

श्री राम नगरी अयोध्या में नाइट कर्फ्यू का असर पूर्ण रूप से दिखने लगा है। कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 16 अप्रैल की रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक कर्फ्यू लगाने के आदेश के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसर गया है। जो भी इक्का-दुक्का लोग सड़कों पर वाहनों से गुजरते दिख रहे हैं, उनको रोककर पुलिस कोविड-19 के खतरे और कर्फ्यू लागू होने के आदेश के बारे में बता रही है। यही नहीं प्रशासनिक और पुलिस के अफ्सर भी सड़कों पर उतर कर गश्त कर रहे है। नाईट कर्फ्यू के साथ साथ जिले में शनिवार रात 8 बजे से सोमवार की सुबह 7 बजे तक पूर्ण रुप से लॉक डाउन रहेगा जिसका कढ़ाई से पालन किया जाएगा। जिलाधिकारी के निर्देशन में रविवार के कर्फ्यू का जिला प्रशासन पूरी मूस्तैदी तैयारी में जुट गई है। जिले में संक्रमितों की संख्या एक हजार के पार हो गई है। इसीलिए यहां 16 अप्रैल से रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक नाइट कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। हालांकि आवश्यक सेवाओं का संचालन इस बीच जारी रहेगा। यही नहीं अयोध्या में जो बाहर से श्रद्धालु आ रहे हैं अब उनको अयोध्या में प्रवेश के पहले कोविड.19 नेगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी।होटलए रेस्टोरेंट और खाने के सामान बेचने वाले लोग भी अब केवल पैकिंग के माध्यम से खाना सप्लाई करेंगे। उनको अपने स्थान पर खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी। पब्लिक ट्रांसपोर्ट और प्राइवेट ट्रांसपोर्ट के वाहनों को सीमित सीटों से ज्यादा चलने पर प्रतिबंध होगा। इसी के साथ पुलिस विभाग अब लगातार मास्क की चेकिंग कर रहा है और जो भी बिना मास्क की नजर आ रहे हैं उनका चालान किया जा रहा है। साथ ही साथ जिला प्रशासन पुलिस विभाग के सहयोग से जन जागरूकता अभियान भी चला रहा है और लोगों को कोविड.19 से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अयोध्या बढ़ते कोरोना के प्रकोप को देखते हुए जिलाधिकारी ने जिला मुख्यालय और तहसील पर बने क्वॉरेटाइन सेंटर का निरीक्षण किया और सुनिश्चित किया कि सेंटर पर कोविड से निपटने के सारी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई है या नहीं।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई चालक सहित दो लोगों की मौत

संवाददाता। बाराबंकी

बहराइच गोण्डा राजमार्ग पर शनिवार दोपहर हुई एक मार्ग दुर्घटना में सीमेंट व्यवसाई की तेज स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई जिससे कार सवार दो लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए इनमे से एक की मौके पर मौत हो गई जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान जिला अस्पताल में दमतोड़ दिया।दोनों मृतक सीमेंट के कारोबारी बताये जाते हैं।दोनों के शवों को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह जरवल रोड जनपद बहराइच निवासी सीमेंट व्यवसाई 40 वर्षीय फरीद व अरविंद स्विफ्ट डिजायर कार से किसी कार्य के लिये निकले थे दोपहर बाद जब वे दोनों गोण्डा बहराइच राष्ट्रीय राज मार्ग पर रामनगर थानाक्षेत्र के रानी बाजार के निकट चन्दनापुर के पास एक पेड़ से टकरा से अनियन्त्रित होकर उनकी कार टकरा गई जिसमे कार सवार अरविंद की घटनास्थल पर मौत हो गई वहीं दूसरे घायल फरीद अहमद;40द्ध ने इलाज के दौरान जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया है।वहीं पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है।वहीं रामनगर के प्रभारी निरीक्षक रामचंद्र सरोज ने बताया कि दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेजा है।

किशोरी ने खाया जहरीला पदार्थ, हालत गंभीर

ऊंचाहार,रायबरेली। क्षेत्र के सूहापार गांव निवासी युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में परिजनों द्वारा उसे इलाज के सीएचसी ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। उक्त गांव निवासी शिल्पा सिंह 19 की शनिवार की सुबह किसी बात को लेकर पारिवारिक जनों से कहा सुनी होने लगी। बात इतनी बढ़ गई कि किशोरी ने अपनी जीवन लीला ही समाप्त करने की ठान ली। जिसके बाद परिजनों द्वारा गेहूं में रखने के लिए लाई गई घर में रखी जहरीली दवा का सेवन कर लिया। थोड़ी ही देर में दवा का असर होते ही किशोरी की हालत बिगड़ गई और वह गंभीर हो गई। आनन-फानन में परिजनों ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों ने नवविवाहिता की गला दबाकर की हत्या

● शव छोड़कर भागे पति सहित पांच के विरुद्ध दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

संवाददाता। बाराबंकी

शनिवार को एक और नवविवाहिता दहेज लोभियो की भेंट चढ गयी। मोंग पूरी न होने से नाराज ससुरालीजनो ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और शव को घर मे छोडकर फरार हो गये । पडोसियो की सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम कराया है वही मायके वालों की तहरीर पर पुलिस ने पति सहित पांच लोगो के विरुद्ध दहेज हत्या का मुकदमा पंजीकृत कर कारवाई शुरू की है । मिली जानकारी के अनुसार जैदपुर थानाक्षेत्र के ग्राम मोहददीनपुरनिवासी अमित कुमार की पत्नी अर्चना की शनिवार सुबह ससुराली जनो ने मिलकर गला दबाकर हत्या कर दी और शव घर मे ही छोडकर फरार हो गये इस बात की जानकारी आसपास के लोगो को तब हुई जब पहोसी किसी कार्य को लेकर उसके घर गये तो लाश देखकर हैरत मे पड गये । इस पर यह घटना कुछ क्षणों मे पूरे गांव मे फैल गयी तो वहा ग्रमीणो की भीडइकट्ठा हो गयी । इस बीच किसी ने इसकी सूचना पुलिस को देने के साथ ही मृतका के मायके वालों को दी तब वहा हडकम्प मच गया। आनन फानन मे मायके पक्ष के साथ ही पुलिस भी मौके पर पहुच गयी और शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है वही मायके पक्ष के लोगों ने बताया कि मृतका की शादी 10 दिसम्नर 2020 को हुई थी। सामर्थ्य अनुसार दान दहेज भी दिया था किन्तु ससुराली जन कम दहेज लाने को लेकर उसे मारते पीटते थे। होली पर्व पर घर आने पर उसने सारी बात बतायी थी फिर भी समझा बुझाकर उसे ससुराल भेज दिया गया था। इस पर पुलिस ने पति सहित पांच के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कारवाई शुरू की है। प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द सिंह रघुवंशी ने बताया कि फरार लोगो की तलाश की जा रही है।

क्विक न्यूज

अमेठी में 35 घंटे का कोरोना कर्फ्यू लागू

अमेठी। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि कोरोना महामारी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु शासन द्वारा प्रत्येक शनिवार की रात्रि 8.00 बजे से सोमवार की प्रात: 7. 00 बजे तक कोरोना कर्फ्यू लगाए जाने के निर्देश दिए गए हैंए जिसके क्रम में जनपद अमेठी में दिनांक 17.04.2021 (शनिवार) की रात्रि 8.00 से दिनांक 19.04.2021 (सोमवार) की प्रात 7.00 बजे तक 35 घंटे कोरोना कर्फ्यू लगाया गया है। उन्होंने बताया कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान आवश्यक सेवाओंए पंचायत चुनाव से जुड़े पोलिंग पार्टियांए स्वास्थ्य सेवाओंए सफाई आदि से जुड़े कर्मियों के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रकार के आवागमन की अनुमति नहीं होगी।

तेंदुए के हमले से युवक घायल

जामों, अमेठी। कादू नाले के किनारे बकरी चरा रहे युवक को तेंदुए या बाघ ने किया बुरी तरह घायल घटना दिन में लगभग 2रू00 बजे की है कटारी ग्राम के अंतर्गत तपबींनतं निवासी सुरेश कोरी उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र रामराज कादू नाले पर बकरी चरा रहा था यकायक तेंदुए या बाघ ने उसके ऊपर हमला कर दिया जिससे सिर पर और कई जगह बुरी तरह घायल हो गया है गनीमत रही कि शोरगुल सुनकर तेंदुआ इसे छोड़ कर भाग गया गांव वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामो पर मेडिकल उपचार के लिए लाए जहां पर डॉक्टरों द्वारा मेडिकल ट्रीटमेंट किया जा रहा है स घटना की जानकारी वन विभाग के रेंजर एस पी मिश्रा को दी गई तो उन्होंने कहा कि मैं चुनाव में आरओ बनाया गया हूं व्यस्त हूं और विभाग के किसी व्यक्ति को भेजता हूं फिलहाल इस घटना से आसपास दहशत का माहौल व्याप्त है प् लोग शासन प्रशासन से इस बात की उम्मीद कर रहे बहुत ही जल्द बाघ को पकड़कर क्षेत्र में अमन चैन प्रशासन द्वारा किया जाएगा ए

महिला चौकी प्रभारी ने कराया सुलह समझौता

लालगंज,रायबरेली। पति पत्नी के बीच चल रहे विवाद को महिला पुलिस चौकी प्रभारी सुनीता कुशवाहा ने आपस में सुलह समझौता कराकर घर भेज दिया।कस्बे के आचार्य नगर मोहल्ला निवासी बीनू व सुरेंद्र का दस वर्ष पूर्व विवाह हुआ था।उनके पांच साल की पुत्री है। पति पत्नी के मध्य काफी समय से विवाद चल रहा था। बीनू पति द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पति से तलाक मांग रही थी। उसने महिला पुलिस चौकी में मामले का शिकायती पत्र दिया था। जिस पर महिला पुलिस चौकी प्रभारी सुनीता कुशवाहा ने पति पत्नी की शिकायतों को गंभीरता से सुना और उनके मध्य सुलह कराते हुए दाम्पत्य जीवन को खुशहाल तरीके से व्यतीत करने के लिए राजी किया। दोनो राजीखुशी अपने घर गए।

दुर्घटना में बाइक सवार दो लोग घायल

ऊंचाहार,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के सवैया तिराहा पर खरीदारी करने जा रहे हैं बाइक सवार को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए क्षेत्र के पूरे कोट रामसांडा गांव निवासी अनूप मौर्य 30 पुत्र राधेश्याम एक अन्य युवक के साथ अपनी बाइक खरीदारी करने के लिए सवैया तिराहा आया हुआ था तभी लल्ला ढाबा के सामने जैसे ही सड़क पार करने के लिए मुड़ा तभी ऊंचाहार की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊँचाहार पहुंचाया गया वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक व कार को अपने कब्जे में ले लिया है वहीं हादसे में कार भी काफी क्षतिग्रस्त हुई है।

प्रधान प्रत्याशी की कोरोना से मौत

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत मेलारायगंज के नादिर हाशमी की कोरोना से हुयी मौत के बाद परिवार में मचा कोहराम। बताते चलें कि ग्राम प्रधान पद पर मेलारायगंज से चुनाव लड रहे नादिर हाशमी दस दिनों पूर्व बीमार हुए थे जिन्हें लखनऊ में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था ।जंहा पर उनकी कोरोना रिपोर्ट पाज़िटिव आयी थी ।नादिर हाशमी के समर्थकों ने नादिर हाशमी की नाजुक हालत को देखते हुए उनकी पत्नी का प्रधान पद पर पर्चा दाखिल कराया है।नादिर हाशमी की आज मृत्यु होने की सूचना पर ईष्ट मित्र सभी हैरत मे पड़ गये और दूरभाष पर जानकारी लेकर सैकड़ों लोग कोविड 19 गाइड लाइन का पालन करते हुए मेलारायगंज पंहुच कर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए अल्लाह ताला उन्हे जन्नत में जगह दे की दुआ किया।मिलन सार एंव मृद भाषी नादिर हाशमी के सम्पर्क में आने वाले लोग उनके खाश हो जाते थे।

क्रेन की चैन टूटने से लोहे की बीम मजदूर पर गिरी, मौत

जगदीशपुर अमेठी। प्लांट के विस्तारी करण में लगे क्रेन से लोहे की बीम ले जाते समय अचानक गिर गई जहाँ काम कर रहे मजदूर की मौत हो गई घटना की सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने गेट पर जमकर हंगामा काटा। एसडीएम मुसाफिर खाना व सीओ मुसाफिर खाना समेत स्थानीय पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर लोगों को काफी समझाया बुझाया और कार्यवाही का आश्वासन दिया तब जा कर मामला शांत हुआ। जगदीशपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित कमरौली थाना अंतर्गत बीएचईएल फैक्ट्री में प्लांट के विस्तारीकरण में लगे क्रेन के द्वारा आयरन बीम इधर से उधर ले जाते समय पुली से चैन टूट गई और एक मजदूर पर गिर पड़ी जिसके चलते मजदूर बाबूलाल पुत्र सरबजीत उम्र लगभग 35 वर्ष निवासी अशरफगढ़ ; कठौराद्ध थाना कमरौली जनपद अमेठी की मौके पर ही मौत हो गई ।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही में जुट गई।

भाजपा प्रत्याशियों ने खोला चुनाव कार्यालय

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

कार्यालय का शुभारम्भ करते जिलाध्यक्ष — पायनियर

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों की घोषणा प्रदेश नेतृत्व द्वारा किए जाने के बाद भाजपा प्रत्याशियों ने अपने अपने चुनाव कार्यालय को खोल कर चुनावी गतिविधियों को वैधानिक रूप से संचालित करने की प्रक्रिया शुरू कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी के राम नगर दक्षिणी वार्ड से जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी निवर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा के पवित्र धर्म स्थल गोविन्द साहब में चुनावी कार्यालय का विधिवत उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी ने करते हुए कहा कि भाजपा ने जिस तरह हम सबके बीच में प्रत्याशी के तौर पर युवा और संघर्षशील नेता कपिल देव वर्मा जी को चुनाव मैदान में उतार कर क्षेत्र के विकास का जिम्मा सौंपा है उस पर हमें खरा उतरते हुए उन्हें जीत दिला कर पार्टी के निर्णय का सम्मान करना चाहिए। भाजपा जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के पास ही क्षेत्र के विकास की जेम्मदारी है। राम नगर दक्षिणी से जिला पंचायत सदस्य भाजपा प्रत्याशी कपिल देव वर्मा ने कहा कि भाजपा ने जिस आशा और विश्वास के साथ हमें राम नगर दक्षिणी वार्ड से प्रत्याशी बना कर क्षेत्र के विकास की धारा को बहाने का दायित्व सौंपा है ।उस पर खरा उतरते हुए क्षेत्र की विकास में जी जान लगा कर अति पिछड़े क्षेत्र राम नगर दक्षिणी को जनपद के अग्रणी जिला पंचायत क्षेत्र के रुप में विकसित कर सर्व समाज की दशा और दिशा बदलने का कार्य करेंगे ।उन्होंने कहा कि हम बाबा गोविन्द साहब के पवित्र पावन मठ से अपने चुनाव को संचालित कर उनके आशिर्वाद प्राप्त करते हुए क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करने का कार्य करेंगे। कार्यालय उद्घाटन समारोह को भाजपा नेता तिलक धारी निषाद, जिलामंत्री चंद्रिका प्रसाद, सुनीत द्विवेदी एडवोकेट, चेयर मैन प्रतिनिधि मनोज गुप्त गुड्डू, पूर्व प्रधान रवींद्र सिंह ने संबोधित किया। उद्घाटन समारोह का संचालन श्याम नाथ शुक्ल ने किया। उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष रफत एजाज,सुमन पाण्डेय,जिला महामंत्री बाबा राम शब्द यादव, अमरेंद्र कांत सिंह,सुरेश कन्नौजिया, जिला मंत्री दीपक तिवारी, दिलीप पटेल देव, जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय, जिला आईटी संयोजक मनीष मिश्र, वार्ड संयोजक विजय गुप्त, मण्डल अध्यक्ष भगवान पाण्डेय, अभिषेक निषाद, महेंद्र प्रताप वर्मा, गौरव दूबे, अनिल सिंह, हीरा लाल निषाद, सभाजीत चौरसिया, पंकज सिंह, श्रीकांत कन्नौजिया, आर्दश सिंह, पंकज सिंह, अरुण कुमार यादव, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अम्बिका जायसवाल, मनोरमा मिश्र, सत्यम त्रिपाठी, राम प्रीत गौतम, गुड्डू सिंह उपस्थित रहे।

अदेय प्रमाण पत्रों की भीड़ पर लगा ब्रेक

● अब नही जारी होंगे अदेय प्रमाण पत्र

संवाददाता। जलालपुर, अम्बेडकरनगर

अदेय प्रमाण पत्रों के लिए लगने वाली भीड़ पर ब्रेक लग गया है इन काउंटरों पर नोटिस चस्पा कर दी गई है कि ना तो कोई प्रमाण पत्र लगेगा ना ही जारी किया जाएगा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अदेय प्रमाण पत्रों को लेकर काफी गहमागहमी थी जिसके लिए भियॉव ब्लॉक में कर्मचारियों द्वारा 200रुपया वसूली जा रहा था और वही जलालपुर में 100 लेकर रसीद दी जाती थी यह कार्यक्रम चलता रहा लेकिन 13 तारीख को दोपहर तक अदेय प्रमाण पत्र वितरित किए गए परंतु कुछ ही क्षण बाद लोगों को बताया गया कि रसीद खत्म हो गई है इसलिए अदेय प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा परंतु जब इस संबंध में मौजूद कर्मचारियों से जानकारी ली गई तो कर्मचारियों ने बताया कि खंड विकास अधिकारी के आदेश पर अदेय प्रमाण पत्र जारी करना बंद कर दिया गया है जब तक कोई आदेश नहीं आएगा तब तक अदेय प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा । इसके बाबत अयोध्या समाचार द्वारा समाचार प्रकाशित किया गया था कि दूरदराज से आए लोगों को काफी जद्दोजहद के बावजूद भी अदेय प्रमाण पत्र मिल नहीं पा रहा है जिससे लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा है और ना ही इसका कहीं कोई कारण चस्पा किया गया है जिससे कि लोगों को जानकारी मिल सके। लेकिन गुरुवार को अदेय प्रमाण पत्र के लिए नोटिस चस्पा कर दी गई है जिस पर लिखा हुआ है आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता नही है और न ही जारी किया जाएगा आज्ञा से खंड विकास अधिकारी जलालपुर।

ट्रक की टक्कर से टापटेन अपराधी आदिल की मौत

● अहिरौली थाना क्षेत्र में डड़वा गांव के निकट हुई दुर्घटना

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

लम्बे समय से पुलिस के लिए चुनौती बने शातिर अपराधी मो0 आदिल खान की अहिरौली थाना क्षेत्र के कटेहरी बाजार के निकट हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। आदिल लम्बे समय से जिले की पुलिस की आंख की किरकिरी बना हुआ था। वह अकबरपुर थाने का टाप टेन अपराधी था। कुछ समय पूर्व ही आदिल पुलिस को चकमा देकर अकबरपुर थाने से फरार हो चुका था। इसके पूर्व वह दो बार न्यायिक अभिरक्षा से न्यायालय से भी फरार हो चुका है। पुलिस व आदिल के बीच हमेशा चूहे और बिल्ली का खेल चलता रहता था। घटना गुरूवार को अपरान्ह लगभग दो बजे की है। मो0 आदिल आजमगढ़ जिले के नम्बर वाली हीरो कम्पनी की मोटर साइकिल से मिझौड़ा की तरफ से अकबरपुर की तरफ आ रहा था। तिवारीपुर मिझौड़ा मार्ग पर डड़वा गांव के निकट उसकी मिझौड़ा की तरफ जा रही ट्रक से आमने-सामने टक्कर हो गई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि उसे फिर भी सीएचसी कटेहरी ले जाया गया जहां उसे अधिकृत रूप से मृत घोषित किया गया। सीएचसी में ही उसकी पहचान अकबरपुर थाना क्षेत्र के मीरमलूकपुर गांव निवासी टाप टेन अपराधी आदिल के रूप में हुई। दुर्घटना में आदिल की मौत से जिले में आतंक का एक अध्याय समाप्त हो गया। अहिरौली थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि ट्रक चालक ट्रक सहित फरार है जिसे पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

हरिद्वार कुम्भ से आने वाले लोगों पर रखें नजर प्रशासन को दें उनकी पहचान व अन्य जानकारी

● रायबरेली में आक्सीजन सिलेंडरों व जीवनरक्षक दवाओं की कोई कमी नहीं : डीएम

संवाददाता। रायबरेली

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने आमजनमानस से अपील करते हुए कहा है कि जनपद के बड़ी संख्या में लोग हरिद्वार कुम्भ मेलें में स्नान पूजा पाठ आदि करने गये है जो अब जनपद में वापस आये है या आ रहे है कोविड-19 संक्रमण की दुसरी लहर को दृष्टिगत रखते हुए ऐसी सभी लोगों पर सर्तक नजर रखते हुए उनकी पहचान, परिचय, आदि की जानकारी प्रशासन व कन्ट्रोल रूम में दें। उन्होंने हरिद्वार कुम्भ मेले में गये श्रद्धालुओं से अपील की है कि अपनी जानकारी जनपद में पहचान आदि जानकारी देते हुए उपलब्ध करवा दें। 7 दिन होम आइसोलेशन में रहे एंटीजेन, आरटीपीसीआर आदि टेस्ट करवा ले यदि पाजीटिव आते है तो अपना इलाज करवा लें। कोरोना से घबराये व डरे नही। कोरोना से बचाव जागरूकता कोविड वैक्सीनेशन आदि से इलाज सम्भव है। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने बचत भवन की बैठक करते हुए व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अतुल गुप्ता को भी निर्देश दिये है कि जनपद में विशेष ध्यान दिया जाए कि कोई भी व्यापारी दवा, खाद्य सामग्री आदि मूलभूत सुविधाए का स्टाक जमा करता है या समान को महगा बेचता है उसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित व्यापारी के विरूद्ध को कड़ी कार्यवाही की जाएगी साथ ही अध्यक्ष भी जिम्मेदार होगा। उन्होनें जनपद में आक्सीजन सप्लायर अमित दुबे सहित अन्य इससे जुड़े लोगों को चेताया कि यदि किसी के द्वारा आक्सीजन घरों व अन्य जगहों पर स्टोर किया जा रहा है या जीवन रक्षक आक्सीजन सेलेण्डरों को दोगुना बेचा जा रहा है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के साथ ही जेल भेजने के साथ ही अन्य कार्यवाही भी की जाएगी। सेलेण्डर विक्रेता के विरूद्ध भी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सेलेण्डर सप्लायर को निर्देश दिये कि आक्सीजन अस्पताल के लिए है निजी घरों के लिए नही है जिन लोगों ने आक्सीजन सेलेण्डर व्यक्तिगत तौर से लिया गया है तो उनकी सूची उपलब्ध कराये ताकि उनसे सेलेण्डर लेने के साथ ही यदि उसको घर में आक्सीजन दी जा रही है तो उसे शीघ्र ही कोरोना अस्पताल में भर्ती कराया जाए। जनपद में आक्सीजन सेलेण्डरों व जीवन रक्षक दवाओं आदि की कोई कमी नही है किसी भी प्रकार की दिक्कत हो तो प्रशासन के साथ-साथ कन्ट्रोल रूम को जानकारी दें।

सीतापुर-सदर तहसील के बाहर लाइन में खड़े प्रत्याशी

सीतापुर-नामांकन जमा करती प्रत्याशी

सीतापुर-निरीक्षण करते डीएम विशाल भारद्वाज व एसपी आरपी सिंह

जिला पंचायत सदस्य के 79 सीटों पर 1030 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

सीतापुर-नामांकन करते महेन्द्र यादव

सीतापुर-नामांकन करने आए प्रत्याशियों को समझाते कोतवाल

सीतापुर-सैनेटाइजर कराते कर्मचारी

सीतापुर-ग्राम प्रधान के बाद लिए आवेदन करने के बाद रसीद दिखाते राजकुमार व उनकी पत्नी

- ब्लाकों पर हुए ग्राम प्रधान व बीडीसी, सरपंच के नामांकन
- सोशल डिस्टेसिंग की उड़ीं धज्जियां, अफसर करते रहे निरीक्षण

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर के 79 जिला पंचायत सदस्य की सीटों पर नामांकन के पहले दिन 1030 नामांकन पत्र दाखिल किए गए है। एआरओ अखिलानंद पांडेय ने बताया कि नामांकन दाखिल करने का समय अभी एक दिन और है। सीतापुर में प्रधान के 1596, बीडीसी के 1978, जिला पंचायत के 79 और सदस्य ग्राम पंचायत के करीब 20 हजार पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गई। कलेक्ट्रेट से लेकर ब्लॉक कार्यालयों तक त्योहार जैसा माहौल दिखाई दिया। दावेदारों में इस कदर उत्साह देखने को मिला कि चिलचिलाती धूप भी बेअसर नजर आई। नामांकन स्थल पर धूप में खड़े दावेदार अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। कई दावेदार अपना नामांकन करने से पहले मंदिर में आषीर्वाद लेते दिखाई दिए। कलेक्ट्रेट में जिला पंचायत सदस्य के नामांकन के लिए सुबह आठ बजे ही लाइन लग गई, उधर ब्लॉकों में प्रधान, बीडीसी और पंच के लिए नामांकन करने वाले सुबह सात बजे ही अपने प्रस्तावक के साथ पहुंचने लगे थे। डीएम विषाल भारद्वाज, एसपी आरपी सिंह, एडीएम विनय कुमार पाठक, सभी एसडीएम एक ब्लॉक से दूसरे ब्लॉक तक दौड़ लगाते हुए हालातों पर निगाह बनाए रहे। सीओ व थाना प्रभारी अपनी ड्यूटी स्थलों पर मुस्तैद रहे। कोरोना काल में पहली बार हो रहे पंचायत चुनाव के नामांकन को लेकर पुलिस और प्रशासन सतर्क दिखाई दिया। नामांकन के पहले दिन कलेक्ट्रेट से लेकर हर ब्लॉक के बाहर सख्ती नजर आई। नामांकन स्थल के सौ से दो सौ मीटर पहले ही दावेदारों व समर्थकों की गाड़ियां रोक दी जा रही थीं। वहां से सिर्फ प्रत्याशी और प्रस्तावक को प्रवेश करने दिया जा रहा था। हांलाकि इतनी तैयारियों और सख्ती के बाद भी कई ब्लॉकों में नामांकन के पहले दिन जिला मुख्यालय से लेकर ब्लॉकों तक कोविड प्रोटोकॉल की खूब धज्जियां उड़ीं। अफसरों ने एक-दो बार टोका भी लेकिन उत्साहित प्रत्याशियों पर इसका खास असर नहीं दिखाई पड़ा। लोग एक-दूसरे से सटकर खड़े नजर आए। तमाम प्रत्याशियों ने मास्क लगाना भी जरूरी नहीं समझा। ब्लॉक रामपुर मथुरा में इंस्पेक्टर अमित भदौरिया सोषल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए पसीना बहाते दिखाई दिए। महमूदाबाद ब्लाक में एसडीएम सुरेश कुमार, सीओ व कोतवाली प्रभारी गेट पर डटे रहे। एलिया ब्लॉक के बाहर भीड़ नजर आई, नामांकन के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती रहीं। रेउसा ब्लॉक पर एसडीएम बिसवां अनुपम मिश्र, सीओ सुशील कुमार सिंह, रिटर्निंग ऑफिसर देवीशरण, रेउसा थानाध्यक्ष सतेंद्र कुमार राय ने गेट व सड़क पर आवागमन की व्यवस्था सुचारू रूप से बनाये रखी। कोविड हेल्प डेस्क पर डॉ मरगूब कुरेशी, ज्ञान देवी , सुनील यादव, राजकरन, संगीता देवी आदि अंदर आने वालों को सेनिटाइज कर उनका टेम्परेचर जांचते करते रहे। महोली ब्लॉक के बाहर से अंदर तक सोशल डिस्टेंसिग नदारद रही। तंबौर में लाइनों में खड़े दावेदार सोशल डिस्टेंसिंग के पालन को लेकर बेपरवाह दिखाई दिए।

धक्का-मुक्की करते नजर आए प्रत्याशी

एलिया ब्लॉक के बाहर दावेदार धक्का मुक्की करते नजर आए। बिसवां ब्लॉक में सोशल डिस्टेंसिंग की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जाती रहीं। आलम यह रहा कि अफसर टोकते तो कुछ देर के लिए मास्क या गमछा नाक पर चढ़ा लेते और उनके हटते ही फिर हटा देते। आपको बता दें, कि दाखिले के बाद 19 व 20 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 21 अप्रैल को नाम वापसी और इसी दिन दोपहर 3 बजे के बाद चुनाव चिन्ह आंवटित किए जाएंगे। मतदान 29 अप्रैल व दो मई को मतगणना होगी।

बैलगाड़ी से नामांकन करने पहुंचीं सीमा शुक्ला

सीतापुर के वार्ड नंबर 27 से जिला पंचायत सदस्य पद पर दावा पेश कर रहीं सपा समर्थित सीमा शुक्ला शनिवार को बैलगाड़ी से नामांकन दाखिल करने सदर तहसील पहुंची तो हर कोई हैरान रह गया। नामांकन के पहले दिन बैलगाड़ी से सदर तहसील पहुंचकर सीमा शुक्ला एकाएक सुर्खियों में आ गईं। सीमा का कहना है कि वे विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा भाजपा सरकार में डीजल पेट्रोल इतना महंगा है कि उन्हें बैलगाड़ी से आना पड़ा।

सीतापुर-बैलगाड़ी से नामांकन जमा करने आयीं सीमा शुक्ला

कोरोना का प्रकोप, 202 और मिले पॉजिटिव केस

- दिन पर दिन बढ़ते जा रहे मरीज, आज रहेगा लॉकडाउन आवष्यक सेवाओं के लिए रहेगी छूट

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर में कोरोना का प्रकोप हर दिन बढ़ता जा रहा है। शनिवार को कोरोना ने दोहरा शतक लगा दिया। दूसरी लहर में अब तक के सबसे ज्यादा 202 नए कोरोना मरीज पाए गए हैं। कोरोना के नए मरीजों की संख्या 12 सौ के करीब पहुंच गई है। शनिवार को सिधौली में 34, बिसवां में 25, रेउसा व खैराबाद में 6-6, हरगांव व पिसावां में 5-5, महमूदाबाद व रामपुर मथुरा में 4-4, सकरन व पहला में 3-3, महोली व कसमंडा में 2-2 व शेष मरीज अन्य स्थानों पर पाए गए हैं। सीतापुर में कोरोना से होने वाली मौतों का सिलसिला कब थमेगा यह सवाल हर किसी को परेशान कर रहा है। शनिवार को फिर दो लोगों का कोरोना से असमय निधन हो गया। इनमें इनकम टैक्स के अधिवक्ता प्रसून गुप्ता और परसेंडी से एआरपी पर पर कार्यरत अभिशेक शुक्ल शामिल हैं। जिला मजिस्ट्रेट विशाल भारद्वाज ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 17 अप्रैल की शाम 8 बजे से 19 अप्रैल की प्रातः 7.00 बजे तक 35 घंटे तक कोरोना कर्यू लागू किया गया है। डीएम के मुताबिक इस दौरान आवश्यक सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, सफाई आदि से जुड़े हुए कार्मिकों को आवागमन की अनुमति होगी। साथ ही पंचायत निर्वाचन की नामांकन प्रक्रिया के लिए आने वाले दावेदारों को नामांकन स्थल तक आने-जाने पर रोका नहीं जायेगा।

डीएम ने कार्मिको, श्रमिकों को आन-जाने की दी अनुमतिः डीएम ने बताया दवा, सेनेटाइजर बनाने वाले उद्योगों के कार्मिकों, श्रमिकों को आने-जाने की अनुमति होगी। एनडीए की परीक्षा एवं अन्य निर्धारित परीक्षा के लिए कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए परीक्षा की अनुमति होगी। परीक्षार्थियों और उम्मीदवारों का आईडी कार्ड पास के तौर पर मान्य होगा। सार्वजनिक परिवहन को विशेष रूप से राज्य परिवहन की बसों को 50 प्रतिशत क्षमता के साथ चलने की अनुमति होगी। प्रिन्ट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को पास के आधार पर आवागमन की अनुमति होगी।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनावः कांग्रेस ने जारी की प्रत्याशियों की सूची

- जिला पंचायत सदस्य के प्रत्याशियों के नाम घोषित

संवाददाता। सीतापुर

आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला पंचायत सदस्य हेतु कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों पर मुहर लग गई। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के द्वारा सीतापुर जनपद में प्रत्याशियों की घोषणा की गई। जिला अध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थी ने बताया 41 उम्मीदवार कांग्रेस समर्थन पर लड़ेंगे। शेष वार्डों में परस्थितजन्य समीचीन निर्णय लिए जाएंगे। इसीलिए उन सीटों को ओपन रखा गया है।

वार्ड 1 बेहटा प्रथम में अशोक वर्मा, वार्ड 3 सत्येन्द्र कुमार मौर्य, वार्ड 12 लहरपुर हरगांव सुधाकर प्रसाद मिश्रा, वार्ड 13 हरगांव प्रथम सुरेन्द्र पाल, वार्ड 16 पूनम राज, वार्ड 18 बनवारीलाल कनौजिया, वार्ड 19 लौंगश्री, वार्ड 20 परसेंडी तृतीय विजय लक्ष्मी चौधरी, वार्ड 22 संतोष भार्गव, वार्ड 24 अनूप शुक्ला, वार्ड 26 कामिनी, वार्ड 27 रीना वर्मा, वार्ड 28 रेहाना खातून, वार्ड 31 अमरेन्द्र सिंह, वार्ड 32 नितेन्द्र कुमार सोनी, वार्ड 33 वीरपाल अर्कवंशी, वार्ड 34 पिसावां उदय प्रकाश शुक्ला, वार्ड 36 रामसहारे पाल, वार्ड37 अनीता राठौर, वार्ड 39 अक्षय श्रीवास्तव, वार्ड 40 रमेश चन्द्र मौर्य, वार्ड 41 शोफीना बानो, वार्ड 42 पूनम मौर्य, वार्ड 44 अनिल कुमार जायसवाल, वार्ड46 गोमती भार्गव, वार्ड 48 भानु प्रताप, वार्ड 49 मोहम्मद अली, वार्ड 50 मीना मिश्रा, वार्ड 51 राजेश चौधरी, वार्ड 52 बिजेन्द्र पाल सिंह, वार्ड 53 आबिद अली, वार्ड 55 अनुज कुमार, वार्ड 56 मुनेश्वर रावत, वार्ड 63 मो. जावेद, वार्ड 64 पुष्पा देवी, वार्ड 67 नीलम बहेलिया, वार्ड 68 सीमा सैनी, वार्ड 69 सरोज देवी, वार्ड 70 हसीब खान, वार्ड 71 मंतशा, वार्ड 79 एजाजुद्दीन असारी को प्रत्याशी घोषित किए गए है।

क्विक न्यूज

गैंगेस्टर एक्ट का वांछित गिरफ्तार

सीतापुर। थाना मानपुर पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त सोनू पुत्र सुरेश वर्मा निवासी घूरेपुर मजरा रामकुंड को गिरतार किया है। पुलिस द्वारा अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेष किया गया है। गिरतार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, उप निरीक्षक सतीश चंद, कांस्टेबल अमित तिवारी व विकल सिंह षामिल थे।

16 मई तक मेला ओपीडी बंद

सीतापुर। मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला और जिला अस्पताल समेत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की ओपीडी पर कोरोना का ग्रहण लग गया है। अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने 16 मई तक मेला और ओपीडी स्थगित करने का आदेष जारी किया है। सीएमओ डॉ. मधु गैरोला ने बताया कि जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आकस्मिक सेवाओं तथा आवश्यक सेवाओं के आलावा अन्य सेवाएं अगले आदेश तक स्थगित रहेंगी। आवश्यक व अन्य सेवाओं के साथ गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का इलाज शामिल है।

एआरओ के पॉजिटिव मिलने से मचा हड़कंप

सीतापुर। महमूदाबाद ब्लाक की खुरवल न्याय पंचायत क्षेत्र के एआरओ पीयूष शर्मा के शनिवार को कोरोना पॉजिटिव आने की सूचना ब्लाक पहुंची तो हड़कंप मच गया। पीयूष शर्मा लखनऊ में होम आइसोलेशन में हैं। इनकी जगह पर गन्ना पर्यवेक्षक उपेन्द्र सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं पीयूष शर्मा के साथ आने-जाने वाले एआरओ जयरामपुर बृजेन्द्र मौर्य की जांच भी सीएचसी में कराई गई है। पीयूष शर्मा गुरूवार को महमूदाबाद आये थे जिसके बाद उनको कुछ तबियत खराब होने पर जांच कराई थी जिसमें शनिवार को उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

चुनावी रंजिश के चलते दबंगों ने दलित को पीटा

घर में घुसकर की निर्मम पिटाई की घायल को सीएचसी हरगांव में कराया गया भर्ती

सीतापुर। हरगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में एक दलित के घर में घुसकर चुनावी रंजिश के चलते मारपीट कर घायल कर दिया जिसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा ।वादी की तहरीर आरोपियों के खिलाफमारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जिसकी जांच स्वयं क्षेत्राधिकारी सदर कर रहे है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार हरगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव हथूरी मजरा कटका निवासी संगम पुत्र सर्व जीत गौतम को चुनावी रंजिश के चलते गांव के ही मनोज यादव ,अवनीश यादव पुत्रगण नंद किशोर यादव ,शिवपाल पुत्र जगन्नाथ व आशीष पुत्र शिवपाल ने घर में घुसकर हमला करके संगम को मारा पीटा जिससे संगम बुरी तरह से घायल हो गया ।सूचना पर पहुंची हरगांव थाने की पुलिस ने घायल को सीएचसी हरगांव में भर्ती कराया। वादी संगम गौतम की तहरीर पर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए मुकदमा अपराध संख्या 254\21धारा 323,504,506,427 आईपीसी 3\1एससीएसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जिसकी जांच क्षेत्राधिकारी सदर को दी गई है ।

अज्ञात कारणों के चलते युवती ने लगायी फांसी, मौत

हरगांव सीतापुर। हरगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में एक युवती ने अज्ञात कारणों के चलते घर के अंदर कमरे की छत में लगे पंखे के कुंडे से दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर जान दी ।सूचना पर पहुंची हरगांव पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पीएम हेतु सीतापुर भेजा तथा अगली कार्यवाही प्रारंभ की ।प्राप्त जानकारी के अनुसार हरगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रीछिन निवासी महेश पासी की 19वर्षीय पुत्री सुमन ने शनिवार 17अप्रैल को अज्ञात कारणों से घर के अंदर कमरे की छत में लगे पंखे के कुंडे से दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली जिससे उसकी मौत हो गयी ।सूचना पाकर मौके पर पहुंचे थाने के वरिष्ठ उपनिरीक्षक मनोज कुमार सिंह अपने हमराही आरक्षी अंसार अहमद के साथ कार्यवाही करते हुए मृतका की लाश को कब्जे में लेकर पीएम हेतु सीतापुर भेजा तथा आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की ।

जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशियों को दिया जीत का मंत्र

जिला कार्यालय पर प्रत्याशियों का हुआ स्वागत

संवाददाता। सीतापुर

पंचायत चुनाव के लिए नामांकन से पूर्व आज भाजपा जिला कार्यालय पर सभी 79 प्रत्याशियों को जीत का मंत्र दिया गया। भाजपा कार्यालय में आज पार्टी के सभी घोषित प्रत्याशियों के साथ नामांकन से पूर्व बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने की। इन समर्पित कार्यकर्ताओं के परिश्रम व जनता के विश्वास के चलते सभी 79 प्रत्याशियों की जीत तय है। उन्होंने पार्टी प्रत्याशियों से संपर्क व संवाद नियमित रूप से करने तथा भाजपा सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने पर बल दिया। सांसद राजेश वर्मा ने कहा कि पिछले सभी चुनाव में इन देवतुल्य कार्यकर्ताओं की मेहनत तथा जनता के लगाव के चलते भाजपा का परचम फहराया है तथा इस बार भी जनता भाजपा के साथ हैं। उन्होंने घोषित प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देकर माला पहना कर सभी को बधाई दी। विधायक ज्ञान तिवारी ने इस अवसर कहा कि भाजपा ही एक ऐसा दल है जो अपने कार्यकर्ताओं को उच्च शिखर पर पहुंचाने के लिए तत्पर रहता है। विधायक रामकृष्ण, सुनील वर्मा, महेंद्र यादव व सुरेश राही ने घोषित प्रत्याशियों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा की जनता में भाजपा के प्रति पूरी आस्था है। बैठक का संचालन जिलाा महामंत्री विश्राम सागर राठौर ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश त्रिपाठी, आनंद दीक्षित, संजय मिश्रा, रोहित सिंह चौहान, इंदू सिंह, रमेश भार्गव दीपू, अजय विश्वकर्मा, जितेंद्र मेहरोत्रा ,सुनील मिश्रा ,उदित बाजपेई, जया सिंह, अनूप विश्वकर्मा, शुभम पांडे, सत्यम सिंह आदि मौजूद रहे ।

कोरोना के खौफ की निकली हवा

संवाददाता। बस्ती

पंचायत चुनाव में नामांकन के पहले ही दिन प्रशासन के दावे तार-तार हो गये। समर्थकों के साथ पहुंचे प्रत्याशियों की भीड़ ने कोरोना प्रोटोकाल की धज्जियां उड़ाईं। विकास भवन पर होने वाले जिला पंचायत सदस्यों के नामांकन की प्रक्रिया पर पहले दिन ही सवाल उठने लगे। भारी भीड़ गेट के बाहर से

पर्चा दाखिला का पहला दिन

लेकर अंदर तक देखी गई। चुनाव के उत्साह से लबरेज प्रत्याशी और उनके समर्थक कोरोना गाइडलाइन को धता बताकर नामांकन दाखिल करने के लिए धक्का मुक्की करते नजर आए। भीड़ देख व्यवस्था में लगे जिम्मेदारों ने खुद को अलग करना ही मुनासिब समझा। जबकि न्याय मार्ग पर भीड़ न जुटने पाए इसके लिए प्रशासन ने मार्ग के दोनों तरफबेरिकेटिंग कर रास्ते को अवरूद्ध कर दिया था। जिससे वाहनों के प्रवेश को रोका जा सके। न्याय मार्ग दुकानों पर प्रत्याशी और उनके समर्थक न जुटने पाए इसके लिए दुकानों को जबरन बंद करा दिया गया। सदर ब्लाक पर भी प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य पदों के प्रत्याशियों के नामांकन में कोरोना गाइडलाइन की धज्जियां उड़ी। प्रत्याशियों की भारी भीड़ ने कोरोना के डर को बेदम कर दिया। यही हाल जनपद के अन्य ब्लाकों पर दिखा। जहां प्रत्याशियों और उनके समर्थकों ने कोरोना प्रोटोकाल की जमकर धज्जियां उड़ाई।

पंचायत चुनाव में प्रत्याशियों में रही नामांकन की होड़

बस्ती। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव नामांकन प्रक्रिया के प्रथम दिन जिला पंचायत सदस्य पद से लेकर क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान पद तक के नामांकन के लिए गहमागहमी रही। बस्ती सदर, कप्तानगंज, रामनगर, साऊंघाट, रूधौली, सल्टौआ, बनकटी, कुदरहा, परसरामपुर, दुबौलिया, गौर सहित अन्य क्षेत्रों में शनिवार को शुरू हुए नामांकन के दिन भीड़ का आलम रहा। अपराहन तीन बजे तक गौर में प्रधान पद के 480, बीडीसी के 245, ग्राम पंचायत सदस्य के 34, दुबौलिया में ग्राम प्रधान के 259, जिला पंचायत सदस्य पद के 20, परसरामपुर में ग्राम प्रधान पद के 550, बीडीसी के 375, ग्राम पंचायत सदस्य के 136, सल्टौआ में प्रधान पद के 294, बीडीसी के 275, ग्राम पंचायत सदस्य पद के 94, रूधौली में ग्राम प्रधान पद के 268, बीडीसी के 131, ग्राम पंचायत सदस्य के 64, साऊंघाट में ग्राम प्रधान पद के 382, बीडीसी के 275, ग्राम पंचायत सदस्य के 101, रामनगर में ग्राम प्रधान पद के 311, बीडीसी के 201, ग्राम पंचायत सदस्य के 50, कप्तानगंज में प्रधान पद के 173, बीडीसी के 95, ग्राम पंचायत सदस्य के 12 नामांकन पत्र दाखिल हो चुके थे। नामांकन करने वालों की संख्या ब्लाकों पर इस कारण भी अधिक रही कि सबके मन में यह था कि दूसरे दिन रविवार की वजह से लाकडाउन लगेगा। सोमवार को क्या परिस्थितियां बनेंगी कुछ कहा नहीं जा सकता। जो भी हो पर्चा दाखिले के पहले दिन जिस तरह से कोरोना प्रोटोकाल की धज्जियां उड़ी, उसने प्रशासन के सभी दावों की पोल खोल कर रख दी।

हिंसा करने वालों पर होगी कार्रवाईः एसपी

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी विजय ढुल के निर्देशन में जनपद खीरी पुलिस द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने हेतु चुस्त दुरुस्त तैयारी की गई हैं। इसके लिए जनपदीय पुलिस सहित विभिन्न जनपदों से भारी संख्या में पुलिस बल उपलब्ध कराया गया हैं। पुलिस द्वारा सत्ता भ्रमणशील रहकर चप्पे चप्पे पर नजर रखी जा रही हैं। चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसाध्अराजकता फैलाने वालों के विरुद्ध गुंडा एक्टए गैंगेस्टर तथा एनएसए तक की कार्यवाही की जायेगी। पोलिंग बूथों पर सीसीटीवी एवं सर्विलांस कैमरों द्वारा निगरानी रखी जाएगी। चुनाव के दौरान गड़बड़ीए मतदान प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न एवं अराजकता व उपद्रव करने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।जनपद के समस्त नागरिकों को पुलिस अधीक्षक खीरी द्वारा आस्वस्त किया जाता हैं कि सभी निर्भीक होकर जाएं।

क्विक न्यूज

शव को कब्र से पोस्टमार्टम के लिए निकाला गया

श्रावस्ती। जमुनहा . विकासखंड जमुनहा अंतर्गत ग्राम सागर गांव की रहने वाली अजमतुल पत्नी बब्लू की संदिग्ध परिस्थितियों मे मौत हो गई थी जिसका परिजनों द्वारा अंतिम संस्कार गांव में कर दिया गया था। मृतका के पिता आजीविका के लिए मुंबई में रह रहा था। जब लड़की के मौत की सूचना पिता को मिली और वह मुम्बई से वापस अपने गांव पहुँचे पिता मुन्शरीफ पुत्र शकूर निवासी उम्मेद पुरवा दाखिला तेंदुआ बराव थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर शव के पोस्टमार्टम की मांग की जिसपर जिलाधिकारी के निर्देशानुसार उप जिलाधिकारी जमुनहा परबेन्द्र कुमार व क्षेत्राधिकारी जमुनहा हौसला प्रसाद मौके पर पहुंचकर शव को कब्र से निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेजा गया है इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक मल्हीपुर ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

ट्रक में अचानक लगी आग से मची अफरा तफरी

श्रावस्ती। इकौना . नेशनल हाईवे 730 पर एक ही स्थान पर एक दिन पूर्व से खड़े ट्रक में अचानक अज्ञात कारणों से लगी आग में स्थानीय लोगों में अफरा.तफरी मच गई। थाना इकौना अंतर्गत नेशनल 730 हाईवे पर स्थित बौद्ध परिपथ पर नत्था पुरवा के निकट सत्या आर्यन स्कूल के पास सोयाबीन से लदे लावारिस खड़े ट्रक में शनिवार सुबह 8 बजे अचानक ट्रक के इंजन में आग लग गई जिससे आसपास के लोगों में अफरा तफरी मच गई ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया जिससे बड़ी दुर्घटना होने से बच गई आसपास के लोगों ने बताया कि सोयाबीन से लदा ट्रक 1 दिन पहले ही उसी स्थान पर खड़ा है लेकिन ड्राइवर व कंडक्टर का कोई पता नहीं है। इस घटना की सूचना थाना इकौना को दी गई सूचना के बाद घटनास्थल पर पुलिस प्रशासन ने पहुंचकर ट्रक को कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया जिसका नंबर यूपी 72 स् 9804 है।

प्रधानाचार्य की स्कूल परिसर में मौत

शााहजहाँपुर(निगोही)। देर शाम घर से निकले विद्यालय के प्रधानाचार्य का शव अगली सुबह अपने ही विद्यालय प्रांगण में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सूचना पाकर पहुंची निगोही पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। बताया जाता है कि मृतक ने रात शराब अधिक पी ली थी। थाना निगोही क्षेत्र के ग्राम गौरीखेड़ा निवासी मदरास सिंह अपने ही गांव के जूनियर हाईस्कूल में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत थे। परिजनों के मुताबिक गुरुवार देर मदरास सिंह घर से कहीं निकले थे। देर रात तक जब वापस नही लौटे तो सुबह उनकी तलाश शुरू की गई। इस बीच जानकारी मिली विद्यालय प्रांगण में ही वह पड़े हैं। परिजन व ग्रामीण वहां पहुंचे, शरीर से कोई हरकत न होने पर संदेह हुआ। देखा गया तो मरदास सिंह की मौत हो चुकी थी। परिजनों ने सूचना निगोही पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

नगर निगम ने चलाया विशेष सफाई अभियान

शाहजहांपुर नगर आयुक्त संतोश कुमार षर्मा के निर्देष पर नगर में कोविड-19 से ग्रसित कन्टेनमेंट जोनों में रोस्टर के अनुसार कराया गया सेनेटाइजेषन कार्य का अपर नगर आयुक्त एस के सिंह ने जायजा लिया शनिवार को नगर निगम की टीम ने कोविड-19 एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए विषेश स्वच्छता अभियान चलाया इस मौके पर नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नगर निगम क्षेत्र में विषेश स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत सफाई कार्य,सेनेटाइजेषन,फागिंग कार्य व एंटीलारवा का छिड़काव प्रतिदिन सुचारु रुप से कराये जाने के निर्देष दिये गये। नगर आयुक्त शंतोष शर्मा ने नगर निगम क्षेत्र के सफाई जोन-01 के मो0- सदर बाजार ,खिरनीबाग, सफाई जोन-02 के मो0-कटिया टोला सफाई जोन-03 के मो0- खलीलषर्की , सफाई जोन-04 के मो0-भारद्वाजी,घूरन तलैय्या व सफाई जोन-05 के मो0- ख्वाजा फिरोज एवं गड़ी गाड़ीपुरा में विषेश स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत सफाई का कार्य एवं सेनेटाइजेषन का कार्य कराया गया।

कोरोना मरीजों का तेजी से बढ़ रहा ग्राफ

करनैलगंज (गोंडा)। एक तरफ कोरोना महामारी दोगुनी क्षमता के साथ तेजी से बढ़ रही है वहीं प्रशासन द्वारा बाहर से आने वाले प्रवासियों को रोकने, जांच करने या उनका डाटा एकत्र करने की कोई व्यवस्था नही की है। न बैरियर, न कवारेंटिंन सेंटर, न ही जांच केंद्र बनाये गए हैं। जबकि बाहरी जिलों व प्रदेशों से आने वाले यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसके साथ ही कोरोना के मरीजों की संख्या में भी तेजी से इजाफा होता जा रहा है। पिछले वर्ष कोरोना महामारी फैलने के पहले ही शासन प्रशासन द्वारा करनैलगंज में चार स्थानों पर बैरियर लगाए गए थे। बाहर से आने वाले सभी वाहनों को रोक कर यात्रियों की जांच होती थी। संदिग्ध पाए जाने पर उन्हें कवारेंटिंन करने की व्यवस्था भी की गई थी। इसके लिए करनैलगंज क्षेत्र में 15 कवारेंटिन सेंटर भी बनाये गए थे। मगर इस बार प्रशासन की लापरवाही का नतीजा यह रहा कि कोरोना अब हर गांव, हर शहर व मोहल्लों में दस्तक दे चुका है। बाहर से आने वाले प्रवासी बेधड़क अपने गंतव्य स्थान व घरों तक पहुंच रहे हैं। जिनके बारे में प्रशासन पूरी तरह अनजान बना हुआ है। लोग स्वत: बीमार होने की दशा में अस्पतालों में पहुंचकर जांच करा रहे हैं और कोरोना पॉजिटिव निकलने के बावजूद भी अपने घरों को वापस चले जाते हैं। जहां उनके लिए कोई रोक-टोक की व्यवस्था भी नहीं की गई है।

मंडलायुक्त कोरोना पॉजिटिव

गोंडा। आयुक्त देवीपाटन मंडल एसबीएस रंगा राव की कोरोना जांच में उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है ।उन्होंने कहा है कि गत 4 दिनों में जो भी उनके संपर्क में आए हैं । वे अपनी स्वयं की जांच करा लें।

पूर्व मंत्री कोरोना संक्रमित

करनैलगंज (गोंडा)। पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह कोरोना संक्रमित हो गए हैं। शनिवार को उनकी रिपोर्ट पाजिटिव आई है। मंत्री ने खुद ही शोसल मीडिया पर बताया कि बीते 14 अप्रैल से वह बुखार से पीड़ित थे। जांच के बाद आई रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। जिससे उन्होंने अपने को अपने घर में ही आंइसोलेट कर लिया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली व लखनऊ के चिकित्सकों के सम्पर्क में रहकर दवा इलाज कर रहे हैं। उन्होंने सम्पर्क में आये लोगों को अपनी जाँच कराने व बचाव के सभी उपाय अपनाने की अपील की है।

निर्बाध रूप से हो विद्युत आपूर्तिः डीएम

लखीमपुर खीरी। जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायतध्डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2021 को सकुशल निर्विघ्न व शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए विद्युत विभाग के आला अधिकारियों को निर्देश दिए कि 18 व 19 अप्रैल को जिले भर में निर्बाध रूप से विद्युत की आपूर्ति सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की हीला हवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।उन्होंने निर्देश दिए कि विद्युत विभाग के आला अधिकारी फील्ड में अपने महकमे को एक्टिवेट करें ताकि लोकल फाल्ट को त्वरित रूप से दूरकर निर्बाध रूप से विद्युत की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

दूध फल सब्जी एवं दवा की दुकानों को छूट

लखीमपुर खीरी। जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायतध् डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जिले में वैश्विक महामारी कोविड.19 के बढ़ते संक्रमण की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण व त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2021 के दृष्टिगत 17 अप्रैल की शाम 8 बजे से 20 अप्रैल प्रात: 6 बजे तक संपूर्ण जनपद में बंदी घोषित की। उक्त अवधि के दौरान जिलेभर की दुकाने वाणिज्यिक अधिष्ठान व्यापारिक प्रतिष्ठान पूर्ण रुप से बंद रहेंगे। इस दौरान दवा फल दूध सब्जी की दुकानों को मुक्त रखा गया है।उन्होंने बताया कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान शासन से खास निर्देश दिए गए हैं।श्रमिकों को उनके कार्यस्थलों पर आवाजाही की अनुमति दी जाएगी। शनिवार.रविवार को सभी शादियां बंद स्थानों के अंदर 50 व्यक्तियों के प्रतिबंध और खुले स्थानों पर 100 व्यक्तियों के साथ मास्कए सामाजिक दूरी और सैनिटाइजर के उपयोग व एसओपी के अनुसार अन्य सावधानियों के साथ की अनुमति।

प्रवासियों की जॉच व क्वारंटीन किये जाने की रूपरेखा हुई तैयार

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने शनिवार को जनपद स्तरीय पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर लॉकडाउन का पालन कराये जाने तथा बाहर से आने वाले प्रवासियों के स्वास्थ्य जॉच और उन्हें क्वारटीन किये जाने की रूप रेखा तैयार की गई। अधीनस्थ अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारी देते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि सभी अधिकारी अपने जिम्मेदारियों का दायित्व निर्वहन करें। शासन से प्राप्त निर्देशो को भी सभी अधिकारियों को अवगत कराया गया। तैयार किये गये रूपरेखा में ग्राम निगरानी समिति/मोहल्ला निगरानी समिति को सक्रिय करते हुए उन्हें जिम्मेदारी दिया गया कि बाहर से आने वाले व्यक्तियों/लोगो की सूचना तैयार करें। लक्षण पाये जाने पर उनकी जॉच कराये और उसका रिकार्ड बनाये। ब्लाक स्तर पर एक क्वारंटीन सेन्टर तथा ग्रामीण क्षेत्र में बड़े/न्याय पंचायत स्तर पर क्वारंटीन सेन्टर स्थान चिन्हित कर तैयार कर लिया जाय। जिसकी जिम्मेदारी खण्ड विकास अधिकारी की होगी और उसकी मानीटरिंग सम्बन्धित उप जिलाधिकारी एमओआईसी तथा पीडी डीआरडीए प्रमोद कुमार यादव करेंगे। 35 घंटे के कोरोना लॉकडाउन के बीच ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में सेनेटाइज, साफ-सफाई, फागिग की जिम्मेदारी सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, नगर पालिका, नगर पंचायत तथा जिला पंचायत राज अधिकारी उमाकान्त मिश्रा को दी गई। बस स्टैण्ड एवं रेलवे स्टेशन पर आने वाले प्रवासियों की स्कैनिग एवं जॉच कराया जाने की जिम्मेदारी प्रभारी सीएमओ डा0 मोहन झा को दिया गया। लॉकडाउन का कड़ाई से पालन कराया जाय। शादियों में अगर बंद हाल में 50 की संख्या में तथा खुले में कुल 100 की संख्या में ही दोनो पक्षो के लोग रहेंगे एक भी अधिक मिलने पर महामारी अधिनियम के तहत आयोजक के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया जाय। शादी-विवाह सहित अन्य कार्यक्रम में कोविड प्रोटोकॉल का पालन सभी को करना होगा। किसी के निधन पर कुल 20 लोगो की अनुमति दाह संस्कार/जिस भी धर्म का हो 20 से अधिक लोगो की अनुमति नही होगी। कोविड प्रोटोकॉल का पालन किया जाना है। लॉकडाउन के दौरान दवाईयो की दुकाने, दूध की दुकाने खुली रहेगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व मनोज कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह, सभी उप जिलाधिकारी, सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी, पीडी डीआरडीए प्रमोद कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

नवयुग मेडिकल सेंटर में हुआ निःशुल्क 'युरोफ्लोमेटरी टेस्ट'

संवाददाता। बस्ती

मालवीय रोड स्थित नवयुग मेडिकल सेंटर पर नि:शुल्क युरोफ्लोमेटरी टेस्ट एवं परामर्श का आयोजन शिविर के जरिए हुआ। यह वह टेस्ट और परामर्ष है, जिसके लिए मरीज का सैकड़ों रुपया खर्च होता है। इस षिविर का आयोजन ल्यूपिन लिमिटेड नामक कंपनी ने किया। इस नि:षुल्क षिविर का लोगों ने खूब लाभ उठाया। 70 मरीजों अधिक से अधिक नई तकनीक के द्वारा पेषाब के जरिए उनके प्रास्टेट की जांच की गई, उन्हें होने वाली बिमारियों और इलाज बताया गया, और कहा गया कि एक बार मरीज खानपान में लापरवाही कर तो चल सकता है, मगर इसके इलाज में लापरवाही बरती तो मरीज को भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। गुर्दे तक फेल हो सकते हैं। डा. अभिजात श्रीवास्तव ने बताया कि इस टेस्ट के जरिए यह पता चलता है कि यूरिन की गति कैसी है, पेषाब करने में कोई रुकावट तो नहीं हो रहा है। प्रोटेस्ट का पता चलता है। अगर कहीं पेषाब की नली में कोई रुकावट है, और जिसके चलते किसी को परेषानी हो रही है, तो उस परेषानी को टेस्ट के जरिए दूर किया जा सकता है। कहा कि अगर पेषाब करने में समय लगता है, या अधिक जोर लगाना पड़ता है तो इसके जरिए समय रहते मरीज को इलाज के माध्यम से लाभ पहुंच सकता है। प्रास्टेट कैंसर तक होसकता है, पथरी बन सकता है। इस लिए जरुरी है कि इसकी जांच करा ले, ताकि किसी गंभीर बीमारी या खर्चीले आपरेषन से बचा जा सके। बताया कि इस तरह की बीमारी अक्सर 50 साल के किसी भी व्यक्ति को हो सकता है। इस लिए उन्हें अधिक सावधानी बरतने की आवष्यकता है।

पंचायत चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने किया रूट मार्च

करनैलगंज (गोंडा)। पंचायत चुनाव के मद्देनजर शनिवार को उप जिलाधिकारी व पुलिस क्षेत्राधिकारी की अगुवाई में अति संवेदनशील, संवेदनशील ग्राम पंचायतों एवं करनैलगंज तहसील के चारों ब्लॉकों व थाना क्षेत्रों में रूट मार्च निकाला गया। जिसमें बाहर से आई भारी संख्या में फोर्स के साथ-साथ स्थानीय थानों की फोर्स मौजूद रही। उप जिलाधिकारी शत्रुघ्न पाठक व पुलिस क्षेत्राधिकारी मुन्ना उपाध्याय ने संयुक्त रूप से बताया कि किसी भी कीमत पर मतदान में खलल डालने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान कराने के लिए भारी संख्या में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। इसके अलावा मतदान केंद्रों का चिन्हीकरण किया जा चुका है। जहां भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किए जाएंगे और मतदाताओं एवं चुनाव कर्मचारियों के अतिरिक्त मतदान केंद्र से 200 मीटर की परिधि में कोई भी व्यक्ति को जाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। शनिवार को भारी संख्या में पुलिस बल का रूट मार्च करनैलगंज एवं परसपुर हलधर मऊ एवं कटरा क्षेत्र में निकाला गया। जिसमें कोतवाली करनैलगंज, थाना परसपुर, बालपुर चौकी, थाना कटरा बाजार के पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों के साथ साथ बाहर से आई फोर्स भी मौजूद रही।

कोविड चिकित्सालय जगसड़ पहुंचे डीएम

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

शनिवार को जिला अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने डाण् मनोज अग्रवाल के साथ कोविड ;लेवल वन व लेवल टूद्ध चिकित्सालय जगसड.नकहा का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहनता से पड़ताल की। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यहां भर्ती होने वाले प्रत्येक संक्रमित को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। यह प्रत्येक दशा में सुनिश्चित कराया जाए। सभी मूलभूत सुविधाएं हर संक्रमित व्यक्ति को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार यहां भर्ती हर संक्रमित मरीज की प्रॉपर केयर होनी चाहिएए इसमें किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी के साथ चिकित्सालय की व्यवस्थाओं के संबंध में डीएम ने बिंदुवार जानकारी हासिल कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि कोविड चिकित्सालय में नियमित दिन में दो बार शौचालयों की साफसफाई अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। डीएम ने सीएमओ को निर्देशित करते हुए कहा कि दिनोंदिन संक्रमितो की संख्या बढ़ती जा रही है उसी के अनुसार रणनीति के अनुसार चिकित्सीय संसाधनों के साथ.साथ बैड की संख्या बढ़ाई जाए। इस दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आरपी दीक्षित सहित ड्यूटी कर रहे चिकित्सक मौजूद रहे।

मोतीपुर के निर्माणाधीन मातृ व शिशु चिकित्सालय पहुंचे डीएम

लखीमपुर खीरी। शनिवार को डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने सीएमओ मनोज अग्रवाल के साथ ओयल के मोतीपुर स्थित 200 बेड के निर्माणाधीन मातृ एवं शिशु चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीएम शैलेन्द्र कुमार सिंह ने चिकित्सालय के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देश दिए कि जिले में वैश्विक महामारी कोविड का संक्रमण दिनों दिन बढ़ता जा रहा। उक्त के मद्देनजर 200 बेड के इस चिकित्सालय को कोविड चिकित्सालय के रूप में विकसित किया जाना है। जो प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। अत: जल्द ही कोविड चिकित्सालय के संचालन हेतु सीएमओ मनोज अग्रवाल से समन्वय स्थापित करते हुए सभी अनुमन्य व्यवस्थाएं कराकर कृत कार्रवाई की रिपोर्ट दे ताकि आवश्यकतानुसार कोविड की रोकथाम व प्रभावी नियंत्रण हेतु संक्रमित मरीजों को भर्ती कर शासन की मंशा के अनुरूप समुचित इलाज किया जा सके।

मतदाता भय मुक्त होकर करें मतदानः जिलाधिकारी

गोंडा। जिला प्रशासन द्वारा प्रचायत चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार को पुलिस लाइन सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी मार्कण्डेय शाही व पुलिस अधीक्षक संतोष मिश्रा ने संयुक्त प्रेसवार्ता कर इसकी विस्तृत जानकारी दी।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 19 अप्रैल को होने वाले पंचायत चुनाव के दौरान जिले में 26 लाख 69 हजार मतदाता अपने मतदाधिकार को प्रयोग करेगें। उन्होंने बताया कि इस बार पंचायत चुनाव के दृष्टिगत जिले में 1588 मतदान केन्द्र तथा 4428 बूथ बनाए गए हैं। जिले को तीन डिवीजन में बांटा गया है। जिसमें तीन अपर जिलाधिकारी व एएसपी रैंक के अधिकारी लागए गए हैं। इसके अलावा 04 अतिरिक्त एसडीएम व 04 रेगुलर एसडीएम की तैनाती की गई है। 07 सुपर जोनल मजिस्ट्रेट्स, 31 जोनल मजिस्ट्रेट तथा 231 सेक्टर मजिस्ट्रेट्स की ड्यूटी लगाई गई है। चेंकिंग कार्य के लिए जिले में 36 बैरियर व चेक पोस्ट बनाई गई हैं। डीएम ने कहा कि सकुशल व शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह कटिबद्ध है। मतदाता भय रहित होकर अपने मतदान करें। उन्होंने बताया कि मतदान केन्द्रों पर कोरोना से बचाव हेतु मतदान कार्मिकों के लिए ऐहतियतान पर्याप्त व्यवस्था की गई है। संवेदनशील बूथों पर ड्रोन कैमरे से भी नजर रखी जाएगी व पहले से विवादों में रहे लोगों की भी निगरानी की जा रही है। कोरोना गाइडलाइन और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक संतोष मिश्रा ने बताया कि जिले में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध सुनिश्चित कराए गए हैं तथा जिले में एक कम्पनी सीमा सुरक्षा बल तथा दो कम्पनी पीएसी बल अतिरिकत प्राप्त हुआ है जिसे संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर लगाया गया है। इसके अलावा हर थाने में पुलिस की क्लस्टर टीमें बनाई गई हैं जो हर 05 से 10 मिनट के भीतर प्रत्येक मतदान केन्द्रों पर पहुंचती रहेगीं। एसपी ने स्पष्ट कहा कि कानून को हाथ में लेने वाले लोगों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। जनपद की सीमा से लगे थाने अपने स्तर से कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपना योगदान देंगे।

अपने लोगों को नहीं मना पाए विधायक

बस्ती। कप्तानगंज के विधायक सीपी षुक्ल को अपने गांव हर्रैवा षुक्ल को जिले का माडल बनाने का सपना गांव वालों ने ही चकनाचूर कर दिया। विधायकजी चाहते थे कि इस बार चूंकि प्रधान की सीट सामान्य हो गई तो ऐसे व्यक्ति को प्रधान बनाया जाए, जो अच्छी छवि का हो, और जिसकी सबकी सहमति हो। विधायकजी की मंषा निर्विरोध प्रधान बनाने की थी, इसके लिए विधायकजी चार दिन तक सारा कामकाज छोड़ गांव में डटे रहे। गांव वालों को गांव को माडल बनाने का भरोसा भी दिलाया, कहा कि सत्ता में रहने का लाभ गांव वालों को मिलेगा। इस बीच दो बार विधायकजी ने निवर्तमान और पूर्व प्रधान सहित सभी गांव वालों के साथ बैठक भी किया। दोनों बार की बैठकों में अच्छी छवि वाले विधायक के भाई दीप चंद्र षुक्ल उर्फ बब्बू भईया को निर्विरोध प्रधान बनाने पर सहमति बनी। दीपचंद्र षुक्ल की ओर से पर्चा दाखिल करने की तैयारी भी हो गई, मगर विधायकजी जैसे ही गांव छोड़े और बीमार पत्नी का इलाज कराने में लग गए, गांव का माहौल ही बदल गया, जिन गांव वालों ने दीपचंद्र षुक्ल को निर्विरोध कराने पर सहमति जताई थी, उन्हीं में से कुछ लोगों ने चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। इतना ही नहीं एक प्रत्याषी एवं निवर्तमान प्रधानपति राम सुभावन ने तो बकायदा विधायक और उनके परिवार पर चुनाव लड़ने की स्थित में जान से मारने और पूरे परिवार को तबाह करने की धमकी का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग और एसपी से जान माल की सुरक्षा तक की गुहार लगा डाली। गांव के विकास और उसकी तरक्की से किसी को कोई लेना नहीं हैं, हर किसी को प्रधान से होने वाले अकूत कमाई नजर आ रही है, इसका उदाहरण कप्तानगंज के विधायक सीपी षुक्ल उर्फ सीए के पुस्तैनी गांव हर्रैवा षुक्ल को देख कर लगया जा सकता है। गांव की तरक्की और गांव को जिले का माडल गांव बनाने को जो सपना विधायक और उनके छोटे भाई बब्बू भईया ने देखा था,

अज्ञात वाहन की टक्कर से हेड कांस्टेबल की मौत

बरेली । हेड कांस्टेबल अपने रूम से पुलिस लाइन बाइक से आ रहा था तभी किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी । हेड कांस्टेबल की मौके पर ही मौत हो गई । मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा । पुलिस जांच में जुटी । परिजनों ने बताया जिला अमरोहा के गांव कछिया हसनपुर का रहने वाला 44 वर्षीय बलियन खान पुत्र कल्लू खान बरेली के पुलिस लाइन में हेड कांस्टेबल पद पर तैनात थे । शनिवार की सुबह अपने रूम से बाइक से पुलिस लाइन में असलह लेकर बदायूं चुनाव ड्यूटी में जाने के लिए आ रहा था तभी किला पुल के पर किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे मौके पर ही मौत हो गई । मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और परिवार को सूचना दी । ।पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी । और छानबीन में जुट गई है । मृतक की पत्नी व एक बेटी और एक बेटा है ।

तेज रफ्तार कार ने मजदूर को मारी टक्कर

तेज रफ्तार कार ने मजदूरी करने जा रहे युवक के टक्कर मार दी जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया । घायल को पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया और जहां उसका उपचार चल रहा है । जिला शाहजहांपुर के थाना जैतिपुर गांव सूजीपुर का रहने वाला 48 वर्षीय कृपाल पुत्र चंद्रपाल थाना कैट के डिफेंस कॉलोनी किराया के मकान अकेले पिछले 10 सालों से रह रहा था । वहाँ अपना मजदूरी जीवन यापन कर रहा था शनिवार की सुबह 8 बजे रोज की तरह पैदल आड़े पर मजदूरी करने के लिए किराया मकान से निकला तभी नरियावल के पास चार पहिया वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी । जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और टक्कर मार कार सवार फरार हो गया । राहगीरों ने युवक को रोड पर पड़े देखा लोगो ने 112 पर सूचना दी । मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया जहां युवक का उपचार चल रहा है । पुलिस ने परिजनों को भी सूचना दे दी है

जिला अस्पाल का निरीक्षण

बरेली। मण्डलायुक्त आर रमेश ने आज जिला अस्पताल और महिला अस्पाल का निरीक्षण किया वार्ड में मरीजों की संख्या और कोरोना की जांच के बारे में ए डी एस आई सी डॉक्टर सुबोध शर्मा से जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिये, मण्डलायुक्त ने कोरोना का टीका अपने पूरे परिवार पत्नी, पुत्र और पुत्री के साथ लगवाया , उन्होंने जनता से अपील की कोरोना से निबटने कें लिय एहतियात बरते घरों में रहे, मास्क लगाए और कोरोना का टीका जरूर लगवाये , सरकार जनता की भलाई के लिये प्रयास रत है ऐसे में सरकार को सहयोग करे और कोरोना पर विजय प्राप्त करे ,

पुलिस पार्टी पर पथराव करने के आरोप में प्रधान प्रत्याशी गया जेल

बरेली। मतदान संपन्न होने के बाद बस में मत पेटियां रखे जाते समय हंगामा करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए प्रधान पद के प्रत्याशी और उसके भाई को पुलिस ने जेल भेजा।कैंट थाने के गांव कांधरपुर निवासी विशाल पुत्र श्यामसुंदर और उसके भाई दीपक को आज दोपहर पुलिस ने जेल भेजा। ज्ञात हो कि कल काधरपुर में मतदान संपन्न होने के बाद जब पोलिंग पार्टी मत बेटियों को अपनी बस में रख रही थी। तभी प्रधान पद के प्रत्याशी विशाल उसके भाई दीपक पिता श्याम सुंदर और गांव के लोगों ने हंगामा खड़ा कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मत पेटियों को सील नहीं किया गया है उन्होंने यह कहते हुए हंगामा किया पोलिंग पार्टी मतपत्रों में हेराफेरी करने की कोशिश कर रही है।जबकि मत पेटियों को मतदान केंद्र पर ही सील किया जाना चाहिए। लेकिन पेटियों को बस में सील कर दिया था। तब विशाल और उसके समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। लोगों ने उसके कहने पर पोलिंग पार्टी को घेर लिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जिसने लोगों को समझाने की कोशिश की। लेकिन वह हंगामा करते रहे। तब पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया और आज मुख्य आरोपी विशाल और उसके भाई दीपक को जेल भेजा दीया।

जेनेटिक इंजीनियरिंग है मानव जाति का बेहतर भविष्य

अभूतपूर्व तकनीकी क्रांति के इस युग में, जेनेटिक इंजीनियरिंग तेजी प्रभावी होती जा रही है। हमारे समय की कुछ सबसे बड़ी मानवीय, चिकित्सा और पर्यावरणीय चुनौतियों को दूर करने की क्षमता है।

बी के पी सिन्हा

सोमनाथ पई
बीकेपी सिन्हा पूर्व आईएफएस अधिकारी व पई एमिटी विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं।

अभूतपूर्व तकनीकी क्रांति के इस युग में, जेनेटिक इंजीनियरिंग तेजी से केंद्र स्तर पर अपना स्थान बना रही है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में न्यूरोसाइंस के एक प्रोफेसर सुसान होकफील्ड का कहना है कि वायरस-संचालित बैटरी, प्रोटीन-आधारित पानी फिल्टर, कैंसर का पता लगाने वाले नैनोकणों, दिमाग पढ़ने वाले बायोनिक अंगों, कंप्यूटर-इंजीनियर फसलों, और इसी तरह, हमारे समय की कुछ सबसे बड़ी मानवीय, चिकित्सा और पर्यावरणीय चुनौतियों को दूर करने की क्षमता है। ये अगली पीढ़ी के उत्पाद होने जा रहे हैं, जो हमारे जीवन को फिर से आकार देने की क्षमता रखते हैं। उदाहरण के लिए, हमारे उपयोग के लिए पानी को शुद्ध करने के लिए एक्वापोरिन जैसे उत्पादों की खोज जो एक पार्किंग स्थल की तरह कार्य करती है जो केवल प्रवेश करने के लिए एक विशिष्ट ट्रांसपोंडर के साथ पहचानी गई कारों की अनुमति देती है, प्रकृति का चमत्कार है। इन सभी सीमांत तकनीकों में जेनेटिक इंजीनियरिंग के इनपुट हैं।

जेनेटिक इंजीनियरिंग ने 1971 से एक लंबा सफर तय किया है, जब दो वैज्ञानिकों, बर्ग और जैक्सन ने एक पुनः संयोजक डीएनए के पहले अणुओं का निर्माण किया। आणविक जीवविज्ञानी के हाथों में जेनेटिक इंजीनियरिंग को लगभग बच्चे का खेल को बनाने के लिए तब से कई मील के पत्थर पार किए गए हैं। लेकिन जीन थेरेपी, जिसका जेनेटिक इंजीनियरिंग ने वादा किया था, कई तरह की कार्यप्रणाली के बावजूद नुकसान से जूझ रही है। परिणामस्वरूप, किसी के जीन में विपथन के परिणामस्वरूप विरासत में मिले विकारों को दोषपूर्ण जीन की जगह या सुधार करके इलाज नहीं किया जा सकता है। अपने विशिष्ट स्थान में जीन को ठीक करना एक मुद्दा था और जब यह वायरस को नियोजित करने से दूर हो जाता है, तो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली खराब होने वाले अन्य मुद्दों के अलावा स्पॉइलस्पोर्ट खेलती है।

जब से 1998 में एक दुर्लभ चयापचय विकार जिसे ओर्निथिन ट्रांसकार्बामाइलेज़ डेफीशिएंसी सिंड्रोम, (ओटीसीडी) कहा जाता है, के इलाज के लिए जेसी जेल्सिंगर परीक्षण की विफलता के बाद से जीन थेरेपी को कड़े नियमों के बीच सांस के लिए छोड़ दिया गया था। यह वह जगह है जहां बैक्टीरिया के एक गंभीर अवलोकन में विशेष रूप से आक्रमणकर्ता को निष्क्रिय करने के लिए वायरस के डीएनए को लक्षित करने की क्षमता होती है, इससे पहले की कार्यप्रणाली के कई नुकसानों को दूर करने में सफलता मिली।

सीआरआईएसपीआर और जीन एडिटिंग : सीआरआईएसपीआर तकनीक जीनोम के लिए एक सरल लेकिन शक्तिशाली उपकरण है। यह शोधकर्ताओं को डीएनए अनुक्रमों को आसानी से बदलने और जीन फ़ंक्शन को संशोधित करने की अनुमति देता है। इसके कई संभावित अनुप्रयोगों में आनुवांशिक दोषों को ठीक करना, बीमारियों के प्रसार को रोकना और रोकना और फसलों में सुधार करना शामिल है। सीआरआईएसपीआर कास-9 काम आसानी से और ठीक से कर सकता है क्योंकि सीआरआईएसपीआर बैक्टीरिया प्रतिरक्षा प्रणाली का एक हिस्सा है और रोगाणु भी वायरस से बीमार हो सकते हैं। बैक्टीरिया उन्हें अपने डीएनए या आरएनए को सीआरआईएसपीआर अनुक्रमों के साथ काटकर लड़ते हैं और फिर अपने डीएनए बिट्स को अपने स्वयं के जीनोम में चिपकाकर याद करते हैं, जिससे भविष्य के किसी भी संक्रमण को दूर करने की अनुमति मिलती है। ये आनुवंशिक कैंची, जिनके जीनोमिक डीएनए के लक्षित संशोधन के लिए उपयोग को जेनिफर डूडना और इमैनुएल चार्पियरियर ने पूरा किया था, ने जेनेटिक इंजीनियरिंग और जीन थेरेपी को एक नया जीवन दिया है। ये दोनों वैज्ञानिक 2020 में रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार के प्राप्तकर्ता थे।

सीआरआईएसपीआर कास-9 का उपयोग : पारंपरिक बीमारियों के जरिए लाइलाज होने वाली कई बीमारियों का इलाज अब जेनेटिक इंजीनियरिंग की बदौलत आसानी से किया जा सकता है। सिकल सेल एनीमिया, बचपन अंधापन और इतने पर जैसे मोनोजेनिक विरासत में मिली बीमारियों के इलाज के लिए सीआरआईएसपीआर आधारित दृष्टिकोणों का उपयोग करके नैदानिक परीक्षण चल रहे हैं। यह भविष्य में कई अन्य बीमारियों जैसे कैंसर, ऑटोइम्यून विकारों और पॉलीजेनिक आनुवंशिक विकारों के इलाज का वादा करता है।

चिकित्सा अनुप्रयोगों केअलावा, इसका उपयोग आनुवांशिक रूप से फसलों को वायरस के लिए प्रतिरोधी बनाने, लीनर सूअर बनाने, खमीर को बेहतर बीयर बनाने में मदद करने, मच्छरों को बांझ बनाने आदि के लिए किया जा रहा है। एक विलुप्त प्रजाति को फिर से बनाना भी संभव है, इसलिए जुरासिक पार्क वास्तव में भविष्य में एक वास्तविकता हो सकती है। सीआरआईएसपीआर जीन एडिटिंग के उपयोग पर भी शोध चल रहा है जो हमें महामारी, कैंसर, अल्जाइमर और अन्य बीमारियों की चपेट में आने से बचा सकता है।

चिकित्सा अनुप्रयोगों के अलावा, इसका उपयोग आनुवांशिक रूप से फसलों को वायरस के लिए प्रतिरोधी बनाने, लीनर सूअर बनाने, खमीर को बेहतर बीयर बनाने में मदद करने, मच्छरों को बांझ बनाने आदि के लिए किया जा रहा है। एक विलुप्त प्रजाति को फिर से बनाना भी संभव है, इसलिए जुरासिक पार्क वास्तव में भविष्य में एक वास्तविकता हो सकती है। सीआरआईएसपीआर जीन संपादन के उपयोग पर भी शोध चल रहा है जो हमें महामारी, कैंसर, अल्जाइमर और अन्य बीमारियों की चपेट से बचा सकता है। स्तनधारियों में एक ऐसा जीन होता है जिसे पी53 के रूप में जाना जाता है जो उन प्रोटीनों को एनकोड करता है जो कैंसर के ट्यूमर के विकास को रोकते हैं। मनुष्य और अधिकांश अन्य स्तनधारियों में इस जीन की केवल एक प्रति होती है, जबकि हाथियों की 20 प्रतियां होती हैं, और उन्हें लगभग कभी भी कैंसर नहीं होता है। इसलिए, मानव में इस जीन को दोगुना करने के लिए अनुसंधान जारी है।

2020 तक, एक दर्जन से अधिक नैदानिक परीक्षण तीव्र मायलोइड ल्यूकेमिया नामक बीमारी के लिए चल रहे थे, सुपर-उच्च कोलेस्ट्रॉल और गंजापन। चल रहे अनुसंधान का जोर यह है कि कैसे नए वायरस को दूर करने के लिए बैक्टीरिया ने प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया विकसित की।

कोरोनावायरस : कई आधुनिक टीकों की तरह कोविड - 19 जैब्स ने भी जेनेटिक इंजीनियरिंग में उन्नति की है।

सार्ससीओवी-2 जीन के बिट्स को एडेनोवायरल डीएनए बैकबोन पर चिपकाया गया है, जिनमें से कुछ जीनों को विदेशी जीन को समायोजित करने के लिए खटखटाया गया है। जब यह टीका दिया जाता है, तो सार्ससीओवी-2 ले जाने वाला एडेनोवायरस मानव कोशिका में प्रवेश करेगा, यह दिखावा करेगा कि यह सार्ससीओवी-2 प्रोटीन का उत्पादन करता है, लेकिन खुद को दोहराने और किसी व्यक्ति को बीमार बनाने में असमर्थ होगा। यह हमारे इम्यून सिस्टम को प्राइम करने और असली सार्ससीओवी-2 वायरस से किसी भी संक्रमण से निपटने के लिए तैयार करने के लिए हमारे शरीर में एक अस्थायी सार्ससीओवी-2 प्रोटीन फैक्ट्री बनाता है।

उम्मीदें और नुकसान : जब से हर्बर्ट बोयर और स्टेनली कोहेन ने 1972 में विकसित की गई पुनः संयोजक डीएनए तकनीक का पेटेंट कराया और बॉयर ने 1976 में दुनिया की पहली जैव प्रौद्योगिकी कंपनी जेनटेक की सह-स्थापना की, जेनेटिक इंजीनियरिंग वैज्ञानिक क्षेत्र से परे गहन बहस का विषय रहा है। , जिसमें वकील, पत्रकार, राजनेता और जनता शामिल है।

तब से, जेनेटिक इंजीनियरिंग ग्रह पृथ्वी पर सभी प्रजातियों के विकास के भाग्य का निर्धारण करने की संभावना के साथ, भगवान की भूमिका निभाने वाले नैतिक मुद्दे के माध्यम से आया है। यह आमतौर पर सहमति है कि आनुवंशिक रूप से इंजीनियर जीव पर्यावरण में जारी नहीं किए जाएंगे। भारत सहित कई देशों ने विभिन्न स्तरों पर नैतिक समितियों को रखा है जो आनुवंशिक इंजीनियरिंग के उपयोग को शामिल करने वाले अनुसंधान की देखरेख और अनुमोदन करते हैं। यहां तक कि नियमित प्रयोगशाला प्रयोगों का उद्देश्य केवल जीव विज्ञान प्रयोगशालाओं में छात्रों को क्लोनिंग प्रयोगों का प्रदर्शन करना है, जिन्हें संस्थागत नैतिक समितियों या संबंधित बोर्डों के अनिवार्य अनुमोदन की आवश्यकता होती है। हालांकि बाजार में पहले से ही जेनेटिक इंजीनियरिंग के उत्पाद मौजूद हैं, जैसे टीके, कीट-प्रतिरोधी फसलें और आनुवंशिक रूप से इंजीनियर मच्छर, जेनेटिक इंजीनियरिंग और जीन थेरेपी के आसपास के नैतिक और नैतिक मुद्दों पर बहस जारी है। शुक्र है, इसके फल धीरे-धीरे बड़े सार्वजनिक भलाई के लिए खिल रहे हैं।

सौभाग्य से मानव जाति के लिए, 2015 में एनएपीए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, एक आम सहमति जल्दी से विकसित हुई कि पूरी तरह से रोगाणु जीन संपादन पर प्रतिबंध लगाना बुरा होगा। सीआरआईएसपीआर के आविष्कारक, जेनिफर डोडना ने खुद इसे अभिव्यक्त किया : "हम चाहते थे कि वैज्ञानिक समुदाय तब तक पॉज बटन को हिट करें जब तक कि जर्मेनिक लाइन एडिटिंग के सामाजिक, नैतिक, पारिस्थितिक और दार्शनिक निहितार्थों की वैश्विक स्तर पर आदर्श रूप से अच्छी तरह से चर्चा नहीं की जा सकती।"

सम्मेलन में यह निष्कर्ष निकाला गया कि यद्यपि रोगाणु रेखा संपादन को सुरक्षित रूप से करना बहुत जल्दी था, लेकिन किसी दिन ऐसा होगा और लक्ष्य विवेकपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान करने वाला होना चाहिए। यह इस अद्भुत आविष्कार के भविष्य की कुंजी है।

समकालीन सामाजिक-आर्थिक विभाजन

एक देश के रूप में हमें अर्थव्यवस्था में महिलाओं की सहभागिता में बाधक सारी बाधाएं नष्ट करनी चाहिए। इसके अंतर्गत दिमागी सोच में बदलाव लाना भी शामिल है।

बिंदू डाल्मिया
(लेखिका नीति आयोग से संबद्ध हैं)

जैसी कि उम्मीद थी, कोविड-पश्चात आर्थिक आंकड़ों में पहले से मौजूद विभाजन और तीखे हुए हैं। इनमें जेंडर विभाजन, अमीरों और गरीबों की आय में बढ़ती असमानता तथा ग्रामीण व शहरी जनता के बीच बढ़ता डिजिटल विभाजन शामिल हैं। इनमें से सभी असमानतायें लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों का विषय हैं। विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक जेंडर रिपोर्ट, 2021 के अनुसार भारत 153 देशों की सूची में 112वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत में 0.65 बिलियन महिलायें रहती हैं जिनकी जेंडर समानता एक साल पहले 66.8 थी जो अब बढ़ कर 62.5 प्रतिशत हो गई है। यह कमी अनेक उप-सूचकांकों के स्तर पर दिखाई देती है। श्रम सहभागिता सूचकांक 24.8 प्रतिशत से गिर कर 22.3 प्रतिशत रह गया है, वरिष्ठ प्रबंधकीय पदों पर महिलाओं की सहभागिता केवल 14.6 प्रतिशत है, उनकी अनुमानित आमदनी पुरुषों की तुलना में पांचवां भाग है, राजनीतिक सशक्तीकरण सूचकांक 13 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि मंत्रिमंडल में महिलाओं की उपस्थिति 2019 में 23.1 प्रतिशत से 9.1 प्रतिशत गिरी है।

जेंडर समानता हमारे संविधान में एक प्रमुख मानवाधिकार के रूप में परिभाषित है और इसकी उपलब्धि से अनेक सामाजिक-आर्थिक लाभ होते हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा निर्धारित टिकाऊ विकास लक्ष्यों-एसडीजी के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है जिसमें सभी विकास पहलों को जेंडर दृष्टिकोण से देख कर जेंडर समानता पर जोर दिया गया है। लेकिन कोविड के कारण पैदा परिस्थितियों से आर्थिक दबाव बढ़ा है और एसडीजी प्राप्त करने का लक्ष्य 2030 किया गया है। वैश्विक महामारी के पश्चात नीतिगत पहलों में जेंडर-विशिष्ट बजट तथा सुधार रणनीतियां शामिल हैं। पहले कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की प्रमुख योजनाओं ने महिलाओं के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला। यह 'संरा महिला' मानकों पर जेंडर संवेदनशील बजटिंग-जीआरबी से संभव हुआ।

जीआरबी वैश्विक रूप से स्वीकृत 'सर्वोत्तम व्यवहार' है जिसमें विभिन्न देश जेंडर दृष्टिकोण से राजकोषीय खर्च आबंटित करते हैं। हालांकि, 1999 में घोषित महिलाओं के मैग्ना कार्टा में सरकारों को जीडीपी का कम से कम पांच प्रतिशत जेंडर मुद्दों के समाधान हेतु आबंटित करना चाहिए, पर हालिया वर्षों में महिला कल्याण के लिए निर्धारित धनराशि में कमी आई है। केन्द्र सरकार ने 'जेंडर बजटिंग स्टेटमेंट' दो भाग में जारी किया है। पहले भाग में महिला केन्द्रित योजनाओं का उल्लेख है जिसमें शत प्रतिशत आबंटन केवल महिलाओं के लिए है। दूसरे भाग में ऐसी महिला-समर्थक योजनाओं का उल्लेख है जिनमें महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आबंटन किया गया है।

हाल के वर्षों में जहां जन धन योजना, डीबीटी व मनरेगा ने सबको लाभ पहुंचाया है, वहीं विशेष जेंडर लक्षित योजनाओं ने महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक जीवन में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। लेकिन जीआरबी के लिए निर्धारित फंड सार्वजनिक खर्च के पांच प्रतिशत से भी कम है तथा यह जीडीपी के एक प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस प्रकार महिलाओं के लिए बजटीय आबंटन में काफी वृद्धि की आवश्यकता है। नीति आयोग का अनुमान है कि भारत को अपने जेंडर-विशिष्ट बजट में अतिरिक्त 6.2 प्रतिशत की वृद्धि करनी चाहिए ताकि वह एसडीजी लक्ष्यों के अनुरूप बन सके। रोजगार की बदलती हुई प्रकृति को देखते हुए महिलाओं का कौशल संवर्धन जरूरी है। कोविड के कारण रोजगार बाजार में व्यापक परिवर्तन हुए हैं तथा भविष्य में 9 से 5 वाला माडल उपयोगी नहीं होगा। डेलोलाइट के शोध से पता चलता है कि आर्थिक संकट के कारण कंपनियां अब ज्यादा अनुभवी फ्रीलांसरों को अवसर दे रही हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि गिग वर्क माडल का आकर्षण बढ़ रहा है। पहले काम से हटाई गई 78 लाख महिलायें अपने कॅरियर में परिवर्तन कर रही हैं क्योंकि डब्लूएचएफ अवधारणा ने पेशेवर डिग्री धारकों तथा कार्य अनुभव वाले लोगों के लिए नए अवसरों के द्वार खोले हैं। इसी प्रकार जहां स्वचालीकरण ने अनेक रोजगारों में परिवर्तन किया है, वहीं बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के अनुसार यह अगले 10 साल में 90 मिलियन फ्लेक्सी रोजगारों का सृजन करेगा।

हाल के वर्षों में जहां जन धन योजना, डीबीटी व मनरेगा ने सबको लाभ पहुंचाया है, वहीं विशेष जेंडर लक्षित योजनाओं ने महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक जीवन में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। लेकिन जीआरबी के लिए निर्धारित फंड सार्वजनिक खर्च के पांच प्रतिशत से भी कम है तथा यह जीडीपी के एक प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस प्रकार महिलाओं के लिए बजटीय आबंटन में काफी वृद्धि की आवश्यकता है।

स्व-रोजगार और लघु-उद्यमिता में प्रति वर्ष 17 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है जो 2023 तक 455 बिलियन डालर का क्षेत्र हो जाएगा। राज्य और सहकारी बैंकों को कर्ज बांटने के अपने माडलों में परिवर्तन करना चाहिए ताकि वे महिलाओं की प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को कम ब्याज दरों पर कर्ज दे सकें। आंकड़ों से स्पष्ट है कि महिलाओं की बचत की आदत अच्छी होती है तथा पुरुषों की तुलना में उनके कर्ज कम डूबते हैं। लेकिन अधिकांश महिलाओं के पास बंधक के लिए कुछ नहीं होता है और औपचारिक कर्ज लेने का उनका इतिहास नहीं होता है, इसलिए हमें उनका कर्ज इतिहास बनाने के लिए खोजी प्रयास करने होंगे। सवाल यह है कि जेंडर असमानता ने भारत की आर्थिक प्रगति में कितनी बाधा डाली है? भूमि, औपचारिक कर्ज, नवीनतम तकनीकों से महिलाओं का परिचय न होने, शिक्षा ड्रापआउट की उच्च दर तथा असमान घरेलू व बिना भुगतान वाले काम के कारण भारतीय महिलाओं की आर्थिक समृद्धि बाधित हुई है।

इस प्रकार जेंडर असमानता भारत में प्रतीकात्मक रूप से पूंजी के असाधारण नुकसान का कारण बनी है। भारत में जेंडर समानता अधिकतम स्तर पर प्राप्त करने का आर्थिक प्रभाव 2025 तक जीडीपी में 700 बिलियन डालर का योगदान कर सकता है। आईएमएफके अनुमानों के अनुसार कार्यबल में महिलाओं की समान सहभागिता से भारत की जीडीपी में 27 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है। इस बात के स्पष्ट प्रमाण मिलते हैं कि 'जब महिलायें बेहतर काम करती हैं तब अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति बेहतर होती है।

इसका अर्थ है कि हमें वे सारी बाधायें समाप्त कर देनी चाहिए जो महिलाओं की अर्थव्यवस्था में भागीदारी में बाधा डालती हैं। इनमें अचेतन रूप से मानसिक सोच की बाधायें भी शामिल हैं।'

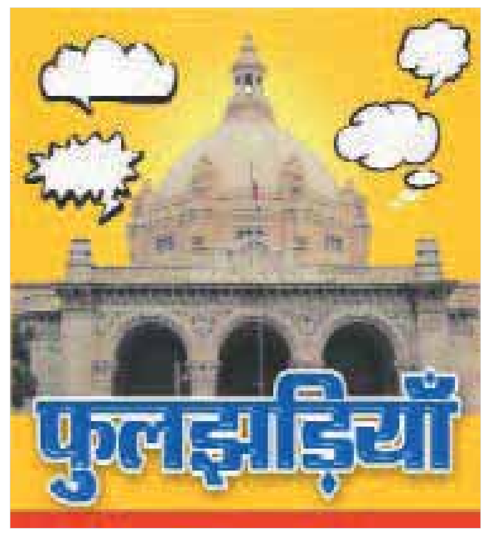

पाठक बन गए लेखक

पाठक को लेखक बनना काफी भारी पड़ गया है। कानूनी किताब पढ़ते-पढ़ते अचानक पाठक का दिमाग खुल गया। सोचा मैं ही क्यों पाठक बनके पढ़ता रहता हूं। अब मैं कुछ ऐसा लिखूंगा कि लोग मुझे पढ़ें। फिर क्या था। अचानक पाठक लेखक बन गए और उन्होंने लिख डाला एक ऐसा सारगर्भित लेख जिसमें वह अपने आप को भी नकारा साबित कर रहे थे। उनके द्वारा लिखा गया लेख उसी प्रकार था जैसे कभी किसी व्यक्ति को किसी महात्मा ने ऐसी डाल को काटते देखा था जिस पर वह स्वयं ही बैठा हुआ था। लोग समझ नहीं पा रहे थे आखिर पाठक को ऐसा क्या हुआ जो उनको इस तरह का लेख लिखने की जरूरत पड़ गई। सब कुछ तो ठीक है फिर क्यों उन्होंने अपनी ही कलम से अपनी व्यवस्था को ही नकारा साबित कर दिया। काफी मशक्कत के बाद पता लगा कि सही में पाठक जी केवल पाठक बनकर ही रह गए हैं। उनके कलम की ताकत पूरी तरह खत्म कर दी गई है। शायद उनको इसी बात का मलाल था और इसीलिए उन्होंने बगैर कुछ सोचे समझे ही अपने आप को लेखक बना डाला। जो उन पर काफी भारी पड़ा। इसकी कीमत वह अब वह किस्तों में चुका रहे हैं पहली किस्त जारी करवाई जा चुकी है।

जनता कर्फ्यू

ग्लोबल बीमारी के रूप में पहचान बना चुकी महामारी इन दिनों अपने चरम पर है।। रोजाना हजारों की संख्या में मिल रहे इस वायरस के मरीजों ने लोगों में खौफ भर दिया है।। आलम यह है कि हर आदमी की सांस दहशत में अटकी पड़ी है। इस बार मरीजों की संख्या ने सभी सरकारी तैयारियों को पीछे छोड़ दिया। स्थिति यह है कि गली, मुहल्ले, बाजार संक्रमण से पटे पड़े हैं। ऐसे में लोग राहत के नाम पर सरकार की तरफ टकटकी लगाए पड़े हैं मगर सरकार की तरफ से संकेत न मिलने पर जनता ने ही जनता कर्फ्यू लगा दिया है। जनता कर्फ्यू के चलते बाजारों में सन्नाटा पड़ा है और लोग सीमित तौर पर ही जरूरी काम के लिए निकल रहे हैं। इन हालातों को देख कर अब तो यही बात निकल रही है कि काश हम पहले से सतर्क होते तो जनता कर्फ्यू की स्थिति न आती।

मुर्गा बांग नहीं देगा तो...

यूपी में पंचायत चुनाव क्या शुरू हुए आयोग में एक साहब के भाव इतने ज्यादा बढ़ गए कि इन्होंने अपने अधीनस्थ और अपने वरिष्ठों को तवज्जो देना एकदम से बंद कर दिया। साहब का आलम यह है कि वह अगर नहीं चाहेंगे प्रदेश में चुनाव सही तरीके से नहीं हो पाएगा लेकिन एक कहावत कही गई है बड़ा बोल कभी न बोले और फिर साहब इस महामारी चपेट में आ गए और लंबी छुट्टी पर चले गए। उनकी गैर मौजूदगी में भी प्रथम चरण के तहत चुनाव की प्रक्रिया पूरी हुई आयोग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली। चलो जो लोग ज्यादा आत्मविश्वास से भरे थे कि उनके बिना चुनाव नहीं हो पाएगा उन्हें थोड़ा राहत जरूर मिली होगी। उधर आयोग के बड़े साहब भी कह रहे हैं कि अब चुनाव पूरा निपटा कर ही दम लिया जाएगा क्योंकि साहब टेलीकॉम सर्विस से आयोग में आए हैं इसलिए वह इंटरनेट संबंधी जानकारी ठीक-ठाक रखते हैं और इसी जानकारी के बल पर वह अभी तक आयोग में टिके हुए हैं। इस जानकारी का लाभ उठाते हुए साहब ने आयोग में जमकर दोहन किया अब जब सारी पोल पट्टी खुल रही है तो सबकी आंखें चकाचौंध हुई जा रही हैं।

कब लगेगा लॉक डाउन

बढ़ते कोरोना महामारी से परेशान लोग अधिकारियों, प्रतिनिधियों को जमकर कोसते दिख रहे हैं। बड़ा बड़ा दावा करने वाले सरकार के नुमाइंदे अब नहीं दिखाई दे रहे हैं। शहर की प्रथम महिला मुखिया कोरेंटाइन में हैं तो वहीं बड़े साहब भी आइसोलेट हो गए हैं। तो अब शहर किस के भरोसे चलेगा। आखिर अपनों को खोने वालों का गम बांटने वाला कोई तो होना चाहिए। ऐसे में नाराज लोग सरकार के प्रतिनिधियों से पूछ रहे हैं, लॉक डाउन सरकार क्यों नहीं लगा रही है। जब सब बर्बाद और खत्म हो जाएगा, तबका इंतजार कर रही है सरकार। गुस्सा और नाराजगी इतनी है कि लोग स्वयं अपनी व्यवस्था कर रहे हैं, चाहे लकड़ी लाने की बात हो या सैनिटाइजेशन। दबे जुबान पदाधिकारी व नेता भी सरकार की बड़ी चूक मान रहे हैं। न मुखिया, बड़े साहब के हालता नहीं सभल रहे हैं। बिना हालात संभलें, लोगों को राहत मिलने वाली नहीं। ऐसा तांडव कभी नहीं देखा गया, आलम यह है कि व्यापारियों और जनता ने स्वयं लॉकडाउन लगाकर अपनी जान बचाने में जुटे हुए हैं। अब बताओं भला जब मुखिया, नौकरशाह ही घरों में बंद हो गए तो बचता कौन हैं। आनन फानन में कुछ नेता ने अपनी विकास निधि से कुछ धनराशि देकर लोगों की नाराजगी कम करने में जुटे हुए हैं।

बेकाबू मोबाइल

खाकी महकमे की स्पेशल यूनिट के गुडवर्क जेल महकमे के अधिकारियों को लगातार परेशान किए हुए हैं। अब हकीकत चाहे जो भी हो लेकिन इतना जरूर है की स्पेशल यूनिट के खुलासों के बाद जेल महकमे के अफसर सफाई देते नजर आते हैं। दरअसल जेलों में सबसे बड़ी शिकायत यहां निरुद्ध अपराधियों द्वारा मोबाइल फोन से आपराधिक गतिविधियों का संचालन करने की रहती है। जेलों से लगातार वायरल हो रहे वीडियो के बाद दो साल पहले भगवा सरकार ने बंदियों वाले महकमे के तत्कालीन मुखिया को हटाकर ब्यूरोक्रेसी में एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रखने वाले आईपीएस को यहां की बागडोर सौंपी थी। उन्होंने आते ही सख्ती दिखाई और ऐसे नियम कानून लागू किए कि बंदियों की कौन कहे जेल अफसरों तक के मोबाइल फोन यूज करने पर पाबंदी लग गई। महकमे के मुखिया व अन्य अधिकारी जेल से मोबाइल के प्रयोग पर पूरी तरह से अंकुश लगने का लगातार दावा करते नहीं थकते और स्पेशल यूनिट आए दिन कोई न कोई ऐसा खुलासा कर देती है जिसका सीधा संबंध अपराधी द्वारा जेल के अंदर से मोबाइल फोन संचालित करने से ही होता है। अभी दो दिन पहले फिर एक ऐसा ही वाक्या हुआ। स्पेशल यूनिट ने पूर्वांचल के एक बीजेपी नेता की हत्या की तैयारी कर रहे तीन अपराधियों को दबोच लिया। उनसे हुई पूछताछ के बाद खुलासा किया कि हत्या की साजिश नक्सली बेल्ट की एक जेल में निरूद्ध अपराधी द्वारा मोबाइल फोन के जरिए रची गई। बस इसी के बाद से एक बार फिर जेल महकमे के अधिकारी चकरघिन्नी बने हुए हैं।

बंदियों को कोरोना के प्रकोप से बचाने के लिए फिर अस्थाई जेलों की दरकार

- जेल अफसरों ने सभी जिलों के प्रशासन से की अस्थाई कारागारों की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने व पहले से क्रियाशील अस्थाई कारागारों को बंद न किए जाने का अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की 72 स्थाई जेलों में निरुद्ध 112290 बंदियों को कोरोना की दूसरी लहर के प्रकोप से बचाने के लिए एक बार फिर अस्थाई जेलों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। पूर्व में स्थापित की गई ज्यादातर अस्थाई जेलें अब बंद हो चुकी हैं। जिस वजह से नए आने वाले कैदियों को सीधे स्थाई जेल में प्रवेश दिया जा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डीजी जेल आनंद कुमार ने सभी जेल अधीक्षकों को पत्र लिखकर जिला प्रशासन से संपर्क कर सभी अस्थाई जेलें प्रारंभ कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने जेलों में कोरोना टीकाकरण जारी रखने का आदेश भी दिया है।

कोरोना के संक्रमण को स्थायी जेलों में पहुंचने से रोकने के लिए मार्च 2020 के लॉकडाउन में शुरुआती दिनों में ही शासन के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन के सहयोग से व्यापक प्रबंध किए गए थे। प्रदेश के कुल 64 जिलों की स्थाई जेलों में निरुद्ध बन्दियों को संक्रमण से बचाने के लिए कुल 83 अस्थाई कारागारों का निर्माण किया गया था। जिनमे नए आने वाले बन्दियों को 14 दिन रखकर उनका कोविड टेस्ट कराकर निगेटिव आने पर ही स्थाई जेलों में भेजा जाता था । अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए स्थाई जेल में भी इनको 14 दिन कोरेण्टाइन बैरक में रखने के बाद सामान्य बन्दियों के साथ रखा जाता था। ये अस्थाई कारागारे प्राय: कोरोना काल में बंद हुए स्कूल कॉलेजों , हॉस्टलों, चिकित्सालयों आदि में बनाई गईं थीं। लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद जैसे बड़े. बड़े जिलों में तो एक से अधिक अस्थाई कारागारें भी बनाई गईं थीं।

जेलों में युद्धस्तर पर बन्दियों ने दिन रात कुल 27 लाख से अधिक मास्क ,3000 से ज़्यादा पीपीई किट बनाये जो जेलों में बन्दियों को निशुल्क दिए गए। इसके अलावा जेलों की अपनी आवश्यकता के लिए कुछ जेलों ने सैनिटाइजर भी बनाया। तब प्रदेश में मास्क की उपलब्धता आवश्यकता से कम थी अत: सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं को भी लागत मूल्य पर मास्क और पीपीई किट दिया गया। इतनी सतर्कता और एहतियात बरतने का बहुत अच्छा परिणाम निकला एक भी बन्दी कोरोना संक्रमण से नहीं मरा।

किन्तु कालांतर में कोरोना के संक्रमण के कम होने पर स्कूल कॉलेजों के खुल जाने पर अस्थाई जेलों को जिला प्रशासन द्वारा बंद किया जाने लगा और नए बन्दियों को सीधे जेलों में दाखिल करके आइसोलेशन में रखा जाने लगा जो अब तक जारी है। एक समय ऐसा भी आया जब 11 फरवरी 2021 की स्थिति के अनुसार मात्र 35 अस्थाई कारागारें क्रियाशील रह गईं जिनमें 4319 बंदी निरुद्ध रहे। हालांकि इस बीच जेल अधीक्षकों द्वारा स्थाई जेलों को कोरोना से बचाने के लिए जिला प्रशासन से निरंतर अस्थाई कारागारों की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और पहले से क्रियाशील अस्थाई कारागारों को बंद न किये जाने का अनुरोध भी किया जाता रहा। ये अस्थाई कारागारें एक एक कर बन्द होते हुए वर्तमान में 43 जिलों में मात्र 48 अस्थाई कारागारें क्रियाशील हैं और उनमें लगभग 3500 बन्दी निरुद्ध हैं।

कारागार मुख्यालय के प्रवक्ता संतोष कुमार वर्मा के अनुसार पहले के मुकाबले यह दूसरी लहर जितनी घातक और तेजी से फैलने वाली है, उसे दृष्टिगत रखते हुए तत्काल प्रदेश के शेष सभी जिलों में अस्थाई कारागारों की स्थापना अपरिहार्य है। इसके लिए पुलिस महानिदेशक कारागार आनन्द कुमार द्वारा 13 अप्रैल 2021 को सभी जेल अधीक्षकों को संबंधित जिला प्रशासन से सम्पर्क करके अस्थाई कारागारों को प्रारंभ कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। यही नहीं जेलों में पूर्व की भांति मास्क, सैनिटाइजर निर्मित करने , बन्दियों को आयुर्वेदिक काढ़ा देने और उनमें प्रतिरक्षी क्षमता की बृद्धि के लिए नियमित योगाभ्यास कराने और हर हाल में बन्दियों और जेल स्टाफ की कोरोना से सुरक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

अपर मुख्य सचिव ; गृह द्ध द्वारा भी स्थाई जेल के बन्दियों को संक्रमण से बचाने के लिए नए बन्दियों को अस्थाई कारागारों में रखने तथा अस्थाई कारागारों में निरुद्ध बन्दियों की कोविड टेस्टिंग कराने और न्यायालयों में बन्दियों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा कराए जाने की व्यवस्था से सम्बंधित पत्र अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवम स्वास्थ्य व सभी जिलाधिकारियों और अन्य संबंधित अधिकारियों को भेजा गया है।

विदित हो कि 23 मार्च 2020 के लाकडाउन से ही बन्दियों और परिजनों की मुलाकात बन्द है। इस अवधि में उनके धैर्य और संयम का ही परिणाम है कि देश की जेलों में निरुद्ध कुल बन्दी संख्या का एक चौथाई संख्या वाली यूपी की सभी 72 जेलों में बन्दी कोरोना से सुरक्षित हैं। 45 वर्ष से ऊपर के कुल 23432 बन्दी वर्तमान में निरुद्ध हैं जिनमे से 16,144 बन्दियों को टीके की डोज़ दी जा चुकी है। शेष बन्दियों का टीकाकरण नियमित रूप से जारी है। वर्तमान में प्रदेश की जेलों में कुल 1,12,290 बन्दी निरुद्ध हैं। मार्च 2020 के लॉक डाउन से अब तक कुल 492829 बन्दियों का कोविड टेस्ट हो चुका है। नए बन्दियों का नियमित रूप से टेस्ट कराया जा रहा है।

केशव ने प्रयागराज को 1 करोड़ व कौशांबी को 50 लाख रु. की धनराशि दी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कोविड.19 महामारी के बचाव से संबंधित आरटीपीसीआर जांच के लिए अस्थाई केंद्र बनाने ,ऑक्सीमीटर उपलब्ध कराने, होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को दवाई और ऑक्सीजन उपलब्ध कराने आदि की व्यवस्था हेतु अपनी विधायक निधि से जनपद प्रयागराज के लिए रु. एक करोड़ की धनराशि व जनपद कौशांबी के लिए रु0 50 लाख की धनराशि अवमुक्त करने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज को दिए है। उन्होने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि दिए गए दिशा.निर्देशों के अनुरूप समस्त आवश्यक कार्यवाही व व्यवस्था ससमय सुनिश्चित की जाए।

कोरोना की वजह से देश विषम परिस्थितियों से गुजर रहाः यशवंत

- दो गज दूरी और मास्क जरूरी ही वर्तमान में राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर को सच्ची श्रद्धांजलिः विधानपरिषद सदस्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक, विधानपरिषद उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ सदस्य यशवंत सिंह ने कहा है कि कोरोना की वजह से देश विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है। इससे निपटने के लिए देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मजबूती से साथ दे। उन्होंने कहा है कि आज की विषम परिस्थिति में यह किसी दल की नहीं, देश की जरूरत है। इसलिए इसे लेकर कोई मतभेद नहीं होना चाहिए। राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर की जयंती के अवसर पर शनिवार को चन्द्रशेखर चबूतरा (दारुलशफा, लखनऊ) पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक, विधानपरिषद उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ सदस्य यशवंत सिंह ने कहा कि बीमार होने के बाद भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस महामारी को निष्प्रभावी करने के लिए जूझ रहे हैं। उनके इस संकल्प की जितनी भी तारीफकी जाए, कम है। आपस में दो गज की दूरी और मास्क जरूरी को स्वत: जरूरी करके हमलोग भी इस महामारी को निष्प्रभावी करने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। हम लोगों की इसी भूमिका की आज देश को सर्वाधिक जरूरत है। यही राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर को वर्तमान में सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि इससे चूका गया तो इसका खामियाजा हम लोगों को निजीतौर पर भी भुगतना होगा और देश को भी। यदि ऐसा होता है तो इतिहास हमें कभी क्षमा नहीं करेगा।

लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक, विधानपरिषद उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ सदस्य यशवंत सिंह ने राष्ट्रपुरुष को श्रद्धासुमन अर्पित करने आए लोगों से कहा कि जो लोग राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर के करीब रहे हैं, उनसे पूछिए, उनके विचारों को पढ़िए, अपने जीवन काल में उन्होंने अनेक अवसरों पर कहा है कि इस देश को बनाने की जिम्मेदारी इस देश के सभी लोगों की है। आज की इस विकट परिस्थिति में हम सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि हम लोग राष्ट्रपुरुष के इस विचार पर खरे उतरें।

प्रदेश में कोरोना संकट भयावह रूप लेता जा रहा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की कार्य और नीतिगत विफलताओं और मुख्यमंत्री के प्रशासन पर नियंत्रण खो देने से उत्तर प्रदेश में कोरोना संकट भयावह रूप लेता जा रहा है। हर रोज संक्रमित मरीजों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है और श्मसान घाटों तथा कब्रिस्तानों में अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं बच रही है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजनवाली सरकारें जिन प्रदेशों में है वहां कोरोना की दूसरी लहर के कहर ने सभी झूठे दावों और बदइंतजामी की पोल खोल कर रख दी है। आंकड़े छुपाने के लिए उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और बिहार में टेस्टिंग, ट्रीटमेंट और ट्रैकिंग से खिलवाड़ ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। सरकारी लापरवाही का आलम यह है कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर जिन डाक्टरों, अधिकारियों को हेल्पलाइनों में लगाया गया वे अपने फोन ही नहीं उठाते हैं, मदद

मांगने वालों से अभद्रता से पेश आते हैं। कारगिल के शहीद के पिता और रिटायर्ड जज तक इस अमानवीय व्यवहार के शिकार हुए हैं। अखिलेश ने कहा कि प्रदेश के अन्य जनपदों की बदहाली का क्या जिक्र हो जब राजधानी लखनऊ ही दर्द से कराह रही है। भाजपा सरकार की लापरवाही ने तबाही मचा रखी है। यहां पांच दिनों में 6 नगर निगम कर्मी कोरोना से मर चुके हैं। गत एक दिवस में लखनऊ में 6,598 नए मरीज मिले। इनमें 35 जिंदगी की जंग हार गए। एक अप्रैल से 16 अप्रैल तक 234 मरीजों की मौत दिल दहलाने वाली घटना है। अखिलेश ने कहा कि कैसी सरकार है और कैसी इसकी व्यवस्था है कि लोग मारे.मारे घूम रहे हैंघ् न जिंदा रहने को इलाज मिल रहा है और नहीं शवदाह के लिए लकड़िया मिल रही हैं। मंहगे आक्सीजन सिलेण्डर को हासिल करना गरीब के लिए सम्भव नहीं, कोरोना में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन का तो सवाल ही नहीं। प्राईवेट अस्पताल मनमानी वसूली कर रहे हैं। सरकार लाचार बनी है। स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के बाद जनसामान्य के लिए यही रास्ता बचता है कि वह सड़क पर लावारिस की तरह तड़त.तड़प कर जान दे दे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी चाहे जितनी प्रशंसा कर लें केन्द्र सरकार ने भी यूपी के हालात पर चिंता जताई हैं। प्रदेश में आईसीयू बेड बढ़ाने और एम्बूलेंस की संख्या बढ़ाने को भी कहा गया है। राज्य की भाजपा सरकार को केन्द्र की भाजपा सरकार ने आईना दिखा दिया है। क्या इसके बाद भी मुख्यमंत्री अपनी बड़बोली बयानबाजी बंद कर जनता के दु:खदर्द बांटने के समुचित कदम उठाएंगेघ् राज्यपाल को अब तो प्रदेश की हर दिन बिगड़ती स्थिति का संज्ञान लेना चाहिए, यह संविधान सम्मत होगा।

सपा मुख्यालय में मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती पर उन्हें शतशत नमन करते हुए भावांजलि दी है। समाजवादी पार्टी मुख्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में शनिवार को पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों ने चंद्रशेखर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की। पार्टी कार्यालय में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के बलिया जनपद के एक गांव से प्रधानमंत्री के पद तक का सफर चंद्रशेखर के लिए असाधारण रहा है। उन्होंने राजनीति में संघर्ष से अपना रास्ता बनाया। शालीनता और खरी.खरी बातें कहने के लिए उन्हें जाना जाता है। वे संसद में जब बोलते थे तो सभी शांति से उन्हें सुनते थे। उनका पूरा जीवन हमेशा युवा तुर्क की तरह नज़र आया है। श्री यादव ने कहा कि चंद्रशेखर जी ने सत्ता से अधिक जनशक्ति और लोकतंत्र को महत्व दिया।

चंद्रशेखर सदैव सोशलिस्ट बने रहेः दीपक मिश्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी (लोहिया) ने भारतीय गणराज्य के राष्ट्रपति रहे शिक्षाविद सर्वपल्ली राधाकृष्णन की पुण्यतिथि व प्रधानमंत्री रहे चंद्रशेखर की जयंती के उपलक्ष्य में दोनों विभूतियों को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व, कृतित्व व अवदान पर परिचर्चा का आयोजन किया। सर्वपल्ली द्वारा स्थापित व लोकसभाध्यक्ष की अध्यक्षता वाली भारत की शीर्ष थिंक टैंक संस्था सांविधानिक व संसदीय अध्ययन संस्थान के सदस्य दीपक मिश्र ने कहा कि सर्वपल्ली द्वारा प्रतिपादित हिंदुत्व का दर्शन मूलत: सर्व समावेशी व समाजवाद का पुट लिए हुए है । सर्वपल्ली ने अपनी पुस्तक ष्धर्म और समाजष् में समाजवाद को राष्ट्र की नैतिक आवश्यकता बताया है। सर्पल्ली के अनुसार भारत का सतत व समावेशी विकास समाजवाद के स्वाभाविक सिद्धान्त से ही संभव है । श्री मिश्र ने कहा कि भारत के लिए गोलवलकर द्वारा प्रतिपादित साम्प्रदायिक व संकुचित हिंदुत्व की बजाय सर्वपल्ली का समावेशी हिंदुत्व बेहतर है। श्री मिश्र चंद्रशेखर को प्रतिबद्ध समाजवादी व आचार्य नरेंद्रदेव का शिष्य बताते हुए कहा कि वे सदैव समाजवाद की राह चले। उनका घर देश व विदेश के घोषित समाजवादियों का मिलन स्थल था। चंद्रशेखर ने जीवन पर्यंत आचार्य व लोहिया के समाजवादी विचारों को व्यवहारिक रूप देने का प्रयास किया। सोशलिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता से लेकर समाजवादी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तक के सफरनामे में उन्होंने हमेशा समाजवाद को सशक्त किया। संगोष्ठी को बौद्धिक सभा के महासचिव ब्रजेश मिश्र, शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष रवि यादव, हरिशंकर यादव, अल्पसंख्यक सभा के महासचिव ग्यासुल हक, जावेद, मनीष मिश्र, अवनीश समेत कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

अगर प्रदेश को बचाना है तो अधिकतम आरटीपीसीआर करिएः प्रियंका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर कहा है कि यूपी में 10 दिन के अंदर कोरोना संक्रमण सात गुना हो गया। अब ये गांवों की ओर भी बढ़ रहा है। प्रियंका ने कहा कि शहरों में टेस्ट की भयानक कमी है और उनमें से आरटीपीसीआर आधे से भी कम हो रहा है। बाकी एंटीजन टेस्ट हो रहे। उन्होंने कहा कि लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद, बनारस, इलाहाबाद में भी टेस्ट में वेटिंग है। प्रियंका ने राज्य सरकार को सलाह दी है कि अगर प्रदेश को बचाना है तो अधिकतम आरटीपीसीआर करिए।

प्रदेश की स्थिति पर केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिएः संजय सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा है कि पूरा देश कोरोना से कराह रहा है। यूपी में स्थिति सबसे खराब हो गई है। लोगों इलाज के बिना दम तोड़ रहे है, मगर योगी सरकार व्यवस्था सुधारने की जगह श्मशान में सच छिपाने में जुटी हुई है। उत्तर प्रदेश की जनता अस्पतालों में अपना दम तोड़ रही है। उनके परिजन इलाज के लिए, ऑक्सीजन के लिए, बेड के लिए दर.दर की ठोकरें खा रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ पूरी तरह से फेल हो चुके हैं।

प्रदेश की स्थिति पर केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। संजय सिंह ने शनिवार को पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यूपी की जिस जनता ने लाइन लगाकर मोदी जी की सरकार बनाई आज वो श्मशानों में लाइन लगाने को मजबूर है। देश को दुखदाई हालात में आइसोलेशन में छोड़कर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री लापता हैं। आप नेता ने महामारी में जारी चुनावी रैलियों पर मोदी.शाह को आड़े हाथों लिया। संजय सिंह ने कहा कि ऐसे हालात में जनता के जान की चिंता करने की जगह प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को चुनाव की फ़िक्र सता रही है। संजय सिंह ने यूपी की तस्वीर बयां करते हुए जिलों में कोरोना जांच हो पाने की समस्या उठाई। अम्बेडकरनगर के एक मामले का जिक्र किया, जिसमें जांच हो पाने के कारण फेफड़ा फेल होने के बाद भी मरीज को मेडिकल कॉलेज में वेंटिलेटर नहीं मिल पाया। कहा कि तमाम जिलों से अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर न मिलने की खबरें आ रही हैं। श्मशान में लोगों को अपनों के शवदाह के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। जिस बनारस में मोदी जी ने कहा था श्मुझे गंगा मैया ने बुलाया हैश, वहां हरिश्चंद्र घाट पर शुक्रवार को 125 लाशें जलाई गईं। मोदी जी आज उसी बनारस को अनाथ छोड़कर चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। गुजरात का सूरत हो या बनारस चाहे लखनऊ, पूरा देश कोरोना से कराह रहा है। संजय सिंह ने दिनवार संक्रमण के आंकड़े बताते हुए पीएम, गृहमंत्री की रैलियों की गिनती कराई। कहा, चुनाव तो आते जाते रहेंगे, मगर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को इस समय चुनावों में वोट करने वाली जनता के जान की फ़िक्र करनी चाहिए। केंद्र को यूपी के हालात पर नजर रखने के साथ यहां के लिए विशेष मदद की घोषणा करनी चाहिए।

पीएम केयर फंड का मांगा हिसाब

संजय सिंह ने कोरोना महामारी की रोकथाम को लेकर केंद्र की व्यवस्था पर सवाल उठाए। कहा कि कोरोना से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर दिल्ली सरकार केंद्र को पत्र लिख चुकी है। सरकार को पीएम केयर फंड का पूरा हिसाब देश की जनता को देना चाहिए। इस निधि से राजस्थान में को वेंटिलेटर खरीदे गए उसमें 90 से 95 प्रतिशत खराब हैं। इसलिए इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की आशंका है। संजय सिंह ने 84 देशों में भेजी गई भारतीय वैक्सीन पर भी सवाल उठाया। कहा कि आज देश में श्मशान में लाशें बिछी हैं। यहां वैक्सीन की कमी है और लोग टीकाकरण कराने के लिए परेशान हैं। मोदी जी देशवासियों का टीकाकरण कराने से पहले पाकिस्तान, कनाडा जैसे 84 देशों में टीकाकरण कराने में जुटे हैं।

इण्टरनेशनल एबेकस प्रतियोगिता में सी.एम.एस. छात्रा चैम्पियन

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज (प्रथम कैम्पस) की कक्षा-8 की छात्रा अक्षरा तथागत ने इण्टरनेशनल ऑनलाइन एबेकस कम्पटीशन में चैम्पियन का खिताब अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता शैक्षिक संस्था ब्रेनोब्रेन के तत्वावधान में आयोजित ब्रेनोब्रेनफेस्ट-2021 के अन्तर्गत आयोजित की गई। सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी श्री हरि ओम शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में कई देशों के प्रतिभाशाली छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी गणितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. अलीगंज (प्रथम कैम्पस) की इस मेधावी छात्रा ने एबेकस के माध्यम से विभिन्न ट्रिक्स अपनाकर गणित के सवालों के जवाब निकाले एवं अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चैम्पियन होने का गौरव प्राप्त किया। आयोजकों ने इस प्रतिभाशाली छात्रा की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की है।

शांति से निपटाएं चुनाव

डीएम-एसपी ने किया संवेदनशील मतदान केंद्रों का निरीक्षण

डीएम व एसपी सॅवेदनशील मतदान केन्द्रों का जायजा लेते हुये

कानपुर देहात। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2021 को निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण, एवं व्यवस्थापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह व पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से मतदान हेतु बनाये गये संवेदनशील, अतिसंवेदनशील, अतिसंवेदनशील प्लस मतदान केंद्रों/मतदेय स्थलों का दौरा कर जायजा लिया, तथा निर्वाचन कार्य मे लगे अधिकारियों, कर्मचारियो को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में मतदान सम्पन्न कराये जाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम डेरापुर तहसील क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मुंगीसापुर, प्राथमिक विद्यालय खल्ला, मॉडल प्राइमरी स्कूल चिलौली में बनाये गये संवेदनशील, अतिसंवेदनशील, अतिसंवेदनशील प्लस के बूथ स्थलों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदान केन्द्रों पर पेयजल, विद्युत, साफ सफाई, शौचालय, रैम्प आदि की सभी व्यवस्थायें रहे, एसडीएम, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी अपने अपने क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों में भ्रमण कर जायजा लेते रहे तथा मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करे तथा यह भरोसा दिलाये कि निडर व निष्पक्ष होकर मतदान करे तथा प्रत्याशी के प्रलोभन में न आये। वहीं जिलाधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय मुंगीसापुर में बनाये गये मतदान केन्द्र में व्यवस्थायें ठीक पाये जाने पर प्रधानाचार्य रूबी निशा की प्रसंसा की। वहीं जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कोरोना बीमारी निरन्तर बढ़ रही है। कोरोना बीमारी के प्रभाव को रोकने के लिए मास्क का प्रयोग करना होगा।

फर्रुखाबाद में कोरोना से मौत का शतक

संवाददाता। फर्रुखाबाद

लापरवाही की पटरी पर तेज रफ्तार से दौड़ते हुए कोरोना ने जनपद में मौत का शतक पहुंच गया है। 24 घंटे में दो लोगों ने कोरोना से दम तोड़ दिया है। जो लोग कोरोना की भेंट चढ़ गए। उनके परिवार वालों पर क्या गुजर रही होगी। यह केवल भुक्तभोगी ही बता सकता है। दुरूख और बहुत दुरूख की बात यह है लापरवाही थम नहीं रही है। पंचायत चुनाव में लापरवाही की खुराक कोरोना को मिल रही है। जिससे स्थिति और भयावह होने की संभावना है।शनिवार को फर्रुखाबाद जिले में 191 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। 24 घंटे में महज दो सैकड़ा से नौ लोग ही कम रह गए हैं।

फर्रुखाबाद शहर क्षेत्र बढ़पुर ब्लॉक 100, मोहम्मदाबाद 18, शमशाबाद 10, कमालगंज 33, राजेपुर 5, नवाबगंज 4, कायमगंज 14 तथा अन्य क्षेत्रों से 7 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। अब तक के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो पांच हजार 642 लोग संकमित पाए जा चुके हैं। जिले में अब कुल एक्टिव कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या पहुंची 780 पहुंच गयी है। इलाज से ठीक हुए कोरोना मरीज की संख्या चार हजार 762 है। 24 घंटे में दो कोरोना मरीजों की मौत हो चुकी है। अब तक एक सैकड़ा कोरोना मरीजों की मौत हो चुकी है।शनिवार को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए जा रहे हैं। नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग तार.तार हो गयी है। हालांकि नेता जी बनने वाले लोग मास्क लगाए हैंए लेकिन इसके लिए मास्क के साथ.साथ सोशल डिस्टेंसिंग भी बेहद जरूरी है। अब इस लापरवाही के बाद कोरोना कहां जाकर रुकेगा यह तो वक्त ही बताएगा। कोरोना का प्रसाद लेकर घूमने वाले नेता जी किस.किस कोराना का प्रसाद वितरित करेंगे यह तो भविष्य के गर्भ में छिपा है।

आत्मनिर्भर भारत की कल्पना को साकार करतीं समूह की महिलायें

मास्क बनाती स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

कानपुर देहात। कोरोना ने एक बार फिर पैर पसारने शुरू कर दिए है। लोगों को फिर कठिन दौर से गुजरना पड़ रहा है। स्वयं सहायता समूह की दीदियां मास्क तैयार कर लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभा रही है। कानपुर देहात की मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पाण्डेय के निर्देशन में राष्ट्रीय अजीविका मिशन अन्तर्गत विकास खण्ड मलासा में गठित स्वयं सहायता समूह की दीदियां मास्क बनाने में जुटी हुई है। इसी क्रम में ग्राम गुरूगांव के प्रमाण स्वयं सहायता समूह की दीदी खुशबू ने भी मास्क तैयार कर विकास खण्ड परिसर में पंचायत चुनाव के दौरान स्टाल लगाकर बिक्री की, साथ ही उन्होंने लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक भी किया। ऐसे कठिन दौर में जब लोग अपनी जान की खातिर घरों में है, जबकि गुरूगांव की रहने वाली खुशबू दीदी दोनो पैर से दिव्यांग होने के बावजूद मास्क तैयार कर बेचने पहुंची। इन्होंने विकास खण्ड परिसर में तीन दिन तक लगातार स्टाल लगाकर मास्क की बिक्री कर 1800 रूपये का लाभ कमाया। खुशबू ने कुछ समय पूर्व ही लगभग कॉटन के कपड़े से शासन के निर्धारित मापदंड को ध्यान में रखते हुए 150 मास्क तैयार किये जिन्हें 15 रूपये प्रति मास्क के हिसाब से बेचा। राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन अन्तर्गत गठित विभिन्न समूहों की दीदियां प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान को पूरा कर रही है।विगत वर्ष भी कोरोना काल के दौरान विकास खण्ड मलासा के विभिन्न ग्रामों की समूह दीदियों द्वारा 3000 मास्क तैयार कर बिक्री की गयी थी जिसमें उन्हें लगभग 45 हजार रूपये की आमदनी हुई थी।

35 घंटे के लॉकडाउन का हो कड़ाई से पालन: जिलाधिकारी

उन्नाव। कोरोना के बढ़ते संक्रमण की चैन तोड़ने को लेकर 35 घंटे के लॉक डाउन का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश डीएम ने अपने अधीनस्तों को दिए हैं। औधोगिक इकाइयां संचालित रहनी है। इसलिए इन इकाइयों में कार्यरत श्रमिकों को कार्यस्थल पर आने जाने पर रोंक नहीं रहेगी। डीएम ने बताया कि बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को देखते शासन के निद्रेश पर शनिवार की रात्रि 8:00 बजे से सोमवार को प्रात: 7:00 बजे तक 35 घंटे कोरोना कर्फ्यू के निर्देश जारी किए हैं। इसी के जिले में भी सम्बंधित अधिकारी इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

सभी औद्योगिक इकाइयां संचालित रहेंगी और उनमें कार्यरत कार्मिकों को अपने औद्योगिक कार्यस्थल पर जाने की अनुमति होगी। प्रतिष्ठान में काम करने वाले अपना आई कार्ड/ड्यूटी कार्ड दिखाकर आ-जा सकते हैं। इस दौरान आयोजित होने वाले सभी विवाह कार्यक्रमों की अनुमति गाइडलाइन के अनुसार प्रतिबंध के साथ रहेगी। बताया कि किसी भी बंद स्थान यथा हॉल/कमरे की निर्धारित क्षमता का 50 प्रतिशत है किन्तु एक समय में अधिकतम 50 व्यक्तियों, खुले स्थान/मैदान पर ऐसे स्थानों के क्षेत्रफल की क्षमता जिनकी 50 प्रतिशत से कम हो किन्तु एक समय में अधिकतम 100 व्यक्तियों तक ही मान्य रहेगी। कार्यक्रम स्थल पर फेस मॉस्क, सोशल डिस्टेसिंग, थर्मल स्कैनिंग व सैनेटाइजर एवं हैण्ड वॉश की उपलब्धता की अनिवार्यता होगी।

डीएम ने बताया कि सभी परीक्षाओं के लिये आने जाने की अनुमति होगी। पुलिस एवं प्रशासन द्वारा परीक्षक एवं अभ्यर्थियों को उनका प्रवेश प्रत्र दिखाने पर स्वत: ही आने जाने की अनुमति दे दी जायेंगी। बताया कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट विशेष कर राज्य परिवहन बसों में 50 प्रतिशत क्षमता के साथ यातायात की अनुमति होगी। अन्तिम संस्कार/दाह संस्कार के कार्यक्रमों के लिये 20 व्यक्तियों की अनुमति होगी।

दो टीचरों की बिगड़ी हालत इलाज के दौरान तोड़ा दम

राठ(हमीरपुर)। कोरोना वायरस का प्रक्रोप कस्बे में बढ़ता जा रहा है। कोरोना संक्रमण के बीच दो टीचरों की हालत खराब हो गई। परिजन उन्हें लेकर इलाज के लिए झांसी पहुंचे। जहां पर दोनों टीचरों की मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि कोरोना से दोनों की मौत हुई है। कोरोना के लगातार बढ़ते प्रकोप से दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। शासन प्रशासन के लाख कोरोना के बचाव के बारे में जानकारी देने के बावजूद अधिकांश लोग लापरवाही कर रहे हैं। कस्बे के दीवानपुरा मोहल्ला निवासी कमल सोनी जो कि एक प्राइवेट टीचर थे और कोचिंग पढ़ाते थे। शुक्रवार को उनकी तबियत खराब हो गई। परिजन उन्हें लेकर झांसी पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसी तरह से गिरवर गांव के प्राथमिक विद्यालय में तैनात चौबटटा मोहल्ला निवासी केके सोनी की शुक्रवार को अचानक तबियत बिगड़ गई। परिजन इलाज के लिए झांसी ले गए। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

एक ही गांव में चोरों ने चार घर खंगाले

कायमगंज फर्रुखाबाद। तीन माह के अंतराल में एक ही गांव में चोरों ने चार चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे डाली। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वह एक के बाद एक चोरी की घटना को अंजाम देते चले जा रहे हैं। अभी कोतवाली पुलिस ने पिछली चोरियों का खुलासा भी नहीं कर पाया था कि चोरों ने एक और चोरी की घटना को अंजाम दे डाला। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम झब्बूपुर निवासी जयराम पाल पुत्र रामचंद्र ग्राम नियामतपुर ढीलावली के पास स्थित कोल्ड स्टोरेज में काम करता है। बीती रात जयराम के घर में उसकी पत्नी रामादेवी तथा उसकी बहू शबनम एवं उसके दो पुत्र शिवम व सौरभ छत पर सो रहे थे। बाकी घर के सदस्य नीचे कमरों में सो रहे थे। चोर मेन गेट का चैनल काटकर अंदर घुसे, जहां से चोरों ने बड़ी सफाई के साथ 15000 नगद, दो सोने की चैन, दो कुंडल, चांदी की तोड़िया, नाक का फूलए चांदी के बिछिया आदि सामान चुरा कर लिया। जब सुबह घर के लोग जागे तब चोरी की घटना का पता चल सका। बताया गया कि इनका बड़ा बेटा सुनील उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के पद पर तैनात है। उनकी पत्नी शबनम अपने कमरे में सो रही थी। घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और छानबीन में जुट गई। बताते चलें इससे पहले भी चक्की स्पेलर वाली दूकान में लाखों रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। उससे पूर्व मकान के ताले तोड़कर चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया।यह सब घटनाएं मिलाकर यह घटना चौथी है। मजे की बात तो यह है की 3 माह के अंतराल में इस चौथी घटना को चोरों ने अंजाम दिया। जबकि पुलिस अभी पिछली तीन चोरियों का खुलासा भी नहीं कर पाई है। अब देखना यह है कि कोतवाली पुलिस कब तक इन चोरियों का खुलासा करके चोरों को सलाखों के पीछे भेजे पायेगी।

क्विक न्यूज

घर के भीतर वृद्धा की सिर कुचलकर हत्या

फर्रुखाबाद। घर के भीतर 70 वर्षीय वृद्ध महिला की दर्दनाक रूप से सिर कुचलकर हत्या कर दी गयी। पुलिस नें मौके पर जाकर जाँच पड़ताल की।कोतवाली मोहम्मदाबाद क्षेत्र के ग्राम मंडल शंकरपुर निवासी 70 वर्षीय महिला रामादेवी पत्नी नरेंद्र सिंह घर पर अकेली थी। उसका पुत्र देवेन्द्र भवन निर्माण के लिए ईंट लेनें भट्टे पर गया था। दोपहर बाद जब वह घर लौटा तो उसकी माँ रामादेवी लहुलुहान हालत में पड़ी थी। उसके सिर में गंभीर चोट थी जिससे खून निकल रहा था। घटना की सूचना पर एसपी अशोक कुमार मीणा, सीओ रोहराब आलम व प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार आदि पंहुचे। उन्होंने जाँच की। पुलिस अधीक्षक नें बताया कि जाँच की जा रही है। परिजनों की तरफसे जो तहरीर मिलेगी उसी के आधार पर कार्यवाही की जायेगी।

कमालगंज षष्टम से विजय यादव का नामांकन

फर्रुखाबाद। निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य विजय यादव नें अपने समर्थको के साथ पंहुच कर सादगी के साथ अपना जिला पंचायत कमालगंज षष्टम से नामांकन किया।दोपहर बाद नामांकन करनें पंहुचे विजय नें अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करनें के बाद कहा कि उन्होंने हमेशा कमजोर और जरूरत मंदों की मदद की है। लिहाजा आगे भी उनका यह कार्य जारी रहेगा। चुनाव आते जाते रहते है लेकिन व्यक्ति का व्यक्तित्व कभी नही बदलता। वह जरूरत मंदों की मदद के लिय हमेशा तत्पर हैं। उनके साथ अजय यादव, बंटी यादव आदि मौजूद रहे।

उत्पात मचाने वाले दो सिपाहियों का हुआ डाक्टरी परीक्षण

फर्रुखाबाद। रेलवे स्टेशन पर शराब पीकर उत्पात मचा रहे दो जीआरपी के सिपाहियों का कोतवाली प्रभारी के आदेश पर पकड़कर दोनों का लोहिया में डाक्टरी परीक्षण कराया गया।जानकारी के अनुसार फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन के जीआरी सिपाही सुखबीर सिंह पुत्र नवल सिंह, अरुण कुमार पुत्र अतर सिंह निवासी अहिरिया चकर नगर इटावा शराब पीकर उत्पाद मचा रहे थे। जब इसकी जानकारी आलाधिकारियों को हुई तो प्रभारी विवेक कुमार के आदेशा पर अविलाश व अशोक कुमार ने दोनों को पकड़कर लोहिया ले जाकर डाक्टरी परीक्षण कराया। परीक्षण के दौरान चिकित्सक इमरान अली ने बताया कि दोनों काफी नशे में है।

परिजनों को नींद की गोली देकर युवती जेवर लेकर रफूचक्कर

फर्रुखाबाद। श्याम लाल ने पुलिस से शिकायत कर बताया कि उसकी पुत्री 3 अप्रैल की रात खाने में नशीली गोलियां मिलाकर दे दी। खाना खाने के बाद पूरा परिवार गहरी नींद में सो गया और इस दौरान नीरज उर्फरिन्कू पुत्र प्रकाशचन्द्र निवासी श्याम नगर भोपत पट्टी अपने साथ निकाल ले गया। इस दौरान घर के कागजात, एक लाख की नगदीए जेवरात भी ले गई। जिसे घर से निकालने में सूरजमुखी पत्नी चन्द्रप्रकाश व उसकी पुत्री पूजा, पुत्र वीरु, जीतू व दो अज्ञात लोगों का हाथ है। इन सभी लोगों ने योजना के तहत मेरी पुत्री को कहीं भिजवा दिया है। पिता की शिकायत पर पुलिस ने उपरोक्त लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया।

प्रधान पद प्रत्याशी का वायरल पत्र बना चर्चा का विषय

पाटन। बिहार थाना क्षेत्र के सुमेरपुर ब्लाक क्षेत्र में प्रधान पद की प्रत्याशी के पति द्वारा वायरल किया गया पत्र क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। कानून मंत्री को संबोधित इस पत्र में प्रधान पद की दावेदार के अधिवक्ता पति द्वारा दूसरे दावेदार पर 14 अप्रैल को घर पर चढ़ाई कर जान से मारने और फायरिंग किए जाने का आरोप लगाया गया है। वायरल पत्र में अधिवक्ता ने प्रभारी निरीक्षक थाना बिहार द्वारा उसकी तहरीर न लिए जाने का भी आरोप लगाया है। मामला सोशल मीडिया के माध्यम से चर्चा में आने के बाद क्षेत्राधिकारी कृपा शंकर कनौजिया ने किसी प्रकार की तहरीर मिलने से इनकार करते हुए मामले की जांच कराने की बात कही है। उन्होंने सत्यता पाए जाने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई किये जाने तथा झूठ पाए जाने पर भ्रामक सूचना वायरल करने संबंधी कानूनी कार्यवाही किए जाने की बात कही।

हादसे में घायल युवक की हालत गंभीर

बांगरमऊ उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बल्लापुर दनिया पुर मार्ग पर आवारा जानवर को बचाने के प्रयास में बाइक पलट गई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को यहां सीएचसी में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उसकी हालत नाजुक बताकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हरदोई जनपद के थाना मल्लावां अंतर्गत ग्राम बांसा निवासी रामचंद्र पुत्र बंशीलाल आज दोपहर बाइक से रिश्तेदारी जा रहा था। रास्ते में क्षेत्र के बल्लापुर दरियापुर मार्ग पर अचानक सामने आए आवारा पशु को बचाने के प्रयास में बाइक पलट गई। बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। यहां के चिकित्सकों ने घायल की हालत नाजुक बताकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

जहरीले कीड़े के काटने से हालत गंभीर

बांगरमऊ उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जमुनिहाबंगर में घर के बाहर खेल रहे बालक को जहरीले सांप ने डस लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन आनन-फानन उसे यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए। जहां उसका इलाज चल रहा है। ग्राम जमुनिहा बंगर निवासी राम शंकर का 10 वर्षीय पुत्र रोहित आज दोपहर घर के निकट खेत मे खेल रहा था। इसी बीच उसे जहरीले सर्प ने डस लिया। सर्प के काटते ही बच्चा रोते चिल्लाते घर पहुंचा और बेहोश हो गया। परिजन आनन-फानन में उसे यहां सीएचसी लाए। जहां उसका इलाज चल रहा है।

चित्रकूट में नाइट कर्फ्यू

चित्रकूट। जिला मजिस्ट्रेट शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने रात्रि आठ बजे से सवेरे छह बजे तक सम्पूर्ण नगर पालिका एवं नगर पंचायत राजापुर, मानिकपुर व मऊ में रात्रि कालीन आवागमन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया है। शुक्रवार को देर रात जिलाधिकारी ने नाइट कर्फ्यू लागू करते हुए कहा कि नगर पालिका क्षेत्र कर्वी एवं नगर पंचायत राजापुर, मानिकपुर व मऊ क्षेत्र में रात नौ बजे से सवेरे छह बजे तक किसी भी व्यक्ति वाहन आदि का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। राज्य एवं राजकीय मार्गों पर व्यक्तियों व मार्ग आदि का आवश्यक वस्तुओं का परिवहन जारी रहेगा। सरकारी-अर्द्धसरकारी कर्मचारियो एवं आवश्यक वस्तुओं की सेवाओं में छूट रहेगी। उन्होंने कहा कि ये आदेश शुक्रवार की रात से 30 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा।

दुकान का लाखों का सामान जलकर खाक

राठ(हमीरपुर)। राठ-हमीरपुर मार्ग स्थित स्वर्णकार धर्मशाला के पास एक प्रिंटिग प्रेस की दुकान में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई। आग लगने से दुकानदार का लाखों रुपये की सामग्री जलकर खाक हो गई। पीड़ित ने उच्चाधिकारियों से मुआवजा दिलाये जाने की गुहार लगाई है। कोतवाली क्षेत्र के लींगा गांव निवासी व हाल पता पठानपुरा निवासी चंद्रपाल पुत्र हरीराम ने बताया कि वह हमीरपुर मार्ग पर प्रिंटिग प्रेस की दुकान किये हुये है। जिससे उसके परिवार का भरण पोषण होता है। शुक्रवार की रात करीब 11 बजे वह कामकाज करने के बाद दुकान बंद करके घर चला गया। रात करीब 1 बजे उसे सूचना मिली की उसकी दुकान में आग लग गई। जब वह दुकान पर पहुंचा तो आग ने अपना रूप धारण कर लिया था। बताया कि आग लगने से दुकान के अंदर रखा प्रिंटिग मशीन, कम्प्यूटर, बैटरी, लैपटाप, शादी कार्ड, चुनाव सामग्री, फर्नीचर, कलैंडर सहित सारा सामान जलकर खाक हो गया। बताया कि उसका करीब साढ़े चार लाख रुपये का नुकसान हो गया है। मौके पर पहुंचे लेखपाल ने दुकान का मुआयना कर जांच रिपोर्ट भेज दी है।

उद्योग व्यापार संगठन के महामंत्री ने व्यापरियों से की कोरोना गाइड लाइन का पालन करने की अपील

मास्क पहनाते शानू गुप्ता।

चित्रकूट। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री शानू गुप्ता ने शनिवार को व्यापारियों और मीडिया कर्मियों को मास्क और सेनेटाइजर बाँट कर वैश्विक महामारी कोरोना के खतरे से आगाह किया। गुप्ता ने कहा कि कोरोना गाइड लाइन का कड़ाई से अनुपालन कर महामारी के खिलाफ जारी जंग में केंद्र और प्रदेश सरकार का व्यापारी और आमजनमानस सहयोग करे। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री गुप्ता ने शनिवार को संगठन के पदाधिकारियों के साथ जिला मुख्यालय में व्यापारियों और मीडिया कर्मियों को मास्क और सेनेटाइजर का वितरण कर कोरोना गाइड लाइन का कड़ाई के साथ अनुपालन करने की अपील की। पूरे देश और प्रदेश के साथ -साथ चित्रकूट जनपद भी कोरोना के कहर से अछूता नहीं है। कोविड-19 से प्रभावित होने वालों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि चिंता जनक है। ऐसे में सावधानी और सतर्कता बरतना हम सभी की जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन ने कोरोना को नियंत्रित करने के लिए ही नाईट कर्फ्यू लगाने का ऐलान किया है। वही प्रदेश की योगी सरकार ने रविवार को पूर्ण लॉक डाउन करने का निर्णय लिया है। उन्होंने सभी व्यापारियों से बिना मास्क सामान लेने आने वाले ग्राहक को सामान न देने की अपील की है। ग्राहकों को फेस मास्क पहनने के लिए प्रेरित करने की सलाह दी है। कहा कि ऐसा करने से व्यापारी के साथ -साथ ग्राहकों के अमूल्य जीवन की सुरक्षा हो सकेगी और सरकार को कोरोना महामारी से लड़ाई लडंने में मदद मिल सकेगी।

शराब-रुपया बांटने पर होगी कार्रवाई: एसडीएम

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल के निर्देश पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने को एसडीएम राजापुर व थानाध्यक्ष जयशंकर सिंह ने विभिन्न गांवों में जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्होंने आचार संहिता का पालन करने की निर्देश दिये। शनिवार को एसडीएम राजापुर व थानाध्यक्ष जयशंकर सिंह ने लमियारी गांव में, पहाडी थानाध्यक्ष अवधेश कुमार मिश्रा ने सिंधौली व ब्यौहरा तथा अरछाबरेठी और कलवारा खुर्द में जनचौपाल लगाई। पहाडी थाना पुलिस ने इटौरा, कपना, बाबूपुर, बरगढ थानाध्यक्ष ने गोइयांखुर्द में प्रत्याशियों व जनता के लोगों के साथ चौपाल लगाई। चौपाल में सभी प्रत्याशियों से आदर्श चुनाव आचार संहिता का पालन करने के निर्देश दिये। कहा कि मतदाताओं को किसी प्रकार का प्रलोभन न दें। शराब रुपये आदि का वितरण करने पर कडी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि मतदान व मतगणना के समय कोई विवाद या धमकी तथा विजय जुलूस नहीं निकाला जायेगा।

पंचायत चुनाव शान्तिपूर्ण कराने को 30 के खिलाफ गुण्डा एक्ट

एसपी अंकित मित्तल।

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल के निर्देश पर पंचायत चुनाव को शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने को राजापुर थानाध्यक्ष ने गुण्डागर्दी करने वाले 30 लोगों पर मिनी गुण्डाएक्ट की कार्यवाही की है। राजापुर थानाध्यक्ष जयशंकर सिंह ने रामबाबू कुशवाहा, रमाकान्त उर्फ चुनकावन, मनीष पुत्र बच्चा निवासी कंधवनिया, बच्चा उर्फ रामलेखपाल पुत्र गया प्रसाद, अश्वनी पाण्डेय, राममिलन पुत्रगण बाबूलाल निवासी गनीवा, हरीमोहन पुत्र रामनिहोरे निवासी गनीवा, रज्जू पुत्र शिवभवन निवासी हरदौली, उमाशंकर, शिवशंकर, राजू, श्यामसुन्दर पुत्रगण घसीटे निवासी भाऊ का पुरवा, छेदीलाल पुत्र भगवानदीन निवासी गोसाईंपुरवा, वीरेन्द्र पुत्र भगवानदीन, नीतेश सिंह उर्फ अनुराग गुप्ता पुत्र राकेश निवासी चनहट, देव पुत्र जगत निवासी रम्पुरिया, राजेन्द्र पुत्र शीतल निवासी गौहानीकला, फूलचन्द्र पुत्र चन्द्रशेखर निवासी नकहली, लल्लूराम पुत्र रामभवन, भइया पासी पुत्र लल्लूराम, अंकित सिंह पुत्र बृजलाल सिंह, धीरेन्द्र पुत्र धीर सिंह, पुरुषोत्तम पुत्र मिथलेश, फूलचन्द्र पुत्र चुनकाई, कल्लू पुत्र गोपाल, राजू पुत्र रामनाथ, अंशू सिंह पुत्र अलंकृत सिंह, संजीव पुत्र कुलपत सिंह, प्रेम पुत्र रामकृपाल निवासी सरधुआ के खिलाफ मिनी गुण्डाएक्ट की कार्यवाही की है। थानाध्यक्ष का मानना है कि इनके खिलाफ कार्यवाही से पंचायत चुनाव शान्तिपूर्ण सम्पन्न होंगे।

घाटमपुर में कोरोना हुआ बेकाबू

संवाददाता। घाटमपुर

सीएचसी गेट पर जॉच कराती बृद्वा

तेज घूप और गर्मी के चलते एक ओर जहॉ संक्रामक बीमारियॉ पॉव प्रसारना शुरु कर दिया है वही क्षेत्र में कोरोना संक्रमण का कहर लगातार ऊपर की ओर खिसकता चला जा रहा है। वहां तीनों सीएचसियों घाटमपुर, पतारा और भीतरगांव में कोराना वायरस से निपटने के इन्तजाम न काफी साबित हो रहे हैं तथा बिना इलाज घरों और सड़कों पर मरने की नौबत घेर रही है।

बीते सप्ताह यहॉ के 30 शैया वाले मृात एंव शिशु चिकित्साल की एक स्टाप नर्स के साथ ही उसका पूरा परिवार जॉच में पॉजिटिव निकला था सीएचसी प्रशासन ने अस्पताल तो 72 घंटे के लिये सील कर दिया पर स्टाप नर्स और परिवार के अन्य सदस्यों को इलाज के नाम पर होम क्वारंटाइन कर दिया गया, दूसरा केश कस्बे के हो मुहल्ला जैतीपुर रोड का है जहॉ रहने वाले बन बिभाग कर्मी ने बताया कि तीन दिन पहले पत्नी व तीन पुत्रियों के साथ उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आयी थी डाक्टरों ने रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद कोरोना की किट देकर घर जाने को कहा था इसके बाद किसी ने मोबाइल तक से हाल नही पूछा है। बीते सप्ताह कस्बे के शास्त्री नगर मुहल्ले में एक ही परिवार के तीन लोग संक्रमित मिले था, बाद में एक ब्यक्ति की मौत हो गयी थी फिर भी स्वास्थ्य बिभाग ऑखे फेरे रहा। कानपुर की तरह घाटमपुर में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप और उसके इलाज के इन्तजामों की भयावहाता को बताने के लिये ये केश काफी हैं, फिर सरकारी अमला और न ही स्वास्थ्य महकमा गम्भीरता से जुम्मेदारी का निर्वाहन नही कर रहा है।

एकीकृत कमाण्ड कंट्रोल सेंटर के प्रभारी व सह प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक की गहन मंत्रणा

उन्नाव। डीएम रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय में एकीकृत कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेण्टर के प्रभारी अधिकारियों एवं सह प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों से एकीकृत कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेण्टर में आ रही शिकायतों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी। नगर मजिस्ट/प्रभारी अधिकारी चन्दन पटेल ने बताया कि वर्तमान में एकीकृत कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेण्टर हेतु एक नम्बर 0515-2820707 और दुसरा मो. न. 9454417165 क्रियाशील है। डीएम को उपस्थित प्रभारी/सह प्रभारी अधिकारियों से दूरभाष के माध्यम से प्राप्त हो रही शिकायतों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि कोविड की जांच कराने के संबंध में अधिकतर शिकायतें प्राप्त हो रही है। इन शिकायतों के निस्तारण के सम्बन्ध में जानकारी करने पर डा. जेआर सिंह का मो. नं. दिये जाने की बात संज्ञान में लायी गयी।

डीएम ने संबंधित कर्मियों को निर्देशित किया कि कोविड-19 के दृष्टिगत समस्त नोडल अधिकारियों एवं चिकित्सा व्यवस्था से जुड़े हुए समस्त अधिकारियों की सूची कन्ट्रोल रूम में अवश्य उपलब्ध रहे। इसके अतिरिक्त शासन से व जिला स्तर पर जो भी आदेश/निर्देश निर्गत किये जा रहे है उसकी भी जानकारी कन्ट्रोल रूम में तैनात किये गये अधिकारियों/कर्मचारियों को अवश्य होनी चाहिए।

शहरी क्षेत्र के अन्तर्गत कांशीराम कालोनी में व जिला चिकित्सालय में जांच/सैम्पलिंग हेतु सेण्टर बनाये गये है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र में समस्त चिकित्सीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि कन्ट्रोल रूम में उपरोक्त सैम्पलिंग सेण्टर व उनसे सम्बन्धित अधिकारियों की सूची अवस्य उपलब्ध हो। जिसमें कॉल आने पर ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों को सम्बन्धित सेण्टर पर व शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों को उपरोक्त दोनों सेण्टरों में जांच हेतु भेजा जाये। प्राय: इस आशय की शिकायतें प्राप्त हो रही है कि किसी व्यक्ति की कोविड की जांच नही हुई है और उसको सांस लेने में तकलीफहो रही है तो ऐसे मामलों में तत्काल जिला चिकित्सालय जाने की सलाह दी जाये तथा सम्बन्धित चिकित्सीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया जाये।

डीएम ने कहा कि कोविड-19 के ऐसे मामले जिसमें टेस्ट हो गया हो, रिपोर्ट नही आई हो और सांस लेने में तकलीफहो रही है तो आरआरटी तत्काल भेजकर उस व्यक्ति की जांच कराई जाय तथा पाजिटिव आने पर उसे सरस्वती मेडिकल कॉलेज, आशाखेड़ा भेजा जाय। होम आइसोलेशन से सम्बन्धित मामलों में यदि किसी व्यक्ति को सांस आदि लेने में समस्या हो रही हो तो होम आइसोलेशन के प्रभारी अधिकारी से वार्ता करके तत्काल सरस्वती मेडिकल कॉलेज भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाये। इस प्रकार कोविड से जुड़ी हुई आने वाली प्रत्येक शिकायत समस्या का समुचित समाधान निराकरण सुनिश्चित किया जाये तथा किये गये निराकरण का अंकन पंजिका में किया जाये। इसके अतिरिक्त शिकायतों का डाटा कम्प्यूटर पर गूगल शीट पर अपलोड किया जाये।

शॉर्ट सर्किट से 32 बीघा गेहूं की फसल जलकर हुई खाक

● ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

संवाददाता। बिंदकी (फतेहपुर)

बिजली के शॉर्ट सर्किट से रात में अचानक गेहूं के खेतों में आग लग गई। आग लगने की जानकारी ग्रामीणों को हुई तो हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग की तेज लपटें उठने लगी। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण अंधेरी रात में आग बुझाने के लिए पहुंचे घंटों प्रयास के बाद आग को बुझाया जा सका। तब तक लगभग 32 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। सूचना देने के बावजूद भी फायर ब्रिगेड नहीं पहुंची। जिसके चलते लोगों में नाराजगी का माहौल है। लोगों का कहना था कि यदि समय फायर ब्रिगेड आ जाती तो इतना भारी नुकसान नहीं होता।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात करीब 01 बजे थाना कल्याणपुर क्षेत्र के महरहा गांव में बिजली के शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की तेज लपटें उठने लगी। रात में तेज हवा चलने के कारण आग और तेजी से फैलती जा रही थी। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। तेज हवा और रात होने के कारण ग्रामीणों को आग बुझाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। लगभग 2 घंटे से अधिक के प्रयास के बाद आग को बुझाया जा सका। तब तक गांव के सुधा अवस्थी, सुरेश अवस्थी, घनश्याम तिवारी, कैलाश अवस्थी, श्यामसुंदर सहित दर्जनों किसानों की लगभग 32 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। सूचना देने के बावजूद भी फायर ब्रिगेड नहीं पहुंची जिसके चलते लोगों में नाराजगी का माहौल छाया रहा। किसानों का कहना था सूचना के बाद भी फायर ब्रिगेड नहीं पहुंची जिसके कारण आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया और इतना भारी नुकसान हुआ है। किसानों की कई लाख की फसल जलकर पूरी तरह से खाक हो गई। ग्रामीण आनंद प्रकाश ने बताया कि यदि फायर ब्रिगेड पहुंच गई होती तो इतना भारी नुकसान नहीं होता।

एक दिन सोलह कोरोना संक्रमित मरीज मिलने से हड़कंप

जालौन (उरई)। नगर में कोरोना संक्रमित मरीजों के मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। शनिवार को की गई 102 जांचों में यह आंकड़ा दहाई के अंक तक पहुंचा। शनिवार को कुल 16 मरीजों की रिपोर्ट कोरोना पॉजीटिव आई है। नगर में कोरोना की पहली लहर का इतना असर नहीं हुआ था जितना कि दूसरी लहर का मिल रहा है। प्रतिदिन कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। सीएचसी में शनिवार को कुल 102 व्यक्तियों की कोरोना की जांच की गई। जिनमें 16 व्यक्ति कोरोना संक्रमित मिले। इनमें मोहल्ला काशीनाथ में 3, चुर्खीबाल में 2, इंडियन बैंक शाखा का एक कर्मचारी, मोहल्ला गणेशजी, रापटगंज, मुरलीमनोहर, घुआताल, कछोरन, भवानीराम व तोपखाना में एक-एक व्यक्ति एवं ग्रामीण क्षेत्र में इंडियन बैंक की बंगरा शाखा का एक कर्मचारी एवं सिरसा दो गढ़ी का एक व्यक्ति कोरोना पॉजीटिव पाया गया। यह आंकड़ा अब तक एक दिन में सर्वाधिक मरीज मिलने का है।

सदर विधायक ने निर्माणाधीन कटरा अंडर पास का किया निरीक्षण

बीस दिनों के अंदर कार्य पूर्ण करा कराने के निर्देश

बांदा। सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी के अथक प्रयास के चलते जर्जर पड़ा नगर में अंडर रेलवे ब्रिज की सड़क को बुंदेलखंड विकास निधि जिला अंश लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड के अंतर्गत लगभग 39 लाख की लागत से निर्माणाधीन कटरा अंडर पास का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मौके पर लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता अवर अभियंता और ठेकेदार उपस्थित थे। विधायक प्रकाश द्विवेदी ने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए सख्ती से निर्देश दिया है कि 20 दिन के अंदर कार्य पूर्ण करा कर जनता को समर्पित किया जाए जिससे जनता को हो रही आने जाने में कठिनाई की समस्या से निजात मिल सके। विधायक प्रतिनिधि रजत ने बताया कि विधायक लगभग दो घंटे तक मौका मुआयना करते रहे। इस दौरान उन्होंने कार्य में गुणवत्ता पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए।

डीएम-एसपी ने लिया मतदान बूथों का जायजा

फतेहपुर। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी अपूर्वा दूबे, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने विकास खंड तेलियानी के पूर्व माध्यमिक विद्यालय अलादादपुर एवं विकास खंड भिटौरा के प्राथमिक विद्यालय, पूर्व माध्यमिक विद्यालय बेरागढ़ीवा के मतदान बूथों का निरीक्षण किया। उन्होने ग्रामवासियों से कहा कि पंचायत निर्वाचन को शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराने में अपना सहयोग प्रशासन को दें जितनी जिम्मेदारी प्रशासन की है उतनी आपकी भी है। ग्रामवासियों से कहा कि आप लोग शान्तिपूर्वक, भयमुक्त, निडर होकर एवं बिना किसी प्रलोभन के मतदान करें और कोविड-19 महामारी का प्रकोप बढ़ा है, मास्क व दो गज की दूरी बना कर रखें जिससे आप और आपका परिवार व पास-पड़ोस के लोग सुरक्षित रहेंगें। पोलिंग एजेन्ट सही चुने जाये और कोई उम्मीदवार किसी प्रकार का प्रलोभन देता है तो अधिकार एवं दायित्व समझकर जिला प्रशासन को तत्काल अवगत कराये। उन्होने दोनो ग्रामों की आबादी एवं मतदातों के संख्या की जानकारी ली। उप जिलाधिकारी सदर प्रमोद झा ने बताया कि ग्राम अलादादपुर में 2663 मतदाता एवं बेरागढ़ीवा में 2900 मतदाता है। उन्होंने ग्राम अलादादपुर का पैदल भ्रमण कर जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कोई व्यक्ति किसी के पक्ष में वोट डालने की बात करता है, संज्ञान में आने पर सम्बन्धित के विरूद्व कठोरतम कार्यवाही की जायेगी। आप निष्पक्ष, पारदर्शी बिना लालच के मिलजुलकर जिम्मेदार नागरिक का परिचय देकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होने कहा कि कोरोना महामारी से बचाव के लिये मास्क का प्रयोग करें। बिना मास्क के पहली बार पकड़े जाने पर रूपये एक हजार एवं दोबारा पकड़े जाने पर रूपये दस हजार का जुर्माना देना होगा।

तीन वांछितों को पुलिस ने दबोचा

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के दिशा-निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान के तहत जनपद की दो थानों की पुलिस ने वांछित चल रहे तीन लोगों को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार सदर कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक विजय कुमार त्रिवेदी आज सुबह अपने हमराही सिपाहियों के साथ क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त-दुरूस्त रखने के उद्देश्य से गश्त कर रहे थे तभी मुखबिर की सूचना पर वांछित चल रहे सोनी उर्फ सोमदत्त पुत्र भोला प्रसाद निवासी अयाह-शाह थाना गाजीपुर को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार कल्यानपुर थाना प्रभारी केशव दास शर्मा ने गश्त करते हुए वांछित चल रहे बिंदेश्वरी प्रसाद पुत्र अच्छेलाल निवासी नोहरा थाना सम्मनपुर जनपद अम्बेडकरनगर व रामू मौर्या पुत्र हीरालाल निवासी जैनापुर थाना जलालपुर जनपद अम्बेडकरनगर को गिर फ्तार किया है। पुलिस ने तीनों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई कर न्यायालय भेजा है।

डीएम ने की कोविड अस्पताल के विस्तार की समीक्षा

संवाददाता। बांदा

आज प्रातःकालीन होने वाली कोविड की बैठक एल-3 कोविड अस्पताल राजकीय मेडिकल कॉलेज, बांदा में जिलाधिकारी आनन्द कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रात: 9.30 बजे में सम्पन्न हुई। इस बैठक में प्राचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेज बांदा डा. मुकेश यादव, मुख्य विकास अधिकारी हरिश्चन्द्र वर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एनडी शर्मा, मेडिकल कॉलेज के आईसीयू वार्ड प्रभारी डा. सुनील कुमार आर्याए मेडिशिन विभाग के अध्यक्ष डा. अभिषेक राज, डा. अभाष कुमार सिंह सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहें। इस बैठक में जिलाधिकारी आनन्द कुमार सिंह ने कोविड अस्पताल की विस्तार से समीक्षा की गयी। डा. मुकेश कुमार प्राचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेजए बांदा द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में सहित अन्य कुल 160 वेन्टीलेटर क्रियाशील है तथा वर्तमान में आक्सीजन के डी टाइप के 301 सैलेण्डर एवं 5 सेलेण्डर बी टाइप के भरे हुये है एवं डी टाइप के 100 सेलेण्डर प्रतिदिन कानपुर से भरकर आते है। जिलाधिकारी ने प्राचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेज बांदा को निर्देशित किया कि आक्सीजन की उपलब्धता के सम्बन्ध में प्रतिदिन की सूचना अधोहस्ताक्षरी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी को उपलब्ध करायें तथा सुनिश्चित किया जाये कि आक्सीजन की कमी किसी भी दशा में न होने पाये। प्राचार्य द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम जसपुरा से सम्बन्धित 01 मरीज भर्ती हैए जो पूर्ण रूप से स्वस्थ्य हो चुका है मरीज की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि तत्काल उक्त मरीज को उसके घर भेजने हेतु एम्बुलेंस की व्यवस्था करायी जाये। बैठक में उपस्थित प्राचार्य द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में 192 मरीज भर्ती हैए जिसमें 30 मरीज आई0सी0यू0, वेन्टीलेटर में भर्ती हैए जिनका चिकित्सकों द्वारा निरन्तर उपचार किया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा प्राचार्य को निर्देशित किया कि मेडिकल कॉलेज में जो भी आवश्यक उपकरण एवं सामग्री की जरूरत हेतु मांग पत्र अधोहस्ताक्षरी का उपलब्ध कराये ताकि ससमय शासन को सन्दर्भित किया जा सके तथा कोरोना पीड़ित मरीजों को शासन की गाइडलाइन के अनुसार समय पर नास्ताए खाने आदि की व्यवस्था निरन्तर सुनिश्चित करायी जाये। जिलाधिकारी द्वारा प्राचार्य को निर्देशित किया कि कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार में तैनात स्वास्थ्य कार्मिकों को शासन के निर्देशानुसार कैम्पस में ही ठहरनेए खाने-पीने आदि की व्यवस्था मानक के अनुरूप करायी जाये। इसी प्रकार मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि होम आईसोलेशन में क्वारंटाइन कोविड संक्रमित मरीजों को मेडिकल किट की व्यवस्था आरआरटी टीमों के माध्यम से सुनिश्चित करायी जाये साथ ही कोविड कन्ट्रोल रूम से समय-समय पर उनके स्वास्थ्य से सम्बन्धित जानकारी भी प्राप्त की जायेए यदि कोई भी मरीज गम्भीर हालात में हो तो उसे तत्काल एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराते हुये कार्यवाही की जाये।

क्विक न्यूज

रविवार लॉकडाउन का कड़ाई से पालन कराने के लिये डीएम ने दिए निर्देश

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कोविड-19 को फैलने से रोकने की तैयारियो की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जनपद में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए हर संभव प्रयास किये जाये इस हेतु स्वास्थ्य विभाग कोविड-19 जांच के दायरे को विस्तार से कराया जाये। जांच में किसी प्रकार गलत भर्जी अस्पताल में भर्ती न किये जाये मरीजों की भोजन व्यवस्था की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान किया जाये तथा उनके इलाज में किसी प्रकार की कोताही न वरती जाये। रविवार को लगने वाले कर्फ्यू में मेडिकल तथा आवश्यक सामान की आपूर्ति हेतु सभी एसडीएम अपने अपने क्षेत्र में पास जारी करेगें। तथा कर्फ्यू का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये इसकी समीक्षा स्वयं मेरे द्वारा की जायेगी। पुलिस अधीक्षक से वार्ता करने के उपरांत पुलिस लाइन में कोरोना टेस्टिंग हेतु कैम्प लगाया जाये तथा उचित उपचार की भी व्यवस्था की जाये। ड्रग इंसपेक्टर मेडिकल स्टोर में विकने वाली होम आइसोलेसन किट का मूल्य जांच ले किसी भी दशा में उक्त किट मनमाने दामों मे नही बिकनी चाहिये। मेडिकल स्टोर की निरीक्षण आख्या से प्रतिदिन मुझे अवगत कराया जाये। रविवार को होने वाले सेनेटाईजेशन हेतु तैयारियां पूरी कर ली जाये रात्रि 8 बजे के बाद कोई भी सड़क पर न निकलने पाये तथा बाजार पूरी तरह बंद हो। चुनाव के दृष्टिगत 24 अप्रैल 2021 तक सभी पोलिंग बूथों का सेनिटाइजेशन कराया जाये।

छूटे कार्मिकों को दिया गया प्रशिक्षण

फतेहपुर। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन को सम्पन्न कराने हेतु ठा0 युगराज सिंह महाविद्यालय लॉ कालेज शांतिनगर में 3160 कारणवश पूर्व में छुटे हुए एवं रिजर्व कार्मिको को प्रशिक्षण दिया गया। 12 से 17 अप्रैल तक कुल 16621 पीठासीन एवं मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय व तृतीय को मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। जिसमे मतपेटी को खोलना, सील करना एवं मतदान से संबंधित प्रपत्रो को भरने की विस्तृत जानकारी दी गयी। जिला विद्यालय निरीक्षक/प्रशिक्षण प्रभारी ने बताया कि पूर्व में दिए गए प्रशिक्षण में जो कार्मिक अनुपस्थित रहे उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है।

एन्टी रोमियो टीमों ने चलाया चेकिंग अभियान

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के कुशल निर्देशन में महिलाओं सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम हेतु जनपद मे चलाए जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त थानों की एण्टी रोमियो टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में बाजार/रेलवे स्टेशन/बस स्टैण्ड/सार्वजनिक स्थानों में एण्टी रोमियो चेकिंग की गयी। चेकिंग के दौरान बिना वजह घूम रहे लड़को को ब्रीफ किया गया। साथ ही महिलाओं वार्ता कर से उनकी सुरक्षा के सम्बन्ध में सुझाव दिये गये व यू0पी0 पुलिस द्वारा चलायी जा रही सुरक्षा सम्बन्धी एप्लीकेशन यूपी0 112/वूमेन पावर लाइन 1090/यूपी0 कॉप एप एवं पुलिस मीडिया सेल के बारे मे जानकारी देकर जागरूक करते हुए सुरक्षा भावना का अहसास कराया गया। महिला थाना एंटी रोमियो टीम व कोतवाली टीम द्वारा आईटीआई रोड आदि अन्य जगहों पर पब्लिक के लोगो, छात्र-छात्राओं व महिलाओं को जागरूक किया गया।

संदिग्ध हालत में लेखपाल की मौत

फतेहपुर। खागा कस्बा के मुहल्ला रामनगर में तीन दिन पूर्व हालत बिगड़ने पर इलाहाबाद ले जाते समय 28 वर्षीय एक लेखपाल की रास्ते में मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार खागा कस्बा के रामनगर मुहल्ला निवासी स्व0 चन्द्रबली सिंह का पुत्र जितेन्द्र कुमार सिंह लेखपाल थे। बताते हैं कि तीन दिन पूर्व उनकी तबियत बिगड़ गयी थी जिन्हें कस्बे के ही एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। हालत ठीक न होने पर परिजन उन्हें शहर के जीटी रोड स्थित एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने उनकी हालत गम्भीर होने पर इलाहाबाद ले जाने की सलाह दी। जिस पर परिजन उन्हें इलाहाबाद ले जा रहे थे तभी रास्ते में लेखपाल ने दम तोड़ दिया। सूचना पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही इस बात की पुष्टि हो पायेगी कि लेखपाल की मौत का कारण क्या है।

संदिग्ध हालात में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम टीसी में शनिवार की सुबह भेड़ चराने गये लगभग 22 वर्षीय एक युवक का गांव के बाहर पेड़ से फांसी पर लटका शव ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने बरामद किया है। जानकारी के अनुसार थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम टीसी निवासी राममिलन पाल का पुत्र शिवराम पाल आज सुबह लगभग सात बजे भेड़ चराने के लिए जंगल गया था तभी गांव के बाहर पेड़ से संदिग्ध परिस्थितियों में उसका शव फांसी पर लटका मिला। उधर शौचक्रिया करने गये लोगों ने फांसी पर लटके शिवराम पाल का शव देख उसके परिजनों को बताया। जिस पर रोते-बिखलते परिजन मौके पर पहुंचे वहीं सूचना पाकर पुलिस ने घटनास्थल पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। वहीं मृतक के परिजनों ने घटना के बाबत कुछ भी बताने में असमर्थता जतायी।

बढ़ते कोरोना के कारण सीएचसी की ओपीडी सेवाएं बंद

बिंदकी (फतेहपुर)। लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए सरकार के निर्देशानुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी सेवा शनिवार को बंद कर दी गई। अब अगले आदेश के बाद ही ओपीडी सेवाएं चालू हो पाएंगी। हालांकि सीएचसी की इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे चलती रहेंगी। ओपीडी सेवाएं अचानक बंद होने के कारण तमाम मरीजों तथा तीमारदारों को वापस लौटना पड़ा। लगातार कोरोना केस के बढ़ते हुए प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार शनिवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी सेवाएं सुबह से ही बंद कर दी गई। केवल इमरजेंसी सेवा चालू रही ओपीडी सेवाएं अचानक बंद होने से तमाम मरीजों तथा उनके तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ा और उन्हें वापस लौटना पड़ा हालांकि तमाम मरीजों ने आवश्यकता होने पर इमरजेंसी में चिकित्सकों से इलाज कराया। इस संबंध में सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 सुनील चौरसिया ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार सीएचसी की ओपीडी सेवाएं फिलहाल बंद कर दी गई है।

महिला के आवास में पड़ोसी ने खड़ी कर दी दीवार

जालौन (उरई)। महिला के घर पर पड़ोसी अवैध कब्जा कर रहे हैं तथा दीवार खड़ी कर दी है। जब महिला ने इसका विरोध किया तो पड़ोसियों ने महिला के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित ने घटना की शिकायत पुलिस से तो पुलिस ने भी कोई कार्रवाई नहीं की जिस पर महिला ने अपनी शिकायत पुलिस के उच्च अधिकारियों से की है। कोतवाली क्षेत्र भवानीराम निवासी कुसुम पत्नी कैलाश ने बताया कि उनके पति की मृत्यु 2014 हो गयी है। वह बेबा है इसका फायदा उठाकर उनके मोती मस्जिद के पास स्थित पर पड़ोसी कब्जा करना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने उनकी जगह में दीवार खड़ी कर दी। जब उसने इसका विरोध किया तो कालका व संजय निवासी भवानीराम ने उनके साथ गाली-गलौज कर मारपीट कर दी तथा निर्माण में व्यवधान डालने पर जान से मारने की धमकी दी है। महिला का आरोप है कि उन्होंने इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की किन्तु इसके बाद भी अवैध निर्माण बंद नहीं हुआ है।

नलकूप का स्टार्टर फुंका बरखेरा के लोग बूंद-बूंद पानी को तरसे

● दूरदराज के इलाकों से पानी भरने को हो रहे विवश

● गांव में लगे ज्यादातर हैंडपंप भी लंबे समय से खराब

संवाददाता। कदौरा (जालौन)

ब्लॉक क्षेत्र के बरखेरा गांव में शुक्रवार शाम टंकी के नलकूप के स्टार्टर में आग लग गई। स्टार्टर जल जाने से पूरे गांव में पानी की सप्लाई ठप हो गई। पानी न आने पर गांव में पानी के लिए मारामारी मच गई और लोग साइकिल रिक्शा और ठेलों से पानी की ढुलाई करने को मजबूर है। गांव के जसवंत निराला, पीर अली, गफूर अली, विनोद घनश्याम आदि ने बताया कि गांव में तीन दर्जन हैडपम्प लगे है जिसमें दो दर्जन से अधिक खराब व रिबोर की स्थित में है। जिसकी शिकायत हम लोगों ने पूर्व मे की थी। इस समय नवरात्र व रमजान माह चल रहा है पानी भरने के लिए दूरदराज के इलाकों में जाना पड़ रहा है। गांव की आबादी तीन हजार से अधिक है जल स्तर नीचे होने के कारण हैडपम्पों में पानी भी कम आ रहा है पूर्व में खराब हैडपम्पो को सही करवाने के लिए ब्लॉक व तहसील में शिकायत की थी। कोई सुनवाई नही हुई है अब टंकी के स्टार्टर के फुंक्रने से स्थिति और भी खराब हो गई है। जो हैडपम्प सही है उसमें लाइन लगाना पड़ रहा है पानी भरने को लेकर कई बार विवाद की स्थिति भी उतपन्न हो जाती है। इस सम्बंध में बीडीओ अतिरंजन सिंह ने कहा कि खराब हैडपम्पों की सूची बनाकर उनका सही करवाने के आदेश दिए है टंकी के स्टार्टर फुंक्रने के जानकारी उनको है जल निगम के अधिकारियों को अवगत करा दिया है जल्द स्टाटर सही करवा दिया जाएगा।

रविवार को नाम वापसी के साथ प्रतीक चिन्हों का होगा आवंटन

जालौन (उरई)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर ब्लॉक परिसर में नामांकन पत्रों की जांच का कार्य जारी है। रविवार को उम्मीदवारों के नाम वापस लेने के साथ ही सायं 3 बजे के बाद फाइनल सूची जारी होने के साथ ही प्रतीक चिन्हों का भी आवंटन उम्मीदवारों को कर दिया जाएगा। बता दें, गांवों में ग्राम पंचायत सदस्य के पदों के सापेक्ष काफी कम संख्या में दावेदारों ने अपने नामांकन भरे हैं। जिससे चलते अधिकांश गांवों में कोरम पूरा होने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। ब्लॉक क्षेत्र की 62 ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधान पद के लिए 564 दावेदारों ने अपने नामांकन पत्र जमा किए हैं। क्षेत्र पंचायत सदस्य के 62 पदों के लिए 310 दावेदारों ने नामांकन पत्र जमा किए हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत सदस्य के 748 पदों के लिए मात्र 214 दावेदारों ने ही अपने नामांकन पत्र जमा किए हैं। वर्तमान में ब्लॉक परिसर में ब्लॉक क्षेत्र की 11 न्याय पंचायतों में प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर अलग अलग काउंटर बनाकर नमांकन पत्रों की जांच का कार्य जारी है। रविवार को दोपहर 3 बजे तक नामांकन पत्र वापस लिया जा सकता है। 3 बजे के बाद स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी कि कितने दावेदार मैदान में होंगे। बीडीओ महिमा विद्यार्थी ने बताया कि दोपहर 3 बजे तक नामांकन वापसी के उपरांत फाइनल लिस्ट जारी हो जाएगी। साथ ही सभी उम्मीदवारों को उनके प्रतीक चिन्ह भी आवंटित कर दिए जाएंगे। बताया कि ब्लॉक क्षेत्र के अंतर्गत न्याय पंचायत कुसमरा, गढगुवा, गधेला, सहाव, जगनेवा, छिरिया सलेमपुर, सिकरीराजा, गिधौसा, खर्रा, पहाड़पुरा में सभी न्याय पंचायतों के अलग अलग काउंटर बनाकर नमांकन पत्रों की जांच कर कार्य चल रहा है। खारिज नामांकन पत्रों की संख्या को लेकर उन्होंने बताया कि देर शाम तक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

बाउण्ड्रीबाल निर्माण में हो रहा जमकर गड़बड़ घोटाला

● चतेला विद्यालय में डाली गयी ऊंची नीची बीम

● एक ओर ईट की चुनाई तो दूसरी ओर छपाई जारी

संवाददाता। कदौरा (जालौन)

चतेला विद्यालय में मानक को ताक पर रख डाली गयी बीम पायनियर

प्रदेश सरकार के चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा कदौरा विकासखंड के 26 ग्राम पंचायतों के 32 परिषदीय विद्यालयों में कायाकल्प योजना के तहत लगभग दो करोड़ रुपए की लागत से बाउण्ड्री बाल का निर्माण कराया जाना था। जिसका एक समारोह में क्षेत्रीय विधायकों द्वारा सामूहिक शिलान्यास भी किया था। उस हिसाब से अब तक सभी परिषदीय विद्यालयों में बाउण्ड्री बालों का निर्माण पूरा हो जाना चाहिए था। लेकिन ऐसा होना संभव नहीं हो सका। हैरानी की बात तो यह है कि बाउण्ड्री बाल निर्माण का कार्य जिन ठेकेदारों को मिला है वह न तो मानक के अनुसार ईटा का प्रयोग कर रहे हैं और न ही जमीन पर जो बीम डाली जाती है उसमें भी मानकों को ताक पर रख दिया गया। चतेला विद्यालय में तो बीम को ही ऊंचा नीचा डालकर बाउण्ड्री बाल का निर्माण कराया जा रहा है। ताज्जुब की बात तो यह है कि अब तक अनेकों विद्यालयों में बाउण्ड्री बाल का निर्माण शुरू ही नहीं हो पाया है। उल्लेखनीय हो कि प्रदेश सरकार के चार वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कदौरा विकासखंड के ऐसे 32 परिषदीय विद्यालयों में बाउण्ड्री बाल निर्माण लगभग दो करोड़ रुपए की लागत से कराया जाना था। जिसमें ग्राम सोंधी प्राथमिक विद्यालय लागत 7 लाख 16 हजार। पाली के मजरा अभिरवा प्राथमिक विद्यालय सात लाख 65 हजार। मवई अहीर के प्राथमिक विद्यालय में दो लाख 16 हजार। खुटमिली के प्राथमिक विद्यालय में 11 लाख 1 हजार। कुशमरा बावनी के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में तीन लाख 87 हजार। उकुरुवा के मजरा सहादतपुर रोगी के प्राथमिक विद्यालय में पांच लाख 67 हजार। बरही के मजरा देवपुरा के प्राथमिक विद्यालय में 12 लाख 48 हजार। रायड़ दिवारा के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में दो लाख 64 हजार। कठपुरवा के सुजानपुर में तीन लाख 96 हजार। गर्रेही के मजरा रसूलपुर में 5 लाख 71 हजार। चतेला के प्राथमिक विद्यालय में 6 लाख 65 हजार। बड़ागाँव के मजरा महमूदनगर में 5 लाख 17 हजार। पथरेहटा में 7 लाख 26 हजार। परासन के अलमोड़ी डेरा के प्राथमिक विद्यालय में 7 लाख 64 हजार। भदरेखी के कन्या प्राथमिक विद्यालय में 5 लाख 11 हजार। दशहरी के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में 68 हजार। लुहरगांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में 7 लाख 8 हजार। हरचन्द्रपुर के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय में 3 लाख 94 हजार। जमरेही के मजरा गौहना के प्राथमिक विद्यालय में 5 लाख 17 हजार। जकसिया के मजरा साजदानगर के प्राथमिक विद्यालय में 1 लाख 68 हजार। निस्बापुर के मजरा मंझवार के प्राथमिक विद्यालय में 3 लाख 18 हजार। इकौना के मजरा निधान डेरा के प्राथमिक विद्यालय में 1 लाख 94 हजार। रैला में 46 हजार। मसगांया के प्राथमिक विद्यालय में 2 लाख 66 हजार से मवई ब्राह्मण के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में तीन लाख 80 हजार। जौराखेरा के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में दो लाख 47 हजार रुपये सहित 32 परिषदीय विद्यालयों की कायाकल्प योजना के तहत बाउण्ड्री बाल का निर्माण कराया जाना सुनिश्चित किया गया था। लेकिन इस मामले की जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के जिन विद्यालयों में बाउण्ड्री बाल का निर्माण कराया जा रहा है उनमें मानकों की धज्जियां उड़ायी जा रही है साथ ही ज्यादातर विद्यालयों में बाउण्ड्री बाल का निर्माण कार्य ठेकेदारों द्वारा शुरू नहीं कराया जा सका है।

शुक्रवार की शाम आयी आंधी से ग्रामीणांचल की विद्युत सप्लाई ठप

जालौन (उरई)। शुक्रवार की सायं आयी आंधी के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई। बिजली के पोल व तार टूटने के कारण गांवों की बिजली ठप्प है। बिजली ठप्प होने के कारण बिजली उपकरण शोपीस बन गये हैं। शुक्रवार को पहले रोस्टिंग के कारण सांय को बिजली गायब थी।अचानक रात करीब 9 बजे आंधी आ गयी। तेज धूल भरी आंधी के कारण बिजली के पोल उखड़ गये तथा तार टूट गये। पोल उखड़ने व तार टूटने के ग्राम अकोढ़ी दुवे, भिटारा, पहाड़पुरा, गायर, उरगांव, धनोराकलां, धंतौली, खर्रा, हरकौती समेत लगभग एक दर्जन गांवों की बिजली शुक्रवार की सांय से बंद है। कल से बिजली बंद होने के इन्वर्टर भी जबाब दे गये। लोगों के मन मोबाइल चार्ज नहीं हो पा रहे हैं। 24 घंटे से ज्यादा समय से बिजली गायब है कब तक आयेगी अभी कोई अंदाजा भी नहीं है। गर्मी के मौसम में बिजली गायब होने के कारण लोग परेशान हैं।

मऊ में 275 लाभार्थियों को लगी दूसरी डोज

45 वर्ष से ऊपर के लोगों ने बढ़.चढ़कर लिया भाग

संवाददाता। मऊ

जिले में तेजी के साथ पांव पसार रहे वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण को देखते हुए जिलाधिकारी अमित सिंह बसंल के सख्त रुख के बाद टीकाकरण करवाने वाले काफी उत्साहित नजर आए। कोरोना के खिलाफ जारी जंग में चौथे चरण के अभियान के तहत शनिवार को जिले के 11 केन्द्रों पर 742 लाभार्थियों को कोरोना की पहली डोज लगाया गया। जबकि 275 लाभार्थियों को कोरोना की दूसरी डोज प्रदान किया गया। टीकाकरण की प्रक्रिया के दौरान लोग काफी बढ़.चढ़कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। कोरोना के खिलाफ छिड़े जंग में सीनियर सिटीजन के साथ.साथ अब 45 वर्ष से ऊपर के लोगों ने भी अब बढ़.चढ़कर अपना योगदान करना शुरू कर दिया है। सभी केन्द्रों पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह व डीआईओ डॉण् बृजेश यादव स्वास्थ्य विभाग की टीम के सदस्यों के साथ लोगों को अधिक से अधिक वैक्सीनेशन के लिए उत्साहित करते नजर आए। कोरोना वैक्सीनेशन के महाअभियान के चौथे चरण के तहत इस बार 45 वर्ष पार कर चुके लोगों को भी शामिल किया गया है। चौथे चरण के विशेष अभियान का टीकाकरण जनपद के 11 केन्द्रों पर किया गया। शनिवार को सभी 11 केन्द्रों पर लाभार्थियों का टीकाकरण किया गया। सभी केन्द्रों पर लाभार्थी अपना.अपना आधार कार्ड लेकर आए और पंजीकरण के उपरांत टीकाकरण करवाया। बताते चलें कि जिले में 16 जनवरी से वैक्सीनेशन का प्रारंभ हुआ था।

पहले चरण में स्वास्थ्यकर्मियों को वैक्सीन लगाई गई थी। इसके बाद दूसरे चरण में फ्रंट लाइन वर्कर शामिल हुए जबकि तीसरे चरण में 45 वर्ष से लेकर 59 वर्ष के कोमारविड ;जो किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित होद्ध तथा 60 वर्ष से अधिक के उम्र के लोगों का टीकाकरण किया गया। शनिवार को चौथे चरण के अभियान के तहत जिले के सभी 11 केन्द्रों पर 45 वर्ष पार कर चुके लाभार्थियों ने अपना बढ़ चढ़कर योगदान प्रदान किया। अभियान के तहत शनिवार को 11 केन्द्रों पर 742 लोगों को कोरोना की पहली डोज लगाया गया। जबकि 275 लाभार्थियों को कोरोना की दूसरी डोज प्रदान किया गया। सभी टीकाकरण केन्द्रों पर अधिक से अधिक टीकाकरण को लेकर चिकित्साधिकारी लोगों को

कोरोना ने पकड़ी रफ्तार आज वीकेंड लॉकडाउन

कोरोना संक्रमण रोकने को लेकर प्रदेश सरकार के दिशा निर्देश का पालन

मऊ। कोरोना संक्रमण के तेज से फैलते हुए प्रदेश सरकार के निर्देश पर जिले में रविवार को वीकेंड लॉकडाउन रहेगा। जिलाधिकारी अमित सिंह बसंल ने इसका सख्ती से पालन कराने का निर्देश सभी अधिकारियों को दिया है। रविवार के दिन पूरे जिले में लॉकडाउन रहेगाए आवश्यक सेवाओं को छोड़ सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बंदी रहेगी। लॉकडाउन की अवधि के दौरान सफाई अभियान चलाया जाएगा और सैनिटाइजेशन के साथ फॉगिंग की जाएगी। लॉकडाउन की अवधि शनिवार रात 8 बजे शुरू हो जाएगी और सोमवार सुबह 7 बजे तक लागू रहेगी। इस दौरान आवश्यक सेवाओं को छोड़ बाकी सभी दफ्तर बंद रहेंगे। इधर शनिवार की शाम होते ही शहर की सड़कें सुनी हो गई थी। वहीं दुकानदार भी जल्द ही अपनी दुकानों को समेट दिए।जिले के नगरीय क्षेत्रों में रविवार को बंदी होगी। इस अवधि में केवल स्वच्छता सैनिटाइजेशन और आपातकालीन सेवाओं ही संचालित होंगी।

- **कोरोना के नियमों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, सभी के लिए मास्क लगाना अनिवार्य है**
- **पहली बार मास्क के बिना पकड़े जाने पर एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाए, बिना मास्क के दूसरी बार पकड़ा जाए तो दस गुना अधिक जुर्माना लगाया जाएगा**
- **11 केन्द्रों पर 742 लाभार्थियों का हुआ टीकाकरण**

118 और मिले कोरोना पॉजिटिव

मऊ । कोरोना संक्रमित मरीजों की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिले में दिन.प्रतिदिन कोरोना पाजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। शनिवार को जांच के बाद आई रिपोर्ट में 118 कोरोना पाजिटिव मरीज पाए गए। जिले में तेजी के साथ बढ़ रहे संक्रमितों के कारण पूरे दिन अफरा.तफरी मचा रहा। उधर जिले में कुल एक्टिव कोरोना पाजिटिव केस 863 पाए गए। जबकि कुल एक्टिव होम आईसोलेशन मरीजों की संख्या 740 है। वहीं कुल एक्टिव कन्टेनमेंट जोन की संख्या 290 है। जिलाधिकारी अमित सिंह बसंल व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह ने कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सभी प्रशासनिक व स्वास्थ्य अधिकारियों को अधिक से अधिक चौकसी व सर्तकता बरतने का निर्देश जारी किया है। जिलाधिकारी अमित सिंह बसंल ने सख्ती के साथ चेताया है कि कोविड नियमों का उल्लंघन किए जाने पर सख्त से सख्त कार्रवाई किया जाएगा। नियमों के पालन में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सतीश चंद्र सिंह ने बताया कि जांच के बाद आई रिपोर्ट में 118 कोरोना पाजिटिव मरीज पाए गए हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह ने बताया कि अब तक 164176 लोगों का नमूना लैब भेजा गया हैए इसमें 159919 लोगों की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। 157949 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव है और 4257 की रिपोर्ट प्रतीक्षारत है। जांच में अब तक 4092 संक्रमित मिले हैं और 3190 रिकवर हो चुके हैं। संक्रमण से कुल 39 की मौत हुई है। जबकि कुल एक्टिव कोरोना पाजिटिव केस 863 है। वहीं कुल एक्टिव होम आईसोलेशन मरीजों की संख्या 740 है, जबकि कुल एक्टिव कन्टेनमेंट जोन की संख्या 290 है।

दूसरी लहर में तेजी के साथ बढ़ रहा कोरोना का प्रकोप

जिले में अब तक कुल 863 केस एक्टिव कोरोना पाजिटिव है

मऊ में एक्टिव होम आईसोलेशन मरीजों की संख्या 740 है

कुल एक्टिव कन्टेनमेंट जोन की संख्या 290

रेल परिसर में कहीं थूका तो लगेगा पांच सौ जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कोविड महामारी की रोकथाम हेतु समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में रेल मंत्रालय द्वारा कोविड-19 महामारी के संक्रमण को रोकने के लिये व्यापक कदम उठायें गये है। महामारी की रोकथाम हेतु मास्क पहनना एक प्रभावी उपाय है। इसे ध्यान में रखते हुए रेल परिसर (ट्रेन सहित) में इधर-उधर थूकने एवं मास्क, फेस कवर न पहनने वाले सभी व्यक्तियों को भारतीय रेल नियम-2012 के तहत रू. 500 तक का जुर्माने का प्रावधान किया गया है। यह नियम तत्काल प्रभाव से 06 माह तक के लिये लागू किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया है कि रेल मंत्रालय द्वारा स्टेशन में प्रवेश एवं यात्रा के दौरान सभी यात्रियों को मास्क, फेस कवर पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। कोविड-19 के संक्रमण की स्थिति को देखते हुए इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिये रेल परिसर में स्वच्छता को बनाये रखने पर बल दिया गया है। इधर-उधर थूकना अथवा गन्दगी करना प्रतिबंधित कर दिया गया है, क्योंकि ऐसा करने से गन्दगी के साथ ही अन्य लोंगो का जीवन खतरे में पड़ सकता है। थूकने के लिये थूकदान का प्रयोग करें। सभी रेल उपयोगकर्ताओं एवं आमजन से अपील है कि कोविड संक्रमण को रोकने हेतु सभी कोविड प्रोटोकाल जैसे कि मास्क लगाना, हाथ की स्वच्छता का ध्यान रखना एवं सुरक्षित दूरी रखना आदि का पालन करें।

लॉकडाउन तोड़ने वालों की खैर नहीं

गोरखपुर। डीएम के. विजयेंद्र पांडियन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि रविवार को लॉकडाउन के दौरान सभी तरह के कार्यालय, शहरी व ग्रामीण हाट, बाजार, गल्ला मंडी और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। किसी को भी घर से बाहर निकलने की इजाजत नहीं है। स्वास्थ्य संबंधी इमरजेंसी और रेलवे व एयरपोर्ट आने-जाने की छूट रहेगी। ऐसे लोगों के टिकट जांचे जाएंगे। इस दौरान कोई भी बिना आकस्मिक सेवाओं के बाहर घूमता मिला तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा। डीएम ने भरोसा दिलाया कि शासन की तरफ से लागू एक दिन के लॉकडाउन में किसी को भी जरूरी सेवा के संबंध में दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। दूध, दवा की दुकानें और अस्पताल खुलें रहेंगे। सिर्फ प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य और जरूरी सेवाओं से जुड़े विभाग ही खुले रहेंगे। इनके अलावा सभी गैर सरकारी विभाग बंद रहेंगे । एक दिन के लॉकडाउन के लिए अलग से कोई पास जारी नहीं होगा। आवश्यक सेवाओं से जुड़े व्यक्तियों, कोरोना वॉरियर, स्वच्छता कर्मी, प्रेस व अखबार वितरकों के आवागमन पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। उनका आईडी कार्ड ही उनका पास होगा। डीएम ने प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य, आपूर्ति समेत जरूरी सेवाओं से जुड़े सभी विभागों के कर्मचारियों से अपील की है कि वे अपनी आईडी साथ रखकर ही ड्यूटी के लिए घरों से निकलें, क्योंकि सड़क पर सभी की जांच होगी।

कोविड मरीजों की न्यूनतम शुल्क पर घर बैठे ब्लड जांच करेंगी निजी पैथालॉजी

गोरखपुर। प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की पहल पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की गोरखपुर शाखा के सहयोग से कोविड मरीजों के लिए एक सकारात्मक पहल हुई है। मरीजों के खून की जांच अत्यंत न्यूनतम दर पर घर बैठे होगी। निजी पैथालॉजी ऐसी जांच के लिए कोविड मरीज के घर जाएंगी और कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए ब्लड सैंपल लेंगी। यह प्रयास कोविड के कारण होने वाली मृत्यु में कमी लाने के लिए किया जा रहा है। रोजाना किये जाने वाले ब्लड टेस्ट की रिपोर्ट की निगरानी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आरसीएच) डॉ. नंद कुमार समेत तीन सदस्यीय विशेषज्ञ समिति करेगी। इस समिति में जिला क्वालिटी एश्योरेंस कंसल्टेंट डॉ. मुस्तफा खान के अलावा एक वरिष्ठ फिजिशियन शामिल होंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधाकर पांडेय ने बताया कि फिलहाल 13 निजी पैथालॉजी को इस कार्य हेतु सम्बद्ध किया गया है। मरीजों की ब्लड जांच बाजार मूल्य से आधे से भी कम दाम पर होगी। इसके लिए मरीज के पास इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर (आईसीसीसी) से फोन जाएगा और उसे पूरी जानकारी दी जाएगी। मरीज की सहमति लेकर निजी लैब उनके घर जांच के लिए जाएंगे। होम विजिट का कोई चार्ज नहीं लिया जाएगा। पहली बेसिक जांच, कोविड रिपोर्ट पॉजीटिव आने पर सामान्य लक्षणों वाले मरीजों की पहले दिन ही की जाएगी। सामान्य लक्षण बने रहने पर छठे दिन भी यही बेसिक जांच होगी और अगर दोनों जांच में सबकुछ सामान्य रहा तो मरीज को रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) द्वारा उपलब्ध मेडिकल किट की दवा का सेवन कर 15 दिन के होम आइसोलेशन की अवधि पूरी करने की सलाह दी जाएगी। लेकिन अगर दूसरी बेसिक जांच में मामला गंभीर लगा तो एडवांस प्रोफाइल जांच की जाएगी और प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार अग्रिम कदम उठाए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जिन मरीजों में पहले ही दिन से कोविड के गंभीर लक्षण नजर आएंगे उनकी पहले ही दिन एडवांस प्रोफाइल जांच की जाएगी। ऐसे मरीजों का अस्पताल में रख कर इलाज होगा।

मतदान के दौरान फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

गोरखपुर। मतदान के दौरान फायरिंग करने वाले अभियुक्त को खोराबार थाने की पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर थाने की पुलिस टीम उक्त अभियुक्त की गिरफ्तारी में लगी हुई थी कि मुखबीर की सूचना पर रामनगर कड़जहाँ पुल के नीचे कहीं जाने के फिराक में खड़े युवक को गिरफ्तार किया गया।

पकड़े गये व्यक्ति ने अपना नाम विजय प्रताप सिंह उर्फ विकाश सिंह पुत्र कुँअर प्रताप सिंह निवासी ग्राम अराजी मतौनी थाना खोराबार बताया। जामा तलाशी के दौरान एक अदद पिस्टल .32 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस .32 बोर बरामद हुआ। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में नासिर हुसैन प्रभारी निरीक्षक, व.उ.नि. संजय कुमार सिंह, का. अरविन्द यादव शामिल रहें।

देवरिया जनपद के शातिर लूटेरे तमंचे के साथ गिरफ्तार

गोरखपुर। रामगढ़ताल थाने की पुलिस टीम ने देवरिया जनपद के शातिर लूटेरे को तमंचे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर अपराध पर अंकुश एवं अपराधियों की गिरफ्तारी में लगी पुलिस टीम देवरिया जनपद के दोयम महेन थाना मदनपुर निवासी अभियुक्त शिवम पुत्र सुनील सिंह को रुस्तमपुर नहर रोड पर चेकिंग के दौरान उस वक्त गिरफ्तार किया, जब शिवम अपने एक साथी का इंतजार कर रहा था। जामा तलाशी में अभियुक्त के पास से एक 12 बोर का तमंचा चालू हालत में और दो अदद कारतूस मिला। पकड़े गए अभियुक्त का पुलिस ने जब आपराधिक इतिहास खगाला तो पता चला कि अभियुक्त शिवम का गोरखपुर जनपद में 5 मुकदमे और देवरिया जनपद में 2 मुकदमे गंभीर धाराओं में पहले से दर्ज हैं जिसमे वह जेल भी जा चुका है।

प्रत्येक वार्ड में सेनिटाइज के लिए लगाया जाय गाड़ियां

गोरखपुर। कोरोना संक्रमण मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिलाधिकारी के. विजयेंद्र पांडियन की अध्यक्षता में जिला प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि कोरोना संक्रमण रोकना बेहद आवश्यक है। जिलाधिकारी/नगर आयुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने कहा कि नगर निगम में उपलब्ध 19 गाड़ियों सहित फायर ब्रिगेड की सभी गाड़ियों को लगाते हुए नगर निगम के 70 वार्डों में सेनिटाइज कराया जाय। बैठक में सीडीओ इंद्रजीत सिंह, एडीएम सिटी राकेश कुमार श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट अभिनव रंजन श्रीवास्तव, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सुमित महाजन, तहसीलदार डॉक्टर संजीव दीक्षित, न्यायिक तहसीलदार सुनीता गुप्ता आदि शामिल रहें।

कड़ी सुरक्षा के बीच प्रत्याशियों ने किया नामांकन

सभी ब्लाकों पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक भ्रमण करके लेते रहे जायजा

संवाददाता। मऊ

शनिवार को जिले के विभिन्न ब्लाक मुख्यालयों से ग्राम प्रधानए बीडीसी एवं सदस्य पद के लिए प्रत्याशियों द्वारा नामांकन किया गया। जनपद में जिला पंचायत सदस्य के लिए कलेक्ट्रेट पर नामांकन स्थल बनाया गया था।

इसके अलावा ग्राम प्रधानए बीडीसी व ग्राम पंचायत सदस्य के लिए ब्लाकों को नामांकन स्थल बनाया गया था। सुबह आठ बजे से ही नामांकन शुरू हो गया था। शनिवार से लाकडाउन लगने की अफवाह को लेकर भारी संख्या में प्रत्याशीए प्रस्तावक व उनके समर्थक नामांकन स्थलों पर पहुंच गए। प्रशासन भी आधी अधूरी व्यवस्था कर नामांकन प्रक्रिया को सम्पन्न कराने में जुटा था। हालात यह हुई कि ब्लाकों पर आधा.आधा किलोमीटर की लाइन लग गई। कलेक्ट्रेट स्थित अपर जिलाधिकारी न्यायालय व अतिरिक्त मजिस्ट्रेट न्यायालय में नामांकन दाखिल किया जा रहा था। इसके लिए उत्तर तरफके गेट से प्रत्याशियों को अंदर जाने की व्यवस्था की गई थी। यहां चेक करने के बाद ही यह लोग नामांकन स्थल पर जा रहे थे। इसके अलावा सभी तरफ से बैरिकेडिग कर आवागमन बंद कर दिया गया था। जगह.जगह पुलिस की ड्यूटी लगा दी गई थी। दोपहर तक कलेक्ट्रेट पर मेले जैसा ध्य उत्पन्न हो गया। यही नहीं लंबीलंबी लाइन लग गई। अंदर नामांकन स्थल पर भी तीन लाइनें लग गई। यहां भी पूरी तरह से खचाखच भीड़ भरी रही। इसे एडीएम केहरी सिंह डंडा लेकर भीड़ को दूरियां बनाने लगे। घंटों मशक्कत के बाद किसी तरह दूरी तो बनी लेकिन फिर जस की तस हो गई। इसी तरह बाहर गेट पर सिटी मजिस्ट्रेट जेएन सचान भी कोविड.19 के नियमों का पालन कराते रहे लेकिन भीड़ सुनने को तैयार नहीं थी। उधर 1395 से अधिक नामांकन प्रपत्रों की खरीद एवं बिक्री की गई। एक तरफ पहले पर्चा खरीदने वाले प्रत्याशी बनने के लिए अपना नामांकन करा रहे थे तो दूसरी ओर पर्चे खरीदने का भी सिलसिला चल रहा था। सबसे ज्यादा रतनपूरा में अकेले 294 लोगों ने पर्चे खरीदे। कोपागंज संवाद सूत्र के अनुसार कोपागंज विकास खंड से ग्राम प्रधान के 14, बीडीसी के नौ एवं ग्राम पंचायत सदस्य के लिए 220 सहित कुल 243 लोगों ने नामांकन प्रपत्र खरीदे। उधर परदहां ब्लाक में प्रधान के 14, बीडीसी के 13 तथा सदस्य पद के 137 सहित कुल 164 पर्चे बिके।

दर्शनार्थियों के लिए मां विंध्यवासिनी मंदिर का कपाट हुआ बंद!

संवाददाता। विंध्याचल,मिर्जापुर

श्री विंध्य पंडा समाज व्यवस्थापिका समिति पारिवाल तथा नगर विधायक पंण् रत्नाकर मिश्र के साथ कोरोना के तेजी से बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर अभी अभी संपन्न हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि आज रात्रि मे लॉकडाउन लगने के पश्चात मॉ विंध्यवासिनी मंदिर में आम दर्शनार्थियों के लिए मंदिर बंद कर दिया जायेगा। गौरतलब हैं कि देश भर में इन दिनों तेजी से कोरोना संक्रमण बढ़ता जा रहा हैए जिससे मिर्जापुर जिला भी अछूता नहीं है। जिले में भी रिकॉर्ड तोड़ कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या ने आम जनमानस की नींद उड़ाकर रख दी हैं। हरिद्वार में बीते दिनों कुभ स्नान के दौरान भी 50 से ज्यादा साधु.संतों को कोरोना संक्रमण हो चुका हैंए जिसके मद्देनजर कुंभ स्नान को भी रद्द करने पर विचार किया जा रहा है। वहीं जनपद मिर्जापुर में बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर शनिवार को वर्तमान में चल रहे नवरात्र मेले को रद्द करने तथा संक्रमण को रोकने के लिए एक आवश्यक बैठक संपन्न हुईए जिसमें पंडा समाज एवं नगर विधायक ने मिलकर निर्णय लिया कि नवरात्र के नवमी तिथि तक मॉ का सिर्फ श्रृंगार पूजन करने के लिए मंदिर का कपाट खोला जायेगा। साथ ही साथ नवरात्र मेले में आने वाले दर्शनार्थियों को समाचार के माध्यम से सूचित किया गया हैं कि वे दर्शन पूजन करने के लिए विंध्याचल ना आवेंए क्योंकि मंदिर का कपाट सभी के लिए बंद कर दिया गया हैं।

एक करोड़ लोगों को लग चुके टीके : राज्य टीकाकरण अधिकारी

वेबिनार में टीकाकरण से जुड़े उत्तर प्रदेश के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने दी जानकारी

संवाददाता। मीरजापुर

कोविड-19 के मामलों में हो रही बेतहाशा बढ़ोतरी के बीच उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया है कि अब तक प्रदेश में 1 करोड़ 3 लाख लोगों को टीके लग चुके हैं। साथ ही टीकाकरण केंद्रों पर अनावश्यक परेशानी से बचने के लिए इन्होंने लोगों को पहले से ही को विन प्लेटफार्म पर रजिस्टर करने की भी अपील की। साथ ही केजीएमयूए लखनऊ की माइक्रोबायोलॉजी की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अमिता जैन ने कहा कि फिलहाल टेस्ट, ट्रेस एंड ट्रीट की पुरानी नीति बहुत कारगर नहीं इसलिए कांटेक्ट ट्रेसिंग की बजाय सरकार को अस्पताल में बेड और इलाज की सुविधा बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। यह बात इन्होंने हार्वर्ड टीएच् चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ इंडिया रिसर्च सेंटर और प्रोजेक्ट संचार की ओर से आयोजित वेबिनार के दौरान कही। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नीलेश श्रीवास्तव बताया कि शुक्रवार को आयोजित इस वेबिनार का विषय था। उत्तर प्रदेश में कोरोना टीकाकरण: अवसर और चुनौतियां। इसमें उत्तर प्रदेश राज्य टीकाकरण अधिकारी डा. अजय घई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के उत्तर प्रदेश में रुटीन टीकाकरण के महा प्रबंधक डॉ. मनोज कुमार शुकुलय किंग जॉर्ज्स मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ की प्रोफेसर और माइक्रोबायोलॉजी विभाग की अध्यक्ष प्रो अमीता जैन और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के बाल रोग विभाग की प्रोफेसर जीबा जाका उर रब ने अपने विचार साझा किए।

कोविड-19 की ताजा लहर से भी प्रभावित हुआ टीकाकरण

राज्य के टीकाकरण अधिकारी डॉण् अजय घई ने बतायाए श्उत्तर प्रदेश ने अब तक कोविड.19 के 1 करोड़ 3 लाख टीके लगा लिए हैं। सिर्फ लखनऊ में ही प्रति दिन 15 से 20 हजार टीके लगाए जा रहे थे। लेकिन कोविड.19 की दूसरी लहर आने के बाद स्वास्थ्य विभाग का ध्यान कोरोना नियंत्रण और प्रबंधन पर और बढ़ गया है। इस वजह से टीकाकरण से थोड़ा ध्यान बंटा है। साथ ही उन्होंने कहा लक्ष्य वर्ग की आबादी के साथ ही टीके की उपलब्धता को भी ध्यान में रख कर ही टीकाकरण के प्रति दिन का लक्ष्य तय किया जाता है। उन्होंने कहा कि लोग अगर टीकाकरण के लिए केंद्र पर आने से पहले ही को.विन पोर्टल पर रजिस्टर कर लेते हैं तो पहले से अंदाजा हो सकेगा कि कितनी डोज की जरूरत होगी। प्रदेश के हर जिले में एक विशेष वैन तैयार की गई है जो राज्य के हर कोने में टीके की आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। राज्य में रुटीन टीकाकरण के महा प्रबंधक डॉण् मनोज कुमार शुकुल ने कहाए श्टीका उत्सव के दौरान 11 से 13 अप्रैल के बीच उत्तर प्रदेशों में 14,55,900 लोगों को टीका लगाया गया है। पहले कोवैक्सीन 20 डोज की वायल में उपलबध थी। एक बार वायल को खोलने पर चार घंटे के अंदर उसका उपयोग करना होता है। इससे टीके की डोज बर्बाद भी हो रही थी। लेकिन अब कोवैक्सीन भी कोविशिल्ड की तरह 10 डोज की वायल में उपलब्ध है। इसलिए बर्बादी भी कम हो गई है।

टीकों को ले कर अब नहीं हिचहिचाहट

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में बाल बाल रोग विभाग की प्रोफेसर जीबा जाका उर रब ने प्रदेश के विभिन्न वर्गों में टीकों को ले कर हिचकिचाहट के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहाए श्वैज्ञानिकों ने इस बात का पहले ही अंदाजा लगा लिया था और कहा था कि जैसे.जैसे टीकाकरण का विस्तार होगाए लोगों की हिचकिचाहट दूर होती जाएगी। टीका लगाने वालों के अनुभव को देखने के बाद दूसरे भी प्रोत्साहित होंगे। जब टीकाकरण शुरू हुआ था उस समय बहुत से स्वास्थ्यकर्मी भी इसको ले कर आशंकित थे। लेकिन जब कोरोना से होने वाली गंभीर समस्याओं को दूर करने में इसका प्रभाव दिखाई देने लगा तो टीकों को ले कर लोगों में भारी उत्साह देखा जाने लगा है। कोरोना संक्रमण से लड़ने में अब यह सर्वाधिक अहम साधन के रूप में देखा जा रहा है। ड्. अजय घई ने कहा कि टीके के साइड इफेक्ट को ले कर लोगों को डरना नहीं चाहिए। उन्होंने कहाए प्रदेश में हर व्यक्ति को टीका लगाने के बाद पैरासीटामोल की दो गोलियां दी जा रही हैं ताकि बुखार या बदन दर्द होने पर वे इसे ले सकें। टीकाकरण के बाद बेहोशी जैसी कुछ घटनाएं भी देखी गईंए लेकिन यह इंजेक्शन लेने और टीका लेने से जुड़े शुरुआती मनोवैज्ञानिक भय की वजह से थीं।

बूस्टर डोज की जरूरत पर शोध जारी केजीएमयू, लखनऊ में माइक्रोबायोलॉजी की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अमिता जैन ने कहाए श्कुछ टीकों के मामलों में बूस्टर डोज बहुत महत्वपूर्ण होती है। इससे टीके का प्रभाव लंबे समय तक सुनिश्चित हो पाता है। मीजल्स के मामले में जहां बूस्टर डोज की जरूरत नहीं होतीए वहीं टेटनस के मामले में 10 साल के बाद एक बूस्टर डोज बेहद उपयोगी होती है। कोविड.19 नया वायरस है और अभी इस टीके के अभी दुनिया भर में दो डोज ही दिए जा रहे हैंए लेकिन भविष्य में इसकी और बुस्टर डोज की जरूरत हो सकती है। जिस तरह इसके संक्रमित लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है श्टेस्टए ट्रेस एंड ट्रीटष् की पुरानी नीति फिलहाल बहुत कारगर नहीं होगी। कांटेक्ट ट्रेसिंग बहुत कठिन होती है और फिलहाल इसकी जरूरत नहीं होगी। इसकी बजाय सरकार को अस्पताल में बेड और इलाज की सुविधा बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। वक्ताओं ने जोर दिया कि टीके के पात्र लोगों को को.विन प्लेटफार्म पर खुद रजिस्टर करना चाहिए। साथ ही इन्होंने भ्रामक सूचना और फेक न्यूज से सचेत करते हुए सिर्फ विश्वस्त स्रोतों से मिलने वाली सूचना को ही गंभीरता से लेने को कहा। वेबिनार का संचालन राजस्थान पत्रिका समूह के राष्ट्रीय एकीकृत ब्यूरो के प्रमुख श्री मुकेश केजरीवाल ने किया।

तमंचे के साथ वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

बांसगांव थाने की पुलिस टीम ने अवैध तमंचे के साथ विभिन्न मामलों में वांछित फरार चल रहे 16 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में मामूर थाने की पुलिस टीम अभियुक्तों की तलाश में छापेमारी कर रही थी कि मुखबिर की गोपनीय सूचना पर ग्राम बेलूडीहा में श्रीनिवास प्रजापति के घर के बेसमेन्ट में छिपे वांछित 16 नफर अभियुक्त मौजूद मिले जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया। अभियुक्तगणों की तलाशी ली गयी तो अभियुक्त पन्नेलाल के पास से एक अदद तमंचा व दो अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर, अभियुक्त धर्मेन्द्र पाण्डेय के पास से एक अदद तमंचा व दो अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर तथा अभियुक्त अमित यादव उर्फ सुन्नर के पास से एक अदद तमंचा व एक अदद जिन्दा व एक अदद खोखा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। गिरफ्तार अभियुक्तों में पन्ने लाल यादव पुत्र खदेरु यादव, धर्मेन्द्र पान्डेय पुत्र अमरनाथ पान्डेय, अमित यादव उर्फ सुन्नर पुत्र ब्रहमदेव यादव, अखिलेश यादव पुत्र ब्रहमानन्द यादव, भोनू प्रजापति पुत्र कृष्ण मुरारी प्रजापति, बैजनाथ पान्डेय पुत्र विश्वनाथ पान्डेय, ब्रहमदेव यादव पुत्र खदेरु यादव, जय प्रकाश पान्डेय पुत्र बैजनाथ पान्डेय, संजय उर्फ बिसू विश्वकर्मा पुत्र बहादुर विश्वकर्मा, अरविन्द यादव पुत्र रामा यादव, रमेश प्रजापति पुत्र श्रीनिवास प्रजापति, विकास विश्वकर्मा पुत्र कतवारु विश्वकर्मा मौजूद रहे।

पाक क्रिकेटरों को भारत में टी विश्व कप का मिलेगा वीजा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के क्रिकेटरों को भारत में अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए वीजा मिलेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की शीर्ष परिषद के बोर्ड सचिव जय शाह ने सरकार से आश्वासन मिलने के बाद यह जानकारी दी। शाह ने शुक्रवार को हुई बैठक में वीडियो कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। यह भी बताया गया कि टी20 विश्व कप नौ स्थानों पर होगा और फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा। अन्य स्थानों में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, धर्मशाला और लखनऊशामिल है।

अंकित और मनीष प्री क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। एशियाई रजत पदक विजेता अंकित नारवाल (64 किग्रा) और मनीष (75 किग्रा) ने पोलैंड के कील्से में युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अंकित ने उज्बेकिस्तान के असमजोन अक्मोदेव को 5-0 से जबकि मनीष ने इजरायल के डेनियल इलियुशोनोक को 4-1 से पराजित किया। अंकित अगले दौर में पोलैंड के ओलिवर जामोस्की का सामना करेंगे। जामोस्की ने लिथुआनिया के नेदास युडोमस्कस को हराया था।

महिला हॉकी कोर ग्रुप बेंगलुरू के साइ में ट्रेनिंग शुरू करेगा

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी कोर ग्रुप 10 दिन के ब्रेक के बाद रविवार को बेंगलुरू में राष्ट्रीय शिविर में तोक्यो ओलंपिक खेलों की तैयारियां फिर शुरू करेगा। पच्चीस सदस्ईय ओलंपिक कोर ग्रुप ट्रेनिंग शुरू करने से पहले अनिवार्य पृथकवास से गुजरेगा। जनवरी में टीम ने अर्जेंटीना का दौरा किया था, जहां उसने घरेलू टीम की जूनियर, बी टीम और सीनियर टीम (विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान) के खिलाफ सात मैच खेले थे। यह टीम का 12 महीनों में पहला दौरा था।

कड़ी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने का कौशल है: शाहरूख

मुंबई। पंजाब किंग्स के शाहरूख खान को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में फिनिशर की भूमिका निभाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है और इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि वह किसी भी तरह की परिस्थिति और किसी भी स्थान पर खेलने की क्षमता रखते है। खान ने चेन्नई के खिलाफ शुक्रवार को 36 गेंदों पर 47 रन बनाए जिससे पंजाब 100 रन की संख्या पार कर पाया।

पडीक्कल शानदार प्रतिभा है : लारा

मुंबई। महान बल्लेबाज ब्रायन लारा का मानना है कि देवदत्त पडीक्कल को कुछ तकनीकी चीजों में सुधार करने की जरूरत है लेकिन उन्हें भरोसा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का यह बाएं हाथ का खिलाड़ी इस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन करेगा। पिछली आईपीएल की खोज पडीक्कल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए पांच अर्धशतकों से 474 रन बनाए थे।

चाहर की शानदार गेंदबाजी से चेन्नई जीता

● पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया

भाषा। मुंबई

चेन्नई सुपर किंग्स ने शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में दीपक चाहर की शानदार गेंदबाजी से पंजाब किंग्स को कम स्कोर पर रोकने के बाद 26 गेंद रहते छह विकेट से जीत हासिल की। शुरुआती मैच में दिल्ली कैपिटल्स से सात विकेट से हारने वाली चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का यह टीम के लिए 200वां मैच था जिसमें टीम ने इस सत्र की पहली जीत हासिल की। चाहर के शानदार शुरूआती स्पैल से चेन्नई सुपर किंग्स ने पंजाब किंग्स को बल्लेबाजी का न्यौता देने के बाद आठ विकेट पर 106 रन के स्कोर पर रोक दिया। चाहर ने अपने चार में से एक ओवर मेडन फेंका और 13 रन देकर चार विकेट झटके। इस छोटे से लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स ने हालांकि जीत दर्ज करने के लिए 15.4 ओवर लिए जिसमें उसने चार विकेट गंवा दिए। इस तरह उसने 107 रन बनाए और दो अंक जुटाकर खाता खोला। टीम के लिए मोईन अली ने सर्वाधिक 46 रन बनाए जबकि फाफ डु प्लेसिस ने नाबाद 36 रन का योगदान दिया। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 46 गेंद में 66 रन की साझेदारी की। मोईन अली ने 31 गेंद का सामना करते हुए सात चौके और एक छक्का लगाया। टीम ने हालांकि अपने सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड (05) का विकेट पांचवें ओवर में गंवा दिया लेकिन डु प्लेसिस और मोईन अली ने आराम से रन जुटा रहे थे। पर 90 रन के स्कोर पर मोईन अली आउट हो गए जिन्हें मुरूगन अश्विन ने पवेलियन भेजा। इसके बाद टीम आसानी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी, लेकिन 99 रन पर मोहम्मद शमी ने सुरेश रैना और अम्बाती रायुडू को लगातार गेंदों पर आउट कर उसकी जीत का इंतजार लंबा कर दिया। 15वें ओवर में दो विकेट गंवाने के बाद अगले ओवर में टीम ने जीत हासिल की। इससे पहले तमिलनाडु के पावर हिटर एम शाहरुख खान ही पंजाब के एकमात्र बल्लेबाज रहे जो क्रीज पर टिक सके जिन्होंने 36 गेंद में 47 रन की पारी खेली जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल थे। लेकिन वह अंतिम ओवर में सैम करेन की गेंद पर आउट हो गए। दीपक चाहर के चार विकेट के अलावा सैम करेन, मोईन अली और ड्वेन ब्रावो को एक एक विकेट मिला। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजों ने कप्तान धोनी के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही ठहराते हुए पावरप्ले में पंजाब किंग्स के 26 रन पर चार विकेट झटक लिए। इसमें अहम भूमिका चाहर ने निभाई जिन्होंने पहले ही ओवर में मयंक अग्रवाल (शून्य) को खूबसूरत गेंद पर बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद भी उन्होंने दबाव बनाए रखा और अपने चार ओवर के स्पैल में केवल दो चौके ही लगने दिए। फार्म में चल रहे पंजाब के कप्तान के एल राहुल (05) शार्ट कवर पर खड़े रविंद्र जडेजा के शानदार थ्रो से रन आउट हुए जो एक रन चुराने का प्रयास कर रहे थे। अपने शानदार क्षेत्ररक्षण के लिए मशहूर जडेजा ने इसके बाद पांचवें ओवर में डाइव करते हुए बेहतरीन कैच लपका और क्रिस गेल की 10 रन की पारी खत्म कर दी जो चाहर का दूसरा विकेट था।

आलोचकों को जवाब देने से खुश हैं चाहर, कोच शास्त्री से भी प्रशंसा मिली

मुंबई। दीपक चाहर को अगर विकेट से मदद मिलती है तो खतरनाक हो सकते है लेकिन अगर कोई उनके आत्मविश्वास को कम करने की कोशिश करता है जैसा इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच मे खराब प्रदर्शन के बाद ट्रोल करने के बाद हुआ तो वह और भी ज्यादा खतरनाकहो सकते है। चाहर ने इस तरह ट्रोल किए जाने के बाद बीती रात पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, उन्होने चार ओवर मे एक मेडन से 13 रन देकर चार विकेट हासिल किए। उन्होंने अपने स्पैल में 18 डॉट गेंद फेंकी। इस प्रदर्शन के लिए उन्हे राष्ट्रीय मुख्य कोच रवि शास्त्री से भी प्रशंसा मिली। शास्त्री ने ट्वीट किया, तथ्य सिद्ध हो गया। नियंत्रण के साथ दोनो तरीको से स्विंग सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा सकती है। बेहतरीन विविधता भरी गेंदबाजी। शानदार। क्रिकेटर अक्सर कहते हैं कि वे सोशल मीडिया पर आलोचनाओ से प्रभावित नही होते लेकिन इसके उलट चाहल ने कहा कि उनके सोशल मीडिया पेज पर एक प्रशंसक ने लिखा कि चेन्नई सुपर किंग्स को उन्हें अगले मैच से हटा देना चाहिए।

बीसीसीआई दिसंबर में रणजी सत्र शुरू करेगा, ईरानी कप और दलीप ट्राफी नही

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की योजना 2021-22 घरेलू सत्र की शुरूआत इस साल सितंबर से सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट से करने की है और उसने रणजी ट्राफी के लिए दिसंबर से तीन महीने की विंडो भी तय कर दी है जिसे पिछले सत्र में कोविड-19 महामारी के चलते रद्द करना पड़ा था। क्रिकेट परिचालन टीम द्वारा तैयार किए गए अस्थाई कैलेंडर में हालांकि दलीप ट्राफी, देवधर ट्राफी और ईरानी कप को हिस्सा नहीं बनाया गया है। इसके अलावा कैलेंडर से महिलाओं की पांच प्रतियोगिताएं भी हटा दी गई हैं। पीटीआई के पास यह तैयार किया गया अस्थाई घरेलू कैलेंडर है जिस पर शुक्रवार को हुई शीर्ष परिषद की बैठक में चर्चा हुई थी। महामारी के चलते 2020-21 सत्र काफी छोटा हो गया था, जिसमें केवल राष्ट्रीय टी20 (मुश्ताक अली) और वनडे (विजय हजारे ट्राफी) चैम्पियनशिप ही आयोजित की गई थी। महिलाओं के लिए केवल राष्ट्रीय वनडे प्रतियोगिता ही कराई गई थी। भारत में कोविड-19 मामलों की दूसरी लहर के बीच बीसीसीआई को अब भी पुरूष और महिला वर्गों के उम्र संबंधित ग्रुप में घरेलू सत्र आयोजित करने की उम्मीद है। भारत को अक्टूबर में टी20 विश्व कप में खेलना है और अगले साल आईपीएल की बड़ी नीलामी होगी तो सभी शेयरधारक सत्र की शुरूआत दो सफेद गेंद के टूर्नामेंट - मुश्ताक अली टी20 (सितंबर के मध्य से अक्टूबर तक) के बाद नवंबर में विजय हजारे ट्राफी से कराना चाहते हैं। भारत की मुख्य घरेलू प्रतियोगिता रणजी ट्राफी 87 वर्षों में पहली बार 2020 में रद्द की गई थी। लेकिन आगामी सत्र के दिसंबर से मार्च के बीच आयोजित करने की योजना है। बीसीसीआई ने पुरूष और महिलाओं के लिए अंडर-23 टूर्नामेंट के साथ अंडर-19 टूर्नामेंट को भी जगह दी है जो पिछले सत्र में नहीं कराए गए थे। अंडर-19 वनडे चैलेंजर टूर्नामेंट के साथ कूच बेहार ट्राफी (दिन का प्रारूप) और वीनू मांकड ट्राफी (वनडे) से चयनकर्ताओं को अगले साल आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के लिए भारतीय टीम चुनने में मदद मिलेगी। महिलाओं की टी20 और वनडे चैलेंजर ट्राफी के साथ अंडर-23 प्रतियोगिताएं भी नहीं खेली जाएंगी। इनके अलावा अंडर-19 महिला टी20 चैलेंजर ट्राफी भी नहीं होगी।

ईवांस को हराकर सितसिपास मोंटे कार्लो के फाइनल पहुंचे

मोनाको। चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास मोंटे कार्लो मास्टर्स में शनिवार को गैरवरीय डैन इवांस को हराकर पहली बार इस टेनिस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे। सितसिपास इवांस को 6-2, 6-। से हराकर साल का पहला खिताब जीतने के करीब पहुंचे। फाइनल में यूनान के इस खिलाड़ी का सामना छठी वरीयता प्राप्त रूस के आंद्रे रुबलेव और नार्वे के गैरवरीय खिलाड़ी कैस्पर रूड के बीच खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

लाबुशेन के 192 रन, क्वींसलैंड खिताब जीतने की ओर

ब्रिसबेन। मार्नस लाबुशेन ने 192 रन की पारी खेली जिससे क्वींसलैंड आस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड प्रथम श्रेणी क्रिकेट खिताब जीतने की ओर है। न्यू साउथ वेल्स ने शनिवार को तीसरे दिन खराब रोशनी के कारण खेल रोके जाने तक दूसरी पारी में पांच विकेट पर 140 रन बना लिए हैं और वह अब भी 106 रन से पिछड़ रहा है। सीन एबोट 20 और बॉक्स्टर होल्ट 10 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। क्वींसलैंड के लिए बार्टलेट ने 31 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

मध्यक्र की कमजोरियां दूर करके आरसीबी के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगा केकेआर

भाषा। चेन्नई

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) अपने मध्यक्रम की कमजोरियों से पार पाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेगा। दुनिया में सीमित ओवरों के दो सर्वश्रेष्ठ कप्तानों इयोन मोर्गन और विराट कोहली के बीच होने वाले इस मुकाबले में बेंगलोर की टीम का पलड़ा थोड़ा भारी लगता है क्योंकि उसने अपने पिछले दोनों मैच जीते है। अपनी कुशल रणनीति और मानव प्रबंधन के लिए मशहूर इंग्लैंड के कप्तान मोर्गन केकेआर का अभियान पटरी पर लाने के लिए बेताब होंगे। केकेआर का मध्यक्रम नहीं चल रहा है जिसके कारण उसे मुंबई इंडियन्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद मुंबई के खिलाफ केकेआर का मध्यक्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और उसे 13 मैचों में 12वीं हार का सामना करना पड़ा। मोर्गन ने अपने कप्तानी कौशल का परिचय गेंदबाजी में दिखाया था और मुंबई को 152 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। डेथ ओवरों में अपनी शानदार गेंदबाजी से आंद्रे रसेल ने छह विकेट लिए लेकिन बल्लेबाजी में वह फिर से नाकाम रहे।

पंजाब किंग्स पर दिल्ली कैपिटल्स का पलड़ा भारी

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में मुख्य मुकाबला दोनों टीमों के शीर्ष क्रम के बीच देखने को मिलेगा जिसमें ऋषभ पंत के कप्तानी कौशल की भी परीक्षा होगी। दोनो टीमें अपना पिछला मैच गंवाने के बाद इस मैच मे उतरेंगी लेकिन दिल्ली कैपिटल्स निश्चित तौर पर कागजों पर मजबूत टीम नजर आती है और ऐसे में उसका पलड़ा भारी लगता है। जहां तक आईपीएल में कप्तानी का सवाल है तो पंत अनुभवहीन है। पिछले मैच में उन्होंने अपने अनुभवी गेंदबाज रविचंद्रन अश्वनि का कोटा पूरा नही करवाया जिससे टीम को नुकसान हुआ। उन्होंने उनके बजाय टॉम करेन की मध्यम गति की गेंदबाजी पर भरोसा दिखाया।इस मैच के लिए एनरिच नोर्जिया को अंतिम एकादश में शामिल किया गया जा सकता है जिससे टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी क्योंकि पिछले मैच करेन की मध्यम गति की गेंदबाजी का क्रिस मौरिस और डेविड मिलर ने भरपूर फायदा उठाया था। पंजाब किंग्स को दूसरी तरफ अपने बल्लेबाजों की नाकामी के कारण चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पराजय का सामना करना पड़ा था। दीपक चाहर की अतिरिक्त उछाल और मूवमेंट का उसके बल्लेबाजो के पास कोई जवाब नही था।

रवि ने खिताब बरकरार रखा

●बजरंग को चोट के कारण फाइनल में हटने से रजत से संतोष करना पड़ा

भाषा। अलमाटी

भारतीय पहलवान रवि कुमार दहिया ने मजबूत प्रदर्शन से अपना एशियाई चैम्पियनशिप खिताब बरकरार रखा लेकिन बजरंग पूनिया को कोहनी की चोट की वजह से शनिवार को ताकुतो ओटोगुरो के खिलाफ फाइनल से हटने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। बजरंग ने पीटीआई से कहा कि वह अपनी दाईं कोहनी की चोट को बढ़ाना नहीं चाहते थे। उन्होंने कहा कि उन्हें कोरिया के योंगसियोक जियोंग के खिलाफ क्वार्टरफाइनल के दौरान दर्द होना महसूस हुआ था।जब मैं कोरियाई खिलाड़ी को खींच रहा था तो मेरी कोहनी में दर्द होने लगा था। विश्व चैम्पियनशिप के दौरान मुझे इसी कोहनी में चोट लगी थी। कोचों ने सलाह दी कि मुझे जोखिम नहीं लेना चाहिए क्योंकि ओलंपिक करीब हैं इसलिए मैंने हटने का फैसला किया। बजरंग को 65 किग्रा भार वर्ग के शुरूआती मुकाबले में कोरिया के योंगसियोग जियोंग पर जीत दर्ज करने में कोई परेशानी नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने मंगोलिया के बिलगुन सरमानदाख को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बजरंग 2018 विश्व चैम्पियनशिप के खिताबी मुकाबले में और पिछले साल एशियाई चैम्पियनशिप के फाइनल में ओटोगुरो से हार चुके हैं। फाइनल में वह जापानी पहलवान के खिलाफ खुद के प्रदर्शन को देख सकते थे लेकिन उनके हटने से ऐसा नहीं हो सका। रवि दहिया ने हालांकि शानदार प्रदर्शन से इस चरण में भारत को पहला फ्रीस्टाइल स्वर्ण पदक दिलाया। 57 किग्रा में प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ उनका स्टैमिना और आक्रामकता काफी अच्छी रही।

बिली जीन किंग कप : अंकिता की हार से भारत फिर से क्षेत्रीय टूर्नामेंट में लौटा

जुर्माला (लातविया)। अंकिता रैना शनिवार को चुनौती देने के बावजूद दुनिया की 47वें नंबर की टेनिस खिलाड़ी अनास्तासिया सेवास्तोवा से करो या मरो के प्लेऑफ मैच में हार गई जिससे भारतीय टीम फिर से बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) के एशियाओसनिया ग्रुप में लौट गई। शुक्रवार को 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन एलेना ओस्टापेंको के खिलाफ चुनौती पेश करने के बाद भारत की नंबर एक खिलाड़ी अंकिता ने अपने से काफी बेहतरीन सेवास्तोवा को चुनौती दी लेकिन लातवियाई खिलाड़ी ने अपनी टीम को 3-0 से अजेय बढ़त दिला दी। विश्व रैंकिंग में 174वें नंबर पर काबिज अंकिता पहले उलट एकल मैच में सेवास्तोवा से 0-6 6-7 (5) से हार गईं जिन्होंने अपनी टीम के अमेरिका के खिलाफ पिछले मुकाबले में महान खिलाड़ी सेरेना विलियम्स को हराया था। भारत ने इस टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार प्लेऑफ में प्रवेश किया था। अंकिता शुरूआती सेट आसानी से गंवा बैठी और एक भी अंक नहीं जुटा सकीं। दूसरे सेट में 5-2 के स्कोर पर उन्हें दो सेट प्वाइंट मिले लेकिन वह इन्हें तब्दील नहीं कर सकी। इन मौकों को गंवाने के बाद सेवास्तोवा ने लगातार चार गेम जीतकर भारत की उम्मीदों को खत्म कर दिया।

अडानी ग्रीन की कंपनी को मिली 150 मेगावाट की सौर परियोजना मिली

नई दिल्ली। अडाणी ग्रीन एनर्जी की कंपनी एआरईएचफिफटीनएल ने टोरेंट पावर से 150 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना का अनुबंध प्राप्त किया है। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, अडाणी रिन्यूएबल इनर्जी होल्डिंग फिफ्टीन लिमिटेड (एआरईएचफिफ्टीनएल) ने गुजरात में स्थापित किए जाने वाली और ग्रिड से जोड़ी जाने वाली इस सौर फोटोवोल्टिक विद्युत परियोजनाओं के लिए प्रतिस्पर्धी बोलियों की प्रक्रिया के माध्यम से यह परियोजना हासिल की। शेयर बाजार बीएसई को दी गई सूचना में कहा गया है कि एआरईएचफिफ्टीनएल को 150 मेगावाट क्षमता वाली सौर ऊर्जा परियोजना प्रदान की गई है। इस परियोजना क्षमता के लिए निर्धारित शुल्क, 25 वर्ष की अवधि के लिए 2.22 रुपए प्रति किलोवाट है। इस परियोजना के वित्तवर्ष 2023 के तीसरी तिमाही तक चालू होने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि मौजूदा समय में कंपनी की 3,520 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं चालू हैं। इसके साथ, एजीईएल के पास अब कुल पोर्टफोलियो 15,390 मेगावाट अक्षय ऊर्जा परियोजना की क्षमता है, जिसमें से 11,870 मेगावाट की परियोजनाएं कार्यान्वयन के चरण में हैं।

एचसीएल ने प्रस्तुत किया एचसीएल जिग्सॉ

नोएडा। एचसीएल ने भारत में एचसीएल जिग्सॉ लांच किया है। यह भारत का प्रमुख क्रिटिकल रीज़निंग प्लेटफॉर्म है, जो युवा विद्यार्थियों (ग्रेड 6 से 9) में 21 वीं सदी के कौशल का आंकलन करने के लिए डिज़ाईन किया गया है। यह देश में प्रॉब्लम सॉल्विंग की संस्कृति का विकास करेगा। इस चैंपियनशिप के लिए रजिस्ट्रेशन जारी हैं और इच्छुक विद्यार्थी या स्कूल 31 मई, 2021 तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। पूरे भारत में होने वाली यह प्रतियोगिता दो वर्चुअल राउंड्स में होगी। पहला क्वालिफायर राउंड, 24 जून से 27 जून, 2021 के बीच एवं फिनाले 17 जुलाई से 18 जुलाई, 2021 के बीच आयोजित होगा। इसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों को 16 लाख रु. के पुरस्कार व गैजेट्स जीतने का मौका मिलेगा। इस अभियान के बारे में सुंदर महालिंगम, चीफ स्ट्रेट्जी ऑफिसर, एचसीएल कॉर्पोरेशन ने कहा, ''एचसीएल में हम न केवल व्यक्तियों, अपितु समुदायों की क्षमता बढ़ाने में यकीन करते हैं। इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हम युवाओं को 21वीं सदी का कौशल व दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, ताकि वो अपनी रचनात्मक सोच एवं समस्या समाधान के कौशल का उपयोग कर अभिनव समाधानों का विकास कर सकें और भविष्य के नेतृत्वकर्ता बन सकें।

डीपीआईआईटी ने एसी, एलईडी बल्ब के लिए पीएलआई योजना को अधिसूचित किया

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने एसी और एलईडी बल्ब के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) को अधिसूचित कर दिया है। योजना के तहत ऐसे उत्पादों का विनिर्माण करने वाली कंपनियों को समर्थन दिया जाएगा जो उत्पाद मौजूदा समय में भारत में नहीं बनते हैं। विभाग ने कहा है कि केवल कल-पुर्जे जोड़ कर सामान बनाने को प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा।

भारत से औषधियों के निर्यात में उछाल

● पिछले वित्त वर्ष में 18 प्रतिशत की वृद्धि

भाषा। हैदराबाद

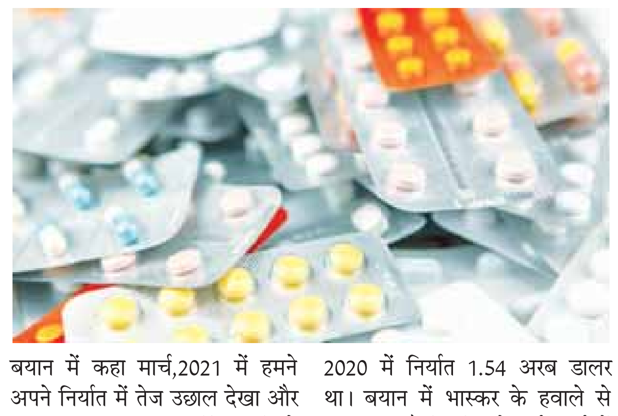

भारत से औषधियों का निर्यात पिछले वित्त वर्ष 2020- 21 में 24.44 अरब डालर के बराबर रहा जो इससे एक साल पहले के मुकाबले 18 प्रतिशत से भी अधिक है।

वर्ष 2019- 20 में यह निर्यात 20.58 अरब डालर के बराबर था। भारत से दवाओं के निर्यात में यह उछाल ऐसे समय दिखा है जबकि वैश्विक बाजार में हल्का संकुचन रहा। भारतीय औषधि निर्यात संवर्धन परिषद फार्मेक्सिल के महानिदेशक उदय भास्कर ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा मार्च,2021 में हमने अपने निर्यात में तेज उछाल देखा और यह 2.3 अरब डालर अनंतिम आंकड़े रहा। मार्च का निर्यात वित्त वर्ष के दौरान किसी भी माह की तुलना में सर्वाधिक है। मार्च माह की वृद्धि दर एक साल पहले के इसी माह की तुलना में 48.5 प्रतिशत रही। मार्च 2020 में निर्यात 1.54 अरब डालर था। बयान में भास्कर के हवाले से कहा गया है कि पिछले वर्ष मार्च में लाकडाउन लागू होने से निर्यात पर असर पड़ा था। वर्ष 2020 में वेश्विक औषधि बाजार में एक से दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत वर्ष के दौरान भारत से औषधियों की मांग में तेज उछाल दिखा। भारत की दवाओं की गुणवत्ता और इनके मूल्य की व्यावहारिकता के चलते इनकी मांग में तेजी रही। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत से वैक्सीन के निर्यात में अच्छी वृद्धि होने की संभावना दिख रही है। इसी तरह भारत सरकार की उत्पादकता आधारित प्रोत्साहन योजना से औषधि क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम होगी और निर्यात का आधार मजबूत होगा। उत्तर अमेरिका भारत की औषधियों के लिए निर्यात का सबसे बड़ा बाजार है। वर्ष के दौरान निर्यात में इस बाजार का हिस्सा 34 प्रतिशत रहा। उसके बाद दक्षिण अफ्रीकी बाजार का स्थान है। वहां के निर्यात में 28 प्रतिशत और यूरोपीय बाजार में निर्यात 11 प्रतिशत की दर से बढ़ा।

अमेरिका के सांसदों ने भारत में बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को बढाने का स्वागत किया

वाशिंगटन। अमेरिका के दो प्रभावशाली सांसदों ने भारत में बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) सीमा को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत किए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि भारत सरकार के इस फैसले से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में और मजबूती आएगी। भारतीय संसद ने पिछले महीने ही बीमा संशोधन विधेयक 2021 को पारित किया। इसके जरिए भारतीय बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को बढ़ाया गया। कांग्रेसमैन ब्राड शेरमन और स्टीव चाबोट ने कहा, भारतीय बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सीमा को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत किए जाने के एक प्रावधान को शामिल किए जाने से हम काफी उत्साहित हैं।

श्रम ब्यूरो का नया कार्यालय कोलकाता में खुला

नई दिल्ली। श्रम ब्यूरो का एक और कार्यालय कोलकाता की सॉल्ट लेक सिटी मे खोला गया है। इस नए कार्यालय के पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए सर्वेक्षण संबंधी महत्वपूर्ण गतिविधियों का केंद्र बनने की संभावना है। श्रमिकों से संबंधित पांच अखिल भारतीय सर्वेक्षणो के लिए बने विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष प्रो. एस. पी. मुखर्जी ने उद्घाटन किया।

एचडीएफसी बैंक का चौथी तिमाही शुद्ध मुनाफा 16 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंक एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को कहा कि मार्च 2021 को समाप्त चौथी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 15.8 प्रतिशत बढ़कर 8,434 करोड़ रुपए हो गया। बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही में 7,280 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हासिल किया था।

गोदरेज एयर कंडीशनर्स स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

मुंबई। अपनी ब्रांड फिलॉसफी और पर्यावरण के ब्रांड वैल्यू के अनुरूप गोदरेज अप्लायंसेज ने स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त आश्वासन के साथ 100 प्रतिशत मेड इन इंडिया इकोफ्रेंड्ली एयर कंडीशनर्स की अपनी रेंज लॉन्च की। नये एयर कंडीशनर्स में विशेष नैनोकोटेड एंटीवायरल फिल्ट्रेशन टेक्नोलॉजीश् का उपयोग किया गया है जो नैनो कोटेड फिल्टर सर्फेस के संपर्क में आने वाले 99.9 प्रतिशत वायरल एवं बैक्टीरियल कणों का सफाया कर देता है। उपभोक्ता के स्वास्थ्य की रक्षा करता है और घर को अधिक स्वच्छ बनाए रखता है। मेक इन इंडिया के प्रति स्वयं को प्रतिबद्ध रखते हुएए ब्रांड ने अपनी शिर्वल फैक्ट्री में नयी एयर कंडीशनर निर्माण इकाई स्थापित की है। 30 मॉडल्स वाली समूची नयी रेंज में सर्वाधिक इकोफ्रेंड्ली रेफ्रिजरेंट्स आर 290 और आर 32 का ही उपयोग किया गयाए इस प्रकार ये निम्नतम ग्लोबल वार्मिंग पोटेंशियल की पेशकश करते हैं।

अमेजन-पे ने 50 लाख कारोबारियों को अपने से पंजीकृत किया

● छोटे, मझौले कारोबारियों पर ध्यान

भाषा। नई दिल्ली

आनलाइन मंच के जरिए उत्पादों की बिक्री सुविधा देने वाली कंपनी अमेजन ने शनिवार को कहा कि उसने अमेजन-पे के जरिए 50 लाख कारोबारियों का पंजीकरण किया। कंपनी ने कहा कि वह भारत में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए छोटे और मझोले उद्यमों (एसएमबी) की मदद पर उसका ध्यान दे रही है। अमेजन-पे कंपनी की भुगतान प्रणाली कंपनी है। कंपनी ने कहा है कि इन पंजीकृत व्यवसायियों में से बहुत से पहले केवल नकद भुगतान ही स्वीकार किया करते थे लेकिन अब वे अमेजन- पे के क्यूआर कोड का इस्तेमाल करते हुए ग्राहकों से भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। अमेजन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रुसेल ग्रांडिनेत्ती ने अमेजन संभव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 2019 के बाद से अमेजन-पे के जरिए हमने 50 लाख व्यवसायियों को पंजीकृत किया है और चार करोड़ ग्राहकों ने हमारी इस सेवा के जरिए यूपीआई का इस्तेमाल किया है। इस समूचे परिवेश में हम अकेले नहीं हैं, अमेजन की तरह और भी कंपनियां और हमारे प्रतिस्पर्धी सभी यदि मदद करेंगे तो यह चक्र और भी तेजी से घूमेगा।

नई पिरामल रिटेल फाइनेंस ने कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और यूज्ड कार फाइनेंस सेगमेंट में भी रखे कदम

मुंबई। पिरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड की सहायक कंपनी पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पीसीएचएफएल) की एक व्यावसायिक कंपनी पिरामल रिटेल फाइनेंस ने अपने मल्टी-प्रोडक्ट रिटेल फाइनेंसिंग प्लेटफॉर्म को लॉन्च करने का एलान किया। देश के छोटे और मझौले दर्जे के शहरों पर केंद्रित कंपनी पिरामल रिटेल फाइनेंस ने देश के ग्राहकों की विभिन्न वित्त संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए ऑफर्स का एलान भी किया है। पिछली तिमाही म पिरामल ने डिजिटल परचेज फाइनेंस और यूज्ड कार फाइनेंस से संबंधित सॉल्यूशंस लॉन्च किए हैं। विस्तार के इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए पिरामल ने टेक ईकोसिस्टम में विभिन्न कंपनियों के साथ साझेदारी की हैए ताकि ग्राहकों की व्यापक जरूरतों को पूरा किया जा सके। वित्त वर्ष 21 की चैथी तिमाही में कंपनी ने दो फिनटेक कंपनियों के साथ साझेदारी की। पहली परचेज फाइनेंस के लिए जेस्टमनी के साथ, और दूसरी, यूज्ड कार फाइनेंस के लिए कार्स 24 के साथ। नवीनतम प्रोडक्ट लॉन्च के साथ, पिरामल रिटेल अब अपने लक्षित बाजारों में सात प्रोडक्ट्स पेश करता है। हाउसिंग लोन, मास एफ्लुएंट हाउसिंग लोन, प्रॉपर्टी के आधार पर लोन,सिक्योर्ड स्मॉल बिजनेस लोन, परचेज फाइनेंस और यूज्ड कार लोन। चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर जयराम श्रीधरन ने कहा कि हमारा मुख्य लक्षित बाजार देश के बजट कस्टमर तक पहुंचना है।

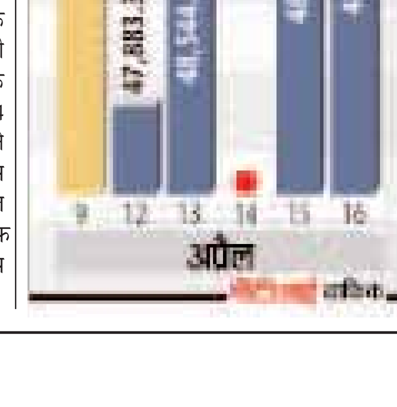

बाइडन, सुगा ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी प्रभाव पर चर्चा की

भाषा। वाशिंगटन,

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने व्हाइट हाउस में आमने-सामने की अपनी पहली बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव और चतुष्पदीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। क्वाड में अमेरिका और जापान के अलावा ऑस्ट्रेलिया और भारत भी शामिल हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में बाइडन की किसी अन्य देश के नेता के साथ शुक्रवार को हुई पहली बैठक में जलवायु परिवर्तन, कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई और उत्तर कोरिया पर भी चर्चा हुई। बाइडन के साथ सुगा ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारे गठबंधन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र और दुनिया में शांति एवं स्थिरता के आधार के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। मौजूदा क्षेत्रीय स्थिति और सुरक्षा संबंधी कठिन माहौल के मद्देनजर हमारे गठबंधन की महत्ता और बढ़ गई है।

सुगा ने बताया कि उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के अलावा स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत को लेकर भी वार्ता की। उन्होंने कहा, हमने सहमति जताई कि जापान और अमेरिका मजबूत प्रयासों के जरिए इस रुख को बढ़ावा देने के लिए नेतृत्व करेंगे। हम आसियान, ऑस्ट्रेलिया और भारत समेत अन्य देशों, समूहों और क्षेत्रों के साथ भी सहयोग करेंगे। सुगा ने कहा, हमने हिंद-प्रशांत एवं दुनिया में शांति एवं समृद्धि के संदर्भ में चीन के प्रभाव पर भी गंभीर वार्ता की। हमने पूर्व और दक्षिण चीन सागर में यथास्थिति को बलपूर्वक बदलने की हर कोशिश का विरोध करने पर सहमति जताई। बाइडन ने कहा, हम यह साबित करने के लिए मिलकर काम करेंगे कि लोकतंत्र अब भी मुकाबला कर सकता है और 21वीं सदी में जीत सकता है। हम तेजी से बदलती दुनिया में अपने लोगों के लिए काम कर सकते हैं। इसलिए, हम आज जापान और अमेरिका के बीच प्रतिस्पर्धात्मक और भरोसे पर कायम एक नई साझेदारी की घोषणा कर रहे हैं, जो हमारे समय की चुनौतियों से निपटने में हमारी क्षमताओं को बढ़ाएगी। हम मिलकर इन चुनौतियों को हराएंगे।

व्हाइट हाउस में आमने-सामने की अपनी पहली बैठक के बाद प्रेसवार्ता करते जो बाइडन व जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा

अमेरिका, जापान ने क्वाड को मजबूत करने का लिया संकल्प

भाषा। वाशिंगटन,

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने स्वतंत्र, मुक्त, सुगम और सम्पन्न हिंद-प्रशांत क्षेत्र के निर्माण के लिए चतुष्पदीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) को मजबूत करने के मकसद से भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया है।दोनों नेताओं ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में क्षेत्र में शांति एवं समृद्धि पर पड़ने वाले चीन के कदमों के प्रभाव पर भी चर्चा की।अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में बाइडन की किसी अन्य देश के नेता के साथ शुक्रवार को हुई आमने-सामने की पहली बैठक में जलवायु परिवर्तन, कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई और उत्तर कोरिया पर भी चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने बैठक के बाद एक संयुक्त बयान में कहा, हम स्वतंत्र, मुक्त, सुगम, विविध एवं सम्पन्न हिंद-प्रशांत के निर्माण के लिए क्वाड के माध्यम से भारत और ऑस्ट्रेलिया समेत अपने सहयोगियों एवं साझेदारों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया क्वाड के सदस्य देश हैं। दोनों नेताओं ने कहा कि वे आसियान की एकता और हिंद प्रशांत में आसियान दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। संयुक्त बयान में एक नए युग के लिए अमेरिका-जापान वैश्विक साझेदारी की शुरुआत की घोषणा की गई। इसमें कहा गया है कि अमेरिका और जापान हिंद-प्रशांत क्षेत्र और दुनिया भर में शांति एवं सुरक्षा का आधार बने गठबंधन का नवीकरण कर रहे हैं।

अमेरिका-जापान की कार्रवाई विभाजन को बढ़ा रही है : चीन

एपी। बीजिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और जापानी प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा के बीच वार्ता के दौरान अमेरिकी-जापान गठजोड़ के प्रदर्शन पर पलटवार करते हुए चीन ने इसे विभाजन का विडंबनापूर्ण प्रयास करार दिया। चीन ने कहा कि शुक्रवार को सुगा और बाइडन के संवाददाता सम्मेलन में लोकतंत्र व मानवाधिकारों को लेकर साझा मूल्यों पर संयुक्त बयान और हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की गतिविधियों को लेकर चिंता जाहिर करना, द्विपक्षीय संबंधों के सामान्य विकास के दायरे से काफी इतर था। वाशिंगटन में चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने शनिवार को एक बयान में कहा, इससे ज्यादा विडंबना नहीं हो सकती कि अन्य देशों के खिलाफ विभाजन को बढ़ावा देने और गुट बनाने को स्वतंत्र व मुक्त के झंडे तले रखा गया है। जापानी और अमेरिकी नेताओं द्वारा दिए गए बयान में ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता के महत्व का भी उल्लेख था। रिचर्ड निक्सन व इसाकू सातो के बीच 1969 में हुई चर्चा के बाद यह पहला मौका है जब किसी जापानी प्रधानमंत्री ने ताइवान को लेकर अमेरिका से चर्चा की हो।

जापानी प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद बाइडन ने कहा

आमने-सामने वार्ता का कोई विकल्प नहीं

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा के साथ पहली व्यक्तिगत द्विपक्षीय बैठक के बाद कहा कि आमने-सामने बैठकर वार्ता करने का कोई विकल्प नहीं है।बाइडन ने सुगा (72) के साथ व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में शुक्रवार को एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। यह किसी अन्य देश के नेता के साथ बाइडन की आमने-सामने की पहली बैठक है। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह इस बात को दर्शाता है कि अमेरिका जापान के साथ द्विपक्षीय संबंधों एवं मित्रता को कितना महत्व देता है।बाइडन (78) ने कहा, आमने-सामने की वार्ता का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री सुगा का व्हाइट हाउस में स्वागत करना मेरे लिए खुशी की बात है। यह हमारी यहां आमने-सामने की पहली बैठक है। वह पहले राष्ट्राध्यक्ष हैं, जिन्हें मैंने व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया है। बाइडन ने आमने-सामने की बैठक की महत्ता का जिक्र करते हुए कहा कि वे जी7 बैठक और चतुष्पदीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) में शामिल नेताओं के शिखर सम्मेलन में पहले भी कई बार डिजिटल माध्यम से मिल चुके हैं, लेकिन मैं आपके साथ समय बिताने और आमने-सामने बैठकर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलने की बहुत कद्र करता हूं।बाइडन ने कहा, हम कोविड-19 संबंधी एहतियातन कदमों का अब भी पालन कर रहे हैं और सावधानी बरत रहे हैं, लेकिन व्यक्तिगत मुलाकात करने की हमारी प्रतिबद्धता दर्शाती है कि हम जापान एवं अमेरिका के संबंधों को कितना महत्व देते हैं। इसके बाद, राष्ट्रपति बाइडन ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर ट्वीट किया कि व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री सुगा का स्वागत करना उनके लिए सौभाग्य की बात है और उन्होंने अमेरिका एवं जापान के बीच मित्रता के नए युग की शुरुआत की है।उन्होंने कहा, हम स्वतंत्रता, लोकतंत्र और मानवाधिकारों के सार्वभौमिक मूल्यों के प्रति हमारी साझी प्रतिबद्धता को लेकर भी एकजुट हैं। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी कार्यभार संभालने के बाद किसी विदेशी नेता के साथ अपनी पहली बैठक के तहत जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री तारो आसो की 24 फरवरी, 2009 को व्हाइट हाउस में मेजबानी की थी।

उन्होंने कहा, हमारे एजेंडे में शीर्ष पर निश्चित ही महामारी को नियंत्रित करना और हिंद प्रशांत में हमारे मित्रों एवं पड़ोसियों की मदद करना है। हमने इस साल की शुरुआत में टीकाकरण के प्रयासों में क्षेत्र के देशों की सहायता करने और कोविड-19 टीकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर ऐतिहासिक क्वाड टीका साझेदारी शुरू की थी। उन्होंने कहा कि वे जलवायु परिवर्तन संबंधी खतरों से निपटने के लिए आक्रामक कदम उठाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

राउल कास्त्रो ने कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख के पद से दिया इस्तीफा, क्यूबा में एक युग का हुआ अंत

एपी। हवाना (क्यूबा)

क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो ने शुक्रवार को कहा कि वह कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे रहे हैं और युवा पीढ़ी को पार्टी का नेतृत्व सौंप रहे हैं। इस द्वीप देश में पिछले करीब छह दशक में पहली बार ऐसा होगा, जब कास्त्रो परिवार का कोई सदस्य देश के मामलों का नेतृत्व नहीं करेगा। राउल कास्त्रो (89) ने सत्तारूढ़ पार्टी की आठवीं कांग्रेस की शुरुआत में अपने भाषण में शुक्रवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा, मैं (अपने कर्तव्य का निर्वहन करने की) संतुष्टि के साथ और देश के भविष्य में विश्वास के साथ... प्रथम सचिव के रूप में अपने काम को पूरा कर रहा हूं। राउल कास्त्रो के भाई एवं क्यूबा क्रांति के जनक फिदेल कास्त्रो का 2016 में निधन हो गया था। राउल कास्त्रो ने यह नहीं बताया कि वह कम्युनिस्ट पार्टी के प्रथम सचिव के पद पर किसे अपना उत्तराधिकारी बनाने के लिए समर्थन देंगे, लेकिन उन्होंने पहले संकेत दिया था कि वह 2018 में उनके बाद राष्ट्रपति बने 60 वर्षीय मिगुएल डियाज कनेल का समर्थन करते हैं। राउल कास्त्रो के सेवानिवृत्त होने का मतलब यह है कि पिछले छह दशक में ऐसा पहली बार होगा, जब क्यूबावासियों के मामलों का औपचारिक नेतृत्व कास्त्रो परिवार का कोई सदस्य नहीं करेगा। देश में यह परिवर्तन ऐसे समय हो रहा है, जब वह पहले से ही मुश्किल समय से गुजर रहा है। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू प्रतिबंधों के कारण देश की अर्थव्यवस्था संकट में है।

क्विक न्यूज

बलों की पूर्ण वापसी से पहले अफगानिस्तान में बढ़ाई जा सकती है अमेरिकी सैनिकों की संख्या: पेंटागन

वाशिंगटन। अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की पूर्ण वापसी की सुरक्षित एवं व्यवस्थित प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए वहां जवानों की संख्या में बढ़ोतरी की जा सकती है।पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ समय के लिए अफगानिस्तान में अतिरिक्त क्षमता बढ़ाई जाएगी, ताकि (अमेरिका के) राष्ट्रपति द्वारा तय की गई सितंबर तक की समय सीमा तक बलों की सुरक्षित, व्यवस्थित और सुनियोजित वापसी सुनिश्चित हो सके। हालांकि किर्बी ने कहा, मैं अभी यह नहीं बता सकता कि यह प्रक्रिया कैसे होगी और इस दौरान कितने बलों को तैनात किया जाएगा। जैसा कि हम इराक से बाहर आए थे, उसी तरह यह मानना तार्किक है कि आपको साजो-सामान संबंधी मदद की आवश्यकता होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि अफगानिस्तान से 11 सितंबर तक अमेरिकी बलों को वापस बुला लिया जाएगा।

इजराइल : गाजा से 24 घंटे में दूसरी बार रॉकेट दागा गया, कोई हताहत नहीं हुआ

गाजा सिटी। इजराइली सेना ने कहा है कि शुक्रवार को फलस्तीनी आतंकवादियों ने देश के दक्षिण हिस्से में रॉकेट दागा, जो 24 घंटे में दूसरी ऐसी घटना है। वैसे इस रॉकेट हमले में कोई नुकसान नहीं हुआ और न कोई हताहत हुआ। इस हमले के जवाब में इजराइली लड़ाकू जेटों और हेलीकॉप्टरों ने गाजा पट्टी पर नियंत्रण रखने वाले आतंकवादी संगठन हमास के पांच ठिकानों को निशाना बनाया। इजराइली सेना के अनुसार उसने एक प्रशिक्षण स्थल, हथियार विनिर्माण केंद्र, एक फैक्टरी आदि को निशाना बनाया लेकिन उसके इस हवाई हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इजराइल फलस्तीन से होने वाले किसी हमले के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराता है।उधर, इस्लामिक आतंकवादी संगठन के प्रवक्ता हाजेम कास्सेम ने कहा कि इजराइली हवाई हमले गाजा को तोड़ नहीं पाएंगे।

अमीरात की यात्रा पर जा रहे पाकिस्तानी विदेश मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान वह व्यापार और निवेश में सहयोग सहित द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों में वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा करेंगे।विदेश कार्यालय ने कहा कि कुरैशी वहां अपने समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान और अन्य प्रमुख लोगों से मुलाकात करेंगे।यूएई में बड़ी संख्या में पाकिस्तानी समुदाय के लोग रहते हैं।विदेश कार्यालय ने कहा, विदेश मंत्री व्यापार और निवेश, पाकिस्तानी लोगों के लिए नौकरी के अवसरों और पाकिस्तानी प्रवासियों के कल्याण सहित द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर यूएई के नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श करेंगे। वह परस्पर हितों से जुड़े विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के संबंध काफी मधुर है। स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में आई उन खबरों के बाद इस यात्रा का अतिरिक्त महत्व है जिनमें कहा गया था कि यूएई ने जनवरी में पाकिस्तानी और भारतीय अधिकारियों के बीच गुप्त वार्ता की मेजबानी की। इसके कुछ हफ्तों बाद दोनों पक्षों ने फरवरी में नियंत्रण रेखा पर 2003 के युद्धविराम समझौते को बहाल करने पर सहमति जताई थी।

इराक : वरिष्ठ कैमरामैन माजिद का निधन

बेरूत। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) वीडियो प्रोड्यूसर और कैमरामैन के तौर पर 17 साल के करियर के दौरान इराक में विभिन्न संघर्षों को कवर करने वाले के. माजिद का निधन हो गया है। उनके संबंधियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वह 64 साल के थे।संबंधियों ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हुई जटिलताओं से उनकी मौत हुई। माजिद करीब तीन सप्ताह से अस्पताल में भर्ती थे, लेकिन बीते कुछ दिन से उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती जा रही थी। शुक्रवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली।माजिद 2003 में अमेरिका के नेतृत्व में इराक में लड़ाई छिड़ने के एक साल बाद मार्च 2004 में बगदाद में एपी से जुड़े थे। इस जंग के चलते इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को सत्ता गंवानी पड़ी थी। अपने करियर के दौरान माजिद ने सुरक्षा व्यवस्था बिखरने और वर्षों तक चले सांप्रदायिक खून-खराबे, अमेरिका के कब्जे, आतंकवादी संगठन अलकायदा के उदय और अंत में इस्लामिक स्टेट के खिलाफ छेड़ी गई लड़ाई को कवर किया।

गोपनीय सूचना को लेकर रूस ने यूक्रेन के राजनयिक को हिरासत में लिया

मॉस्को। रूस ने देश की मुख्य सुरक्षा एजेंसी के डाटाबेस से कथित तौर पर गोपनीय सूचना हासिल करने के लिए यूक्रेन के एक राजनयिक को हिरासत में लिया है।फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (एफएसबी) ने शनिवार को बताया कि सेंट पीटर्सबर्ग में यूक्रेन के महावाणिज्यदूत को शुक्रवार को एक रूसी नागरिक के साथ मुलाकात के दौरान गिरफ्तार किया गया। एफएसबी का आरोप है कि मुलाकात के दौरान उन्होंने कानून लागू करने वाली एजेंसियों और एफएसबी के डाटाबेस से गोपनीय प्रकृति की सूचनाएं हासिल की। रूस की संवाद समितियों ने एफएसबी के बयान जारी किए जिसमें और अधिक ब्यौरा नहीं दिया हुआ है।यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र में सीमा के पास रूसी सैनिकों की मजबूत उपस्थिति और रूस तथा यूक्रेन के मध्य बढ़ते तनावों के बीच राजनयिक को गिरफ्तार किया गया है।

ब्राजील के साओ पाउलो में कोविड 19 के प्रतिबंधों के कारण अपना कार्य ठीक ढंग से न कर पाने के कारण प्रदर्शन कर रैली निकालते फूड डिलेवरी कर्मचारी

ईरान ने नतान्ज हमले के संदिग्ध का नाम बताया, आरोपी फरार

एपी। तेहरान

ईरान के सरकारी टेलीविजन ने नतान्ज परमाणु स्थल के सेंट्रीफ्यूज को हमले में बर्बाद करने के संदिग्ध का नाम सार्वजनिक किया और कहा कि वह हमला होने से पहले देश छोड़कर भाग चुका था। फिलहाल 11 अप्रैल को हुए हमले से कितना नुकसान हुआ यह स्पष्ट नहीं है, यह ऐसे समय हुआ जब ईरान विश्व शक्तियों के साथ समझौते में अमेरिका को फिर से प्रवेश की अनुमति देने और अपने ऊपर लगे आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के लिए उनसे बातचीत कर रहा है।ईरान इस हमले की प्रतिक्रिया में अब 60 प्रतिशत शुद्धता के साथ यूरेनियम का संवर्धन कर रहा है, जो अब तक के उसके सर्वोच्च स्तर से तीन गुना ज्यादा है। हमले और उसे लेकर ईरान की प्रतिक्रिया ने पश्चिम एशिया में तनाव को और बढ़ा दिया है, जहां तेहरान और हमले के संदिग्ध इजराइल के बीच जंग के बादल अब भी मंडरा रहे हैं। सरकारी टेलीविजन ने संदिग्ध का नाम रजा करीबी बताया है, जो 43 साल का है। खबर में उसकी पासपोर्ट आकार की एक तस्वीर भी दिखाई गई और बताया गया कि उसका जन्म पड़ोसी शहर कशहन में हुआ था। रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख नहीं किया गया कि करीबी इस्लामी गणराज्य के सबसे सुरक्षित केंद्रों में से एक तक पहुंचा कैसे। रिपोर्ट में उसकी गिरफ्तारी की मांग संबंधी इंटरपोल का रेड नोटिस भी दिखाया गया। इंटरपोल के सार्वजनिक डेटाबेस पर हालांकि गिरफ्तारी का यह नोटिस तत्काल उपलब्ध नहीं नजर आ रहा। फ्रांस के लियोन में स्थित इंटरपोल ने इस मामले में टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। टीवी की खबरों में कहा गया कि कानूनी माध्यमों से करीबी को वापस ईरान लाने के लिए आवश्यक कार्वाई की जा रही है। हालांकि, इस बारे में और विवरण नहीं दिया गया।

कोविड-19 से पूरी दुनिया में 30 लाख से अधिक लोगों की हो चुकी मौत

एपी। रियो डी जेनेरिया

● अमेरिका के बाद ब्राजील, मैक्सिको, भारत और ब्रिटेन में मृतकों की संख्या सर्वाधिक है

कोरोना वायरस के कारण पूरी दुनिया में मरने वालों की संख्या शनिवार को 30 लाख से अधिक हो गई। भारत, ब्राजील और फ्रांस जैसे देशों में कोरोना वायरस का संकट बढ़ता जा रहा है और पूरी दुनिया में टीकाकरण में बाधाएं आ रही हैं।

जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना वायरस के कारण जितने लोगों की मौत हुई है वह कीव (यूक्रेन), काराकास (वेनेजुएला) या मेट्रोपोलिटन शहर लिस्बन (पुर्तगाल) की आबादी के बराबर है। यह संख्या शिकागो (27 लाख) से बड़ी और संयुक्त रूप से फिलाडेल्फिया एवं डलास के बराबर है।मृतकों का आंकड़ा इससे भी अधिक हो सकता है क्योंकि हो सकता है कि सरकारें आंकड़ों को छिपा रही हों या 2019 के शुरुआत में चीन के वुहान से शुरू हुए वायरस के कई मामलों को शुरुआती चरण में छिपाया गया हो।पूरी दुनिया में संक्रमण की गति और इसे नियंत्रण में लाने के तरीके विभिन्न देशों में अलग-अलग हैं।पूरी दुनिया में मौत का औसत 12 हजार प्रतिदिन है और प्रतिदिन सात लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं।अमेरिका में कोविड-19 से 5,60,000 मौतें हुई हैं और विश्व भर में हुई हर छह मौतों में से एक मौत अमेरिका में हुई है। अमेरिका के बाद ब्राजील, मैक्सिको, भारत और ब्रिटेन में मृतकों की संख्या सर्वाधिक है। अमेरिका ने इस महीने जॉनसन एंड जॉनसन के टीके के इस्तेमाल पर रोक की अनुशंसा की क्योंकि अधिकारियों ने इस कारण खून के थक्के बनने की जांच शुरू की थी और यूरोप के कुछ देशों ने भी टीके पर अस्थाई रोक लगाई।खून का थक्का जमने के कारण एस्ट्राजेनेका के टीके पर भी कुछ देशों ने पाबंदियां लगाईं।

अमेरिका में फेडएक्स के परिसर में गोलीबारी चार सिखों समेत आठ लोगों की मौत

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के इंडियाना राज्य में फेडएक्स कंपनी के एक परिसर में गोलीबारी की घटना में सिख समुदाय के चार लोगों समेत कम से कम आठ की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। मृतकों में तीन सिख महिलाएं शामिल हैं। इस घटना से स्तब्ध सिख समुदाय के लोगों ने नस्ली घृणा से प्रेरित अपराध और हिंसा की बढ़ती घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से अपील की है। बंदूकधारी हमलावर की पहचान इंडियाना के 19 वर्षीय ब्रेंडन स्कॉट होल के रूप में की गई है, जिसने इंडियानापोलिस में स्थित फेडएक्स कंपनी के परिसर में बृहस्पतिवार देर रात गोलीबारी करने के बाद कथित तौर पर खुद को गोली मार ली।

होल, 2020 में फेडएक्स का कर्मचारी था। संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि पिछले साल होल की मां ने एजेंसी को फोन करके कहा था कि उनका बेटा आत्मघाती कदम उठा सकता है जिसके बाद एफबीआई ने होल से पूछताछ की थी। डिलीवरी सेवा प्रदाता कंपनी के इस परिसर में कार्यरत 90 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक बताए जाते हैं, जिनमें ज्यादातर सिख समुदाय के हैं। सिख समुदाय के नेता गुरिंदर सिंह खालसा ने फेडएक्स परिसर के कर्मचारियों के परिजनों से मुलाकात करने के बाद फोन पर पीटीआई से कहा, यह बेहद दुखद है। इस त्रासद घटना से सिख समुदाय आहत है। मारियन काउंटी कोरोनर कार्यालय और इंडियानापोलिस मेट्रोपोलिटन पुलिस विभाग (आईएमपीडी) ने शुक्रवार देर रात मृतकों के नाम का खुलासा किया। मृतकों में सिख समुदाय के अमरजीत जोहल (66), जसविंदर कौर (64), अमरजीत (48) और जसविंदर सिंह (68) शामिल हैं। अन्य मृतकों में कार्ली स्मिथ, एलक्जेंडर मैट, समारिया ब्लैकवेल और जॉन वाइट शामिल हैं। सिख समुदाय के एक अन्य व्यक्ति हरप्रीत सिंह गिल (45) को आंख के पास गोली लगी और अभी वह अस्पताल में है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने इस त्रासद घटना पर शोक व्यक्त किया है। बाइडन ने एक वक्तव्य में कहा, होमलैंड सिक्योरिटी की टीम ने मुझे और उपराष्ट्रपति हैरिस को इंडियानापोलिस में फेडएक्स परिसर में हुई गोलीबारी की घटना की जानकारी दी है, जहां रात के अंधेरे में अकेले बंदूकधारी ने आठ लोगों की जान ले ली और कई लोगों को घायल कर दिया। अमेरिका के दौरे पर आए जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने व्हाइट हाउस में बैठक की शुरुआत में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, निर्दोष नागरिकों के साथ हिंसा नहीं होनी चाहिए। स्वतंत्रता, लोकतंत्र, मानवाधिकार और कानून का राज ऐसे वैश्विक मूल्य हैं, जो हमें जोड़ते हैं और जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कायम हैं। बाइडन ने मृतकों के सम्मान में व्हाइट हाउस तथा अन्य संघीय इमारतों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुकाने का आदेश दिया है। खालसा ने कहा कि समुदाय के नेता अधिकारियों के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, 9/11 के बाद से सिख समुदाय ने बहुत कुछ झेला है। अब वह समय आ गया है जब इस प्रकार की गोलीबारी की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। अब बहुत हो चुका। इंडियाना में सिख समुदाय के लगभग 10 हजार लोग रहते हैं। उपराष्ट्रपति हैरिस ने संवाददाताओं से कहा, हमारे देश में ऐसे परिवार हैं जो हिंसा के कारण अपने परिजनों को खो चुके हैं। इस हिंसा का अंत होना चाहिए। हम उन परिवारों के प्रति चिंतित हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर पुलिस के आने से पहले हमलावर ने खुद को गोली मार ली। फेडएक्स ने इसकी पुष्टि की है कि उक्त हमलावर इंडियानापोलिस में कंपनी का पूर्व कर्मचारी था। अमेरिका में स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। शिकागो में भारतीय महावाणिज्य दूत अमित कुमार ने इंडियानापोलिस के मेयर जो होगसेट से बात की जिन्होंने हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। भारतीय दूतावास की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया, हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और यथासंभव सहायता देने को तैयार हैं।

पायनियर
रविवार, 18 अप्रैल, 2021

एजेण्डा

मुझे हर चीज से भय है लेकिन शायद जब आप हर चीज से डरते हैं तो कुछ ऐसा लगता है कि आप किसी चीज से नहीं डरते हैं।
-नतालिया पोर्टमेन

बस खेलो

संवर्धित वास्तविकता वाले खिलौने बाजार में नए आगंतुक हैं जो बाल शिक्षण में योगदान करने के आधार पर अतिरिक्त खेल समय को उचित ठहराते हैं। इस संबंध में विशेषज्ञों से बातचीत के आधार पर मुस्बा हाशमी की रिपोर्ट......

केवल कुछ ही लोगों ने इस पर विश्वास किया होगा कि हर वक्त काम और कोई खेलना नहीं जैसी हालत जैक को सुस्त लड़का बना देती है। हालांकि, वर्तमान शिक्षा जगत बच्चों के लिए एक खेल के मैदान में बदल गया है, जहां वे रास्ते में सीखते हुए खिलौनों के साथ खिलवाड़ करते हैं। सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए नवआगंतुक एआर तकनीक के बारे में बहुत बात की जाती है, जो कि माना जाता है कि शिक्षा का क्रांतिकारीकरण कर रही है।

गुड़ियों और बंदूकों को धीरे-धीरे बच्चों की अलमारी में बदल दिया जाता है। वे दिन गए जब बच्चे पढ़ाई के समय की बात करते ही भाग खड़े होते थे। अब, माता-पिता बच्चों को सार्थक खेलने के घंटों में उलझा रहे हैं, जहाँ वे शिक्षित भी हों और उन्हें इसका पता भी न चले। खिलौना उद्योग में शैक्षिक खिलौने सबसे बड़ी श्रेणी है और यह अन्य सभी श्रेणियों में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। यहाँ ब्ला-एआर ट्वाइज या खिलौनों पर नया बच्चा आता है। स्मार्ट एआर-खिलौनों के आगमन के साथ, दुनिया आपके बच्चे की सीप बन गई है। वे खेलने के समय को उत्पादक बना सकते हैं, कहानियों के माध्यम से सीख सकते हैं, और वास्तव में घर छोड़े बगैर दुनिया की यात्रा कर सकते हैं। एआर-खिलौनों का नियमित रूप से उपयोग करने वाले बच्चों, माता-पिता और शिक्षकों की बढ़ती संख्या से एक बात स्पष्ट है। एआर-संवर्धित शैक्षिक खिलौने शिक्षा में अगली बड़ी चीज है, और इसकी सुंदरता के कारण, वे यहां बने रहते हैं।

> वीडियो गेम और एप्लिकेशन के विपरीत, एआर खिलौने स्पर्श कौशल के साथ मोटर कौशल विकास में भी सहायता करते हैं। हालांकि, एआर खिलौनों पर बहुत ज्यादा निर्भर होना छोटे बच्चों में सामाजिक कौशल के विकास को प्रभावित कर सकता है। स्क्रीन के साथ अतिरेक स्तर पर जुड़ाव होना उनके एकाग्रता स्तर को प्रभावित कर सकता है और उन्हें समर्पणकारी बना सकता है।
>
> — प्रकृति पोद्दार
> ग्लोबल हेड फॉर मेंटल हेल्थ, राउंड ग्लास

बाजार शोध कंपनी, मार्निंग कंसल्ट के मुताबिक, महामारी ने 62 फीसदी माता-पिता की आबादी को प्रेरित भी किया है, यह देखने के लिए कि उपकरण और प्रौद्योगिकी का शैक्षिक उपकरण के रूप मेंउपयोग किया जा सकता है। प्लेशिफू के सीईओ और सहसंस्थापक, विवेक गोयल का कहना है, 'एआर खिलौने के उभरने के कारण बहुपरतीय हैं। अपने प्रारंभिक वर्षों में बच्चे ऊर्जा और उत्साह से सराबोर रहते हैं। अफसोस की बात है कि उनका अल्प एकाग्रता-अवधि कोई रहस्य नहीं है। वे उन खेलों में रुचि खो देते हैं जितनी जल्दी वे उन्हें हासिल करते हैं। हालांकि पारंपरिक खेल कुछ दिनों के लिए रोमांचक हो सकते हैं, मगर वे शायद लंबे समय तक बच्चों का ध्यान आकर्षित नहीं रख पाएंगे।' यह कोई मतलब नहीं है कि प्लेशिफू खिलौने वर्तमान में 35 देशों के बच्चों के लिए खुशियां ला रहे हैं।

जब घर पर बच्चों को उलझाते हैं, उस समय यह आवश्यक है कि उन्हें ऐसे खिलौनों से परिचित कराया जाए जो हर बार एक अलग प्रकार अनुभव प्रदान करते हों। पूर्वानुमानित खेलों को अक्सर तेजी के साथ बच्चों का ध्यानाकर्षण खो बैठते हैं। बच्चों की रुचि समाप्त हो जाती है। ताजा धुन पर पागल होना, और यह तथ्य है कि इन खिलौनों ने उनकी बेटी की एकाग्रता को बढ़ाने में मदद की है, ऐसा चार वर्षीय निया की माँ, गुरुग्राम की कुसुम कहती हैं। वह बताती हैं, 'सामान्य खिलौने थोड़ी देर के बाद उबाऊ हो गए थे, जिनमें से अधिकांश को मेरी सहायता की भी जरूरत थी और उनमें से कुछ लगभग बेकार हो चुके खिलौने थे। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव उसकी एकाग्रता अवधि में आया है क्यों ये खिलौने संवादात्मक, दिलचस्प हैं और सवाल और अन्वेषण के लिए प्रेरित करते हैं।'

बहुत सारे माता-पिता अब पहले से कहीं ज्यादा शैक्षिक खिलौने का चुनाव कर रहे हैं। वे उन उत्पादों में निवेश कर रहे हैं जो उनके बच्चों के लिए सीखने के अवसर प्रदान करते हैं। लेकिन, ये निवेश तभी फलदायी होते हैं जब बच्चे खुद खिलौने को काफी रोमांचक पाते हैं। गोयल कहते हैं, 'हमारा मुख्य ध्यान उस संतुलन को प्राप्त करना और फिजिटल अनुभव बनाना है जो मजेदार और शिक्षाप्रद दोनों हैं।

>> पेज 3

आपके नन्हें मुन्नों के लिए अनोखे शैक्षणिक किट्स

शिक्षण कला से लेकर कोडिंग तक, विभिन्न ब्रांड एक अतिरिक्त दूरी तक चलने और सर्वाधिक आकर्षक तरीके से बच्चों को पढ़ाने के लिए तैयार हैं। एआर खिलौने, उद्योग में, यदि ज्यादा नहीं तो, गेम चेंजर बनने के लिए तैयार हैं। यहां कुछ विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से व्यक्ति चुनाव कर सकता है:

कानो

छह वर्ष और उससे अधिक उम्र के बच्चों के लिए उपयुक्त, कानो पीसी किट बच्चों के लिए किसी निजी लैपटॉप से कम नहीं है। यह डीआईवाई टैबलेट कोडिंग के साथ कला, विज्ञान शिक्षण लिए आदर्श गंतव्य है। यह हार्डवेयर घटकों से मिलकर बनी है। बच्चे को एक कार्यात्मक विंडोज 10 टैबलेट बनाने के लिए भागों को फिट करने की आवश्यकता होती है जो एक माइक्रोएसडी कार्ड स्लॉट और डिटैचेबल की-बोर्ड के साथ आती है। पूरा हो जाने के बाद, बच्चा कानो वर्ल्ड में कानो समुदाय के साथ अपनी परियोजनाओं को ऑनलाइन साझा कर सकता है।

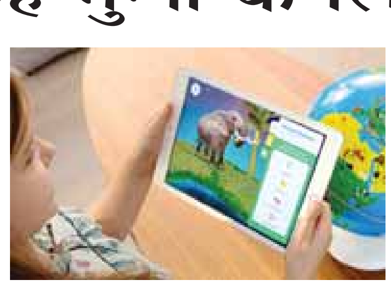

लिटिलबिट्स

यह आपको एक ई-कक्षा का अनुभव प्रदान करता है। इसकी कोडिंग किट इसका प्रमुख उत्पाद है और यह तीसरी कक्षा से आठवीं कक्षा के बच्चों के लिए आदर्श है जो कम उम्र में कोडिंग क्षेत्र में कदम रखना चाहते हैं। स्टीम प्लस किट एक विश्लेषणात्मक चिंतन प्रक्रिया में बच्चों को भागीदार बनाते हुए पाठ्यक्रम-अनुरूप सामग्री का विस्तार करता है। यह निर्माता स्थलों , पुस्तकालयों, शिविरों, क्लबों आदि के लिए गतिविधियां व नवाचार प्रदान करता है।

वंडर वर्कशाप

इस मंच का लक्ष्य भविष्य के नवोन्मेषकों का निर्माण करना है और छह वर्ष या उससे अधिक आयु के बच्चों के लिए यह एक अभिनव उत्पाद है। यह मंच इन-ऐप पजल लाइब्रेरी, मानक-आधारित पाठों के साथ-साथ रोबोटिक चुनौतियों का प्रदर्शन करता है। इनके एप्लीकेशन, वंडर फार डैश एंड डॉट रोबोट्स, मजेदार तरीके से रोबोटिक्स के बारे में सिखाते हैं। यह एक कोडिंग टूल है जो कि बच्चे को रोबोटिक्स को खेलने और स्वयं सभी रोबोटिक्स का पता लगाने में सक्षम बनाता है और 300 से अधिक चुनौतियाँ पेश करता है जो बच्चों को रोबोटिक्स प्रोग्रामिंग और बिल्डिंग के बारे में सिखाती हैं। इसकी मदद से बच्चे अपनी खुद की मशीनरी बना सकते हैं, अपने इच्छित तंत्रों को पोषित कर सकते हैं और चुनौतियों से खेल सकते हैं।

ओस्मो

यह ब्रांड इलेक्ट्रॉनिक खिलौने प्रदान करता है जो आईपैड या अमेजन फायर टैबलेट के साथ उपयुक्त हैं। किट में संख्याएँ, आकृतियाँ, कोडिंग निर्देश, पहेलियाँ, रेखाचित्र, व्यावसायिक अभिरुचि और इसी तरह की शिक्षण विशेषताएँ हैं जो बच्चे को विभिन्न क्षेत्रों का पता लगाने और स्वतंत्र रूप से सीखने का अवसर देती हैं।

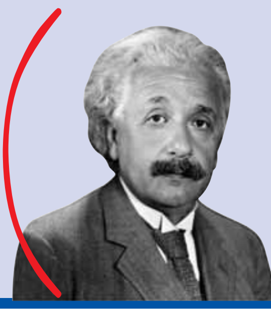

कोई भी समस्या चेतना के उसी स्तर से नहीं सुलझाई जा सकती जहां से वह पैदा हुई हो।
- अल्बर्ट आइंस्टीन

वानर मन को साधें

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

माना जाता है कि भगवान हनुमान ने अपने आदर्श भगवान राम की सेवा में आत्मसमर्पण किया था। प्रेम की गहन भावना से प्रेरित होकर, उन्होंने राम को अपने दिल में बसाया और अपनी आदर्श चेतना के साथ अपनी पहचान को विलय दिया। इस प्रकार, अपने आदर्श के अनुरूप होने के कारण, वह चेतना तत्व के लिए आंतरिक शक्तियों का लाभ उठा सकता है। कोई आश्चर्य नहीं कि वह इस तरह के असाधारण कारनामा कर सकते थे जिसका कोई सानी नहीं होगा।

प्रार्थना मोड में, जब आप अपना पूरा ध्यान लगाते हैं, तो आप उन चीजों को प्राप्त कर लेते हैं, जिन पर आपका ध्यान केंद्रित रहता है। इसलिए बाइबल कहती है: ''पहले ईश्वर और फिर उसकी समस्त महिमा पर अपना ध्यान लगाओ, फिर तुमको अपना मनचाहा सबकुछ मिल जाता है।''

हालांकि, विरोधाभास यह है कि भगवान हनुमान उस असीम शक्ति के बारे में अनभिज्ञ थे, जो उनके भीतर थी। जाहिर है, सामान्य परिस्थितियों में, वह अपनी पशुवादी प्रवृत्ति से प्रेरित होंगे। लेकिन जब याद दिलाया गया तो आवश्यकता पड़ने पर भगवान हनुमान अपनी देसी शक्तियों का आह्वान कर पाए।

जैसा कि रामायण कथा आगे बढ़ती है, भगवान हनुमान को सीता का पता लगाने का कार्य सौंपा गया, जिनका कि अपहरण कर लिया गया था और वे रावण की कैद में थीं। उपलब्ध संकेतों के अनुसार सीता श्रीलंका में कहीं थीं। अपने इच्छित गंतव्य पर जाने के लिए, हनुमान को समुद्र पार करना पड़ा, जो असंभव दिखता था। लेकिन जब रीछ, जामवंत ने उन्हें याद किया, तो उन्हें अपने अंदर निहित शक्तियों का एहसास हुआ कि वे समुद्र के पार जा सकते हैं। इसलिए, उन्होंने अपने अंजान शक्ति आधार का आह्वान किया और लंका तक जा पहुंचे।

हनुमान की कहानी मानवीय दुविधा के जैसी है। मानव अपार शक्ति से संपन्न है। यदि समूची मानव क्षमता सामने आती है, तो इंसान की शक्ति की कोई सीमा नहीं होगी। हालाँकि, विडंबना यह है कि मनुष्य को अपने सच्चे आत्म के बारे में पता नहीं है। तथ्य यह है कि मनुष्य का जन्म दुविधा और पूर्वाग्रही मन के साथ हुआ है। सीमाओं में बंधे होने के कारण, मानव मन के समूचे परिदृश्य की तह तक जाने में विफल रहता है। इस प्रकार, व्यक्ति की मानसिक शक्ति सीमित रहती है। ऐसा कहा जाता है कि आम तौर पर इंसानों की अपनी मानसिक क्षमता के सिर्फ 5 से 7 प्रतिशत तक पहुंच हासिल है।

उससे अधिक हमारे सचेत प्रयासों का मसला है। हालांकि, भले ही वे जो कुछ भी उनके सामने मौजूद हो, उसका इष्टतम उपयोग करने में सक्षम हैं, मगर वे जीवन की सामान्य आवश्यकताओं से सहज आसानी के साथ सफलतापूर्वक निपट सकते हैं।

हालांकि, विडंबना यह है कि एक साधारण व्यक्ति, जो स्वयं अपनी करनी के वैचारिक संजाल में फंस जाता है, और अतीत में अर्जित नकारात्मक छवियों के चले आ रहे असर से निपटने के दौरान, बेतुके कार्यों पर अपनी मानसिक शक्ति का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद कर देता है जिसके कारण फिर असुरक्षा की भावना पैदा होती है नतीजतन व्यक्ति तनावग्रस्त होता है। परिणामस्वरूप, उनके पास अपनी प्राथमिक वरीयताओं के साथ न्याय करने का बिरले अवसर मिलता है और फिर उसका खामियाजा सामने आता है।

मनुष्य भी पशुवादी प्रवृत्ति के साथ-साथ मानवीय गुणों को भी लिए रहता है। दोनों में से कौन गुण व्यक्ति को संचालित करते हैं, या इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति का दिमागी रूझान किस ओर है। समूची स्थिति की विडंबना यह है कि किसी की पशुवत प्रवृत्ति प्रत्यक्षतया अनजाने में अपनी भूमिका निभाती रहती है। लेकिन व्यक्ति के गुणों को पहचानने, स्वीकार करने, सम्मान देने और फिर जानबूझकर उपयोग में लाने के लिए जागृत करना आवश्यक होता है।

इस राह में जो तथ्य बाधक है, वो यह कि मानव मन बहुत अस्थिर होता है। यह मनमाने ढंग से विभिन्न विचारों के साथ छेड़खानी करता रहता है, कुछ-कुछ बंदर की तरह, बेतरतीब ढंग से पेड़ की एक डाल से दूसरी डाल पर कूदते हुए। इस प्रकार, यह आवश्यक हो जाता है कि पहले वानर-मन को नियंत्रित किया जाए, ताकि निर्बाध ढंग से अंतर्निहित गुणों को सक्रिय भूमिका में लाया जा सके। और इसे दो चरणों की ध्यान प्रक्रिया के बाद प्राप्त किया जा सकता है जैसा कि पिछले अध्याय में चर्चा की गई है।

भगवान हनुमान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ध्यान को प्रेरित करना, साधक को अपनी आत्मा को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करेगा। तदनुसार, किसी को गुण का पता लगाने, पहचानने और स्वीकार करने के लिए लुभाया जाएगा, और फिर उन्हें सान दिया जाएगा, ताकि वे समकालीन शब्दों में उपयोग के लायक बन जाएं।

भगवान हनुमान पर एकाग्रता से ध्यान केंद्रित करने से, साधक अपनी आत्मा को आत्मसात करने के लिए प्रेरित होगा। तदनुसार,व्यक्ति अंतर्निहित गुणों का पता लगाने, पहचानने और स्वीकार करने और उन्हें आत्मासात करने के लिए लालायित होगा, ताकि वे समकालीन अर्थों में उपयोगी बन जाएं।

और क्योंकि भगवान हनुमान को वीरता से पहचाना जाता है, इसलिए उनकी कल्पना को प्रतिबिंबित करने से भय और असुरक्षा की भावना को दूर करने में मदद मिल सकती है। साथ ही, यह जीवन में आने वाली चुनौतियों का पूरी ताकत से सामना करने के लिए आवश्यक इच्छा व संकल्प को मंजूरी दे सकता है।

प्रतिरक्षण तंत्र को बनाएं उत्तम

डॉ. राशि चहल का कहना है कि एक स्वस्थ शरीर किसी एक चीज पर निर्भर नहीं होता है, बल्कि यह एक लंबी अवधि के संतुलित आहार का प्रतिफल है।

जो आप खाते हैं उसका आपके प्रतिरक्षण पर स्पष्ट प्रभाव पड़ता है। प्रतिरक्षण व्यक्ति के शरीर की बाहरी तत्वों या पैथोजेन्स के किसी हमले को रोकने या उनसे लड़ने की क्षमता से संबंधित है। प्रतिरक्षण तब प्रतिक्रिया करता है जब शरीर आपके शरीर को बचाने की जवाबी लड़ाई लड़ता है।

महामारी की इस अवधि में, न केवल इन सप्लीमेंट्स के उपयोग में वृद्धि हुई थी, लेकिन हमें मनुष्यों के रूप में यह विश्वास दिलाया गया था कि बोतलें वास्तव में आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने और एलर्जी को दूर करने का दावा करती हैं। प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए कोई जादू की गोली नहीं होती है। यह एक रक्षण प्रणाली है जो आपके पैदा होने के साथ ही आपके शरीर में मौजूद होती है। यह रक्षा प्रणाली पहले दिन से आज तक सक्रिय रही है!

विटामिन स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकते हैं और प्रोबायोटिक्स आपके आंत में रहने वाले बैक्टीरिया और जीव की मदद कर सकते हैं जो आपके बेहतर स्वास्थ्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वास्तव में एक स्वस्थ प्रणाली सिर्फ एक चीज पर - विटामिन सी, विटामिन डी, आदि - निर्भर नहीं होती है । लेकिन यह लंबी समयावधि के संतुलित स्वस्थ आहार का प्रतिफल है जिसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज और अंत में पानी शामिल हैं!

विटामिन और खनिज, जो व्यक्ति की सेहत को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक होते हैं, इस प्रकार हैं:

विटामिन सी : यह संक्रमण को रोकने या कम करने में मदद करता है। अध्ययन साबित करते हैं कि विटामिन सी का नियमित सेवन किसी के शरीर में मेहतर की तरह काम करता है। विटामिन सी से भरपूर फल आपके दैनिक सेवन की पूर्ति के लिए सबसे अच्छे हैं लेकिन अन्य अच्छे स्रोत हैं : पालक, एक प्रकार की गोभी, बेल मिर्च, अमरूद, स्ट्रॉबेरी, पपीता, आदि।

विटामिन ई: विटामिन ई एक शक्तिशाली विषहारक है जो प्रतिरक्षा प्रणाली के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पौधे आधारित तेल, नट, बीज, फल और सब्जियों में आसानी से पाया जा सकता है।

विटामिन ए: यह न केवल दृष्टि में सुधार करता है और आपकी त्वचा में चमक बढ़ाता है, बल्कि एक संक्रमण-सैनिक भी है। इसे सर्वोत्तम ढंग से अंडे, छिलकेदार अनाज, शकरकंद, कद्दू के सेवन के जरिए पाया जा सकता है।

विटामिन डी : इसे धूप विटामिन भी कहा जाता है और इसका सबसे अच्छा स्रोत धूप है। यह वसा में घुलनशील विटामिन है जो

कैल्शियम मैग्नीशियम और फॉस्फेट के आंतों के अवशोषण में सुधार करता है। यह हमारे शरीर में हार्मोन को विनियमित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन करने वाले शक्तिशाली पोषक तत्वों में से एक है।

फोलेट या विटामिन बी : विटामिन बी 9 और बी 12 प्रतिरक्षा प्रणाली के स्वस्थ संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपने आहार में फोलेट की अधिक मात्रा पाने के लिए बीन्स, हरी पत्तेदार सब्जियाँ और दाल को नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए कोई जादू की गोली नहीं होती है। यह एक रक्षण प्रणाली है जो आपके पैदा होने के साथ ही आपके शरीर में मौजूद होती है। यह रक्षा प्रणाली पहले दिन से आज तक सक्रिय रही है!

आयरन : यह आपके शरीर को कोशिकाओं और विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन ले जाने में मदद करता है। आयरन प्रतिरक्षा कोशिकाओं की सक्रियता और प्रसार के लिए आवश्यक है।

जस्ता: आपके शरीर में नई प्रतिरक्षा कोशिकाओं के उत्पादन के लिए इसकी आवश्यकता होती है। यह आमतौर पर चिकन, मछली और अंडे जैसे पशु उत्पादों में पाया जाता है। यह दही, छोले और दाल में भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

सेलेनियम: एक अन्य पोषक तत्व जिसका शक्तिशाली प्रभाव होता है, क्योंकि यह आपके शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करता है, जो सूजन को कम करता है और प्रतिरक्षण को बढ़ाता है। आमतौर पर नट्स (ब्राजील नट्स), लीन मीट, ब्रोकली और कॉटेज पनीर में पाया जाता है।

- लेखक रोजवॉक हॉस्पिटल, पंचशील पार्क में पुष्टाहार विशेषज्ञ हैं।

सीखें और भुलाएं

राजयोगी ब्रह्मकुमार निकुंज जी कहते हैं कि व्यक्ति को आत्ममुग्धता छोड़ देनी चाहिए और अगर कोई जीवन में बेहतर करना चाहता है तो बदलावों को स्वीकार करना चाहिए।

दुनिया में शायद ही कोई इंसान हो जो खुद को सुधारने की इच्छा नहीं रखता हो। बेशक, कुछ लोग उनके साथ अपने रिश्ते में सुधार की आकांक्षा रखते हैं, जिनके साथ उन्हें रहना और काम करना पड़ता है, जबकि अन्य अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए काम करते हैं। कुछ अपने व्यक्तित्व में सुधार या वृद्धि करना चाहते हैं, जबकि अन्य अपनी आध्यात्मिक प्रगति को लेकर अधिक चिंतित होते हैं।

हर मामले में, थोड़ी प्रगति करने की इच्छा सभी सामान्य प्राणियों के लिए बुनियादी है और सुधार के प्रयास जीवन का संकेत हैं। और, मनुष्य की सुधार लाने हेतु सभी तरह के झूठ बोलने की इच्छा, मुख्य रूप से खुश रहने की आकांक्षा है। यदि कोई सच्चा सुख प्राप्त करने के इस प्रश्न पर विचार करता है, तो व्यक्ति इस निष्कर्ष पर पहुंचेगा कि मनुष्य की प्रसन्नता अंततः उसके व्यवहार पर निर्भर करती है या बाहरी उत्तेजनाओं पर उसकी प्रतिक्रिया और उसके सोचने के तरीकों पर निर्भर करती है, जो उसके आंतरिक कामनाओं, उसकी प्रवृत्तियों और प्राप्त किए गए प्रशिक्षण पर निर्भर करता है।

इसलिए, किसी भी अन्य प्रकार का सुधार हासिल करने के लिए, मनुष्य को अपने दृष्टिकोण, आदतों, व्यवहार और तरीकों में सुधार लाना होगा। इसके लिए उसे दूसरों से कुछ चीजें सीखनी होंगी और कुछ को भुलाना होगा। यदि मनुष्य की सीखने की प्रक्रिया (या गलत चीजों को त्यागना) बंद हो जाती है और जो उसने पहले से सीखा है उसे अभ्यास में लाने की कोशिश और उसकी क्षमता व इच्छाशक्ति समाप्त हो जाती है, तो उसका सुधार और प्रगति भी रुक जाती है।

बहुत से लोग इस तथ्य से अवगत नहीं हैं कि प्रगति का मार्ग कुछ बाधाओं के साथ बनाया गया है, जो कि ज्यादातर मनुष्य की खुद की निर्मिति हैं। इन्हीं में से एक है अपने ज्ञान के बारे में मनुष्य का अभिमान और अहंकार। उसे सिखाना आसान है जिसे अपनी बुद्धिमत्ता पर कोई गर्व नहीं है। लेकिन वह जो खुद को पूरी तरह से बुद्धिमान मानता है, वह दूसरों से कहता है, ''ऐसा कुछ भी नहीं है जो मैं नहीं जानता।'' इस तरह के आदमी को सुधार की पेशकश करना मुश्किल है, क्योंकि वह इस ढंग से मानकर चलता है कि लोग उसकी उपस्थिति में हकलाने लगेंगे, वह किसी भी समय आपा खो देता है किसी को भी किसी भी विषय पर ज्ञान देना शुरू कर देगा।

इसलिए, यदि व्यक्ति सुधार करना चाहता है और उस उद्देश्य के लिए, कुछ बदलावों को स्वीकारने के लिए तैयार है, तो व्यक्ति को आत्म-दंभ छोड़ देना चाहिए क्योंकि यह जीवन की अच्छी चीजों को सीखने और गलत चीजों को भुलाने की संभावना में बाधा डालता है।

मनुष्य की प्रगति की राह में एक और बड़ी बाधा है सांसारिक वस्तुओं के प्रति उसका लगाव, कामुक सुखों की उसकी लालसा, उसकी गहरी भागीदारी की भावना और उसके शरीर के प्रति मोह। मनुष्य को कम ही अहसास होता है कि, लोहे के इस युग में, जब एक आदमी ने अपनी नैतिकता खो दी है, तो सांसारिक चीजें अपने मूल सार से रहित हो जाती हैं। जो व्यक्ति आध्यात्मिक सुधार चाहता है, उसे पता होना चाहिए कि वर्तमान अधर्मी दुनिया में कुछ भी स्थायी नहीं है। क्या गन्ने की छाल किसी चीज के लायक होती है जब उसमें से रस निचोड़ा गया हो? तो क्या दुनिया ने अपना सर्वस्व और सत्य खो दिया है क्योंकि यह विवादित हो गया है।

हमारा यह शरीर कई अलग-अलग बीमारियों से ग्रसित है और यह नश्वर पदार्थ से बना है। तो जो व्यक्ति आत्म-सुधार की इच्छा रखता है, उसे केवल एक निर्धारित प्रयास के साथ, इंद्रियों की वस्तुओं के प्रति लगाव या प्यास को अपने से परे करना चाहिए, अन्यथा, इसका मतलब यह होगा कि व्यक्ति ने बहुत तुच्छ वस्तु के लिए अपना कीमती जीवन खो दिया है या खो रहा है।

यह सब जानते हुए, व्यक्ति को शारीरिक चेतना से छुटकारा पाना चाहिए। इसके लिए पहला कदम है शरीर के 'धर्मों' के प्रति उस लगाव को त्यागना है, जो व्यक्ति के जीवन का अपना सार लूट लेता है, और अपने तन, मन और संपदाओं को दुनिया के कल्याण के लिए समर्पित करता है। इससे मानव में सेवा, समर्पण, त्याग, नम्रता, साथी-भावना, सहिष्णुता, और उच्च चरित्र के सौ-सौ अन्य महान गुणों उत्पन्न होंगे। यह आत्म-सुधार के उसके प्रयासों को तेज करेगा।

इस सप्ताह आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

स्वास्थ्य इस सप्ताह आशाजनक लग रहा है। आप में से कुछ अपने स्वास्थ्य को फिर से हासिल कर सकते हैं और रचनात्मकता की एक नई चिंगारी महसूस कर सकते हैं। यह नए स्वास्थ्य देखभाल दृष्टिकोण, विशेष रूप से निवारक देखभाल की कोशिश करने का एक शानदार समय है। व्यायाम करें, अच्छी तरह से खाएं, और आराम करना सामान्य दृष्टिकोण है जिस पर आप पुनर्विचार कर सकते हैं।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

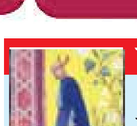

इस सप्ताह स्वास्थ्य के मोर्चे पर कुछ चुनौतियाँ सामने हैं। समस्याएं एक साथ आ सकती हैं और आपको बेचैन कर सकती हैं। अपच, गैस, बीपी और अवसाद आपको सोचने का समय नहीं दे सकते हैं। आपकी भावनाएं और संवेदनशीलता बुरी तरह प्रभावित होती हैं। आपको अधिक समय आराम करने में बिताना चाहिए। करियर के मोर्चे पर, इस सप्ताह आपके कार्य का ग्राफ एक नया मोड़ लेगा।

शुभ अंक: 1 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** शुक्रवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

आप चुनौतियों को पार करेंगे और दुनिया के शीर्ष पर महसूस करेंगे। प्रशंसा, घरेलू मोर्चे पर अच्छी तरह से की गई नौकरी के लिए तालियाँ उत्साहवर्धन करेंगी। आपके पास बड़ों का आशीर्वाद है। एक कठिन परिस्थिति को आसान करने के बाद सकारात्मक ऊर्जा के साथ, आंतरिक संतुष्टि भी। आप में से कुछ को बढ़ावा दिया जाएगा और एक महत्वपूर्ण कार्य सौंपा जाएगा जो आपके करियर को बढ़ावा देगा।

शुभ अंक 12 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** शनिवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह आपकी नसों में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित है। आपको कुछ रचनात्मक कार्यों में इस ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए। यह आपके लिए अत्यंत रचनात्मक समय हो सकता है, और आपके लिए एक बच्चे के रूप में सपने देखने, खेलने व आविष्कार करने का उत्तम समय हो सकता है। पेशेवर मोर्चे पर, चीजें आपके पक्ष में जाने की संभावना है। कैरियर स्तर पर उत्कृष्ट समय लगता है।

शुभ अंक : 17 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** शनिवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

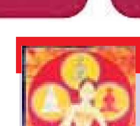

इस सप्ताह आप उलझन में हैं और अपने जीवन की दिशा में बदलाव ला रहे हैं। स्वास्थ्य उतार-चढ़ाव और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। आपको अपने पिछले व्यवहार के परिणामों को प्राप्त करने के लिए दिशानिर्देशों, परामर्श का एक सत्र चाहिए। इसे सुधारने में कभी देर नहीं होती। कार्य के मोर्चे पर, चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

शुभ अंक: 16 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** रविवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

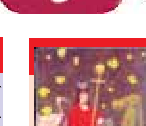

इस सप्ताह आप जीवन में पांच तत्वों को संतुलित करेंगे और शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करेंगे। चल रहे स्वास्थ्य समस्या वाले लोगों को वैकल्पिक चिकित्सा जैसे पोषण परामर्श, मालिश, आहार प्रतिबंध आदि से बहुत लाभ हो सकता है। व्यावसायिक रूप से, आपको अपने कौशल को तेज करने के लिए इस स्तर पर कैरियर परामर्श की आवश्यकता है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

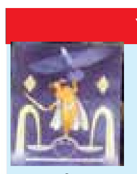

अच्छे स्वास्थ्य के लिए आपके प्रयास इस सप्ताह आपको अच्छी तरह से भुगतान करेंगे। आप ऊर्जावान, रचनात्मक और बहुमुखी महसूस करते हैं। जीवन में एक उद्देश्य है, और आप अपने जीवन को पुनः बनाना चाहते हैं। आप अपने आप को फिट व कायाकल्प रखने के लिए योग, प्राणायाम व कुछ हीलिंग व्यायाम जैसी गतिविधियों में व्यस्त हो जाएंगे। आध्यात्मिकता आपका आत्मविश्वास बहाल करने में मदद करेगी।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरूवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

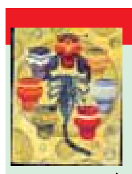

इस सप्ताह आप भारी क्षमता को अनुभव करेंगे। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और उत्तम स्वास्थ्य में रहेंगे। स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने या इलाज के वैकल्पिक तरीकों पर विचार करने में संकोच न करें। पेशेवर रूप से, जिस तरह से आपका करियर ग्राफ आगे बढ़ रहा है, आपको एक ब्रेक और पेशेवर परामर्श लेने की आवश्यकता है। बेहतर परिणाम के लिए अपने वरिष्ठ से कुछ सलाह लें।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** मंगलवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

आपको आगे बढ़ने के लिए अतीत के घावों से उबरना होगा। यह ऐसा समय है जब आपको अंतर्मन में देखना चाहिए ताकि डर के क्षेत्रों का विश्लेषण किया जा सके, व चीजों पर पकड़ बनाने की कोशिश की जा सके। किसी के साथ या किसी भी चीज के साथ अनासक्ति आपको चीजों को तय करने की स्वतंत्रता देगी। शरीर के ऊर्जा केंद्रों के बारे में जानें और ध्यान दें कि आप कैसे काम कर रहे हैं।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** मंगलवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

यह आपकी रचनात्मकता व आशावाद के लिए शानदार सप्ताह है, और आप मानते हैं कि सब कुछ आपके पक्ष में जाएगा। आप उदार हैं और साझा करने के लिए तैयार हैं। आपने अपनी खामियों को स्वीकार करना और दूसरों को समायोजित करना सीख लिया है। यह आपको वह बनने की ताकत देता है जो आप बनना चाहते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, और आप इसका आनंद लेंगे।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** गेहुआं **शुभ दिन:** शुक्रवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

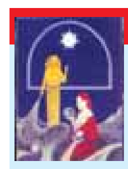

सप्ताह की शुरुआत निरंतर जारी गतिविधियों से होती है जैसे कि बैठक, मेहमानों की उपस्थिति आदि। इससे आपको अपने लिए कोई समय नहीं मिलेगा। आप कड़ी मेहनत कर रहे हैं। ऐसी संभावना है कि आप खुद को चोट पहुंचा सकते हैं या चोट खा सकते हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए आप ड्राइव करते समय सभी सुरक्षा उपायों का ध्यान रखें। काम के मोर्चे पर, आप सहज महसूस करते हैं।

शुभ अंक : 7 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** गुरूवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

इस सप्ताह आपको क्रोध व उग्रता को कम करने की सलाह दी जाती है। अपने तन की सुनें और उसके अनुसार उपचार करें। परिवार में किसी बड़े की सलाह लें, हो सकता है कि आपकी माँ या चाची। उनके घरेलू उपचार आपको अपनी वर्तमान स्वास्थ्य समस्याओं से राहत दिलाएंगे। कार्य स्तर पर, आप अपने अंतर्बोध का पालन करेंगे और जीवन में जो चाहते हैं उसे प्राप्त करने के लिए अपने स्तर पर पूरी कोशिश करेंगे।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** शनिवार

कुत्ते का बाह्य वो किताब है जो इंसान की सबसे अच्छी दोस्त है, मगर कुत्ते के मन को पढ़ पाना बहुत कठिन है
- ग्रूचो मार्क्स

लीक से हटकर सोचें

विजुअल ब्लागिंग में करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं ? तो ध्यान में रखें कुछ महत्वपूर्ण बातें।

हाल ही में, उभरते हुए करियर की एक विस्तृत श्रृंखला उपस्थित हुई है जो काफी हद तक गैरपारंपरिक करियर विकल्प हैं क्योंकि ज्यादा से ज्यादा युवा चिकित्सा, कानून और इंजीनियरिंग जैसे करियर विकल्पों से दूर हट गए हैं। फोटोग्राफी, डिजाइन, इवेंट मैनेजमेंट जैसे करियर तेजी से उभर रहे हैं क्योंकि लोग नए-पुराने करियर विकल्पों के बारे में संकीर्ण मानसिकता से मुक्त हो गए हैं। बिजुअल ब्लॉगिंग या व्लॉगिंग, जैसा कि अब यह आमतौर पर चर्चित है, भी एक ऐसी पसंद है जिसने हाल के वर्षों में विशेष रूप से सोशल मीडिया और उच्च-गुणवत्ता वाले स्मार्टफोन कैमरों के आगमन के साथ अपार आकर्षण हासिल किया है। सोशल मीडिया बहुत अधिक ब्लॉगर केंद्रित हो गया है क्योंकि अधिक से अधिक लोग क्षेत्रीय भाषाओं में आकर्षक, संवेदनशील सामग्री चाहते हैं।

हालांकि, तीव्र आसान पहुंच के बावजूद, इसमें से पूर्णकालिक कैरियर बनाने के लिए रणनीति, कौशल और सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण, दृढ़ता की आवश्यकता होती है क्योंकि इसमें कई पहलू जुड़े होते हैं जैसे कि एक विशिष्ट पंक्ति को चुनना, सही भागीदारों के साथ काम करना, और ब्रांडों के साथ मुद्रीकरण, आदि।

इसके बावजूद ट्रेक (लाइफ स्टाइल सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म) के सह-संस्थापक, पुलकित अग्रवाल बताते हैं कि व्यक्ति किस तरह ब्लॉगिंग में पूर्णकालिक कैरियर बना सकता है और इसे लंबे समय तक बनाए रख सकता है।

आवश्यक योग्यता

पूर्णकालिक ब्लॉगिं कैरियर जिस सबसे महत्वपूर्ण चीज की मांग करता है वो सहज अनुवांशिक प्रेरणा। व्लॉगरों को विभिन्न प्रकार की सामग्री को आजमाने व पुनरावृत्ति के लिए तैयार रहना चाहिए, खासकर यदि वे स्वयं को इस क्षेत्र में स्थापित करना और बनाए रखना चाहते हैं। यह एक निरंतर अभ्यास है जहां सामग्री निर्माता अक्सर एक तयशुदा विषय के साथ शुरूआत, लेकिन समापन बिलकुल अलग ढंग से कर सकते हैं। उन्हें, विशेष रूप से अपने करियर की शुरुआत के समय, अपनी रचनात्मक आत्माओं और विचारधाराओं को प्रस्तुत करने और दर्शकों से प्राप्त प्रतिक्रिया या समीक्षा के अनुसार विषय के साथ साथ अपने कौशल को लगातार परिष्कृत करने की आवश्यकता होती है।

इसके अलावा, समर्पित रूप से व्लॉगिंग को आगे बढ़ाने के लिए, व्यक्ति को प्रयोग करने के लिए तैयार रहना चाहिए, अपने सुविधा दायरे से बाहर निकलना चाहिए और अपनी मानसिकता को बदलते रहना चाहिए। एक बार व्लॉगर्स ने खुद को कम से कम एक हद तक स्थापित कर लिया, तो उन्हें ब्रांड या मशहूर हस्तियों के साथ काम करने का अवसर मिलता है, और इन सहयोगों के आधार पर वे अपने करियर का निर्माण कर सकते हैं। आज की तकनीक-संचालित दुनिया इच्छुक ब्लॉगरों को अपने करियर की धमाकेदार शुरूआत करने और खुद का नाम बनाने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा प्रदान करती है।

विकास की संभावनाएं

यह एक ऐसा क्षेत्र है जो अपार अवसर प्रदान करता है क्योंकि इसमें कोई सीमाएं या पाबंदियां नहीं है कि फलां के बारे में व्यक्ति अपने ब्लॉग में चर्चा नहीं कर सकता। यह सब ब्लॉगर के जुनून और उनकी रुचि के विषय पर निर्भर करता है। जैसे ही वे अच्छे दर्शकों के जुड़ाव के साथ पर्याप्त संख्या में फॉलोवर्स की गिनती करने लगते हैं और खुद को स्थापित करते हैं, विकास की संभावनाएं असीम हो जाती है चूंकि ब्रांड और दर्शक उसके काम को पहचानने और उस पर भरोसा करने लगते हैं। उन्हें अधिक अवसर मिलने लगते हैं, जिससे उनके ब्लॉगिंग करियर से अधिक कमाई करने का मार्ग प्रशस्त होता है।

हाल ही में एक व्यवसाय द्वारा ऑनलाइन प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आज, श्रेणी-ए सोशल मीडिया प्रभावकर्ता या ऑनलाइन सबसे बड़ा ब्लॉगर, 2 लाख से 15लाख के आसपास कमाते हैं। श्रेणी-बी प्रभावकर्ता 15,000-2लाख के बीच कमाते हैं, जबकि श्रेणी-सी 5,000-20,000 मासिक के आसपास कमाते हैं, और ये संख्या बढ़ने की ही संभावना है।

पूर्ण कालिक ब्लॉगर के रूप में खुद को कायम रखना

डिजिटलीकरण, बढ़े हुए इंटरनेट प्रसार और स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग के परिणामस्वरूप लोगों की एक महत्वपूर्ण संख्या ब्लॉगर में बदल गई है, विशेष रूप से महामारी के बीच, जहां लोग घर के अंदर रहकर खुद को और दूसरों को व्यस्त रखना चाहते हैं। हालांकि, उनमें से उल्लेखनीय आबादी ब्लॉगिंग का काम को शौकीन के रूप में खंगाल सकती है या केवल एक शौक के रूप में इसे आगे बढ़ा सकती है। अपने आप को पूर्णकालिक व्लॉगर के रूप में बनाए रखने के लिए, कुछ चीजें हैं जिनका आपको पालन करने की आवश्यकता है।

उदाहरण के लिए, एक नई अवधारणा तैयार करना और नयी सामग्री के साथ सामने आना जिसमें कि अपने दर्शकों से संवाद होना आवश्यक हो। अन्यथा, आपका करियर बेमानी हो सकता है। नियमित नवोन्मेषन, लीक से हटकर सोचना और नई अवधारणाओं के साथ सामने आना, कुछ ऐसी प्रमुख चीजें हैं जिन्हें आपको एक पूर्णकालिक ब्लॉगर के रूप में खुद को बनाए रखने के लिए करना आवश्यक है।

ब्लॉगर्स : सामग्री परिदृश्य का नया आवश्यक हिस्सा

व्लॉगर्स, आज की दुनिया में, ऐसे कंटेंट क्रिएटर हैं जो विभिन्न प्रकार की सामग्री के साथ लोगों को भागीदारी के अंतर को पाटते हैं क्योंकि हर व्यक्ति की प्राथमिकताएँ भिन्न होती हैं। इसके अलावा, आज के दिन और दौर में जहां सोशल मीडिया कंटेंट सर्वप्रमुख है, व्लॉगिंग एक पूर्णकालिक कैरियर के रूप में इसका उचित श्रेय प्राप्त कर रहा है। सामग्री निर्माण कई व्यवसायों के लिए एक अभिन्न पहलू बन गया है क्योंकि वे नए युग की विपणन रणनीतियों की ओर जाते हैं। व्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक पूर्णकालिक कैरियर के रूप में भी इसकी सुविधा प्रदान कर रहे हैं और उन्हें अपनी सामग्री का मुद्रीकरण करने में सक्षम बनाने के लिए मजबूत बुनियादी ढाँचा बनाने में सहायता कर रहे हैं।

भावी संभावनाएं

स्टैटिस्टा के अनुसार, 2019 में हमारी आबादी का 46.44 प्रतिशत हिस्सा सामाजिक नेटवर्क तक पहुंच रहा था। 2020 में, भारत में उपलब्ध मनोरंजन क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगने से यह संख्या बढ़कर 50 प्रतिशत से अधिक हो गई। यह अनुमान लगाया गया है कि 2025 तक यह संख्या बढ़कर 67 प्रतिशत हो जाएगी। ब्लॉगिंग एक आला गतिविधि रही है, मगर, हाल तक, बहुसंख्यक लोगों को पूर्णकालिक कैरियर के रूप में इसे आगे बढ़ाने हेतु अच्छी तरह से तैयार नहीं किया गया है।

मानसिक स्वास्थ्य रोग कोविड19 के बाद होने वाली अगली महामारी

बार्सिलोना इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ (आईएसग्लोबल) द्वारा जारी एक अध्ययन के अनुसार, वैश्विक कोविड -19 संकट के कारण मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं अगली महामारी होंगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने सोमवार को अपनी प्रस्तुति के दौरान कहा कि लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर एक साथ कई तंत्रों द्वारा हमला किया गया है और इसमें तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी वैश्विक आर्थिक लागत एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष हो गई है और 85 प्रतिशत मानसिक विकार वाले लोग गरीब व मध्यम आय वाले देशों में इलाज नहीं करा सके, जिससे

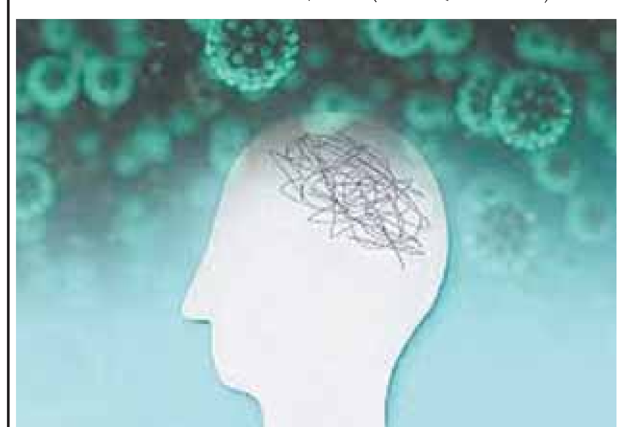

'अभूतपूर्व वैश्विक संकट' पैदा हो गया।

'कोविद -19 महामारी ने लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित किया है, लेकिन उनके व्यक्तिगत लक्ष्य, उनके परिवार की गतिशीलता, काम पर उनकी भूमिका और उनकी आर्थिक स्थिरता भी प्रभावित हुई है,' उन्होंने समझाया। सोमवार को सिन्हुआ न्यूज ऐजेंसी के अध्ययन के लेखकों ने अपनी प्रस्तुति के दौरान कहा कि लोगों का मानसिक स्वास्थ्य साथ ही साथ अनेक तंत्रों द्वारा जबरदस्त हमले का शिकार हुआ है और इसमें तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित वैश्विक आर्थिक लागत एक खरब अमरीकी डालर सालाना तक पहुंच गयी है और उनमें से मानसिक समस्याओं वाले 85 प्रतिशत लोगों को गरीब एवं मध्यम आय वाले देशों में इलाज नहीं प्राप्त हो सका, जिसके कारण 'अप्रत्याशित वैश्विक संकट' खड़ा हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'कोविड-19 महामारी ने लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित किया है, लेकिन उनके व्यक्तिगत लक्ष्यों, उनके पारिवारिक जीवन, काम पर उनकी भूमिका एवं उनकी आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित किया है।' इस संकट को गहरा करने वाले अन्य कारकों में परिवार की भूमिकाओं में सुधार, घरेलू हिंसा, अलगाव, अकेलापन, परिवार या दोस्तों की हानि के कारण दु:ख, सामान्यीकृत चिंता, पेशेवर निराशा और अभिघातजन्य तनाव शामिल हैं। अध्ययन में यह भी बताया गया है कि कोविद -19 के साथ 30 से 60 प्रतिशत रोगियों में उनके केंद्रीय और परिधीय तंत्रिका तंत्र प्रभावित होते हैं, जिससे विभिन्न समस्याएं उत्पन्न होती हैं। डिलेरियम यानी सन्निपात कोविड -19 रोगियों द्वारा सामना किया जाने वाला सबसे प्राय: और तीव्र न्यूरोसाइकियाट्रिक सिंड्रोम है, जिसके बाद अवसाद और चिंता की स्थिति उत्पन्न होती है, जबकि अवसाद और थकान अधिक लंबे समय तक रहने वाली स्थितियां हैं। आईएस ग्लोबल ने बेरोजगारी से उत्पन्न समस्याओं, प्रियजनों की अप्रत्याशित हानि, अकेलेपन और अलगाव से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा रणनीतियां बनाने के लिए आग्रह किया है जो बुनियादी सेवाओं के प्रावधान की गारंटी करती हों और जिनसे जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए सामाजिक सेवाओं का वित्तपोषण होता हो।

पेज 1 का शेष

बस खेलो

हमारे खेल रचनात्मक किस्सागोई, एनिमेटेड पात्रों और अभिनव बातचीत पर विकसित हुए हैं जो सीखने को सुखद बनाते हैं। बच्चे को खेल खेल में सीखता देखने और पूछने पर अंतर को बता न पाने से बढ़कर, और अधिक खुशी की बात कोई नहीं होती है।'

ये खिलौने कैसे काम करते हैं

वास्तविक (या प्रत्यक्ष) और डिजिटल (या आभासी) दुनिया के बीच की कड़ी, है संवर्धित वास्तविकता, यह एक संवादात्मक अनुभव है जो दोनों दुनियाओं को मिश्रित करती है। गेमिंग में, एआर प्रत्यक्ष खिलौने और स्मार्टफोन या टैबलेट के बीच की खाई को पाटता है। उदाहरण के लिए, कुछ खेलों को आपकी जरूरत होती है कि आप कहानी में आगे बढ़ने के लिए वास्तविक दुनिया की वस्तु को स्कैन करने के लिए अपने स्मार्टफोन का उपयोग करें। अगर वास्तविक दुनिया की वस्तु बाघ का फ्लैशकार्ड है, तो स्मार्टफोन स्क्रीन पर इंटरैक्टिव छवि, वीडियो या जानवर का एक 3 डी डाटा प्रस्तुत करता है। कुछ खेलों में, लक्ष्य अपने स्मार्टफोन से अपने वास्तविक परिवेश को स्कैन करके छिपी हुई वस्तुओं को ढूंढना हो सकता है।

गोयल जानकारी देते हैं, 'एक वस्तु को जीवन की ओर लाने की संभावना आकर्षक और रोमांचक है। यदि उपलब्ध विषय यह है कि जानवर अपने प्राकृतिक आवास में कैसे रहते हैं, तो एआर इसे 3 डी मॉडल के माध्यम से सिखा सकता है। छोटे बच्चे कहानियों और सरल खेलों के माध्यम से, जानवरों द्वारा बनाई गई ध्वनियों को सुन सकते हैं और उनके खाने की आदतों को समझ सकते हैं। इस बीच, बड़े बच्चे संवादात्मक एवं सूचनात्मक खेलों के माध्यम से खाद्य श्रृंखला और जटिल पारिस्थितिकी प्रणालियों के बारे में जान सकते हैं।'

एआर सीखने के कई रास्ते तलाशना और जानकारी के विभिन्न हिस्सों को विजुअल व आसान तरीके से समझना संभव बनाता है। जहां एक नियमित मानचित्र आपको देशों और राजधानियों के बारे में बताता है, वहीं एक एआर-संचालित ग्लोब सीखने को एक नए स्तर पर ले जाता है। यह बटन के एक स्पर्श पर, न केवल भूगोल सिखाता है, बल्कि आपको विभिन्न संस्कृतियों, व्यंजनों, स्मारकों व जानवरों से भी परिचित कराता है। सामरिक खेल और डिजिटल कथावाचन के साथ जुड़कर, एआर खिलौने दोनों दुनियाओं के सर्वश्रेष्ठ को एक साथ लाते हैं। विभिन्न डिजिटल तत्व जैसे ऑडियो, वीडियो, चित्र और 3 डी सामग्री, खिलौने के भौतिक घटकों के साथ घुलमिल जाते हैं, जिससे सीखने की एक अनूठी और समावेशी प्रक्रिया बन जाती है। एआर तकनीक बच्चे को उनके आसपास की दुनिया के साथ बातचीत करने में भी मदद करती है और दो-तरफा अन्तरक्रियाशीलता का निर्माण करती है, जहाँ बच्चे को लगता है कि जो वह सीख रहा है उस पर उसका पूरा नियंत्रण है।

इसके अलावा, एआर त्वरित प्रतिक्रिया की एक प्रणाली बनाता है जो बच्चे को अधिक जानने और अधिक सटीक होने के लिए प्रेरित करती है। अधिकांश एआर खिलौने एक प्रगति रिपोर्ट या ग्राफ प्रदान करते हैं, जो आपके बच्चे के सीखने की अवस्था और प्रगति का वैयक्तिक मूल्यांकन है। इस रिपोर्ट की समय-समय पर निगरानी और जांच की जा सकती है।

एक बढ़ता हुआ उद्योग

दुनिया भर में तकनीक-सक्षम खिलौने उभार पर हैं। अकेले अमेरिका में ही, तकनीक-सक्षम खिलौना विभाग में 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई जब समग्र खिलौना उद्योग लगभग गतिरोध ग्रसित हो गया था। भारत में यह खंड और भी अधिक तेजी से उभर रहा है। आने वाले वर्षों में, हम इस विकास की प्रवृत्ति को आगे बढ़ता हुआ देखते हैं।

इस उद्योग में मुट्ठी भर कंपनियां काम कर रही हैं। गोयल कहते हैं, 'इस खंड में उपभोक्ता वाह कारक के लिए नहीं बल्कि स्थायी प्रभाव और उपयोग के संदर्भ में तकनीक को खरीदते हैं,। आज नहीं तो कल, इस उद्योग में हर कंपनी सार्थक अनुभव रचेगी जो एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है, जो एआर / वीआर प्रौद्योगिकी के आधार पर बनाया गया है।'

शाप या वरदान

चूंकि बच्चे खेल-आधारित शिक्षण के शौकीन हैं और संवर्धित वास्तविकता वाले खिलौने बच्चों में जीवन-कौशल को बढ़ाने में मदद करते हैं। ये एआर खिलौने और खेल उनके डिजिटल कौशल के साथ-साथ उनके संज्ञानात्मक कौशल को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। वे बच्चों के लिए शिक्षा और मनोरंजन के संयोजन में सबसे आगे रहे हैं। विभिन्न शोधों का भी कहना है कि मस्तिष्क में रचनात्मक सोच मुख्यतया बच्चों के शुरुआती उम्र के दौरान विकसित होती है। बच्चे बिना किसी विशिष्ट प्रशिक्षण के कहानियां सुनाते हैं, गाते हैं, , नृत्य करते हैं और लिखते हैं, चित्र बनाते हैं क्योंकि बच्चे का मस्तिष्क चीजों के प्रति तार्किक होने के बजाय उन्हें सीखने और उनकी कल्पना करने के लिए स्वतंत्र होता है।

मिरेकल मेडिक्लीनिक, गुरूग्राम के नियोनेटोलॉजी और बाल रोग विभाग के प्रमुख, डॉ रोहित अरोड़ा कहते हैं, 'यह अभी भी स्वयं शिक्षण के समान नहीं है, लेकिन शायद अगली सबसे अच्छी बात है और निश्चित रूप से निष्क्रीय रूप में टीवी स्क्रीन और टैबलेट और मोबाइल देखने से तो बेहतर है। संवर्धित वास्तविकता वाले खिलौने बच्चे की कल्पना शक्ति में सुधार करते हैं क्योंकि उन्हे रेखांकन करने, पेंट करने, लिखने और कहानियों को वैसे ही बताने का अवसर मिलता है, जैसे वे चाहते हैं। इसके अलावा, ये खिलौने बच्चे के लिए दोस्तानापूर्ण और चलाने में सुरक्षित हैं, क्योंकि उनमें कोई जीवित तार या नुकीलापन नहीं होता है।' उनका कहना है कि कम उम्र के तकनीक-प्रेमी बच्चों के लिए, एआर खिलौने उनके मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देने के लिए कुछ अतिरिक्त प्रदान करते हैं। डा अरोड़ा कहते हैं, 'इंटरएक्टिव एआर खिलौने उन्हें उनके सुविधा स्तर पर जानकारी को समझने और उसे लंबे समय तक बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ये खिलौने एक बच्चे के दृष्टिकोण से आकर्षक, प्रयोगात्मक और तल्लीन करने वाले हैं।'

हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि एआर गेम बच्चों की दृष्टि पर हानिकारक प्रभाव डाल सकते हैं। इससे वास्तविकता से दूर हटने का एक खतरा है क्योंकि वे अधिकांशतया प्रत्यक्षतया संवाद नहीं कर सकते हैं। ये खिलौने बच्चों के लिए नशे की लत बन सकते हैं, और वे युवा मनों में भ्रम पैदा कर सकते हैं।

मैनेजिंग ट्रस्टी पोद्दार फाउंडेशन में मेंटल हेल्थ एट राऊंड ग्लास की ग्लोबल हैड, प्रकृति पोद्दार कहती हैं, 'वीडियो गेम और एप्लिकेशन के विपरीत, एआर खिलौने स्पर्श कौशल के साथ मोटर कौशल विकास में भी सहायता करते हैं। हालांकि, एआर खिलौनों पर बहुत ज्यादा निर्भर होना छोटे बच्चों में सामाजिक कौशल के विकास को प्रभावित कर सकता है। स्क्रीन के साथ अतिरेक स्तर पर जुड़ाव होना उनके एकाग्रता स्तर को प्रभावित कर सकता है और उन्हें समर्पणकारी बना सकता है।'

बच्चों के भावनात्मक स्वास्थ्य पर स्क्रीन समय के प्रभाव का आकलन करते हुए, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दो से कम उम्र के बच्चों के लिए कोई स्क्रीन समय नहीं रखने तथा दो से चार वर्ष की आयु के लोगों के लिए दिन में अधिकतम एक घंटे देखने की सिफारिश की है। पोद्दार कहती हैं कि बच्चों द्वारा अत्यधिक मोबाइल टीवी देखने से बच्चों में स्वयं पर भरोसा करने की क्षमता में गिरावट आ सकती है विशेष रूप से संकट या तनाव के समय में, स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताना उनकी एकाग्रता, ध्यान और परानुभूति की भावना को घटाता है।

दीर्घकालिक प्रभाव से पीड़ित कोविड संक्रमित

एक अध्ययन के अनुसार, हल्के कोविड-19 के आठ महीने बाद, दस में से एक व्यक्ति कम से कम एक मध्यम से गंभीर लक्षण को अनुभव करता है, जिसका उनके काम पर, सामाजिक, या व्यक्तिगत जीवन पर, नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जामा नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि सबसे आम दीर्घकालिक लक्षण हैं कि गंध और स्वाद खो जाता है और थकान महसूस होती है।

स्वीडन के डैंडरिड अस्पताल और कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने पिछले साल वसंत के बाद से तथाकथित संचार अध्ययन कराया है, जिसका मुख्य उद्देश्य कोविड-19 के बाद प्रतिरक्षण की जांच करना है।

डैंडरीड अस्पताल और कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट में कम्युनिटी अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता चार्लोट थालिन ने कहा "हमने अपेक्षाकृत युवा और स्वस्थ व्यक्तियों के स्वस्थ समूह में हल्के कोविड-19 संक्रमण के बाद उसके दीर्घकालिक लक्षणों की उपस्थिति की जांच की है, और हमने पाया है कि प्रमुख दीर्घकालिक लक्षण गंध और स्वाद का नुकसान हुआ है।'

थालिन ने कहा, "प्रतिभागियों और कोविड-19 वाले लोगों में थकान और सांस की समस्या भी अधिक होती है, लेकिन यह एक समान सीमा तक नहीं होती है।"

अध्ययन के पहले चरण में, डैंडरीड अस्पताल में 2,149 कर्मचारियों से रक्त के नमूने एकत्रित किए गए थे, जिनमें से लगभग 19 प्रतिशत लोगों में सार्स-कोव-2 के खिलाफ एंटीबॉडीज थे।

शोधकर्ताओं ने हर चार महीने में रक्त के नमूने एकत्र किए, और अध्ययन प्रतिभागियों ने दूरगामी लक्षणों व जीवन की गुणवत्ता पर उनके प्रभाव से संबंधित प्रश्नावली का जवाब दिया। इस साल जनवरी में तीसरे फालो-अप में, टीम ने कम से कम आठ महीने पहले हल्के कोविड -19 से संक्रमित प्रतिभागियों द्वारा स्वयं भेजी गयी रिपोर्ट की जांच की जिसमें मरीजों द्वारा दीर्घकालिक लक्षणों की लंबी उपस्थिति और काम, सामाजिक और घरेलू जीवन पर उनके प्रभाव की उपस्थिति का विवरण दिया गया था।

इस समूह में 323 स्वास्थ्यकर्मी शामिल थे, जिनमें 43 प्रतिशत महिलाएं थीं, जिनकी औसत आयु 43 वर्ष है - और उनकी 1,072 ऐसे स्वास्थ्यसेवा कार्यकर्ताओं के साथ तुलना की गई, जिसमें कि औसत आयु 47 वर्ष के साथ 86 प्रतिशत महिलाएं शामिल थीं, जिन्हें अध्ययन अवधि के दौरान कोविड-19 का संक्रमण नहीं हुआ था।

परिणाम बताते हैं कि नियंत्रण समूह में नौ प्रतिशत की तुलना में कोविड-19 वाले 26 प्रतिशत में, कम से कम एक - मध्यम से गंभीर लक्षण थे जो दो महीने से अधिक तक मौजूद रहे थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, नियंत्रण समूह में 2 प्रतिशत की तुलना में लगभग 11 प्रतिशत लोगों में काम, सामाजिक या घरेलू जीवन पर नकारात्मक प्रभाव वाला कम से कम एक लक्षण था। उन्होंने कहा कि सबसे आम दीर्घकालिक लक्षण गंध और स्वाद का जाना था और थकान और सांस संबंधी समस्याओं का बने रहना था।

हालांकि, शोधकर्ताओं ने संज्ञानात्मक लक्षणों जैसे मस्तिष्क की थकान, स्मृति और एकाग्रता की समस्याओं या मांसपेशियों व जोड़ों के दर्द, दिल की धड़कन या लंबे समय तक बुखार होना जैसे शारीरिक विकारों का एक व्यापक प्रसार नहीं देखा।

इस तथ्य के बावजूद कि अध्ययन के प्रतिभागियों को हल्का कोविड-19 संक्रमण था, मगर जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव के साथ अपेक्षाकृत बड़े स्तर पर दीर्घकालिक लक्षण की मौजूदगी पाई गयी है, उन्होंने कहा। करोलिंस्का इंस्टीट्यूट में परियोजना में पीएचडी के छात्र, सेबस्टियन हावेरवेल ने कहा,, "इसके प्रकाश में, हम मानते हैं कि युवा और स्वस्थ व्यक्तियों, साथ ही साथ समाज के अन्य समूहों में, वायरस के प्रति बहुत गंभीरता होनी चाहिए जो जीवन की गुणवत्ता को काफी कमजोर करने में सक्षम प्रतीत होता है, यहां तक कि संक्रमण के बाद भी, लंबे समय तक। " शोधकर्ताओं ने कहा कि कम्युनिटी अध्ययन जारी रहेगा, मई में अगली कार्रवाई के साथ जब अध्ययन के प्रतिभागियों के एक बड़े हिस्से को टीका लगने की उम्मीद है।

यह बॉडी पॉजिटिविटी मूवमेंट जो अब हो रहा है, वह आश्चर्यजनक है लेकिन जब मैं छोटी थी, तो ऐसा नहीं था। मुझे अपने शरीर के बारे में बहुत सारी नकारात्मक बातें सुनने को मिलीं और मैं बस इसके साथ रहती थी।

-कैट डेनिंग्स

भारत के पहले अंडरवाटर डांसर उर्फ जयदीप गोहिल अपने डांस मूव्स के साथ पानी में स्टेज सेट कर रहे हैं और दर्शकों के लिए अद्भुत ढंग से रीमिक्स म्यूजिक वीडियो प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं। उनसे विस्तृत बातचीत की है मुस्बा हाशमी ने

सांस लेने की फुर्सत नहीं

सुपरहीरोज से, हर समय, सुपर शक्तियां होने की उम्मीद की जाती हैं जो उन्हें बचाव मार्ग पर आगे बढ़ने और दुनिया को बुराई की नजर से बचाने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, सभी सुपरहीरोज जादुई शक्तियों के साथ पैदा नहीं होते हैं, कुछ समय के साथ इसे विकसित करते हैं।

आपकी पसंदीदा सुपरहीरोज की सूची का नवीनतम संस्करण हाइड्रोमैन हो सकता है। वह कौन है, आप पूछें? एक अजूबा या एक बॉलीवुड चरित्र? इनमें से कोई नहीं। राजकोट के 26 वर्षीय मैकेनिकल इंजीनियर, जयदीप गोहिल ने अपने अंडरवाटर स्टंट्स और डांस मूव्स के जरिए इंटरनेट पर तूफान ला दिया है। संक्षेप में कहें तो वह पानी पर राज करते हैं।

गोहिल के लिए, इसकी शुरूआत तैराकी के जुनून के साथ हुई। पाँच साल की उम्र में, उन्हें नदी-तट पर नहाने के लिए लाया गया था। तब से, पानी उसका दोस्त बन गया। हालाँकि, यह जुनून हाशिए पर चला गया जब डांस उनकी किस्मत का महत्वपूर्ण हिस्सा बना।

वो एक बहुत खूबसूरत दिन था, जब उसके पिता ने हंसी मजाक में, उसे पानी में डांस करने के लिए कहा। भले ही वो एक विचार कितना धुंधला था, मगर इसने गोहिल के मन में जगह जमा ली।

गोहिल बताते हैं, ''तभी मैंने सोचा कि क्यों न पानी के अंदर डांस किया जाए।'' मैंने इस आर्ट फॉर्म पर शोध करना शुरू किया। मैं कुछ अंतरराष्ट्रीय कलाकारों से भी प्रेरणा लेना चाहता था। हालांकि, मेरे लिए आश्चर्य था कि , मुझे एहसास हुआ कि ऐसा करने वाला कोई नहीं था। ''

अब गोहिल के पास प्रयोग करने और गलतियों से सीखने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने एक स्थानीय स्विमिंग पूल में जाने और अपनी सोच को लागू करने का फैसला किया।

वह बताते हैं कि शुरुआत में, यह समझना मुश्किल था कि शुरुआत कहाँ से की जाए। धीरे-धीरे, मैंने गीतों को कोरियोग्राफ करना शुरू किया और उनका पानी के अंदर अभ्यास किया। मैं इसे तब तक करता रहा जब तक कि मुझे अपने मूव्स पर नजर रखने के लिए दर्पण की आवश्यकता का एहसास नहीं हुआ।

बिना अनुमान लगाए, कि आगे क्या हुआ - गोहिल ने अपने घर में अभ्यास टैंक बनवा लिया था। इससे उन्हें अभ्यास के लिए अधिक समय मिला और साथ ही अपने मूव्स को देखने में भी मदद मिली।

इस प्रक्रिया में एक और समस्या यह थी कि केवल वही थे जो जानते थे कि वो पानी के अंदर क्या कर रहा था। मकसद था दुनिया के सामने इस कला का प्रदर्शन करना।

गोहिल बताते हैं, ''मैंने एक कैमरा खरीदने का फैसला किया। इसके बाद जो चीज मुझे चाहिए थी वह थो ट्राइपॉड। अपने परिवार पर बहुत अधिक आर्थिक बोझ नहीं डालने के लिए, मैंने खुद अपने पिता की कार्यशाला में इसे बनाने का फैसला किया।''

हालाँकि, कैमरे ने भी बहुत ज्यादा मदद नहीं की, क्योंकि गोहिल खुद को ठीक ढंग से शूट नहीं कर पाते थे - कभी-कभी वह फ्रेम से बाहर हो जाते थे, जबकि कभी कभी किसी अन्य कारण से कैमरा उन्हें छांट देता था।

> मैं उन कुछ लोगों में से हूं, जो आसानी से, इसे खींच सकते हैं। मेरे शरीर की तुलना में मेरे फोर लिम्ब्स बड़े हैं। इससे मुझे तैराकी करते समय अपना संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। कहने का आशय यह नहीं कि पानी मेरा आराम क्षेत्र है।

अगली चीज जो गोहिल सोच सकते थे, वो था एक शीशे का बा टैंक। जैसा कि यह सिर्फ कहने में आसान लग सकता है मगर गोहिल को अपने वास्तुकारों से पूर्णतया इंकार का सामना करना पड़ा, फिर, आखिरकार एक इसे बनाने पर राजी हो गया।

गोहिल के मुताबिक, ''कई लोगों ने हमें बताया कि यह संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि अगर मैं वहां गया तो यह टुकड़े-टुकड़े हो जाएगा। लेकिन मैंने कोशिश करना बंद नहीं किया। अंत में, मेरे पिता के मित्र ने कहा कि वह मदद कर सकते हैं। दुबई में डिजाइनर के निर्देशों के आधार पर हम आखिरकार एक टैंक बनाने में कामयाब हुए। 24 मिमी ग्लास से निर्मित यह टैंक, मेरे लिए एक सपने जैसा था।''

अब, ग्लास टैंक गोहिल के साथ हर जगह की यात्रा करता है। इसके प्लेसमेंट के लिए क्रेन की जरूरत होती है।

जबकि यह सब गोहिल की यात्रा के बारे में था, जिसे पढ़कर कोई भी उत्साहित हो सकता है कि वह इसे कैसे खींच कर ले जाते हैं। इसके पीछे कोई रॉकेट साइंस नहीं है।

गोहिल बताते हैं,'' मैं उन कुछ लोगों में से हूं, जो आसानी से, इसे खींच सकते हैं। मेरे शरीर की तुलना में मेरे फोर लिम्ब्स बड़े हैं। इससे मुझे तैराकी करते समय अपना संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। कहने की आशय यह नहीं कि पानी मेरा आराम क्षेत्र है। जब लोगों को यह असंभव लगता है, तो मैं अक्सर अपने आपमें सोचता हूं, वे ऐसा क्यों महसूस करते हैं? यह आसान है। ''

गोहिल के अधिकांश प्रस्तुतियां पांच मिनट की होती हैं। वह बिना ज्यादा हरकत के साढ़े तीन मिनट तक पानी में रह सकते हैं। लेकिन अपने प्रदर्शन के दौरान, वह ऑक्सीजन के लिए लगातार ब्रेक लेना सुनिश्चित करते हैं। ''ये विराम स्पष्ट नहीं हो सकते हैं। हम दर्शकों को यह नहीं बता सकते कि मैं सांस लेने के लिए टैंक तक जा रहा हूं। इससे उनका ध्यान हटेगा। मैं इसे सहज दिखाने के लिए चरणों को संशोधित करता हूं। उदाहरण के लिए, यदि मैं फ्लिप या एक पलटी ले रहा हूं, तो मैं सांस लेता हूं और फिर नीचे आता हूं। यह सब सिंक में होता है। '' वह बताते हैं।

गोहिल की कला उन्हें इंडियाज गॉट टैलेंट में ले जाने के लिए पर्याप्त थी, साथ ही उन्हें शो में अक्षय कुमार के साथ अपने अंडरवाटर स्टेज को साझा करने का मौका भी मिला। इसके बाद सभी नाम और प्रसिद्धि हासिल हुई। हालाँकि, यह अल्पकालिक था।

वह कहते हैं, ''एक समय था जब मेरे पास छह महीने तक कोई काम नहीं था। लोग मुझे भूलने लगे थे। इसने मेरे क्षेत्र में मेरे अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर दिया। मैं निराश था और मैंने अपने पिता से पूछा कि क्या मैं उनकी कार्यशाला में शामिल हो सकता हूं। उन्होंने मुझे अपने कला पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा।''

इसने गोहिल को प्रभावित किया, लेकिन लंबे समय तक नहीं। उन्होंने अपनी कला को बेहतर बनाने और बेहतर अवधारणाओं के साथ आने हेतु समय का उपयोग किया।

अगर आपको लगता है कि यह उनके जीवन के उतार-चढ़ावों का अंत है, तो ऐसा नहीं है, अभी कई और चुनौतियां आने वाली हैं।

''2016 में, मुझे भारत के पहले और सबसे बड़े वॉक-इन एक्वेरियम हेतु चेन्नई में शो के लिए बुलाया गया था। यह आपको सुंदर लग सकता है। लेकिन, यहाँ एक समस्या है। मुझे एक्वेरियम में 10 शार्क के साथ परफॉर्म करना था। यह, शुरू में, काल्पनिक लग रहा था। लेकिन फिर, उन्होंने समझाया कि मुझे एक गीला सूट पहनना है, यानी वो सूट जो उनके कर्मचारी पहनते हैं जब वे उन्हें खिलाने जाते हैं और यह अच्छी तरह से काम करेगा' गोहिल बताते हैं।

उस एक्वेरियम में अभ्यास सत्र के दौरान 10 लगभग अजनबी साथियों के साथ, गोहिल के पास बचाव का रास्ता बेहद संकीर्ण था।

गोहिल याद करते हुए बताते हैं, ''मूल बात जो हमें पता होनी चाहिए कि शार्क को बिल्कुल भी नहीं छूना है। यदि आपने किया, तो यह निश्चित रूप से आपको काटेगा और इसे आपके रक्त का स्वाद मिलेगा, और फिर आपको दुनिया को अलविदा कहने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। मुझे एहसास नहीं हुआ, और नृत्य करते समय, मेरा हाथ एक शार्क को छूने वाला था। मेरे कैमेरा पर्सन जो एक्वेरियम के बाहर से शूटिंग कर रहे थे, उन्हें एक हल्का हार्टअटैक लगा। उसने तुरंत मुझे रुकने और बाहर आने का इशारा किया। जब मैंने बाहर आया तो उसने मुझे उस गलती की फुटेज दिखाई जो मैं करने वाला था।'' इसने निश्चित रूप से गोहिल में शो को छोड़ने और वापस जाने का प्रबल भाव उत्पन्न किया, लेकिन वह जानते थे कि यह काम करने का पेशेवर तरीका नहीं था। '' मैंने इसे पूरा किया और धीरे-धीरे मेरा डर भी दूर हो गया। मैंने छह दिनों के लिए एक दिन में चार 15 मिनट के शो किए। '' गोहिल, जो प्रतिष्ठित बहुभाषी पॉप-लोक बैंड ' व्हेन चाई मेट टोस्ट' के सहयोग से एंड फ्लिक्स के संगीत वीडियो ऑसम इन डिसगाइज में काम कर रहे हैं आपको बताते हैं। गोहिल वीडियो का हिस्सा बनकर और अपने काम को और अधिक पहचान पाते देखकर खुश और बेहत उत्साहित हैं।

लोकप्रिय तमिल कॉमेडियन विवेक का निधन, पुलिस सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

चेन्नई। लोकप्रिय तमिल अभिनेता विवेक का यहां शनिवार को निधन हो गया। अभिनय के अलावा उन्हें सामाजिक कार्यों में भाग लेने और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए जाना जाता था।

एसआईएमएस अस्पताल के वाइस प्रेजिडेंट डॉ राजू शिवसामी ने बताया कि 59 वर्षीय अभिनेता का तड़के निधन हो गया।

इस बीच, सरकार ने कहा कि फिल्म जगत और सामाजिक कार्यों में योगदान देने के लिए विवेक का अंतिम संस्कार पुलिस सम्मान के साथ किया जाएगा।

दिवंगत अभिनेता के परिवार में उनकी पत्नी, और दो बेटियां हैं। कुछ साल पहले विवेक के किशोर बेटे का निधन हो गया था।

शुक्रवार को अभिनेता को दिल का दौरा पड़ा जिसके बाद उनके परिजन उन्हें अचेत अवस्था में अस्पताल लेकर आए थे। प्रख्यात कॉमेडियन विवेक ने दो सौ से अधिक फिल्मों में काम किया था और उन्हें पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए जाना जाता था। पद्मश्री से सम्मानित अभिनेता ने अपने करियर में रजनीकांत, विजय और अजित कुमार जैसे कलाकारों के साथ काम किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी, द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन, रजनीकांत, मक्कल नीधि मय्यम के नेता कमल हासन समेत कई नामचीन हस्तियों ने विवेक के निधन पर शोक प्रकट किया। पलानीस्वामी ने कहा, वह युवाओं के लिए आदर्श थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में विवेक ने सरकार की पहल का पुरजोर समर्थन किया था और प्लास्टिक के इस्तेमाल पर लगाम लगाने की दिशा में काम किया था।

उन्होंने कहा कि विवेक पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के बड़े प्रशंसक थे और ग्रीन कलाम पहल के तहत उन्होंने एक करोड़ पौधे लगाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

हैरी पॉटर और पीकी ब्लाइंडर्स की अभिनेत्री हेलेन मैकक्रोरी नहीं रहीं

लंदन। लोकप्रिय फिल्म हैरी पॉटर और पीकी ब्लाइंडर्स सीरीज में काम कर चुकी ब्रिटिश अभिनेत्री हेलेन मैकक्रोरी का 52 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके पति डेमियन लेविस ने ट्विटर पर इसकी पुष्टि की। लेविस ने शुक्रवार को लिखी पोस्ट में कहा कि अभिनेत्री को कैंसर था। उन्होंने कहा, दुखद सूचना है कि कैंसर से जूझते हुए खूबसूरत और जीवट हेलेन मैकक्रोरी का घर पर निधन हो गया। उनके दोस्त और परिजन का प्रेम उनके साथ है। हैरी पॉटर की लेखिका जे के रॉलिंग ने भी मकक्रोरी के निधन पर ट्विटर पर शोक व्यक्त किया।

18 अप्रैल : आजादी का अर्थ समझाने वाले तात्या टोपे का बलिदान दिवस

नई दिल्ली। देश में आजादी का बिगुल फूंकने वाले कई बड़े नामों में एक और नाम तात्या टोपे का भी है, जिन्होंने देश में न सिर्फ 1857 में स्वतंत्रता संग्राम की नींव रखी बल्कि पूरे देश में आजादी की चेतना का सूत्रपात किया और गुलामी को अपनी नियती मान चुकी पूरे देश की जनता को यह बताया कि आजादी क्या होती है और उसे हासिल करना कितना जरूरी है। बहुत कम लोगों को मालूम है कि तात्या टोपे का असली नाम रामचंद्र रघुनाथ टोपे था। इसके अलावा देश और दुनिया के इतिहास में 18 अप्रैल के दिन कई महत्वपूर्ण घटनाएं हुईं. जिनमें जाने-माने वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का निधन शामिल है।

सोनू सूद कोविड-19 से संक्रमित कैटरीना कैफ संक्रमण मुक्त हुईं

मुंबई। अभिनेता सोनू सूद ने शनिवार को कहा कि उनकी जांच में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है और फिलहाल वह पृथक-वास में हैं। सूद ने लगभग 10 दिन पहले कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक ली थी।

वहीं, अभिनेत्री कैटरीना कैफ कोविड-19 संक्रमण से स्वस्थ हो गई हैं। उनकी कोरोना वायरस जांच निगेटिव आई है।

दूसरी ओर, बीमार हुए अभिनेता विनीत कुमार सिंह को अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने दवाएं भेजी, जिसके लिए उन्होंने ट्वीट कर उनका आभार जताया।

सूद ने ट्वीट किया, आपको बताना चाहता हूं कि आज सुबह मेरी जांच में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। एहतियात के तौर पर मैंने खुद को पृथक कर लिया है और सावधानी बरत रहा हूं। उन्होंने कहा, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। मेरे पास आपकी समस्याओं का निदान करने के लिए पर्याप्त समय है। याद रखें मैं आप सबके लिए हमेशा उपलब्ध हूं।

सूद ने सात अप्रैल को कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक ली थी।

वहीं, अभिनेत्री कैटरीना कैफ (37) ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा कि वह कोविड-19 से 10 दिन तक पीड़ित रहने बाद अब ठीक हो गई हैं और उनकी जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है।

अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने लिखा, निगेटिव। जिन्होंने भी मेरी सुध ली उन्हें धन्यवाद।

उधर, बॉलीवुड के एक अन्य अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने दवाएं भेजने के लिए शनिवार को पंकज त्रिपाठी को धन्यवाद दिया।

इससे पहले सिंह ने ट्वीट कर जानकारी दी थी कि उनके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य ठीक नहीं है।

गैंग्स ऑफ वासेपुर और मुक्केबाज में अभिनय कर चुके सिंह इस समय वाराणसी में हैं। उन्होंने देश में कोविड-19 के मामले बढ़ने को लेकर प्रशासन पर निशाना साधा।

उन्होंने ट्वीट किया, मैं बनारस में हूं। बाजार में दवा (फेबि फ्लू) नहीं मिल रही है। निजी लैब कोविड टेस्ट करने को पांच दिन से असमर्थ हैं। बीमार को क्या दूं? आपके वादे या आपके अपार भीड़ वाली रैली की वीडियो? जो आप लोग लगातार पोस्ट कर रहे हैं? धिक्कार है। स्वार्थ अंधा बना देता है। जागें,आम आदमी दम तोड़ रहा है।

इस ट्वीट के कुछ घंटों बाद सिंह ने लिखा कि वह और उनके परिवार के सदस्य तथा दोस्त अस्वस्थ हैं। सिंह ने इसकी पुष्टि नहीं की, कि उन्हें कोविड-19 के लक्षण हैं या नहीं। अभिनेता ने दवाएं भेजने के लिए त्रिपाठी को धन्यवाद दिया और कहा कि गैंग्स ऑफ वासेपुर में जहां उनके किरदार को त्रिपाठी का किरदार मार डालता है, वहीं असल जिंदगी में त्रिपाठी ने उनकी जान बचाई। उन्होंने लिखा जिन लोगों को संदेह है, मेरे परिवार के कुछ सदस्य बीमार, मित्र बीमार हैं। यहां तक कि मैं भी बीमार हूं। हमें दवा प्राप्त हुई है। शुक्रिया, भाई पंकज त्रिपाठी।

मनीष मल्होत्रा एवं सुमित व्यास कोविड-19 से संक्रमित हुए

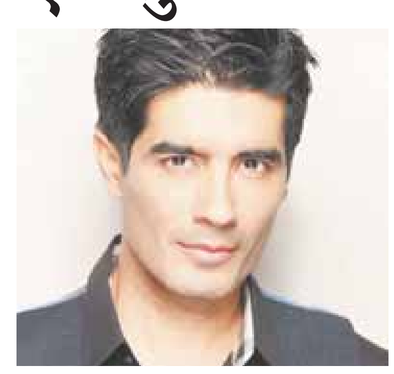

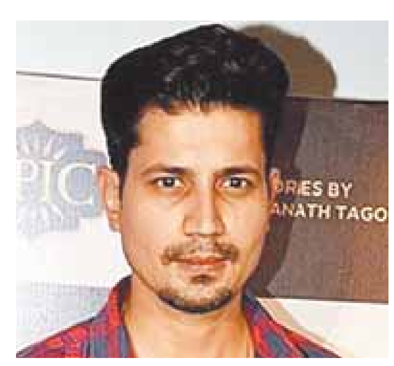

मुम्बई। फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा और अभिनेता सुमित व्यास कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं और वे फिलहाल घर में पृथक-वास में हैं। मल्होत्रा (54) ने इस्टाग्राम पर लिखा, जांच में मैं कोविड-19 से संक्रमित पाया गया हूं। मैंने तत्काल अपने आप को अलग-थलग कर लिया और मै पृथक-वास में रहूंगा। मैं अपने डॉक्टरों की सलाह पर सभी सुरक्षा नियमों का पालन कर रहा हूं। सुरक्षित रहिए और अपना ख्याल रखिए। व्यास (37) ने इंस्टाग्राम पर बताया कि उन्हें कोविड-19 के हल्के लक्षण हैं। उन्होंने लिखा, मैं सभी जरूरी एहतियात बरत रहा हूं, अपने डॉक्टरों द्वारा बताई गई दवाइयां ले रहा हूं और घर में पृथक-वास कर रहा हूं। उन्होंने लिखा, वैसे मुझमें बहुत कम लक्षण हैं लेकिन मैं उन लोगों से जांच कराने का अनुरोध करूंगा जो पिछले कुछ दिनों के दौरान मेरे संपर्क में आए। शुक्रवार को मुम्बई में कोविड-19 के 8839 नए मरीज सामने आए और शहर में इस महामारी के मामले बढ़कर 5,61,998 हो गए।

सैन्य बैंड के साथ निकली प्रिंस फिलिप की शवयात्रा

विंडसर (ब्रिटेन)। प्रिंस फिलिप की शवयात्रा सैन्य बैंड के साथ शुरू हो गई है और उनका ताबूत विंडसर कैसल के स्टेट एंट्रेंस से बाहर आ चुका है जिसे एक विशेष लैंड रोवर पर रखा जा रहा है। सेंट जॉर्ज चैपल तक अंत्एष्टि जुलूस की अवधि आठ मिनट होगी। सेना के वरिष्ठ कमांडर वाहन के सामने कतारबद्ध हैं और पीछे राजपरिवार के सदस्य हैं। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय जुलूस के पीछे राजकीय बेंटले कार में सवार होंगी।

ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग प्रिंस फिलिप के शाही औपचारिक अंतिम संस्कार के दौरान खुद उनके द्वारा चुने गए भजनों और पाठों को शामिल किया जाएगा जो उनकी पत्नी महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, ब्रिटेन और राष्ट्रमंडल की सेवा में उनकी अटूट निष्ठा को दर्शाते हैं। शनिवार को स्थानीय समयानुसार अपराह्न तीन बजे एक मिनट के राष्ट्रीय मौन के साथ आधिकारिक रूप से विंडसर कैसल के सेंट जॉर्ज चैपल में आधिकारिक रूप से शुरू हुआ यह समारोह बिना किसी उपदेश के धार्मिक होगा जैसे का खुद ड्यूक ने चाहा था। बीते शुक्रवार 99 साल की अवस्था में उनका निधन हो गया था। बकिंघम पैलेस ने शनिवार को एक बयान में कहा, अंतिम संस्कार की व्यवस्था पर अपने जीवनकाल में ही ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग ने सहमति जताई थी जिसमें ड्यूक के सैन्य प्रभाव व व्यक्तित्व की झलक मिलती है। इस मौके पर विंडसर के डीन कहेंगे : हम साहस, भाग्य और विश्वास के जरिए हमारी महारानी, राष्ट्र और राष्ट्रमंडल की सेवा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा से प्रेरित हैं। महारानी ने अपने दिन की शुरुआत स्कॉटलैंड में अपने दिवंगत पति के बगल में घास पर बैठे हुए ली गई एक तस्वीर जारी कर की। महारानी (94) की 73 साल पहले फिलिप से शादी हुई थी और महारानी ने उन्हें अपनी ताकत व ठहराव करार दिया था। शाही परिवार का कोई भी सदस्य अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में ड्यूक के बारे में कुछ नहीं कहेगा और समूचे कार्यक्रम में सिर्फ 30 लोग शामिल होंगे और वे मास्क लगाने के साथ ही सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करेंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन भी हजारों अन्य लोगों की तरह टीवी पर यह कार्यक्रम देखेंगे। इस बीच एपी की खबर के मुताबिक प्फिलिप के ताबूत को विंडसर कैसल में शाही परिवार के निजी चैपल से कैसल के इनर हॉल ले जाया गया है। शाही अधिकारियों ने बताया कि ताबूत पर फिलिप की रॉयल नौसेना की टोपी और तलवार पुष्प चक्र के साथ रखी थी। सेना की ग्रेनेडियर्स गार्ड रेजिमेंट के जवानों का दस्ता उनके ताबूत को हॉल में लेकर आया।ताबूत को विशेष रूप से डिजाइल की गई लैड रोवर से सेंट जॉर्ज चैपल लेकर जाया जाएगा जहां फिलिप के शव को दफनाया जाएगा। शाही परिवार ने कवि सिमोन आर्मिटेज की एक कविता पर संयोजित फिलिप की तस्वीरों का एक संग्रथन (मोंटाज) भी जारी किया।